CATALOGUE

OF

SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVT. ORIENTAL LIBRARY, MYSORE



मैसूरु राजकीय प्राच्यकोशागारस्थ लिखित संस्कृत पुस्तकप्रदर्शिनी



MYSORE:

PRINTED AT THE GOVERNMENT BRANCH PRESS
1922

विषयसूचिका.

CATALOGUE OF SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVT. ORIENTAL LIBRARY, MYSORE

लिखितसंस्कृतग्रन्थनामावलिः.

I वेदः.

(1) संहिता.

ऋक्संहितापदपाठः.

(C 162) दे. 102, 94, 102, 70, 69, 71, 56, 59 पत्राणि द्वितीयाष्टकमारभ्य अष्टमाष्टके चतुर्थाध्यायान्तः.

(C 459) दे. 62, 66, 65 पत्राणि 1, 2, 4, 6, 7 अष्टकानि.

ऋक्संहिताभाष्यम्. वेदार्थप्रकाशाख्यं सायणमाधवीयम्.

(C 341) दे. 84 प. प्रथमाष्टके द्वितीयोऽध्यायः.

(C 458) दे. आ. 9, 24 प. षष्ठाष्टके सप्तमोऽध्यायः, अष्टमाष्टके पञ्चमोऽध्यायश्च.

तैत्तिरीयसंहिता.

(1037) ग्र. 196 प. समग्रा.

(4272) ग्र. 312 प. आदितः पञ्च काण्डाः.

(1585) ग्र. 235 प. ,,

(2684) ना 69 प.

(C 863) दे. 436 प. द्वितीयकाण्डवर्जम्.

(837) ग्र. 160 प. पदपाठः आदितः त्रयः काण्डाः.

(688) ना. 196 प. पदपाठः सप्तमकाण्डे प्रथमप्रश्नपर्यन्तः.

(2683) आ. 176 प. ,,

(C 862) दे. 641 प. ,, पञ्चमकाण्डवर्जम्.

तैत्तिरीयसंहिताभाष्यम् भट्टभास्करविरचितं ज्ञानयज्ञाख्यम्.

(473) आ. 74 प. 1 मकाण्डे 4 र्थप्रश्ने 23 मानुवाकान्तम.

(A 2) आ. 236 प. 1 मः काण्डः.

(1013) ग्र. 445 प. 1, 2 काण्डौ.

(A 3) आ. 107 प. 2 यः काण्डः.

(A 4) क. 126 प. 3 यः काण्डः.

(1344) आ. 26-106 प. रुद्रभाष्यम्.

(573) ग्र. 46 प. नमकचमकभाष्यम्.

(A 5) आ. 127-214 प. 5 मः काण्डः.

(A 6) आ. 93 प. षष्ठः काण्डः.

(1162) आ. 97 प. षष्ठः काण्डः.

(427) ग्र. 159 प. 6-7 काण्डौ.

(673) आ. 61 प. 6-7 काण्डौ.

(A 7) आ. 78 प. 7 मः काण्डः.

(B 761) आ. 76 प. 1 मे 5-6 प्रश्नौ.

(2356) ग्र. 65 प. 5 मे 4 र्थ प्रश्नतः षष्ठ काण्डसमाप्त्यन्तम्.

(3277) ग्र. 29 प. सप्तमे 4-5 प्रश्नौ.

तैत्तिरीयसंहिताभाष्यम्. (सायणमाधवीयम्.)

(1559) आ. 153 प. आदितः 1म काण्डे 2य प्रश्ने 3 यानुवाकपर्यन्तं.

(134) आ. 97-117 प. 1 म काण्डे 8 मः प्रश्नः.

(120) आ. 97-187 प. 2 य काण्डे 1-5 प्रश्नाः.

(925) आ. 17 प. 2 य काण्डे 5 म प्रश्ने 10 मानुवाकादि षष्ठ प्रश्ने एकादशानुवाकान्तम्.

(96) आ. 54 प. 3 यः काण्डः 2 य प्रश्ने 9 मानुवाकान्तः.

(1152) आ. 203 प. 4 र्थः काण्डः.

(573) ग्र. 28 प. नमकचमकभाष्यम्.

(110) ना 23, 20 प. रुद्रभाष्यम्.

(1121) ना 250 प. 4 र्थकाण्डे 5 म प्रश्नादारभ्य षष्ठ काण्डं विना आऽन्तम्.

(A 175) क. 129 प. 7 मः काण्डः.

(3465) ग्र. 371 प. प्रथमे 1-4 प्रश्नाः.

शुक्लयजुस्संहिता (काण्वपाठः).

(3325) ग्र. 178 प. समग्रा.

सामसंहिता.

(835) ग्र. 181 प. समग्रा.

(396) ना. 97 प. गानरूपा. आदितः 5 माध्याये 15 सामपर्यन्ता.

(1694) ग्र. 134 प. ऊहसमाप्त्यन्ता.

(334) ना. 17 प. 4 र्थाध्याये षष्ठ खण्डप्रभृति 5 माध्यायपर्यन्तम्.

(334) ना. 59 प. पदपाठः समग्रः.

(1969) ना. 292 प. पदपाठः समग्रः.

(1646) ना. 204-289 प. पदपाठः असमग्रः.

(1964) ना. 198 प. ,, ,,

(365) ना. 204 प. ऊहे 2 य पर्वप्रभृति 7 म पर्वान्तम्.

(334) ना. 43 प. सामारण्यकं गानरूपं समग्रम्.

(2086) ग्र. 212-302 प. ,,

(334) ना. 4 प. सामरहस्यम्. प्रथमपर्वणि 13 सामानि.

(2478) ना. 71 प. ,,

(1943) ना. 54 प. ,, षट्पर्वाणि.

(2485) ना. 40 प. छन्द आर्चिकम्.

(3243) ग्र. 221 प. ,,

(3991) ना. 195 प. ,,

(2485) ना. 80-124 प. संहितागानम्.

(2489) ना. 257 प. ऊहः.

(2572) ना. 139 प. सायणाचार्यविरचितं भाष्यम् 5 अध्यायाः.

(2975) ना. 35 + 11—52 प. भरतस्वामिविरचितं सामवेदभाष्यम्.

(A 234) दे. 60 प. ,, महानाम्नी समग्रा.

(3234) ग्र. 323 प. (अत्र—प्रकृतिः विकृतिः ऊहः रहस्यं चास्ति).

(2) ब्राह्मणम्.

आर्षेयब्राह्मणम्.

(1970) ना. 57—74 प

(2479) ना. 77—88 प.

(3007) ग्र. 136—144 प.

(3647) ग्र. 45 - 60 प.

(A 312) ग्र. 48 प. भट्टभास्करमिश्रीयं आर्षेयदीपाख्यं भाष्यम्.

ऐतरेयब्राह्मणम्.

(4309) ना. 151 प.

(C 173) दे. 34, 42, 44, 34, 43, 35, 32, 30 प. समग्रम्.

(C 460) दे. 29, 29, 21, 25, 28, 27, 27, 43. प. 2, 6—8 पञ्चिकाः.

(53) ना. 27 – 41 प.

(1916) ना. 58 प. 22—23 अध्यायौ.

(4230) ना. 210 प. समग्रम्.

ऐतरेयब्राह्मणभाष्यम्. वेदार्थप्रकाशाख्यं, सायणमाधवीयम्.

(B 2) आ. 114 प. 1 म पञ्चिका.

(413) आ. 168 प. 1म पञ्चिकायां 3 अ 3 खण्डमारभ्य 3 पं 3 अ 12 खण्डपर्यन्तम्.

(A 1) आ. 102 प. 2 य पञ्चिका.

(B 3) आ. 110 प. 4 र्थ पञ्चिका.

(B 4) आ. 158 प. षष्ठ ,,

(B 5) आ. 74 प. 7 म ,,

(B 6) आ. 76 प. 8 म ,,

गोपथब्राह्मणम्.

(3333) प्र. 48-135 प.

जैमिनीयब्राह्मणम्. (तलवकारब्राह्मणम्.)

(3320) प्र. 106 प. समग्रम्

(3321) प्र. 65 प. ,,

(A 468) आ. 257 प. ,,

ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्.

(1670) प्र. 119 प.

(1959) ना. 125 प.

(2479) ना. 96-222 प.

(1946) ना. 63 प. 2-3 पञ्चिके.

(3007) प्र. 109 प.

(C 831) ना. 62 + 128 प. नारायणाचार्यभाष्ययुतम्.

(3647) ग्र. 21 + 29 प. सायणमाधवीयभाष्योपेतम्.

तैत्तिरीयब्राह्मणम्.

(1413) आ. 152 प समग्रम्.

(1520) ग्र. 96 प. 1 मः काण्डः. द्वितीये 1-2 प्रश्नौ च.

(1511) ग्र. 63 प. 2 यः ,,

(574) ग्र. 75 प. ,, ,,

(1703) ग्र. 103 प. 3 यः ,,

(1519) ग्र. 118 प. ,, ,,

(1448) आ. 61 प. तृतीये 1-9 प्रपाठकाः.

(C 864) दे. 372 प.

(2681) ना 77 प.

(4274) ग्र. 264 प. समग्रम्.

तैत्तिरीयब्राह्मणभाष्यम्. (भट्टभास्करीयं ज्ञानयज्ञाख्यम्.)

(710) आ. 3, 22-45, 10-21, 6, 108-109, 28, 38, 46, 107 प. 1 म काण्डे 1 म प्रश्ने, 1 मानुवाकः.

2 यानुवाकमारभ्य समग्रः.

2 यः प्रश्नः 1 मानुवाके 112 वाक्यैर्विना समग्रः.

4 र्थ प्रश्ने 8 मानुवाकः.

2 य काण्डे 5 म प्रश्ने 8 मानुवाके कश्चिद्भागः.

3 य काण्डे 2, 3 प्रश्नौ समग्रौ.

,, 5, 6 ,, ,,

,, 7 म प्रपाठकस्समग्रः.

(A 8) आ. 136 प. 1 मः काण्डः.

(135) आ. 116, 28 प. 1-2 काण्डौ. द्वितीयकाण्डे 4 र्थ प्रपाठके 4 र्थानुवाकपर्यन्तम.

(A 178) आ. 32 प. 2य: काण्ड: असमग्र:.

(A 9) आ. 38 प. 3 अष्टके. 1—6 प्रपाठका:.

(134) आ. 67 – 97 प. 3य काण्डे 1, 6, 8, 9, 11, 12 प्रपाठका:.

(A 10) आ. 39—89 प. 3 काण्डे 7—9 प्रपाठका:.

(A 11) आ. 30 प. 3 काण्डे 10—12 ,,

(2652) प्र. 72 प. 3ये अष्टके 5 प्रश्ना:.

(3107) प्र. 69—75 प. तृतीयाष्टके चतुर्थप्रश्न:.

तैत्तिरीयब्राह्मणभाष्यम्. (सायणमाधवीयम्.)

(1129) ना. 188 प. 2 काण्डे 1—6 प्रश्ना:.

दैवतब्राह्मणम्.

(53) ना. 42—43 प.

(1970) ना. 75—77 प.

(2497) ना. 88 93 प.

(3647) प्र. 60 – 65 प.

मन्त्रब्राह्मणम्.

(1937) ना. 14—24 प.

(1945) ना. 74—88 प.

(1976) ना. 116 प. माधवीयभाष्यसहितम्.

(668) ना. 73—109 प. ,, आदित: 2य प्रपाठके षष्ठ खण्डसमाप्तपर्यन्तत्.

(B 872) क. 109 प. ,,

(3157) प्र. 92 प. ,,

वंशब्राह्मणम्.

(2497) ना. 93—96 प.

(3647) ग्र. 65 – 68 प.

शतपथब्राह्मणम्. काण्वशाखीयम्.

(C 98—99) आ.

काण्ड	पत्रसं.	काण्ड	पत्रसं.
हविर्यज्ञ	90	चिति	57.
उद्धारि	27	साचिति	91.
अध्वर	128	अग्निरहस्य	55.
ग्रह	95	अष्टाध्यायि	48.
वाजपेय	26	मध्यम	64.
राजसूय	56	अश्वमेघ	57.
उखासंभरण	71	प्रवर्ग्य	29.
हस्तिघट	56	बृहदारण्य	85.

(149) ग्र. 318 प. हव्यवाह-संभार-उद्धारि-अध्वर-ग्रहकाण्डाः.

(A 13) आ. 132 प. हविर्यज्ञ-एकपात्-उद्धारिकाण्डाः.

(A 14) आ. 90 + 39 प. अध्वर-मध्यमकाण्डौ.

षड्विंशब्राह्मणम्.

(53) ना. 15—25 प. 4र्थाध्यायमारभ्य.

(1670) ग्र. 120 – 136 प.

(1970) ना. 3 प.

(2497) ना. 44—64 प.

(3007) ग्र. 110 – 124 प.

(3647) ग्र. 1—25 प.

संहितोपनिषद्ब्राह्मणम्.

(53) ना. 44— 46 प.

(1970) ना. 78—86 प.

(3007) ग्र. 145—148 प.

सामविधानब्राह्मणम्.

(53) ना. 47—64 प.

(1670) ग्र. 136—148 प. तृतीयप्रपाठकोपक्रमपर्यन्तम्.

(1970) ना. 34—56 प.

(2497) ना. 64—77 प.

(3007) ग्र. 125—135 प.

(3647) ग्र. 26—44 प.

(3) आरण्यकम्.

ऐतरेयारण्यकम्.

(C 174) दे. 70 प. समग्रम्.

(C 849) दे. 64 प.

(2358) ग्र. 28 प. 3 आरण्यकानि.

(B 7) दे. 82 प. सायणीयभाष्ययुतम्. 1मारण्यके 4 अध्यायाः.

तैत्तिरीयारण्यकम्.

(1448) आ. 27—64 प. 1—2, 6 प्रश्नैर्विना समग्रं, उपनिषच्च.

(1700) ग्र. 43 प. 3, 5, 6, 7 प्रश्नाः.

(1525) ग्र. 107 प. उपनिषच्च. समग्रम्.

(1674) ग्र 118 प. समग्रम्.

(1055) आ. 75 प. ,,

(863) क. 64—68 प. पुरुषसूक्तम्.

(C 193) दे. 55 प. तृतीयः प्रश्नः, उपनिषच्च.

(C 864) दे. 118 प.

(1835) ग्र. 99 प.

(2684) ना. 78—105 प.

(4379) ना. 35 प.

तैत्तिरीयारण्यकभाष्यम् (भट्टभास्करीयम् ज्ञानयज्ञाख्यम्).

(A 12) आ. 151 प. समग्रम्.

(A 277) ग्र. 170 प. आदितः अष्टमप्रश्नेदशमानुवाकसमाप्तयन्तम्.

तैत्तिरीयारण्यकभाष्यम् (सायणमाधवीयम्).

(1040) आ. 209 प. याज्ञिक्युपनिषत्समाप्तयन्तम्. मध्ये मध्ये विच्छिन्नम्

(1261) आ. 42 प. चतुर्थः प्रश्नः.

(1819) आ. 37 प. प्रवर्ग्यमन्त्रब्राह्मणभागः.

(1796) ना. 68—71 प. पुरुषसूक्तम्.

(4) उपनिषदः.

अमृतबिन्द्वाद्युपनिषदः.

(1643) ना. 10 प. अमृतबिन्दु-हंस-अमृतनाद-ब्रह्म-कैवल्योपनिषदः.

आचमनीयोपनिषत्.

(C 696) दे. 1 प.

ईशावास्यादयः दशोपनिषदः.

(1958) ना. 74 प.

ऊर्ध्वपुण्ड्राद्युपनिषदः.

(B 927) आ. 20—30 प. (अत्र ऊर्ध्वपुण्ड्र चक्र-वराह-गरुड-गर्भ-अमृतबिन्दु-अमृतनाद-ध्यानबिन्दु-योग-उत्तरगीतास्सन्ति.)

(B 123) दे. 3, 7, 2, 2, 4, 2 प. अत्र ऊर्ध्वपुण्ड्र-महाचक्र प्रणव-श्वेतमृत्स्ना-आश्रम-लघुचक्र-उपनिषदः.

कलिसंतारणोपनिषत्.

(2367) ग्र. 7 प.

कैवल्याद्युपनिषदः.

(C 461) दे. 99—110 प. कैवल्य-गरुड-वासुदेव-कालाग्निरुद्रोपनिषदः.

(2347) प्र. 26 प. अत्र कैवल्य-श्वेताश्वतर-नारायण अथर्वशिरः-अथर्वशिखा-कालाग्निरुद्रोपनिषदः वर्तन्ते.

गणपत्युपनिषत्.

(B 279) प्र. 3 प.

(C 461) दे. 149—152 प.

गरुडोपनिषत्.

(B 664) क. 58—62 प.

गायत्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 40—46 प.

छान्दोग्याद्युपनिषदः.

(1468) आ. 56,4 प. छान्दोग्य-सुबाल-गरुड-मह-सुदर्शनोपनिषदः.

छान्दोग्योपनिषत्.

(2497) ना. 44 प.

जाबालोपनिषत्.

(B 913) प्र. 55 प.

तलवकारोपनिषत्.

(3121) प्र. 65 प.

तैत्तिरीयोपनिषत्.

(4380) ना. 71 प.

त्रिपुरातापिन्युपनिषत्.

(B 271) म. 245—249 प.

(B 636) ना. 8 प.

देव्युपनिषत्.

(B 281) म. 124—132 प.

(B 664) क. 46—48 प.

द्रमिडोपनिषत्.

(545) क. 4 प.

द्वयोपनिषत्.

(B 545) क. 5-6 प.

नारायणोपनिषत्.

(863 क. 16—23, 63—64 प.

निरालम्बोपनिषत्.

(C 1507) दे. 3 प.

नृसिंहतापिनी (शंकराचार्यभाष्योपेता.)

(C 1727) ग्र. 12+65+100 प.

परमरहस्य शिवतत्त्वोपनिषत्. (अथर्ववेदीयकाषेयशाखान्तर्गता.)

(114) ना. 40—41 प.

परमहंसार्यक्षुपनिषदः.

(1533) आ. 8—27 प. (6 उपनिषदः) ?

प्रणवोपनिषत्.

(B 159) क. 10 प. तत्कल्पश्च ओंकारयोगाख्यः.

ब्रह्मकैवल्याद्युपनिषदः.

(1973) ना. 163—322 प. (अत्र—ब्रह्म कैवल्य जाबाल श्वेताश्वतर परमहंस अरुण गर्भ नारायण हस अमृतबिन्दु अमृतनाद अथर्वशिखा अथर्वशिरः मैत्रायण नृसिंहपूर्वोत्तर रामपूर्वोत्तर कालाग्निरुद्र सुबालोपनिषदः 18.)

ब्रह्म-लघु-जाबालाद्युपनिषदः.

(3621) ग्र. 60—75+70 प.

मठाम्नायपञ्चीकरणोपनिषत्.

(B 230) क. 4—5 प.

मन्त्रविवरणाद्युपनिषदः.

(115) आ. 11—28 प. 21—23 पत्राणि लुप्तानि अत्र मन्त्रविवरण-यन्त्रविवरण-आनन्दनाम्नी-भावनोपनिषदः.

मुक्तिकश्वेताश्वतरोपनिषदौ.

(C 1516) आ. 8 + 12 प.

राजराजेश्वर्युपनिषत्.

(B 330) म. 1 प.

रामतापिनी.

(1541) ना. 16 प.

रामपूर्वोत्तरतापिन्युपनिषदौ.

(C 248) ना. 13-44 प.

रुद्राक्षाद्युपनिषदः.

(667) ना. 22-55 प. अत्र रुद्राक्ष-कालाग्निरुद्र-रामपूर्वतापिनी-रामोत्तर-तापिन्युपनिषदः.

वासुदेवोपनिषत्.

(B 309) आ. 2 प.

शाण्डिल्याद्युपनिषदः

(4136) आ. 60 प.

श्रीचक्रोपनिषत्.

(B 677) ना. 6 प.

श्वेताश्वतराथर्वशिरोऽथर्वशिखोपनिषदः.

(C 1514) आ. 15 प.

सरस्वतीरहस्योपनिषत्.

(677) ना. 6 प.

सरस्वती-वराह-कालाग्निरुद्रोपनिषदः.

(C 1512) आ. 13 प.

साङ्ख्यायनीयाद्युपनिषदः.

(3581) आ. 52 प. (33 उपनिषदः).

सावित्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 49—50 प.

सुदर्शनाद्युपनिषदः.

(1682) प्र. 7, 38—187, 6 प. अत्र सुदर्शन द्वय दीपशिखा परमहंस ब्रह्मविद्या शारीरक ब्रह्म अध्यात्म कौषीतकी मैत्रायणी बृहदारण्य ब्रह्म कालाग्निरुद्र वासुदेव ईशावास्योपनिषदः.

सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषत्.

(B 664) क. 50—54 प.

सौभाग्यविद्यात्रिपुरोपनिषत्.

(B 664) क. 39 प.

स्वप्रकाशाद्युपनिषदः.

(B 214) क. 22—61 प. अत्र स्वप्रकाश रहस्य काल श्रुतिरहस्य श्रीराम प्रणव शरीर प्रसादजाबाल चिदम्बर पिप्पल वेदान्तसार सिद्धान्तशिखा भक्तियोग निर्लेप उपनिषदः.

(5) मन्त्रसंग्रहः, भाष्यं च.

'अग्नेयशस्विन्' इति मन्त्रार्थः.

(666) ना. 1 प.

आश्वलायन गृह्यमन्त्रसंहिता (हरदत्तीय व्याख्यायुता).

(B 9) आ. 143 प.

ऋक्सन्ध्याभाष्यम्.

(2437) ना. 4—26 प. वेंकटकृष्णकृतम्.

(B 746) दे. 37 प. कृष्णकृतम्.

(3096) क. 71 प.

(C 631) दे. 24 प.

ऋगर्थदीपिका, वेंकटार्यतनय माधवार्यरचिता.

(B 1) क. 163 प. प्रथमाष्टकम्.

एकाग्निकाण्डः मन्त्रप्रश्नः.

(919) आ. 8 प. द्वितीयप्रश्ने 15-22 खण्डाः.

(1474) आ. 13 प. प्रथमप्रश्नः, द्वितीये 1-15 खण्डाः.

(1511) प्र. 25 प. समग्रम्.

(1703) प्र. 124-141 प.

(2285) प्र. 71 प.

(650) आ. 73 प. हरदत्तव्याख्यासहितः समग्रः.

(1039) आ. 86 प. ,, ,,

(137) आ. 55 प. ,, ,,

(601) प्र. 56 प. ,, ,,

(1452) आ. 51, 29 प. ,, ,,

(B 10) आ. 31 प. व्याख्यानमात्रम्. 2यप्रश्ने 15खण्डमारभ्य आन्तम्.

(1932) ना. 79—116 प. ,,

(2283) प्र. 71—105 प. ,,

(2746) आ. 94 प. ,,

(2339) प्र. 35 प. ,,

(2388) आ. 80 प. ,,

(3107) प्र. 69 प. ,,

काळीसूक्तम्.

(2349) ग्र. 5—6 प.

कूश्माण्डहोममन्त्रव्याख्या.

(2283) ग्र. 56 - 61 प.

खादिरगृह्यमन्त्रपर्व.

(67) ना. 162 - 176 प.

गणहोममन्त्रव्याख्या.

(2283) ग्र. 61—68 प.

गायत्रीभाष्यम्. शंकराचार्यकृतम्.

(C 696) दे. 3 प.

गायत्रीविवरणम्.

(1684) ग्र. 10 प.

दुर्गासूक्तम्.

(2349) ग्र. 79-80 प.

देवीसूक्तम्.

(B 676) ना. 17 प.

(2510) ना. 17-29 प.

(2349) ग्र. 3 प.

'नवोनवो भवति' इतिमन्त्रार्थः.

(903) ना. 2 प.

पावमानसूक्तम्.

(2510) ना. 8-17 प.

पारस्करगृह्यमन्त्रभाष्यम्. मुरारिमिश्रीयम्.

(B 831) दे. 122 प.

पुरुषसूक्तभाष्यं माधवीयम्.

(1796) ना. 68—71 प.

(B 925) आ. 58 प. रङ्गनाथसूरिकृतम्.

(C 1354) आ. 39 प. ,,

पुरुषसूक्तव्याख्या.

(3107) ग्र. 76—82 प.

(3631) आ. 15 प.

भूसूक्तम्.

(2349) ग्र. 79—80 प.

मन्युसूक्तारोहणावरोहणादिविधिः.

(292) ना. 5 प.

मन्त्ररामायणम्, नीलकण्ठभट्टकृतं मन्त्ररहस्यप्रकाशिकाख्यव्याख्यया सहितम्.

(C 535) दे. 33 प.

(C 814) दे. 66 प.

मन्त्रसंग्रहः.

(4280) ग्र. 16+42 प.

मन्त्रसंहिता वैखानसीया.

(1359) ग्र. 58 प.

(A 297) आ. 169 प.

महान्यासः.

(4377) ना. 56 प.

लक्ष्मीसूक्तम्.

(2349) ग्र. 3—5 प.

वास्तोष्पत्यादिसूक्तानि.

(905) ना. 8 प.

शान्तिसूक्तम्.

(2743) आ 18 प.

श्रीरुद्रभाष्यं. माधवीयम्.

(1796) ना. 60—67 प.

(2283) ग्र. 17 प.

(1817) आ. 34 प. वेंकटनाथकृतम्.

श्रीसूक्तभाष्यम्.

(1452) आ. 52—54 प.

(B 660) दे. 6 प.

(2349) ग्र. 6—16 प.

(4114) ग्र. 7 प.

श्रीसूक्तविवरणम्.

(C 76) दे. 3 प.

सन्ध्यावन्दनम्

(C 624) आ. 7 प.

(C 626) दे. 35 प.

सन्ध्यावन्दनमन्त्रभाष्यम्.

(802) ग्र. 40 प. शंकराचार्यविरचितम्.

(1362) ग्र. 26 प. ,,

(B 138) आ. 28 प. ,,

(3427) ग्र. 62 प. ,,

(384) ना. 8 प. विद्यारण्यविरचितम्.

(743) आ. 10 प. कूरनारायणविरचितम् समग्रम्. 7मं पत्रं नास्ति.

(930) ग्र. 6 प. शठकोपमुनिविरचितम्. असमग्रम्.

(B 753) प्र. 53 प. सुदर्शनाचार्यकृतम्.
(674) ना. 372—377 प. तिरुमलदीक्षितविरचितम्.
(B 922) क. 251 पु. वासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितम्.
(511) प्र. 8 प. नारायणमुनिविरचितम्.
(970) आ. 6—14 प. ,,
(1480) आ. 16 प. ,,
(C 253) ना. 19 प. कृष्णपण्डितविरचितम्. समग्रम्.
(C 465) आ. 46 प. ,,
(B 399) आ. 73 प. ,,
(B 683) आ. 15 प. ,, असमग्रम्.
(2509) ना. 40 प. ,, ,,
(1108) ना. 32 प. वेंकटकृष्णाचार्यविरचितम्. द्वैतमतीयम्.
(4001) ना. 23 प. ,,
(B 190) आ. 58 प. हारीतविष्णुभट्टविरचितम्.
(B 229) क. 16 प. ,,
(1462) आ. 53—80 प. हरितान्वयव्यासविरचितम्.
(C 366) क. 108 प. तिम्मणाचार्यविरचितम.
(C 464) आ. 13 प.
(C 1861) दे. 54 प.

सन्ध्यामन्त्रटीका (कर्णाटभाषा).

(A 391) आ. 21—29 प.

सिंहानुवाकभाष्यम्.

(294) आ. 4 प.
(2283) म. 69—70 प,

सूक्तसंग्रहः.

(1299) ना. 108 प.

सोमदीपिका.

(42) आ. 40, 79 प. (सोमयागीयेषु कर्मसु विनियुक्तानां मन्त्राणां विनियोगानुसारेण व्याख्यानं असमग्रम्.)

सोमोत्पत्तिः (वैदिकेतिहासः).

(497) ना. 10—12 प. श्राद्धेतिहासाख्या.

(1388) आ. 6 प. काण्वशाखीया.

(1404) ग्र. 9 प.

(C 33) आ. 7 प.

(738) ना. 4 प.

सौपर्णम् (वैदिकेतिहासः).

(496) ना. 13 प.

II वेदाङ्गम्.

(1) शिक्षा.

आनिङ्ग्यपरिभाषा.

(232) ग्र. 11 प.

(142) आ. 83—103 प. मध्ये आनिङ्ग्यम्.

(640) आ. 13—25 प. मध्ये अनिङ्ग्यशतकम्.

(941) आ. 23—35 प. ,, ,,

(162) आ. 15 प. अनिङ्ग्यव्याख्या.

(972) आ. 13 प. ,,

अन्तर्निर्देशी.

(162) आ. 28—29 प.
(972) आ. 34—35 प.
(232) म. 7 प.
(2262) म. 2 प.
(2265) म. 141—144 प.

अन्तप्रदीपः.

(2262) म. 188—189 प.
(2265) म. 139—140 प.

अन्तप्रदीपिका. श्रीरङ्गार्यविरचिता.

(541) म. 4 प.
(162) आ. 28 तमं प.
(972) आ. 33—34 प.

अन्तादात्तम्.

(997) ना. 6—7 प.

अर्धान्तिकम्.

(2262) म. 1 प.
(B 600) ना. 28—29 प.

अवर्णि.

(232) म. 3 प.
(142) आ. 92—94 प.
(941) आ. 23—35 प. (मध्ये अवर्णि.)
(102) म. 18—51 प. ,,

अवर्णिव्याख्या महाधिपतियज्वविरचिता.

(588) आ. 109—125 प.

(997) ना. 20—29 प.

(1540) आ. 28—39 प.

अष्टविकृतिलक्षणम्. मस्करीयम्.

(A 264) क. 131—135. प.

आरण्यकाशिक्षा.

(285) म. 6 प.

(2748) ना. 13—20 प

(B 855) म. 49—59 प.

(B 861) म. 24 प.

आरण्यकशिक्षाव्याख्या.

(144) आ. 19 प.

आरण्यकसमानम्.

(B 855) म. 38—40 प.

(B 861) म. 3 प.

आरण्यकसमानसन्धिव्याख्या.

(144) आ. 26—29 प.

आरण्यकसामदीपः नागभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 41—60 प.

आवर्णि.

(232) म. 4—8 प. मध्ये आकारप्लुतम्.

(941) आ. 23—35 प. ,,

(640) आ. 13—25 प. ,,

(997) ना. 4 प. ,,

आवार्णिव्याख्या.
(1540) आ. 40—46 पं.
(1702) प्र. 18 – 51 प.

इङ्ग्यम् सरत्नम्.
(142) आ. 87—90. प.
(232) प. 16—17. प.
(997) ना. 8—12. प
(B 600) ना. 30—32 प.

उच्चनीचलक्षणम्.
(1978) ना. 9 प.

उच्चस्वरनिर्णयः.
(232) प्र. 12 प.

उच्चस्वरानिर्णयव्याख्या.
(162) आ. 15—26 प.
(972) आ. 22—31 प.

उच्चोदर्की.
(997) ना. 26—30 प.
(B 855) प्र. 31—32 प.

उच्चोदर्कीभाष्यम्.
(997) ना. 39—44 प.

उत्तरदीर्घविधि.
(232) प्र. 7 प.

उदात्तादिस्वरप्रकरणम्.

(285) ग्र. 4 प.

उपलेखाभाष्यम्.

(A 233) दे. 8 प.

(A 264) क. 135—145 प.

(C 475) दे. 4, 12 प. समग्रम्.

उभयपूर्वोत्तरदीर्घी.

(2262) ग्र. 195—196 प.

(2265) ग्र. 139—140 प.

ऊहदीपः. नागभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 125—204 प.

ऋक्तन्त्रम्.

(A 404) ग्र. 20 पु.

ऋक्पादानुक्रमणिका. शौनकीया.

(B 8) दे. 52 प.

ऋक्प्रातिशाख्यं. शौनकीयम्.

(B 8) दे. 52 प.

(C 846) दे. 10 प.

(2562) ना. 23 प. 19 पटलाः.

ऋक्प्रातिशाख्यपार्षदवृत्तिः.

(C 482) दे. 30 प. 7 पटलाः.

(1660) ना. 16—82 प. अन्ते 79तमे पत्रे ‘ इतिपार्षदवृत्तौ द्विर्वचनपटलस्समाप्तः’ इति वर्तते.

(4224) ना. 173. 15 पटलाः.

(A 230) दे. 89 प. उवटाचार्यविरचिता.

(A 260) क. 112 प.

(A 264) क. 113—121 प.

ऋगनुक्रमणिका परिभाषाव्याख्यानम्.

(C 36) दे. 27 प. 12 खण्डाः.

ऋगनुक्रमणिकाविवरणं. जगन्नाथयतिविरचितं समग्रम्.

(C 37) दे. 48 प.

ऋग्विधानं शौनकीयं. समग्रम्.

(C 185) आ. दे. 60 प.

(4231) ना. 12—100 प.

(C 267) दे. 17 प. ज्येष्ठम्.

(738) ना. 11—22 प. असमग्रम्.

(1644) ना. 7 प. ,,

ऋग्विलक्षणं नागदेवकृतम्.

(C 696) दे. 3 प.

ऋषिदेवताच्छन्दोविवरणं. शौनकीयम्.

(2862) ना. 44 प.

कल्पद्विमात्रलक्षणम्.

(C 476) दे. 5 प.

कल्पसूत्रम्.

(B 600) ना. 26—27 प.

काण्डानुक्रमणिका.

(264) आ. 12 प.

कालनिर्णयशिक्षा.

(B 252) म. 119—124 प.

कालनिर्णयशिक्षाव्याख्या. मुक्तेश्वराचार्यकृता.

(B 253) म. 47—54 प.

(B 860) म. 71—74 प.

(B 861) म. 20 प.

क्रममणिः सव्याख्यः.

(B 702) क. 21 प.

गायत्रविधानभाष्यम्.

(C 1309) म. 10 प.

गौतमशिक्षा.

(1969) ना. 5 प.

चरणव्यूहः.

(497) ना. 12—15 प.

(1684) म. 4 प.

(C 851) दे. 5 प.

छन्दोदीपः.

(1978) ना. 16—26 प. (कवर्गः).

छन्दोभक्तिज्ञानम्.

(1978) ना. 14—15 प.

छन्दोविचितिभाष्यं. पेत्तादीक्षितकृतम्.

(A 351) म. 75 पु. (मूलकर्ता पतञ्जलिः).

छन्दोविजयः.

(1978) ना. 9 प.

छान्दोग्याख्यासारः कृष्णभट्टीयः.

(C 922) दे. 33 प.

जटापटलः.

(C 477) दे. 12 प.

जटापटलदीपिका.

(C 477) दे 10, 2 प. दयाशङ्करीया जटालक्षणयुता.

जटामणिः.

(285) ग्र. 2 प.

(B 252) ग्र. 125—174 प.

(B 855) ग्र. 69—76 प.

(2262) ग्र. 158—168 प. सव्याख्यः.

(2265) ग्र. 156—165 प. ,,

जटालक्षणम्.

(C 476) दे. 3 प.

(521) ना. 33—43 प.

जटालक्षणपरिभाषा.

(A 264) क. 145—149 प.

जटावळिः.

(B 855) ग्र. 65—68 प.

ज्यौतिषं (वेदाङ्गम्) लगधविरचितभाष्यसहितम्.

(B 54) आ. 16 प.

तपरम्.

(142) आ. 91—92 प.

(232) म. 1 प.

(640) आ. 13—25 प. मध्ये तपरम्.

(941) आ. 23—35 प. ,,

(1702) म. 18—51 प. ,,

(966) आ. 21—23 प. तपरव्याख्या.

(997) ना. 23—24 प. ,,

तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्.

(541) म. 16 प.

(640) आ. 12 प.

(1702) म. 17 प.

(873) आ. 7—15 प.

(2262) म. 78—85 प.

तैत्तिरीयप्रातिशाख्यविवरणं. त्रिभाष्यरत्नं सोमयार्यविरचितम्.

(142) आ. 86 प.

(584) आ. 65 प.

(607) म. 62 प.

(971) आ. 65 प.

(1231) आ. 25—84 प.

(1461) आ. 63 प

(2262) म. 86—156 प.

(2265) म 77 प.

(4103) आ. 99 प.

(232) म. 31 प. वैदिकाभरण. गार्ग्यगोपालयज्वविरचितम्. 'अन्त' इति सूत्रव्याख्यानान्तम्.

(2326) म. 26 प. ,, ,, त्रयोध्यायाः.

त्रिक्रमलक्षणम्.

(2262) प्र. 1 प.
(2265) प्र. 139 तमपत्रम्.

थधकारसूत्रम्.

(142) आ. 95—96 प.
(232) प्र. 2 प.

दकारपरतकारः.

(2262) प्र. 195—196 प.

दशश्लोकी.

(144) आ. 3 प. सवृत्तिका.

द्वितीयवर्णाः.

(162) आ. 27—28 प.

नपरम्.

(142) आ. 90—91 प.
(232) प्र. 2 प.
(873) आ. 5—6 प. तपरं च.
(541) प्र. 22—30 प. मध्ये नपरम्.
(640) आ. 13—25 प. तपरं च.
(941) आ. 22—35 प. ,,
(997) ना. 4—5 प. ,,
(1702) प्र. 18—51 प. ,,
(966) आ. 29 प. नपरव्याख्या.
(1540) आ. 10 प.

नारदभैट्टपरिभाषा.

(B 252) म. 54 तां पत्रम्

नारदशिक्षा.

(491) ना. 95—105 प.

(1102) आ. 10 प.

(1978) ना. 13 प.

निघण्टुः (वेदाङ्गम्)

(1646) ना. 9 प.

(C 474) दे. 13 प.

निरुक्त यास्कविरचितम्.

(C 468) दे. 89 प. पूर्वषट्कः.

(C 483) दे. 28 प. उत्तरषट्कम्.

(1305) ना. 62 प.

न्यायपञ्चाशत्.

(B 600) ना 34—37 प.

पदरत्नक्रमरत्नम्. नागदेवविरचितम्.

(C 476) आ. 7 प.

परिभाषा.

(C 852) दे. 7 प.

पाणिनिशिक्षा.

(1978) ना. 5 प.

(2326) म. 42 प. रामसूनुकृतं याजुषभूषणाख्यं व्याख्यानम्

(2339) म. 30 प. ,, ,, ,,

(C 78) आ. 53 प. राघवीयभाष्ययुता.

(C 477) दे. 8 प. पाणिनिशिक्षाव्याख्या.

(B 855) ग्र. 24—25 प.

पिङ्गलच्छन्दस्सूत्रवृत्तिः हलायुधकृता.

(2875) आ. 25 प. 6 अध्यायाः.

प्रणवलक्षणम्.

(B 252) ग्र. 101—118 प. तैत्तिरीयाणां प्रणवस्वरादिनिर्णयः.

प्लुतनिर्णयः.

(B 857) ग्र. 67 – 69 प.

प्लुतविंशतिः

(162) आ. 26—27 प.

(972) आ. 32—33 प.

प्लुतसंग्रहः.

(2262) ग्र. 197—199 प.

(2265) ग्र. 138 तमं पत्रम्.

फुल्लसूत्रव्याख्या.

(A 405) ग्र. 150 पु. 7—10 प्रपाठकाः. दीक्षितरामकृष्णीया.

(A 395) ग्र. 221 प. गणपतिपण्डितः फुल्लपोत्रः.

(A 407) ग्र. 130 पु. अजातशत्रुभट्टीया.

(3358) ग्र. 124 प. ,,

बृहद्देवता (शौनकीया.)

(2862) ना 45—93 प.

बृहत्सर्वानुक्रमणिका (अथर्ववेदमन्त्राणाम्)

(3333) ग्र. 47 प.

भरद्वाजशिक्षा.

(972) आ. 36 तमं पत्रम्.

(997) ना. 30—48 प.

(1869) आ. 36 प.

(B 855) म. 13 24 प. सव्याख्या.

(B 644) क. 53 प. ,,

(2886) ना. 77—120 प. ,,

(B 853) म. 46 प. ,,

(B 861) म. 19 प. ,,

(3204) आ. 50 प. ,

भैष्णाम लक्षणम्.

(2326) म. 8 प.

(B 600) ना. 22—33 प.

(B 366) आ. 83 प. 3 प्रश्नाः.

यजुर्वेदसर्वानुक्रमणि यादवप्रकाशीया.

(B 852) म. 97 प.

यणादेशदीर्घादिविधिः.

(660) म. 23 प.

यणादेशी.

(2262) म. 1 प.

(2665) म. 137 तमं पत्रम्.

याजुषभूषणम्.

(B 855) म. 101—156 प.

याजुषस्वरकौमुदी.

(2115) म. 94 प असमग्रा.

योहिप्राप्तिः.

(2262) प्र. 1 प.

(B 855) प्र. 46—48 प.

योहिप्राप्तिभाष्यं. सूरिभट्टविरचितम्.

(144) आ. 30 – 36 प.

(232) प्र. 9—15 प.

(285) प्र. 2 प.

(926) प्र. 1 प.

(997) ना. 13—20 प. मध्ये.

(B 861) प्र. 13 प.

रहस्यदीपः. नागाभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 61—79 प.

रावणभेट्.

(144) आ. 1 प.

(B 252) प्र. 7 प. मध्ये.

(B 600) ना. 32—33 प.

(B 860) प्र. 87—90 प.

(2326) प्र. 8 प.

रेफविसर्जनीयः.

(2262) प्र. 195—196 प.

(2265) प्र. 138 तमं प.

लक्षणरत्नपरिभाषा. वैद्यनाथभट्टकृता.

(926) प्र. 8 मं पत्रम्.

वररुचिशिक्षा.

(B 601) क. 13 प.

वर्णक्रमदर्पणम्.

(2262) ग्र. 191—193 प.
(2265) ग्र. 165—167 प.
(B 253) ग्र. 42 प.
(B 855) ग्र. 60—64, 12 प.
(B 856) ग्र. 84 प. वैमानिभैरवावधानिकृतम्.
(977) आ. 22—43 प. ,,

वर्णक्रमलक्षणम्.

(2262) ग्र. 189—191 प.
(2265) ग्र. 139—140 प.

वर्णमालिका. पट्टाभिरामकृता (असं).

(359) आ. 12 प.

वर्णसारक्रमनिरूपणम्.

(B 252) ग्र. 70—89 प.
(B 855) ग्र. 77—100 प.

वासिष्ठशिक्षा.

(B 855) ग्र. 26—27 प.
(B 860) ग्र. 67—70 प. व्याख्या.

विलङ्घ्यम्.

(232) ग्र. 3 प.
(541) ग्र. 22—30 प. मध्ये.

(640) आ. 13—25 प.

(873) आ. 3 प.

(941) आ. 23—35 प.

(1540) आ. 47—60 प. व्याख्या.

(1702) ग्र. 18—51 प. मध्ये व्याख्या.

(997) ना. 25—38 प. वेलुकु भाष्यम्.

वृथाव्यक्तिः.

(2262) ग्र. 1 प.

वृद्धावृद्धीयादीनि दशाङ्गानि.

(2476) ना. 60 प.

वेदाङ्गविचारः.

(2339) ग्र. 9 प.

वैद्यनाथभेद्.

(B 253) ग्र. 55—63 प.

(B 860) ग्र. 75—86 प.

व्यासशिक्षा.

(285) ग्र. 20 प.

(B 599) ना. 13 प.

(2748) ना. 12 प.

व्यासशिक्षाव्याख्यानं वेदतैजसाख्यं सूर्यनारायाणविरचितम्.

(588) आ. 106 प.

(2339) ग्र. 39 प.

(3365) आ. 64 प.

(3280) आ. 92—242 प.

(4053) प्र. 117 प.

(285) प्र. 20 प. वेलकण्डान्वयजातेन सूरयवादिना कृतम्.

(B 21) आ. 52 प. वेलकण्डान्वयजातेन सूरयवादिना कृतम्.

व्याळशिक्षाव्याख्या.

(B 860) प्र. 65—66 प.

शम्भुशिक्षा.

(B 855) प्र. 4 प.

शाखासमानम्.

(B 855) प्र. 33—37 प.

शिक्षासमुच्चयः.

(B 252) ग्रं. 8–69 प.

(2339) ग्रं. 20 प.

(B 859) प्र. 18 प.

षड्विंशतिसूत्रम्.

(142) आ. 97—103 प. किंचिदूनम्.

(144) आ. 9 प. समग्रम्.

(348) आ 8 प.

(972) आ. 64—69 प.

(977) आ. 44—48 प.

(1702) ग्रं. 18—51 प. मध्ये.

(541) प्र. 7 प.

(2262) प्र. 200—206 प.

(2265) ग्रं. 137 तमं पत्रम्.

(B 855) ग्रं. 5—17 प.

सकाररेफपरविसर्जनीयः.

(2262) ग्र. 195—196 प.

(2265) ग्र. 137 तमं पत्रम्.

(2265) ग्र. 144—153 प.

(अत्र समानं विलङ्घ्य नपर तपर अवर्णं आवर्णि अनिङ्ग्यानि सन्ति.)

सप्तलक्षणी सव्याख्या.

(B 856) ग्र. 175 प

(B 858) ग्र. 68 प.

(2262) ग्र. 77 प.

(2265) ग्र. 78—121 प.

(2886) ना. 76 प.

(1809) आ. 37—84 प.

(3279) आ. 68 प.

(3515) ग्रं. 108 प.

(3584) आ. 72+8+9 प.

समानम्.

(C 486) आ. 6 प.

(541) ग्र. 17—21 प.

(640) आ. 11—12 प.

(660) ग्र. 5 प.

(873) आ. 3—5 प.

(966) आ. 29 प. मध्ये.

(997) ना. 22 प. मध्ये.

(1540) आ. 11 - 27 प मध्ये.

समानसंधिव्याख्या पददर्पणाख्या. मल्लुयार्यविरचिता.

(144) आ. 10 –25 प.

(B 600) ना- 25 प.

सर्वसंमतशिक्षा.

(B 855) ग्र. 18—31 प.

(208) ग्र. 3 प.

(972) आ. 14—21 प.

(977) आ. 49—65 प.

(2262) ग्र. 168—188 प. मञ्जिभट्टीय व्याख्यासहिता.

(2265) ग्र. 123—133 प. ,,

(B 600) ना. 38—47 प. ,,

(B 857) ग्र. 66 प. ,,

(4258) ना. 9 + 12 प. ,,

(541) ग्र. 57 पं. आगमप्रकरणम्, स्वरसंस्थानप्रकरणमसमग्रम्.

(208) ग्र. 12 + 19 प. आसूरिचिन्निभट्टविरचितम्. प्रतिकृतिद्वयम्.

सर्वानुक्रमः शौनकीयः.

(C 850) दे. 41 प.

सर्वानुक्रमणी.

(C 477) दे. 37 प.

सर्वानुक्रमणिकापरिभाषा.

(C 477) दे. 5 प.

सर्वानुक्रमणीवृत्तिः. वेदार्थदीपिका. षड्गुरुशिष्यविरचिता.

(C 473) आ. 27 प.

(3293) आ. 104 प.

(4002) ना. 187 प.

सामकारिका. रङ्गनाथीया.

(1970) ना. 87—96 प.

सामछलाक्षरम्.

(396) ना. 9 प.

(2487) ना. 75 प.

सामतन्त्रसूत्रम्.

(C 837) ना. 16 प.

(C 838) ना. 16 प.

(3229) ग्र. 63 + 5 प. सभाष्यम्.

सामदीपः.

(3242) ग्र. 20 प.

सामप्रातिशाख्यं. पुष्पकृतम् (फुल्लसूत्रम्).

(C 834) ना. 48 प. दीक्षितरामकृष्णीय फुल्लदीपाख्य व्याख्यायुतम्. 3—5 अध्यायाः.

सामरहस्यछलाक्षरी.

(2574) ना. 94 प.

सामाहृच्छलाक्षरम्.

(365) ना. 11 प. आदितः 7 पर्वाणि सार्धविंशद्वयपर्यन्तम्.

सिद्धान्तशिक्षा.

(926) ग्र. 5—7 प. असमग्रा.

(997) ना. 30—55 प.

(B 855) ग्र. 28—34 प.

सिद्धान्तशिक्षाव्याख्या. श्रीनिवासदीक्षित विरचिता.

(144) आ. 37—62 प.

(977) आ. 20 प.

(859) ग्र. 54 प.

(3844) ग्र. 30 प.

स्तोभगतागतम्.

(1978) ना.. 3 प.

स्वरपञ्चाशत्.

(144) आ. 4—5 प.

(926) ग्र. 2--4 प.

(B 252) ग्र. 89—100 प.

(B 626) ना. 4 प.

(2262) ग्र. 156—158 प.

(2265) ग्र. 121—123 प.

(B 855) ग्र. 41—45 प.

स्वरपञ्चाशद्व्याख्या.

(704) आ. 2—21 प.

(B 632) ना. 38 प.

(B 735) क. 99 प.

स्वरपञ्चाशद्व्याख्या

(B 860) ग्र. 65 प.

(2339) ग्र. 9—31 प.

स्वरमञ्जरी नृसिंहसूरिविरचिता.

(190) आ. 46 प.

(663) आ. 249—270 प. तिङन्तादितः समग्रा.

स्वरमञ्जरीव्याख्या. परिमळाख्या (गिरिनाथसूरिविरचिता.)

(190) आ. 53 प.

स्वरलक्षणम्.

(2319) ग्र. 11 प.

(2265) ग्र. 8 प.

स्वरसिद्धान्तचन्द्रिका श्रीनिवासकृता.

(73) ग्र. 99 प.

(A 139) क. 138 प.

(3168) ग्र. 108 प.

(3632) ग्र. 134 प.

(C 1311) दे. 107 प.

स्वरावधानम्.

(B 701) ना. 22 प.

(2338) ग्र. 15 प.

(B 805) ना. 11 प.

(B 806) आ. 28 प.

(2) श्रौतसूत्रम्.

ापस्तम्बीयं श्रौतसूत्रम्.

(125) आ. 11—29 प. आधान-अग्निहोत्रसूत्रम्. 5—6 प्रश्नौ.
(125) आ. 30—40 प. उत्तरप्रायश्चित्तसूत्रम्.
(467) ना. 43—52 प. पूर्वप्रायश्चित्तसूत्रम्.
(A 53) क. 98 पु. 16—24 प्रश्नाः.
(1155) आ. 72 प. उक्थ्यादिप्रश्नदशकम्.
(1316) आ. 36 प.
(1378) प्र. 6—38 प. सोमपञ्चकम्.
(1498) प्र. 92 प. सोमादि. असमग्रम्.
(1348) आ. 64 प. चयनसूत्रम्.
(1762) आ. 140—198 + 5 प. चयनादिरुत्तरभागः गृह्य मन्त्र धर्मप्रश्नरहितः.
(B 13, 14) आ. 207 प. ,, ,,
(2299) प्र. 80 प. 13 प्रश्नाः.
(2261) प्र. 118—197 प. 14—25 प्रश्नाः.
(2682) ना. 274 प. 21 ,,
(2288) आ. 34—64 प. 8—9 ,,
(2337) प्र. 7 प. अष्टमः ,,
(2203) आ. 101—172 प. नवमः ,,
(1911) प्र. 78—99 प. नवमः ,,
(A 429) दे. 220 पु. 15 ,,
(C 1442) दे. 273 प. 23 ,,
(3758) प्र. 116 प. 15 ,,
(3848) प्र. 10 + 23 प. 7—9 ,,

आपस्तम्बीयं श्रौतसूत्रम्

(711) ना. 49–55 प. परिभाषासूत्रम्. अनुद्धरणादि प्रायश्चित्तानि च.
(341) आ. 3 प. ,,
(341) ग्र. 28—31 प. ,,
(136) न . 114—116 प. ,,
(1911) ग्र. 101—117 प. ,,
(2203) आ. 7—8 प. ,,
(2285) ग्र. 71 प. ,,
(516) आ. 8 प. शुल्बसूत्रम्.
(2696) आ. 61—73. प. ,,

आपस्तम्बीयश्रौतसूत्रभाष्यादि.

(B 11, 12) आ. 306 प.	धूर्तस्वामिभाष्यम्.	15	प्रश्नाः.
(2328) ग्र. 21—148 प.	,,	9	,,
(2690) ना. 101 प.	,,	,,	,,
(2701) ना. 94 प.	,,	10—14	,,
(C 1369) दे. 139 + 192	,,	5—15	,,

धूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिः. रामाग्निचित्कृता—

(160) आ. 5—88 प. आदितः चतुर्थप्रश्ने चतुर्थपटलान्ता.
(693) आ. ना. 125 प. दशमप्रश्नमारभ्य द्वादशे सप्तमपटलान्त
106 तमं पत्रं नास्ति.
(1128) आ. 180 प. पूर्वभागः.
(1131) आ. 181—360 प. उत्तरभागः
(C 1371) दे. 108 + 194 प. 1—4, 10—13 प्रश्नाः
(C 1439) दे. 16 + 28 + 26 प. 6–8 प्रश्नाः.
(2280) ग्र. 157 प. 8 प्रश्नाः.

धूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिः. रामाग्निचित्कृता—

(2690) न. 54+51 प. 10–13 प्रश्नाः.

(2833) ग्र. 99 प. 12–13 ,,

(3640) आ. 110 प. नवमः. ,,

(A 549) आ. 223 प. 6 ,,

(A 562) आ. 191 प.7—11 ,,

(4312) ना. 148 प. 10—13 ,,

(4346) ग्र. 139 प. असमग्रा.

(C 1370) दे. 167+86+32+143+24 प. रुद्रदत्तीया 15 प्रश्नाः.

कपर्दिस्वामिभाष्यम्—

(B 207) आ. 151 प. 16 प्रश्नाः 17 प्रश्ने 6 पटलाश्च.

(1372) दे. 36+185 प. 18—21 प्रश्नाः.

श्रौतसूत्रदीपिका रुद्रदत्तीया—

(1693) ग्र. 157 प. आदितः 15 प्रश्ने पञ्चमपटलारम्भपर्यन्ता.

(2685) आ. 256 प. 9 प्रश्नाः.

(2687) आ. 178 प. 10—13 ,,

(2678) आ. 19—98 प. 10–13,15 प्रश्नाः

(2826) ग्र. 83 प. 6 ,,

(2829) ग्र. 77 प. 8—9 ,,

(2939) ग्र. 68 प. 10—13 ,,

(3164) ग्र. 150 प. 9 ,,

(4347) ग्र. 57 प. असमग्रा.

(2733) आ. 75 प. चयनशुल्बवाजपेयादिः.

(182) ग्र. 131–161 प. प्रायश्चित्तदीपिका.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. प्रयोगदीपिकाख्या तालवृन्तनिवासिकृता.

(160) आ. 60 प. आदितः पशुबन्धसमाप्तपर्यन्ता.

(228) आ. 30—52 प. चयनप्रयोगः.

(698) आ. 198 प. अग्निष्टोमान्ता.

(699) आ. 83 प. पूर्वोत्तरप्रायश्चित्तप्रश्नौ.

(703) आ. 48 प. पशुबन्धसमाप्तपर्यन्ता.

(807) ना. 148—157 प. प्रायश्चित्तप्रश्नः.

(C 1445) आ. 18 प. ,,

(2731) आ. 130 प. 7 प्रश्नाः.

(2691) आ. 48 प. 10—14 ,,

(2686) प्र. 42--268 प. 16—23 प्रश्नाः.

(1373) दे. 69 + 48—105 + 136 प. असमग्रा.

(3847) प्र. 140 प. प्रायश्चित्तप्रश्नौ

(3848) प्र. 51 प.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. उत्तराण्डपिळ्ळै--

(1317) आ. प्र. 60 प.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. याज्ञिकसर्वस्वाख्या अहोबिलसूरिकृता.

(3483) प्र. 96—158 प. 4 प्रश्नाः.

(3559) प्र. 154 प. ,,

(4351) प्र. 80 प. ,,

(A 361) प्र. 231 प. ,,

चयनसूत्रभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्—

(2712) ना. 38 प.

(2828) प्र. 62 प.

(3163) प्र. 43—73 प.

(3228) म. 96 प.

वाजपेयसूत्रभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्

(3163) म. 91—118 प.

परिभाषासूत्रव्याख्यानं कपर्दिस्वामिकृतम्

(136) ना. 42 प.

प्रवराध्यायभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्

(B 19) क. 53 प.
(B 20) आ. 20 प.
(C 70) क. 62 प.
(C 1358) दे. 34 प.

प्रवराध्यायभाष्यं हरदत्तीयम्

(C 71) क. 74 प. कानिचित्पत्राणि लुप्तानि.
(136) ना. 89—114 प.
(486) आ. 171—193 प. शिथिलम्.
(2258) म. 200—215 प.
(2691) आ. 23 प.
(B 18) आ. 33 प.
(B 17) आ. 44 पु. कर्ता चास्य न ज्ञायते.

शुल्बसूत्रव्याख्या कपर्दिस्वामिकृता

(2546) आ. 23 प.
(2712) ना. 7—16 प.

शुल्बसूत्रव्याख्या करविन्दविरचिता.

(2281) म. 64 प.
(2696) आ. 119—164 प.
(3163) म. 43. प.

(C 1367) दे. 85 प.

(B 15) क. 37 प.

(B 178) आ. 145 प.

शुल्बसूत्रव्याख्या सुन्दरराजविरचिता—

(B 16) आ. 71 पु.

(2338) ग्र. 82—114 प.

(2696) आ. 74—118 प.

(2895) ना. 139—167 प.

(3163) ग्र. 74—90 प.

(C 1366) आ. 31 प.

आपस्तम्बीयश्रौतसूत्रमन्त्रभाष्यम्.

(2697) ना. 77—167 प. 7 प्रश्नाः.

(2261) ग्र. 90—117 प.

(2945) ग्र. 52 प.

आपस्तम्बीयाध्वरतन्त्रव्याख्या प्रयोगमालाख्या चौण्डपाचार्यकृता.

(A 132) दे. 88 प. द्वितीयप्रश्ने चतुर्थपटलमारभ्य तृतीयप्रश्नान्ता.

आर्षेयकल्पसूत्रम्.

(671) आ. 25 प. आदितः एकादशाध्याये दशमखण्डपर्यन्तम्.

(2546) ना. 58 प.

(A 298) आ. 35 प.

(B 553) आ. 247 प. वरदराजीयभाष्योपेतम्.

(A 304) ग्र. 228 पु. ,,

(2493) ग्र. 55 प. ,, 3 अध्यायाः.

(3390) ग्र. 134 प. ,,

(3391) ग्र. 135 प. ,, असमग्रम्.

(2494) ना. 80प. श्रीनिवासाचार्यकृतम्. उत्तरकल्पभाष्यम्. 2 अध्यायौ.

(669) प्र. 238 प. आदौतावदेतदनुबन्धितया ज्योतिष्टोमोद्गातृप्रयोगः. 1—34 पत्रेषु, सत्राहीनात्मकव्यूढद्वादशाहप्रयोगश्च 34—48 पत्रेषु प्रदर्शितौ.

(A 218) आ. 122 प. आदितः10 अध्यायाः, 11 शाध्याये च किंचित्.

आश्वलायनश्रौतसूत्रम्.

(78) ना. 6 प.

(125) आ. 41—60 प. आदितः पशुमैत्रावरुणान्तम्.

(1648) आ. ना. 130 प.

(2337) प्र. 48 प. 6 अध्यायाः.

(2279) प्र. 32 प. ,,

(1915) ना. 35 प. 7—9 अध्यायाः.

(3248) प्र. 92 प.

(A 318) आ. 186 प. षड्गुरुशिष्यकृता वृत्तिः 6 अध्यायाः.

(2578) ना. 171 प. तालवृन्तनिवासिकृता प्रयोगवृत्तिः 6 अध्यायाः.

(3550) प्र. 151—344 प. देवस्वामीयं भाष्यम्.

(3551) प्र. 38 प. विष्णुगूढकृता प्रयोगवृत्तिः.

उपग्रन्थसूत्रम्.

(C 833) ना. 9 प.

कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्यं. कर्काचार्यकृतम्.

(3552) प्र. 40 प. अग्रयध्यायः.

कौषीतकिश्रौतसूत्रम्.

(22) प्र. 76—124 प. 13 अध्याये 32 खण्डसमाप्तिपर्यन्तम्. मुद्रितशाङ्खायनश्रौतसूत्रकोशापेक्षया खण्डविभागे भेदो दृश्यते.

क्षुद्रकल्पभाष्यम्. श्रीनिवासदीक्षितीयम्.

(A 413) ग्र. 123 प. 6 अध्यायाः.

द्राह्यायणीयश्रौतसूत्रम्.

(502) ना. 11 प. पटलषट्कम्.
(1966) ग्र. 22. प. ,,
(2530) ना. 68 प.
(2546) ग्र. 48 प. 28 पटलाः.
(672) ना. 13 प. प्रतिहारसूत्रम्.
(2506) ना. 12 प. ,,
(670) ग्र. 81 प. प्रतिहारसूत्रवृत्तिः. वरदराजीया. दशार्थाभिधा.
(A 359) ग्र. 86 पु. ,, ,,
(2506) ना. 13-14 प. प्रस्तावसूत्रम्.
(833) ना. 26 प. प्रायश्चित्तभागः.
(494) ना. 68—70 प. परिभाषासूत्रम्.
(494) ना. 71—81प परिभषासूत्रोदाहरणम्.
(502) ना. 85 प. श्रौतसूत्रव्याख्या धन्विविरचिता.
(807) ना. 148 प. धन्विभाष्यम् समग्रम्.
(A 263) दे. 152 प. ,,
(2528) ग्र. 270 प. ,,
(2549) ना. 50 प. ,, 6 पटलाः.
(2813) ग्र. 68. प. ,, ,,
(2936) ग्र. 119 प. ,, ,,
(2539) ना. 192 प. ,, 7—31 पटलाः.
(3348) ग्र. 188 प. ,,

बृहतीसहस्रम्.

(3684) ना. 35 प. समग्रम्.
(4057) प्र. 52 प. ,,

बृहद्यजुर्विधानं कात्यायनीयम्.

(603) प्र. 74 प.
(B 134) आ. 55 प. 8 अध्यायाः समग्रम्.

बोधायनश्रौतसूत्रम्.

(583) प्र. 125—137 प. 1 मप्रश्ने 32 अध्यायाः.
(355) आ. 42 प. दर्शपूर्णमासादिपशुबन्धान्तम्.
(405) ना. 84,112—192 प. अन्ते 85 प्रश्ना इत्यस्ति.
(1736) प्र. 150 प. षष्ठे तृतीयखण्डपर्यन्तम्.
(A 278) क. 185 प. पूर्वभागः.
(A282) क. 197 प. उत्तरभागः.
(1954) प्र. 72—77 प. दर्शपूर्णमासः.
(2692) आ. 6 प. वाजपेयाध्यायः.
(1963) ना. 15, 5, 101 प. वाजपेयातिरात्राग्निष्टोमादिभागः.
(3641) आ 358 प.
(514) प्र. 165—174 प. प्रवरसूत्रम्.
(B 25) आ. 491—518 पु. ,,
(303) ना. 12 प. महाप्रवरसूत्रम्. शिष्टिव्याख्यानसहितम्.
(2710) आ. 6 प. शुल्बसूत्रम्.

भवस्वामीयम्—

(B 22, 23) आ. 289 प. श्रौतसूत्रभाष्यम् 10 प्रश्नाः.
(C 1360) आ. 19 प. कर्मान्तभाष्यं असमग्रम्.
(C 500) दे 51 प. ,, अन्ते तृतीयकर्मान्ते विंशोऽध्यायः इत्यस्ति.

भवस्वामीयम्—

(1622) आ. 157 प. ,, 19 अध्यायाः.

(1954) म. 6 प. सौत्रामणिवाजपेयाध्वर्यभाष्यम्.

(A 156) म. 728 पु. श्रौतसूत्रव्याख्या महादेवयज्वविरचिता.

श्रौतचान्द्रिकाख्या.

(3467) म. 115+102 प. श्रौतसूत्रवृत्तिः वासुदेवदीक्षितीया सुबोध-
व्याख्या. 2—10 अध्यायाः.

भारद्वाजश्रौतसूत्रम्,

(B 114) आ. 278 प. 14 प्रश्नाः ज्योतिष्टोमान्तम्.

वैखानसश्रौत (कल्प) सूत्रम्.

(A 365) आ. 185 प.

(3114) म. 200 प.

सत्याषाढ (हिरण्यकेशीय) श्रौतसूत्रम्.

(B 148) आ. 296 प. पूर्वोत्तरसूत्रे. आदितः 16 प्रश्नाः.

(A 21) क. 72 प. 9 मः प्रश्नः.

(A 21) क. 24 प. 10 मः प्रश्नः असमग्रः.

(A 80) क. 97—194 प. 10 म प्रश्ने 2 यपटले षष्ठखण्डमारभ्य
11 श प्रश्ने 1 मपटलसमाप्त्यन्तम्.

(A 194) क. 96 प. प्रवर्ग्यसूत्रसमाप्त्यन्तम्.

(A 347) म. 225 पु. 1—15 प्रश्नाः.

(3639) म. 218. प.

(3639) म. 6 प प्रायश्चित्तभागः.

(B 26—33) क. 172, 173, 300, 213, 215—315, 122,
123—246, 175, 180 प. वाञ्छेश्वरसुधीविरचित-
भाष्यसहितम्. 8 प्रश्नाः.

(2563) प्र. 58 प. ,, सामान्यसूत्रम्.
(C 1169) आ. 32 प. ,, ,,

(3) श्रौतप्रयोगः

अग्निचयनकारिका.

(1656) आ, ना. 76—87 प.

अग्निचयनप्रयोगः

(3637) आ. 49 प.

अग्निष्टोमदर्शपूर्णमासपशूनां हौत्रम्.

(1338) आ. 85+15 प.

अग्निष्टोमप्रयोगः.

(613) प्र. 116 प.
(1275) आ. 84 प. यज्ञेश्वरशर्मविरचितः.
(2260) प्र. 52—130 प.
(2691) आ. 73 प.
(2692) ना. 36 प.
(2693) आ 88 प.
(2700) ना. 95 प.
(2708) ना. 177 प.
(2710) आ. 79 प.
(2816) प्र. 147 प.
(3133) प्र. 128 प.
(3201) आ. 150+30 प.
(3849) प्र. 48—147 प.

(4222) आ. 6—101 प.

(2530) ना. 68—153 प. द्राह्यायणीयः

अग्निष्टोममैत्रावरुणम्,

(658) आ. 32 प.

(2741) आ. 15 प.

अग्निष्टोमहौत्रम्.

(658) आ. 74 प.

(C 520) दे. 68 प.

(2694) आ. 79 प.

(2741) आ. 52 प.

(4162) म. 13 प.

अग्निष्टोमाध्वर्यवम्.

(1367) आ. 112 प.

(1762) आ. 139 य.

(2261) म. 62 प.

अग्निष्टोमौद्गात्रम्.

(B 555) ना. 20. प.

(2692) आ. 19 प.

अग्निहोत्रप्रयोगः.

(516) आ. 6 प.

(2261) म. 63—69 प.

(2303) म. 11—18 प.

अग्निहोत्रप्रायश्चित्तम्.

(C 1889) दे. 39 प.

अग्निहोत्ररक्षामणिः रामचन्द्रदीक्षितविरचितः.

(296) आ. 17 प. 2 मयूखौ.

(2338) प्र. 26 + 16 प.

(2705) आ. 21 प.

(2299) प्र. 81—111 प. सव्याख्यानः.

अग्निहोत्रानुक्रमणिका.

(182) प्र. 79—84 प.

अग्न्याधेयप्रयोगः.

(1144) ना. 75 प.

(2722) ना. 30 + 8 प.

(2723) ना. 24 + 39 + 15 प.

अतिरात्रहौत्रम्.

(2310) प्र. 50 प.

(2337) प्र. 5 प.

अन्वारम्भणेष्टिप्रयोगः.

(675) आ. 2 प.

आग्रयणकर्म.

(2338) प्र. 40—42 प.

आग्रयणानुक्रमणिका.

(182) प्र. 84—86 प.

आग्रयणेष्टिप्रयोगः.

(675) आ. 63—65 प.

(125) आ. 2 प. आश्वलायनीयः.

(2553) प्र. 5 प. केशवीयः.

आधानपशुसोमेष्टिविधिः.

(182) प्र. 9—13 प.

आधानप्रयोगः.

(294) आ. 4, 11 प.
(2260) प्र. 139 प.
(C 1359) दे. 11 प.

आधानहौत्रम्.

(2288) आ. 25—33 प.

आधानानुक्रमाणिका.

(182) प्र. 68—78 प.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रध्वानितार्थकारिका (सोमप्रयोग.) त्रिकाण्डीमण्डनभास्करमिश्रीया. अधिकारनिरूपणं, प्रतिनिधिनिरूपणं, पुनराधाननिरूपण, इति काण्डत्रयेण भूषिता.

(B 133) आ. 40 प. ,,
(C 429) दे. 27 प. ,,
(B 538) प्र. 28 प. ,,

आपस्तम्बश्रौतसूत्रप्रयोगानुक्रमणिका. यज्ञनारायणकृता.

(2715) ना. 43 + 7 प.

आयुष्कामीयेष्टिः.

(2731) ना. 8 प.

आरुणकेतुकचयनम्.

(2728) आ. 42 प.

आश्विनसहस्रम्.

(B 654) दे. 107 प.

इष्टिहौत्रम्.

(347) आ. 14 प. पशुहौत्रं ब्राह्मणाच्छंसि शस्त्र च.

उक्थ्यप्रयोगः.

(3894) प्र. 21 प.

उद्वंशीयं साम.

(2692) ना. 7—15 प.

एकाहिकचातुर्मास्यम्.

(2681) आ. 6 प.

औद्गात्रकारिकाः अग्निष्टोमान्ताः.

(490) ना. 25 प.

औद्गात्रप्रायश्चित्तदीपिका.

(2692) आ. 19—20 प.

क्रतुप्रायश्चित्तम्;

(2508) ना. 29 प.

गर्जितादिदुर्निमित्तशान्तिः (ब्रह्मौदनपाकात्पूर्वम्.)

(C 225) दे. 2प.

गोपालकारिका.

(355) आ. 43—70 प. आध्वर्यवप्रयोगे दर्शपूर्णमासादिचयनान्तप्रयोगकारिकाः.

चयनकारिका.

(2717) आ. 12 प.

(3893) ग्र. 26 प.

(228) आ. ग्र. 6, 2, 2 प. पौण्डरीकादिविषयकारिका.

चयनप्रयोगः.

(1749) ग्र. 10—95 प. कारिकायुतः.

(2311) आ. 59 प.

(2689) क. 137 प.

(2696) ना. 54 प.

(2713) ना. 79 प.

(2951) ना. 95 + 42 प. वासुदेवदीक्षितीयः.

(3637) आ. 49 प.

चयनशुल्बकारिका.

(2710) ना. 9 प.

चातुर्मास्यप्रयोगः.

(2702) ना. 54 प.

(2724) आ. 94 प.

(2830) ग्र. 45 + 8 + 18 प.

(C 1446) आ. 9 प.

चातुर्मास्यहौत्रम्.

(658) आ. 33—53 प.

(2717) आ. 15 प.

ज्योतिष्टोमब्रह्मत्वविधिः.

(182) ग्र. 1—8 प.

दर्शपूर्णमासप्रयोगः.

(675) आ. 28 प.

(1378) ग्र. 29 + 5 प.

(A 70) आ. 69 प. मन्त्रभाष्यसहितः. रामाग्निचित्कृतधूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिरपि तत्रतत्र लिखिता प्रश्नत्रयम्.

(C 359) दे. 42 प बोधायनीयः.

(1911) ग्र. 66 प.

(2303) ग्र. 21—65 प.

(1957) ना. 50 प.

(2720) ना. 17 प.

(2730) ना. 36 प.

(2867) आ. 131 प.

(2947) ग्र. 47 प. बोधायनीयः.

(4304) आ. 23 प

(481) ग्र. 58, 20, 67 प अग्निहोत्राधानसोमप्रयोगाश्च

(476) आ. 100 प. सोमान्तः.

दर्शपूर्णमासमन्त्रभाष्यम्.

(2261) ग्र. 90- -117 प.

(2697) ना. 77—176 प. 1—7 प्रश्नाः.

(2945) ग्र. 52 प.

दर्शपूर्णमासस्थालीपाकप्रयोगः.

(125) आ. 6 प.

दर्शपूर्णमासहौत्रम्.

(125) आ. 4 प.

(125) आ. 6 प.

(675) आ. 29 47— प.

(2303) प्र. 10 प.

(2775) प्र. 12 प.

द्राह्यायणीयश्रौतप्रयोगदीपिका. तालवृन्तनिवासीया.

(2692) आ. 18 प. (अग्निष्टोमः).

द्वादशाहप्रयोगः. तालवृन्तनिवासीयः.

(2843) प्र. 33 प.

द्वादशाहीनप्रयोगः.

(2735) आ. 10—26. प.

द्विषाहस्रचयनप्रयोगः

(2733) आ. 6 प.

नक्षत्रसत्रप्रयोगः.

(2713) ना. 3 प.

(3891) प्र 20 प.

नक्षत्रेष्टिप्रयोगः.

(2718) ना. 41 प.

(C 1890) दे. 70. प. त्र्यम्बकाचार्यविरचितः.

नाचिकेतचयनम्.

(2731) ना. 5 प.

पथिकृद्वैश्वानरेष्टिप्रयोगः.

(916) आ. 2 प.

पर्जन्यविधिः.

(1947) ना. 124 प.

(2512) ना. 31 प.

(2732) क. 7 प.

पर्यायशास्त्राणि.

(C 1145) दे. 13 प. (अस)

पवित्रेष्टिः.

(2733) आ. 2 प.

पशुकारिका.

(3893) ग्र. 8 प.

पशुचातुर्मास्यादिहौत्रम्.

(2261) ग्र. 69—89 प.

पशुबन्धप्रयोगः

(675) आ. 48—62 प.

(2722) ना. 34 प.

(2723) ना. 23 प.

पशुबन्धादिः.

(2866) आ. 93 + 53 प.

पशुमैत्रावरुणम्.

(2203) आ. 31 प.

पिण्डपितृयज्ञप्रयोगः.

(1261) आ. 43—52 प.

पृष्ठ्यस्य द्वितीयमहः

(2337) ग्र. 9 प.

पौण्डरीककारिका.

(2735) ना. 2 प.

पौण्डरीकप्रयोगः.

(1959) ना. 38 प.

(1950) ना. 22 प.

प्रयोगपारिजातः पुरुषोत्तमभट्टीयः.

(2619) ग्र. 53 प.

(2812) ग्र. 89 प.

प्रयागसारः केशवीयः.

(2553) ग्र. 28 प. (बोधायनयाधानप्रयोगः.)

प्रवर्ग्य-इष्टि-पशुहौत्र-मैत्रावरुणादिप्रयोगः.

(1650) आ. ना. 20, 19, 17, 32 प.

प्रवासोपस्थानम्.

(675) आ. 66—68 प.

(711) ना. 12—13 प. प्रवासोपस्थान अराणिलक्षण अवसितहोममन्त्र पक्षहोमसङ्कल्प अनुद्धरणप्रायश्चित्त वेदिनिर्माणानि.

प्रायश्चित्तं. केशवीयं असमग्रम्.

(182) ग्र. 162—192 प.

(675) आ. 1 प दर्शपूर्णमासातिपत्तेः.

(903) ना. 4 प.

प्रायश्चित्तकारिका.

(182) ग्र. 17—27 प. त्रिकाण्डी.

(1364) दे. 23 प. समग्रा.

प्रायश्चित्तकुतूहलं. अनन्तदेवरघुनाथकृतम्.

(C 430) दे. 21—22 प. आधानप्रायश्चितं, दर्शपूर्णमासप्रायश्चितं च.

प्रायश्चित्तदीपिका.

(702) आ. 42 प. आपस्तम्बश्रौतप्रयोगानुसारिणी.

(C427) दे. 62 प. वरदाधीशयज्वकृता.

(1954) ना. 51—71 प. गोपालसूरिविरचिता.

(1957) ना. 100 प. ,,

(2703) ना. 40 प. ,,

(2716) आ. 83 प ,,

प्रायश्चित्तप्रकारः.

(903) ना. 4 प.

प्राश्चित्तप्रदीपिका.

(A 314) ग्र. 73 पु.

(4100) ना. 68—81 प.

प्रायश्चित्तशतद्वयी. वेंकटेशवाजपेयिविरचितव्याख्यासहिता.

(182) ग्र. 87-130 प.

(711) ना. 14—48 प. प्रकरणचतुष्टयमिता. किंचिल्लुप्ता.

(2288) आ 41 प.

(2849) आ. 47 प.

(1363) दे. 70 प. 144 श्लोकाः

प्रायश्चित्तसंग्रहः. केशवीयः.

(686) आ. 84—120 प. अग्निहोत्रेष्टिपशुसोमप्रायश्चित्तानि.

(2338) ग्र. 30—39 प.

(A 310) ग्र. 92 प.

(3345) ग्र. 100 प.

(3888) ग्र. 40 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी. श्रीनिवासदीक्षितीया.

(478) ग्र. 30 प.

(2299) ग्र. 112—143 प.

(2338) ग्र. 43—57 प.

(2946) ग्र. 35 प.

(2702) ना. 61 प.

(C 1381) दे 64 प.

(3787) आ. 45 प.

बोधायनश्रौतसूत्रप्रयोगः वासुदेवदीक्षितीयः.

(1345) ग्र. 292 प.

(A 130) आ. 317. प.

बोधायनीयप्रयोगानुक्रमणिका. वेंकटेशाध्वरिकृता.

(2715) ना. 78 प.

ब्रह्मतत्वं छान्दोग्यम्.

(2530) ना. 22 प.

ब्रह्मत्वदीपिका. श्रीकण्ठसूरिकृता.

(2203) आ. 6 प.

महाव्रतं तालवृन्तानिवासयिम्.

(2735) ना. 4 प.

महाव्रतप्रयोगः.

(3638) आ. 66 प.

मृगारेष्टिप्रयोगः.

(C 428) दे. 14 प.

यज्ञतन्त्रसुधानिधिः (बोधायनीयश्रौतप्रयोगः) केशवस्वामीयः

(405) ना. 85—106 प.

यज्ञपात्रलक्षणं. रुद्रदत्तोक्तम्.

(675) आ. 1 प.

यज्ञप्रयोगचन्द्रिका नागभट्टीया.

(2501) ना. 194—214 प.

याजमानकूश्माण्डहोमसामानुक्रमणिकाः

(182) प्र. 38 प.

याजमानप्रयोगः

(687) ना. 80--110 प. सोमपश्वाधानं अग्निनिर्णयः, प्राणप्रतिष्ठामन्त्रश्च.

(C 1361) आ. 24 प. अग्निष्टोमे.

वाजपेयप्रयोगः.

(1348) आ. 35 प.

(2506) ना. 20 प.

(2719) आ. 42 प.

(2822) म. 108 प.

(2535) ग्र. 93 + 38 प. (अत्र—वाजपेय बृहस्पतिसव पुनस्स्तोम सर्व तोमुख अग्निष्टुत् अग्निचयन अप्तोर्याम महाव्रत पौण्डरीक अश्वमेध राजसूयाः.)

वालखिल्यम्.

(2337) ग्र. 10 प.

शुल्बरत्नप्रदीपिका. राघवसुधीकृता.

(2695) आ. 109 प.

श्रीनिवासदीक्षितीयकारिका.

(2683) ना. 21 प.

श्रौतप्रयोगः अनन्तजीवनविरचितः.

(C 1823) दे. 25 प.

सप्तविधाग्निकारिका.

(2698) आ. 142 प

सर्वतोमुखप्रयोगः.

(B 556) ना. 13 प.

(2735) आ. 9 प.

सावित्रचयनम्.

(2692) ना. 20 प.

साहस्रकारिका.

(C 1365) आ. 12 प. समग्रा.

सोमप्रयोगः.

(1343) आ. 142 प.

(1347) आ. 88 प.

(2260) प्र. 52—130 प.
(3892) प्र. 6—101 प.

सोममैत्रावरुणप्रयोगः.
(1650) ना.38प.

सोमहोतृसप्तकम्.
(2310) प्र. 51—67 प.
(2337) प्र. 52 प.

सौत्रामाणिकारिका.
(2288) आ. 2 प.

सौत्रामणिप्रयोगः.
(2696) प्र. 55—60 प.
(C 1362) आ. 5 प.

होतृसप्तकम्.
(2310) प्र. 51—67 प.

हौत्रप्रयोगसरणिः.
(1877) आ. 60 प.
(2279) प्र 65—232 प.

(4) गृह्यसूत्रम्.

आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्.
(308) आ. 19 प. मूलं समग्रम्.
(534) प्र. 3—13 प. ,,
(639) आ. 21 प ,,
(682) आ. 11 प. ,,

(660) प्र. 24—39 प. 17 खण्डाः.
(748) ना. 6—13 प. 16 ,,
(2285) प्र. 71 प.
(4311) आ. 16 प.
(A 126) दे. 63 प. कपर्दिभाष्यम्.
(2729) आ. 40 प. ,,
(A 583) क. 63 प. (हरदत्तीया अनाकुलाख्या वृत्तिः समग्रा)
(138) आ. 51 प. ,, (अस)
(C 79) आ. 3 प. पूर्वोक्तग्रन्थावशिष्टभागः
(35) आ. 80 प. सुदर्शनाचार्यकृततात्पर्यदर्शनाख्या व्याख्या.
(A 50) आ. 67+48 प. ,,
(A 54) दे. 78 प. ,,
(681) आ. 135 प. ,,
(682) आ. 104 प. ,,
(721) आ. 145 प. ,,
(680) ना. 83+50 प. ,, उत्तरभागे 17-19 पत्रलोपः
(2707) आ. 104 प. ,,
(3741) आ. 100 प.
(A 430) क. 86 प. ,,
(A 23) आ. 34 प. प्रयोगदीपिका. तालवृन्तानिवासिकृता.
(664) आ. 54 प. ,,
(737) आ. 22—89 प.
(1477) आ. 41 प. ,,
(2699) आ 61 प. ,,

(2339) म. 26 प. ,,

आश्वलायनगृह्यसूत्रम्.

(C 521) दे. 28 प.

(3248) म. 93 —113 प.

(A 133) दे. 60 प. भाष्यं देवस्वामिकृतम्.

(C 501) दे. 47 प. वृत्तिः नारायणीया (स)

(C 1347) ना. 83 प. ,, ,,

(1650) ना. 21 प. ,, ,,

(3295) आ. 91 प. ,, ,,

(4190) ना. 88 प. ,, ,,

(A 127) दे. 108 प. ,, आनन्दरायवाजपेयिकृता. मन्त्रार्थयुता.

आश्वलायनगृह्यकारिका.

(C 1349) ना. 35 प.

आश्वलायनगृह्यतन्त्रदीपिका.

(3514) म. 40 प.

आश्वलायनगृह्यपरिशिष्टम्.

(C 468) दे. 93 प.

(C 1348) ना. 34 प.

कौथुमगृह्यसूत्रम्.

(B 722) क. 27 प. (21 खण्डाः)

खादिरगृह्यसूत्रम्.

(67) ना. 85—102 प. मूलं समग्रं.

(1937) ना. 13 प.

(1945) ना. 57—73 प.

(2501) ना. 183 -- 193 प.

(2990) प्र. 25—45 प. रुद्रस्कन्दीयव्याख्याचतुर्थपटले पञ्चदश खण्डसमाप्त्यन्तम्—

(57) ना. 37, 130—146 प.

(2502) ना. 36—84 प.

(3157) प्र. 93 प.

(B 731) प्र. 117 प.

(2673) प्र. 57 प. असमग्रा.

(B 817) क. 145 प. समग्रा.

(4344) प्र. 63 प. रङ्गराजीयव्याख्या. असमग्रा.

गोभिलगृह्यसूत्रम्.

(A 142) दे. 107 प. सभाष्यम्.

गौतमीयाचारसूत्रम्.

(2507) ना. 10 प.

(2548) ना. 8 प.

छन्दोगगृह्यपरिशिष्टम्.

(3242) प्र. 21—57 प.

जैमिनीयगृह्यसूत्रम्.

(A 22) आ. 22+24 प. सुबोधिनीयुतं मध्ये किंचिन्न्यूनम्.

पारस्करगृह्यसूत्रम्.

(C 1827) दे. 152 प. हरिरामकृतव्याख्योपेतम्.

बोधायनगृह्यसूत्रम्

(405) ना. 192 – 223 प.

(514) प्र. 41 — 104 प.

(B 24) आ. 189 प.

(1854) ना. 20 — 154 प.

(2060) ना. 109 प.

(2732) प्र 99 प.

(B 734) क. 62 प.

(514) प्र. 105—164 प. शान्तिकल्पसूत्रम्.

(691) आ. 109—154 प. सप्तपाकयज्ञशेषप्रश्नेषु आदितःतृतीयप्रश्ने. खण्डसप्तकपर्यन्तम्.

(3372) ना. 199 प.

(303) ना. 13—42 प. शिष्टिव्याख्या 3 प्रश्नाः

(B 353) क. 72 प. ,,

वैखानसगृह्यसूत्रम्.

(B 103) आ. 144 प. एकादशप्रश्नाः.

(तत्र गृह्यप्र 4 पैतृमेधिकप्र 1. पूर्वोत्तरसंस्कारप्रायश्चित्तप्र 2 धर्मप्रश्न 3 प्रवरप्र 1. विषयसूचीपत्रसहितं च.

(1359) प्र. 55 प. 11 प्रश्नाः.

(A 313) प्र. 253 पु. श्रीनिवासदीक्षितीय वैखानसगृह्यतात्पर्य-चिन्तामण्याख्यव्याख्यायुतम्. I भागः.

(A 327) प्र. (368—490) प. ,, II भागः

(A 329) प्र. 209 प. नृसिंहवाजपेयिकृतं भाष्यम्.

(5) पितृमेधसूत्रम्.

आपस्तम्बीयमपरसूत्रम्,

(238) आ. 40—55 प.

(A 20) क. 11 प. कपर्दिभाष्यम्.

(515) ना 14 प. ,,

(1273) आ. 49 प. पितृमेधनिबन्धनाख्यव्याख्या गोपालयज्वकृता.

(A 100) दे 53 प.

(2775) प्र. 28 प. व्याख्या हरदत्तीया

गौतमीयमपरसूत्रम्.

(1954) ना. 78—82 प.

(3242) प्र. 7 प.

(B 754) प्र. 148 प. विवरणम्.

द्राह्यायणश्राद्धविधिसूत्रम्.

(1937) ना. 30—34 प.

(2510) ना. 10 प.

(2548) ना. 11 प.

(2747) ना 12 प. व्याख्यानम्

द्राह्यायणीयमपरसूत्रम्, गौतमः

(495) ना 10 प.

(B 103) आ. 144 प. मध्ये वैखानसीयम्-

(1937) ना. 25 —30 प.

(1954) ना. 78—82 प.

(3242) प्र. 7 प.

(2990) प्र. 74—105 प.

(2673) प्र. 8 —39 प अनन्तयज्वविरचितटीकायुतम्.

(2548) ना 24—90 प. अल्लालभट्टीयटीकायुतम्.
(B 816) क 152 प. सभाष्यम्.
(B 754) प्र. 148 प. ,,

पारस्करापरसूत्रभाष्यम्. कर्कः

(3233) प्र 25 प.

बोधायनीयमपरसूत्रम्.

(405) ना. 237—243 प.
(514) प्र. 40 प.
(B 39) आ. 62 प.

भारद्वाजसूत्रम्.

(1705) प्र 33—46 प.
(B 852) प्र 17 पु.
(2288) आ. 10 प.
(2309) प्र. 11 प.
(2744) आ. 15 प.
(2040) प्र. 56 प. गोपालयज्वकृतं भाष्यम्.
(2258) प्र. 259—279 प. ,,
(2388) आ. 66 प ,,
(2577) प्र. 120 प. ,,
(3346) प्र. 28 प. ,,

वैखानसपिमपरसूत्रम्.

(B 103) आ. 144 प. (मध्ये)
(1359) प्र. 55 प.

(6) गृह्यप्रयोगः.

आश्वलायनीयः. (1)

अग्निमुखप्रयोगः ऋक्छाखीयः.

(133) ना 159 तमं पत्रम्.

आश्वलायनगृह्यसूत्रकारिका जयन्तोक्ता.

(C 188) दे. 34 प. 4 अध्यायाः.

(C 375) दे. 20 प. भट्टकुमारिलविरचिता. 5 माध्यायोपक्रमपर्यन्ता.

आश्वलायनब्रह्मयज्ञप्रयोगः.

(C 619) दे. 5 प.

आश्वलायनयल्लाजीयं यल्लाजाविरचितम्.

(C 1346) ना. 119 प.

औपासनाविधानम्.

(C 605) दे. 10, 8 प.

काम्यवृषोत्सर्गविधिः (आश्वलायनीयः.)

(909) ना. 41-42 प.

नाकबालिः. (3034) ना. 18 प.

पुंसवनादिनामकरणान्तप्रयोगः.

(905) ना. 3 प.

पूर्वप्रयोगः (आश्वलायनीयः.)

(4178) नां. 124-222 प.

(4243) आ. 59 प.

(4374) ना. 136 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः (आश्वलायनीयः.)

(2464) आ. 72 प.

(3960) आ. 50 प. नारायणभट्टविरचित:.

(4238) आ. 71 प.

(4241) ना. 101 प.

प्रयोगकौस्तुभः.

(C 522) दे. 15 प. चौलोपनयनप्रयोगौ.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहसूरिविरचितः.

(430) ग्र. 288 प. षोडशकर्मकाण्डः स्थालीपाकान्तः.

(1134) ना. 122 प. आह्निककाण्डः.

(1140) ना. 132 प. ,,

(3371) ना. 111 प. ,,

(1354) ना. 187 प. आदितः विवाहप्रकरणपर्यन्तः.

(2041) आ. 317 प. संस्कारकाण्डः.

(2611) ना. 15-236 प. ,, उपनयनप्रकरणान्तः.

(4193) ना. 226 प. उपनयनादि समग्रः.

(3959) आ. 195 प. व्रतनिरूपणतो विवाहनिरूपणान्तः.

प्रयोगमुक्तावलिः.

(1404) ग्र. 69 प. (पूर्वप्रयोगः)

(1885) आ 232 प. चतुर्थीदिनकृत्यपर्यन्ता.

प्रयोगरत्नं नारायणभट्टीयम्.

(C 151) दे. 233 प. संस्कारपद्धतौ विधुरौपासनान्तम्.

(C 196) दे. 320 प. ,, माघवर्षश्राद्धप्रयोगान्तम्.

19, 21, 101-113, 219-253 पत्राण्येतानि न सन्ति.

(C 142) दे. 45 प. इष्टिविषये नैमित्तिकश्राद्धप्रायश्चित्तनिरूपणान्तम्.

(C 238) दे. 98 प. अन्त्येष्टिपद्धति.

(C 143) दे. 42 प. ,, 25, 26, 30, 31, 33, 34, 39, 40 पत्रलोपः.

(C 848) दे. 23 प. अष्टकान्तम्.

(C 1646) दे. 221 प.

(4225) ना. 148 प.

प्रयोगसारः निजानन्दीयः.

(2558) ना. 151 प.

राजरत्नाकरप्रयोगः.

(2613) ना. 28 प.

सर्पबलिः शौनकीयः.

(2972) ग्र. 8 प.

स्मार्तदिनमणिः.

(2148) क 67 प.

स्मार्तप्रदीपिका गृह्यप्रयोगः.

(1282) ग्र. 134 प.

(B 202) क. 66 प.

(3032) ना. 96 प.

(4189) ना. 120 प.

(4240) ना. 56 प.

(4234) ना. 100 प. असमग्रा.

आपस्तम्बीयगृह्यप्रयोगः (2)

अन्त्येष्टिपद्धतिः आपस्तम्बीया.

(3034) ना. 34 प.

आपस्तम्बगृह्यकारिका.

(4) ग्र. 2 प. उपनयनलेखाहोमसमिन्तानाम्.

आपस्तम्बगृह्यप्रयोगदीपिका तालवृन्तनिवासीया.

(2339) ग्र. 26 प.

(2699) आ. 61 प.

आपस्तम्बपूर्वप्रयोगकारिका.

(828) ना. 101 प.

आपस्तम्बयज्ञाजीयम्.

(2075) आ. 111 प.

(2244) आ. 102 प.

(2580) आ. 209 प.

(2891) ना. 48 प.

(4185) ना 179 प. (? आश्व? आप?

ईशानबलिप्रयोग.

(2308) ग्र. 3 प.

(2705) आ. 5 प.

कण्ठभूषणं गृह्यरत्नव्याख्यानं वैदिकसार्वभौमीयम्.

(1176) ग्र. 126 प.

कपर्दिकारिका.

(B 35) क. 66 प. 576 कारिकाः.

(B 852) ग्र. 27 प.

(534) ग्र. 13-17 प.

(1818) ना. 35 प.

गृह्यरत्नसुदीधितिः वैकुण्ठदीक्षितीया.

(197) ग्र. 229 प.

(587) आ. 183 प. द्वादशविधपुत्रनिरूपणपर्यन्ता, प्रायशः पत्राणि त्रुटतानि.

(1419) आ. 245 प.

(2995) प्र. 338 प.

(A 572) क. 155 प.

चन्द्रचूडीयप्रयोगः.

(4311) आ. 120 प. समग्रः.

(692) आ. 85 प. 51-64 पर्यन्तपत्रलोपः.

(474) आ. 63 प. संस्कारनिर्णयः.

(C 150) दे. 105 प ,,

(218) आ. 116 प पाकयज्ञनिर्णयः.

(474) आ. 62-96 प. ,,

(C 150) दे. 85 प. ,,

(15 3) आ. 3-78 प. ,,

(2150) आ. 62 प. ,, उत्तरभागः.

(C 150) दे. 68 114 प. मासिश्राद्धमारभ्य आन्तः.

(4311) आ. 23 प. मासिश्राद्धविधिः.

(,,) आ. 31 प. अष्टकाश्राद्धविधिः.

(589) आ. 126-253 प. संस्कारनिर्णयपाकयज्ञनिर्णयौ.

नारायणबलिप्रयोगः.

(1492) प्र. 2 प.

परस्वर्गानुक्रमणी.

(3266) आ. 77 प.

पुण्याहाभिमुखनवग्रहप्रयोगः.

(925) आ. 6 प.

पूर्वप्रयोगः आपस्तम्बीयः

(929) प्र. 18-60 प. जातकर्मादिविवाहान्तः.

(932) प्र. 8 प.

(1557) ना. 206 प.

(2103) प्र. 39 प.

(2338) प्र. 134-158 प.

(2855) ना. 15-150 प.

(3161) आ. 57 प.

(4257) प्र. 45 प.

पैतृमेधिकविधिः (आपस्तम्बीयः.)

(68) ना. 78-91 प. अनुमासिकादिः दुर्मरणप्रायश्चित्तान्तः.

(260) आ. 32-97 प. असमग्रः.

(266) आ. 73 प. समग्रः.

(478) ग्र. 19 प. श्रीनिवासदीक्षितविरचितस्समग्रः.

(694) ना. 37 प. (दर्पणानुसारी) सपिण्डीकरणान्तः प्रत्याब्दिकश्राद्ध-प्रयोगश्च.

(828) ना. 101 प. मध्ये कारिकासहितः.

(974) आ. 33 प.

(1616) ग्र. 44, 18, 8, 8 प.

(2040) ग्र. 57-70 प.

(2309) ग्र. 30 प.

(2577) ग्रं. 121-175 प. कारिकासहितः.

(2725) आ. 26 प. आहिताग्नेः.

(2891) ना. 33 प.

(3492) ग्र. 57 प.

(4174) ग्र. 61-164 प.

(4175) ग्र. 40 + 36 प.

प्रयोगकौस्तुभः चिदम्बरदीक्षितीयः.

(2026) ना. 70 प.

प्रयोगचन्द्रिका वीरराघवीया.

(748) ना. 28 प. 9 खण्डमारभ्य 16 खण्डान्त

(1142) ग्र. 28 प.

(1473) ग्र. 26 प.

(1503) ग्र. 58 प.

(2339) ग्र. 15 प.

(2398) ग्र. 51-112 प.

(4155) ग्र. 41 प. रामचन्द्रविरचिता, समग्रा.

प्रयोगदर्पणं वीरराघवार्यकृतम.

(1142) ग्र. 46 प.

(1459) ग्र. 36 प.

(1485) ग्र. 42 प.

(1492) ग्र. 85 प.

(1503) ग्र. 53 प.

(1705) ग्र. 46-74 प.

(2174) आ. 42 प.

(2268) ग्र. 62-93 प.

(2339) ग्र. 27 प.

(3237) ग्र. 63 प.

प्रयोगपद्धतिः (शिङ्गाभट्टीया.)

(251) आ. 59-198 प. मध्ये कानिचित्पत्राणि न सन्ति.

(2681) ना. 107 प.

(3202) ना. 139 प.

प्रयोगप्राणवल्लभ. (धर्मशास्त्रवचनसंग्रहरूपः.)

(4100) ना. 82-114 प.

प्रयोगमुख्यसारः.

(C 1805) दे. 7 प असमग्रः.

बोप्पणभट्टीयम्.

(694) ना. 105 प.

(1763) ना. 87 प.

(2149) ना. 9-22 प. असमग्रम्

(2323) ग्र. 118 प.

याजुषप्रयोगपारिजातः.

(2135) आ. 174 प.

लोष्टचयनविधिः.

(2258) ग्र. 216-219 प.

श्राद्धप्रयोगः (आपस्तम्बीयः.)

(738) ना. 7-13 प. ब्रह्मचारिनारायणबलिश्च.

(2061) आ. 18 प.

(2156) आ. 13 प.

(3865) ग्र. 23 38 प.

श्रुत्यर्थकारिका.

(4100) ना. 121-129 प.

सुदर्शनकारिका.

(2088) आ. 23 प.

(2709) ना. 61 प.

(3) बोधायनीयगृह्यप्रयोगः

अग्निमुखप्रयोगः. (बोधायनीयः,)

(346) आ. 13 प.

(B 346) आ. 313 प. कनकसभापतीयम्.

(2315) ग्र. 34 प. गृह्यप्रयोगः.

दुर्मरणप्रायश्चित्तक्रमः (बोधायनोक्तः,)

(213) ना. 4 प.

(266) आ. 117-134 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः,

(2117) ग्र. 84-113 प.

प्रयोगचूडामणिः (अपरप्रयोगः,)

(213) 7-52, 112 प. पितृमे ःं-आशौच-श्राद्ध-प्रायश्चित्तप्रकरणानि.

(3373) ना. 120 प.

प्रयोगमणिमाला,

(2055) आ. 39 प. 7 पाटलाः.

(3374) ना. 181 प.

प्रयोगसारपीयूषं कुमारस्वामिविष्णुविरचितं,

(293) ना. 88-117 प. (पूर्वप्र) परिभाषाकाण्डे उत्तरभागः, संस्कार-आन्हिक-नित्यनैमित्तिक-काण्डाश्च.

(213) ना. 16 प. (अपरप्र.)

(2732) ना. 15 + 13 प.

बोधायनीयगृह्यकारिका,

(2863) ना. 6 प.

(3874) ग्र. 34.

बोधायनीयपूर्वप्रयोग., नृसिंहीयः,

(3742) आ 61 प.

(4152) ग्र. 10-55 प.

लाजहोमप्रयोगः बोधायनीयः,

(346) आ. 2 प.

(4) द्राह्यायणीयगृह्यप्रयोगः.

उपाकर्मप्रयोगः,

(2525) ना. 29 प.

खादिरगृह्यप्रयोगवृत्तिः रङ्गराजीया,

(57) ना. 38-69 प.

गृह्यपरिशिष्टम्,

(1939) ना. 27 प.

गृह्यप्रयोगः,

(3649) ग्र. 14 प.

(3668) ग्र. 43 प.

गृह्यप्रयोगपारिजात, पुरुषोत्तमभट्टीयः,

(2034) ग्र. 146 प.

पूर्वप्रयोगः,

(62) ना. 75, 14, 27, 17 प तदनुसारिधर्मशास्त्रवचनसंग्रहश्च.

(417) ना. 8-66 प. मण्टपविसर्जनान्तः.

(1942) ना. 111 प.

(2472) ना. 115 प.

(2503) ग्र. 46 प.

पूर्वापरप्रयोगपद्धति , नरहरिभट्टकृता,

(375) ना. 167 + 4 प. प्रयोगाभिरामान्तर्गतः नारायणबलिप्रयोगश्च.

(417) ना. 56 प. वामनकारिकानुसारिणी.

पैतृमेधिकप्रयोगः,

(2504) ना. 106-162 प.

(2505) ना. 30-60 प.

(1954) ना. 82-87 प गौतमीयः.

लिङ्गणभट्टीयम्,

(1937) ना. 74-171 प.

(1975) ना. 172 प.

वामनकारिका,

(67) ना. 68 प.

(1937) ना. 35-73 प.

(2972) ग्र. 156-206 प.

(2502) ना. 35 प.

(1950) ना. 32 प.

(1965) ना. 22 प.

(2560) ना, 63 प.

(3156) ग्र. 79 प.

(3241) ग्र. 38 प.

व्रतोपाकर्मादिविधिः,

(2990) ग्र. 46-73 प.

श्राद्धप्रयोगः

(417) ना. 14 प.

(417) ना. 82-100 प. मङ्गलाष्टकानि, वैश्वदेवप्रयोगः, देवर्षिपितृमनुष्यतर्पणविधिश्च.

(1684) ग्र. 15 प.

(1949) ग्र. 44 प.

(2503) ग्र. 56 प.

सहगमनविधिः, महाभिषेकविधिश्च, (खादिरसूत्रस्थः)

(68) ना. 9 प.

स्मार्तपदार्थानुक्रमणिका, (शय्यान्प्रयोगः)

(B 732) ग्र. 127 प.

(2972) ग्र. 51 प.

(5) कात्यायनीयगृह्यप्रयोगः

कत्यायनीयगृह्यप्रयोगः, (योगानन्दभट्टीयः)

(B 782) क. 152 प. 23 परिच्छेदाः.

(6) माध्यंदिनीयगृह्यप्रयोगः

स्मार्तपद्धतिः,

(C 1822) दे. 53 प.

(7) वैखानसगृह्यप्रयोगः

गृह्यप्रयोगवृत्तिः, सुन्दरराजीया.

(3969) ग्र. 74. प.

(8) धर्मसूत्रम्

आपस्तम्बधर्मसूत्रम्

(17) आ. 25 प. मूलं समग्रम्.

(238) आ. 39 प. मूलं समग्रम्.

(2285) ग्र. 71 प. ,,

(349) आ. 21-38 प. हरदत्तीयमुज्वलाख्यं व्याख्यानम्. सार्धसप्तखण्डाः

(237) आ. 46-121 प. ,, 1 प्रश्नः

(475) आ. 75 प. ,, समग्रम्

(A 19) आ. 163 प. ,,

(17) आ. 42 प. ,, 1 मप्रश्ने 7 पटलाः.

(690) ना. 194 प. ,,

(691) आ. 108 प. ,, 1 मप्रश्ने 22 तमखण्डमारभ्य समग्रम्.

(714) ग्र. 154 प. ,,

(730) ग्र. 198 प. ,,

(1500) ग्र. 29,129 प. ,,

(1561) आ. 81 प. ,,

(1747) ग्र. 216 प. ,,

(2281) ग्र. 80 प. ,,

(2704) ना. 116 प. ,,

(C 403) ना. 56-65 प. ,,

(4110) ग्र. 11 प. ,, गार्ग्यगोपालयज्वाविरचितव्याख्या 2 यःप्रश्नः

गौतमधर्मसूत्रम्,

(64) आ. 11 प. समग्रम्,

(238) आ. 56-75 प.

(349) आ. 20 प.

(424) आ. 20 प. 23 अध्यायाः.

(1551) ना. 15 प. ,,

(1747) ग्र. 25 प.

(1961) ना. 10 प.
(3197) ग्र. 16–30 प.
(3242) ग्र. 16 प.
(374) ना. 163 प. मस्करिभाष्योपेतम् 26 अध्यायाः.
(1386) ना. 181 प. ,, समग्रम्.
(2143) ग्र. 130 प. ,, शिथिलम्.
(2600) ग्र. 150 प. ,, ,,
(3319) ग्र. 74 प. ,, 23 अध्यायाः.
(A 334) क. 470 प. ,,
(4345) ग्र. 64–203 प. ,, असमग्रम्.
(A 129) आ. 214 प. हरदत्तीयमिताक्षरासहितम्.
(2344) ग्र. 245 प. ,,
(2475) ना. 198 प. ,,
(2165) ना. 91 प. ,,
(C 1328) दे. 157 प. ,,
(A 499) क. 128 प. ,, असमग्रम्.
(B 34) आ. 17 प. क्रियाकाण्डः.
(C 574) आ. 10 प. आचारसूत्रम्.

बोधायनधर्मसूत्रम्,

(B 25) आ. 519–653 प. मूलं समग्रम्.
(405) ना. 243–261 प. ,,
(424) आ. 28–65. आदितः चतुर्थप्रश्ने 11 श खण्डपर्यन्तम्.
(514) ग्र. 175–224 प. ,,
(691) आ. 109–154 प. 2 प्रश्नौ.

(2732) ग्र. 99-135 प.

(936) ग्र 138 प. गोविन्दस्वामीयं भाष्यम. 139-183 प. सूत्र-
पाठः. 1 मपत्रं नास्ति.

(A 138) आ. 127 प ,,

(A 144) आ. 100 प ,,

वैखानसधर्मसूत्रम्,

(B 103) आ. 114 प. (मध्ये)

(1359) ग्र. 55 प. ,,

(B 752) ग्र. 59 प.

III स्मृतिः

(1) मूलस्मृतिः

आङ्गिरसस्मृतिः,

(A 137) आ. 158 पु. 12 अध्यायाः.

आत्रेयस्मृतिः,

(A 136) आ. 42-48 प.

(1656) आ. 51-53 प.

आपस्तम्बस्मृतिः,

(A 137) आ. 244–340 पु. 5 पटलाः. षष्ठे 173 श्लोकाश्च.

आश्वलायनस्मृतिः,

(C 1) दे. 159 प. समग्रा.

(2302) ना. 173 प. 12 अध्यायाः.

(3545) ना. 62 प. 12–15 अध्यायाः.

ाशनसस्मृतिः,

(A 136) आ. 27 प.

कण्वस्मृतिः,

(A 136) आ. 67–117 प.

कपिलस्मृतिः,

(A 136) आ. 241–294 प.

काश्यपस्मृतिः,

(4064) म. 28 प.

गौतमस्मृतिः,

(A 137) आ. 159–243 पु. 14 अध्यायाः.

दक्षस्मृतिः,

(A 136) आ. 108-117 प.

देवलस्मृतिः,

(A 136) आ. 35-39 प.

नारदस्मृतिः,

(3624) म. 17 प.

पराशरस्मृतिः,

(C 213) दे. 33 प.

(424) आ. 26 प.

(2275) म. 248-279 प.

(2680) आ. 131-140 प.

(2937) म. 21 प.

(3534) म. 224-255 प.

(68) ना. 24 प. माधवीयसहितः. अघनिर्णयः.

(700) ना. 129-206 प. ,, व्यवहारकाण्डः.

(C 120) दे. 141 प. ,, ,,

(C 147) दे. 22 प. माधवीयव्यवहारकाण्डः
(1154) आ. 186 प. ,,
(1621) ना. 155 प. ,,
(C 658) दे. 273 प. ,,
(1760) ना. 40 प. ,, पारिव्राजकप्रकरणपर्यन्तः.
(1793) ना. 237 प. ,, व्यवहारप्रायश्चित्तकाण्डौ
(2383) आ. 197 प. ,, आचारकाण्डः.
(2711) आ. 81 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः.
(2275) म. 211-247 प. ,, संग्रहरूपः
(2490) म. 94 प. ,, ,,
(3001) म. 127-181 प. ,, द्वादशोऽध्यायः.
(2765) आ. 98 प. कामेश्वरवसन्तसोमयाजिया लघुहितधर्माख्याव्याख्या.
(3512) म. 99 प. ,,

पुलस्त्यस्मृतिः.

(A 136) आ. 39—40 प.

बुधस्मृतिः.

(A 136) आ. 40—42 प.

बृहस्पतिस्मृतिः.

(1656) आ. 63—65 प. (स)
(3534) म. 264—268 प.

भरद्वाजस्मृतिः.

(A 137) आ. 341—517 पु. (स)

मनुस्मृतिः.

(1050) आ. 116 प.

(3149) ग्र. 54-123 प. 7-12 अध्यायाः.

(3899) ग्र. 148 प.

(33) आ. 84 प नन्दपण्डितीयव्याख्यासहिता.

यमस्मृतिः.

(A 137) आ. 518—525 प.

याज्ञवल्क्यस्मृतिः.

(C 165) दे. 12 प. मूलं असमग्रम्.

(3583) ग्र. 167—209 प.

(1138) आ. 140 प. विज्ञानेश्वरीयमिताक्षराव्याख्या. व्यवहारकाण्डः.

(1266) आ. 124 प. ,,

(1576) ग्र. 83 प. ,,

(1577) ग्र. 102 प. ,,

(1681) ग्र. 189 प. ,,

(A 102) आ. 36 प. ,, कश्चिद्भागः.

(C 106) दे. 116 प. ,, प्रकीर्णकपदनिरूपणान्तः.

(C 107) दे. 66 प. ,, दायव्यवहारपदपर्यन्तः.

(3455) ग्र. 206 प. ,,

(3654) ग्र. 144 प. ,,

(C 311) दे. 202 प. ,,

(C 432) आ. 227 प. ,,

(2199) आ. 90 प. ,,

(2680) आ. 119 प. ,, आचारव्यवहारकाण्डौ.

(2997) ग्र. 199 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः.

(3344) म. 338 प. ,,

(4194) ना. 192 प. ,,

(C 1542) आ. 265 प. ,, 2 काण्डौ.

(B 779) आ. 104 प. विश्वरूपविरचिता विवरणबालक्रीडाख्या व्याख्या व्यवहारकाण्डः.

(C 241) दे. 52 प विश्वेश्वरीयसुबोधिन्यां दायप्रकरणम्

(A 15) आ. 2- -90 प. ,, 2 अध्यायौ.

लघुहारीतस्मृतिः.

(A 136) आ. 175—185 प.

लिखितस्मृतिः.

(A 136) आ. 49—66 प.

(3798) म. 23 प. दक्षस्मृतिश्च.

लोहितस्मृतिः.

(A 136) आ. 120—156 प.

वसिष्ठस्मृतिः (वैष्णवधर्मः).

(1364) म. 27—69 प.

(A 136) आ. 157—174 प.

(1782) ना. 90 प. 9 अध्यायाः.

विश्वामित्रसंहिता.

(1364) म. 26 प. आदितः 12 अध्यायाः. स्नानसंध्यावन्दनादिनित्यकर्मप्रकरणम्.

(A 136) आ. 214—240 प.

(2235) आ. 45 प. 10 अध्यायाः.

विष्णुस्मृतिः.

(A 136) आ. 201--213 प.
(B 193) आ. 20 प. 2 अध्यायौ.

व्यासस्मृतिः.

(1656) आ. 58—62 प. (स).
(1684) प्र. 31—38 प. उत्तरखण्डः.
(3534) प्र. 217—223 प.

शङ्खस्मृतिः.

(A 136) आ. 33—35 प.

शाण्डिल्यस्मृतिः.

(4064) प्र. 20—51 प.

शातातपस्मृतिः.

(A 136) आ. 28—33 प.
(1656) आ. 53—58 प. समग्रा.
(3534) प्र. 255—264 प.
(3798) प्र. 23 प.

शिवधर्मशास्त्रम्. (नन्दिकेश्वरोपपुराणम्)

(1816) प्र. 74 प. (12 अध्यायाः).
(3155) प्र. 63 प.
(3566) प्र. 50 प.

शौनकधर्मशास्त्रम्.

(A 550) आ. 61 प. समग्रम्.

संवर्तस्मृतिः.

(A 136) आ. 186—200 प.

(1656) आ. 65—75 प. (स).

(3534) प्र. 182—196 प.

स्मृतिसंग्रहः.

(3154) प्र. 192 प. अत्र 19 स्मृतयस्सन्ति. ताश्च—विष्णु, बृहस्पति, दक्ष, यम, लिखित, आङ्गिरस, नारद, गौतम, वाधूल, औशनस, संवर्त, हारीत, आत्रेय, शातातप, देवल, पुलस्त्य, बुध, भरद्वाज, वसिष्ठाः ॥

हारीतस्मृतिः.

(626) प्र. 20 प. 2—3 अध्यायौ.

(685) प्र. 152 प. 8 अध्यायाः.

(887) आ. 83 प.

(3534) प्र. 196—216 प.

(2582) प्र. 102—148 + 183—212 प. हारीतादिः.

(२) निबन्धग्रन्थाः.

अक्षमालाप्रतिष्ठाविधिः.

(C 461) दे. 137—138 प.

(C 696) दे. 2 प.

अखण्डादर्शः.

(695) ना. 76 प. व्यवहारकाण्डः. 39—50 पत्रपर्यन्तं लुप्तः.

(3227) प्र. 81 प. व्यवहारकाण्डः.

अखण्डानन्दीयः.

(2562) ना. 60 प. व्यवहारः.

अग्निसंधानप्रयोगविधिः.

(924) आ. 3 प.

(,,) ,, 106—112 प.

(639) ,, 6 प.

अघदशकम्.

(2286) प्र. 39—40 प.

(3224) प्र. 184—229 प. व्याख्या दुर्जयकृता.

अघनिर्णयः.

(1684) प्र. 21—25 प. कौशिकविष्णुशर्मविरचितः

(1863) प्र. 107—188 प.

(B 862) प्र. 30 प. पञ्चनदेशविरचितः.

अघप[illegible]ष्टिः.

(2286) प्र. 38—39 प.

अघविवेकः.

(2482) प्र. 18 प. वासुदेवयज्वकृतः.

(4133) प्र. 53—65 प. नीलकण्ठदीक्षितविरचितः.

अघा[illegible]

(107) आ. 126—130 प. रामचन्द्राध्वरिविरचितम्.

(922) आ. 3 प.

(1198) प्र. 9 प.

(1492) प्र. 5 प.

(1684) प्र. 16—20 प.

(1705) प्र. 4 प.

(2286) प्र. 6 प.

अघषाष्टिः रामचन्द्रकृता.

(2286) ग्र. 11 प.

(3630) ग्र. 19 प.

(3628) ग्र. 41 प. अवधानिकृता व्याख्या.

अघसंग्रहदीपिका.

(2286) ग्र. 11—37 प.

अघसंग्रहव्याख्या.

(1198) ग्र. 15 प.

अधिकमासविचारः.

(2742) आ. 12 प. राजेश्वरशास्त्रिकृतः.

अनपत्यत्वहरादिशान्तयः.

(909) ना. 5—10 प.

अनुमासिकादिविधिः.

(68) ना. 78—91 प.

अपराक्रियाऽनिर्वृत्तौ शुभकार्यनिषेधः.

(68) ना. 4 प.

अभिनवषडशीतिः.

(3294) आ. 79 प.

अर्घ्यादिमन्त्रपूजाविधानम्.

(863) क. 32 प.

अविभक्तभ्रातृपुत्रविभागविचारः.

(C 1430) दे. 4 प.

अश्वत्थप्रदक्षिणपूजाविधिः.

(B 545) क. 9—10 प.

अश्वत्थोपनयनविवाहविधिः.

(1346) आ. 15 प.

(4218) आ. 16 प.

(4247) आ. 28 प.

(C 251) ना. 5 प.

अष्टबन्धनविधिः. वातुलागमीयः.

(C 696) दे. 2 प.

आचारनवनीतम्. मायवरं अप्पाध्वरिविरचितम्.

(A 186) आ. 259 प.

(2230) प्र. 133 प. श्राद्धकाण्डः.

आचारप्रदीपः कमलाकरभट्टविरचितः.

(C 211) दे. 105 प. सप्रयोगमाह्निकप्रकरणम्.

आचारसंग्रहः.

(1253) आ. 18 प.

आतुरसंन्यासविधिः.

(14) ना. 5 प.

(107) क. 131—135 प.

(C 201) दे. 8—17 प.

(C 199) दे. 35—54 प. क्रमसंन्यासविधिश्च. शौनकीयः.

आपत्संन्यासः.

(266) आ. 74—114 प. संन्यासिनामन्त्येष्टिः, नारायणबलिश्च.

आयुष्यहोमविधिः.

(4259) ना. 3 + 55—70 प. अघविवेचनं च.

(C 534) आ. 5 प. बोधायनीयः,

आशौचचन्द्रिका. उत्तुङ्गशिवाचार्यकृता.

(B 936) ग्र. 20 प.

आशौचत्रिंशच्छ्लोकी.

(68) ना. 8 प.

(1122) ना. 171—230 प. (मध्ये.)

(C 133) आ. 10 प. सव्याख्या.

(694) ना. 18-21 प. रघुनाथभट्टव्याख्या.

(C 144) दे. 86 प. ,,

(78) ना. 69 प. रामेन्द्रभारतीन्द्रयतिव्याख्या.

(C 10) दे. 14 प. भट्टाचार्यव्याख्या.

(C 668) दे. 17 प. रामेश्वरभारतीकृता विवृतिः.

(C 1119) दे. 20 प. कौशिकादित्यकृता व्याख्या.

आशौचदर्पणम्.

(1684) ग्र. 12 प. नारायणोपाध्यायविरचितम्.

आशौचदशश्लोकी.

(C 177) दे. 23 प. सव्याख्या।

(133) ना. 143—144 प.

(694) ना. 17 शं. पत्रम्.

(1122) ना. 226—230 प.

(4183) ना. 16 प. शतश्लोकी च.

आशौचदीपिका. शैवागमीया.

(4082) ग्र. 158—184 प. वेदज्ञानदेवविरचिता.

आशौचनिर्णयः.

(694) ना. 8 प.

(1648) ग्र. 13-16. प. कौशिकगोविन्दार्यरचितः.

(C 155) दे. 8 प. कृष्णसूनुहरिकृतः.

(C 268) दे. 4 प. शेषाचार्यविरचितः.

(C 179) दे. 6 प. नरसिंहयज्वकृतः. दत्तविषयकः.

(C 1029) ना. 19 प. रङ्गनाथशास्त्रीयः.

(C 1081) दे. 5 प. त्र्यम्बकीयः.

(C 1545) दे. 8 प. छलारीयः.

(C 1645) दे. 7 प. भट्टोजीदीक्षिताविरचितः.

(4163) ग्र. 37 प.

आशौचप्रकरणम्. भट्टोजिदीक्षितविरचितम्.

(C 213) ना. 106—112 प. प्रायश्चित्तकाण्डान्तर्गतम्.

(C 180) दे. 13 प.

(C 190) दे. 7 प.

(694) ना. 8 प. स्मृतिसारसमुच्चयान्तर्गतम्.

आशौचशतकम्.

(1408) आ. 4 प. वैदिकसार्वभौमीयम.

(1122) ना. 226–230 प. ,, सव्याख्यानम.

(2286) ग्र. 41-93 प. ,, ,,

(3583) ग्र. 64 प. ,, ,,

(4159) ग्र. 150 प. ,, ,, समग्रम.

(898) आ. 15-20 प. हारीतवेंकटार्यविरचितम.

(C 181) दे. 5 प. ,,

(1684) ग्र. 26-30 प. ,,

(1467) आ. 40, 70-73 प. ,, सव्याख्यं (असं.)

(1709) ग्र. 11, 40 प. ,,

आशौचषडशीतिः कौशिकादित्यविरचिता.

(304) आ. 37-53 प.

(1460) आ. 10 प.

(C 666) दे. 9 प.

(A 56) क. 14 प. सव्याख्या.

(C 200) दे. 20 प. ,,

(694) ना. 8-16 प. ,,

(2237) आ. 8 प ,,

(1809) ना. 78 प. ,,

आशौचसंग्रहः

(1821) ना. 4 प.

आह्निकम्. रङ्गनाथयतीन्द्रविरचितम्.

(1689) ग्र. 66 प.

आह्निकचन्द्रिका.

(2668) आ. 25 प.

आह्निकतरङ्गः.

(C 1902) दे. 47-139 प. श्रीनिवासतीर्थीयः.

आह्निकपद्धतिः.

(C 148) दे. 19 प. रघुनाथभट्टकृता.

आह्निकप्रयोगः.

(2686) आ. 28 प. नृसिंहविरचितः. असमग्रः.

आह्निकविधिः.

(955) ग्र. 79-80 प.

(4228) आ. 77 प. समग्रः.

आह्निकविधिसारसंग्रहः.

(459) ग्र. 108 प.

(464) ग्र. 117 प. असमग्रः.

आह्निकसंग्रहः.

(905) ना. 40--53 प.

उग्ररथशान्तिः.

(60) ना. 85+15 प.

(2496) ना. 39-71 प.

(3803) ना. 76 प.

(C 225) दे. 2 प.

(905) ना. 65-70 प.

(C 496) क. 28 प.

उभयतोमुखगोदानप्रयोगः.

(C 541) आ. 4 प.

ऊर्ध्वपुण्ड्रविचारः.

(162) आ. 30-31 प.

(C 1405) दे. 9 प.

एकनक्षत्रजननशान्तिः.

(C 696) आ. 1 प.

एकादशीनिर्णयः,

(C 145) दे. 14 प.

(903) ना. 44-49 प.

एकादशीविचारः.

(4001) ना. 29 प.

(4201) ना. 26 प.

कर्मविपाकः. (महार्णवः) विश्वेश्वरभट्टविरचितः.

(411) ना. 78 प. गद्गदहरसरस्वतीदानविधिपर्यन्तः.

(1536) ग्र. 110 प.

(2637) ग्र. 240 प. 12 तरङ्गाः.

(2077) आ. 217 प. ,,

(2181) आ. 152 प. 10 ,,

(2282) आ. 41-63 प 5 ,,

(3487) ग्र. 117 प.

(64) ना. 10 प. मान्धातृविरचितः. सूर्यदानादियात्रादानान्तः

(2282) आ. 32-59 प. हेमाद्रिदानखण्डीयः.

(981) ग्र. 259 प. (शिथिलः तत्रतत्र ग्रन्थलोपः.)

कर्मविपाकप्रायश्चित्तसुधानिधिः. सायणीयः.

(A 180) ग्र. 28 प.

(2282) आ. 31 प.

कर्मविपाकरत्नं कमलाकरभट्टकृतम्.

(C 892) दे. 95+46 प.

काम्यवृषोत्सर्गः.

(C 696) आ. 3 प.

(906) ना. 28-31 प.

कार्तिकपूर्णिमागजपूजाविधिः.

(B 545) क. 10-11 प.

कार्तिकशुक्लप्रतिपदि द्यूतक्रीडाविधिः

(C 696) क. 5 प.

कालनिर्णयः.

(68) ना. 80 प. माधवाचार्यविरचितः.

(71) आ. 122 प. ,,

(1133) आ. 166 प. ,, पूर्वभागः.

(1141) आ. 167-277 प. ,, उत्तरभागः.

(1272) आ. 77 प. ,,

(2184) आ. 288 प. ,,

(2251) आ. 45 प. ,, असमग्रः.

(2680) आ. 141-199 प. ,,

(3369) ना. 165 प. ,,

(3955) आ. 182 प. ,,

(3958) आ. 149 प. ,,

(C 660) दे. 164 प. ,,

(C 847) दे. 16 प. कारिकाव्याख्या.

(113) ना. 121-135 प. लघुः भारतीतीर्थविरचितः.

(1101) ना. 67-87 प. ,,

कालनिर्णयचन्द्रिका दिवाकरभट्टविरचिता.

(C 228) दे. 80 प. पौषमासनिर्णयान्ता.

(4012) आ. 119 प.

कालनिर्णयदीपिका.

(C 152) दे. 60 प. मूलं. रामचन्द्रार्यकृता.

(C 178) दे. 123 प. मूलकर्तृसूनुना नृसिंहार्येण विरचिता विवृतिः.

(C 966) दे. 117 प. ,,
(C 1026) ना. 41 प. ,, असमग्रा.
(2874) आ. 209-262 प. ,, ,,

कालनिर्णयप्रकाशः भट्टरामचन्द्रकृतः.

(C 146) दे. 123 प. कालनिर्णयश्च.

कालप्रकाशिका नृसिंहकृता.

(2044) ग्र. 259 प. 72 अध्यायाः.
(2110) ग्र. 62 प. 40 ,,

कालादर्शः आदित्यसूरिकृतः.

(2531) आ. 114 प.
(3001) ग्र. 52-136 प. एकादशीविचारतस्समग्रः.
(2251) आ. 16-69 प. 447 श्लोकाः.

कूश्माण्डहोमविधिः.

(182) ग्र. 38 प.
(125) आ. 9-10 प.
(294) आ. 9 प.
(516) आ. 14 प.
(920) आ. 140-142 प.

कृत्तिकादीपनिर्णयः शम्भुनाथसंगृहीतः.

(899) ना. 8 प.

कृष्णाचार्यस्मृतिः (स्मृतिसंग्रहाख्या)

(A 17) दे. 327 प. दुर्मरणविषयपर्यन्ता.
(C 80) दे. 300 प. सायमग्निहोत्रकालनिर्णयान्ता.

केशदाहशान्तिः शौनकीया.
(C 696) 1 प.

क्रियादीपः. पराशरभट्टारककृतः.
(2064) आ. 6 प.
(2422) आ. 4-7 प.

गजाश्वपट्टाभिषेकविधिः.
(C 696) आ. 4 प. हेमाद्रीयः.

गणहोमविधिः.
(516) आ. 6 प.
(294) आ. 9 प. कूश्माण्डहोमश्च.

गयापद्धतिः शिवरहस्योक्ता.
(C 793) आ. 17 प.
(743) आ. 2 प.

गर्गभरद्वाजकुलाविवाहाविचारः.
(608) ग्र. 15 प. पट्टाभिरामीयः.

गर्भाधानादिकालनिर्णयः.
(1940) ना. 21-33 प.

गायत्रीजपानिर्णयः.
(496) ना. 13 श. पत्रम्.

गुरुपूजाविधिः.
(B 375) क. 123-131 प.

गृहदेवताप्रतिष्ठाविधिः.
(262) ना. 30-37 प.

गोत्रप्रवरनिर्णयः.

(78) ना. 42 प. अभिनवमाधवाचार्यविरचितः.

(373) ना. 105-110 प. ,,

(A 83) क. 51 प. ,, सव्याख्यः

(904) ना. 205-208 प. ,,

(905) ना. 36-37 प. ,,

(C 996) ना. 5 प. ,,

(2870) ना. 34 प. ,,

(B 95) आ. 33 प. केशवदैवज्ञटीकासहितः.

(C 893) दे. 5 प. नागेशभट्टकृतः.

(4177) ना. 99-123 प. बोधायनीयः.

(927) ग्र. 7 प. गोत्रनिर्णयः.

(B 96) आ. 34-46 प. गोत्रदर्पणनिर्णयप्रवरखण्डौ.

गोपूजाविधिः.

(903) ना. 3 प.

गोपालदेशिकाह्निकम्.

(2079) ग्र. 57 प.

(2412) आ. 37 प.

गोसहस्रदानविधिः.

(C 696) आ. 2 प.

गौरीतृतीयानिर्णयः.

(C 923) आ. 4 प. कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतः.

ग्रहणदिनप्राप्तप्रत्याब्दिकश्राद्धविचारः. रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(C 1012) ना. 13 प.

(C 1041) दे. 12 प.

ग्रामादिशान्तिः.

(909) ना. 43-44 प.

(B 622) आ. 8-24 प.

चण्डीपूजाविधिः.

(1779) ना. 133-140 प.

चतुर्वर्गचिन्तामणिः. हेमाद्रिविरचितः.

(58) ना. 16-19,25,60 प. दानखण्डः

(3006) म. 142 प. दानखण्डे षोडशमहादानपर्यन्तः

(C 119) दे. 529 प. (454-455 पत्रलोपः)

(C 373) दे. 10-248 प.

(806) म. 162 प. प्रायश्चित्तकाण्डः

(1412) आ. 261 प. ,, कदलीविवाहविधिपर्यन्तः

(1601) ना. 223 प. ,, (शिथिलः)

(C 122) दे. 254 प. ,,

(4191) ना. 171 प. ,,

चतुर्विंशतिमतव्याख्या. भट्टोजिदीक्षितविरचिता.

(B 37) दे. 237 प. आचारकाण्डः.

(B 38) दे. 237 प. संस्कारकाण्डः.

(C 113) दे. 65 प. आचारकाण्डः.

(C 128) दे. 40. प. प्रायश्चित्तकाण्डः.

(C 183) दे. 30 प. श्राद्धकाण्डः.

(C 206) दे. 39 प. आशौचकाण्डः.

चव्वसिटाणा.

(A 81) क. 78 प.

चातुर्मास्यमीमांसा. नरहरिविरचिता.
(C 269) दे. 41 प.
चिरंजीवप्रतिमादानविधिः.
(C 800) आ. 8 प.
जयन्तीनिर्णयः.
(B 373) आ. 107 प. राजगोपालीयः.
(B 373) ,, 108-127 प. श्रीनिवासपरकालीयः.
(1893) आ. 4 प. व्रतक्रमः.
(3013) प्र. 93 प. गोपालदेशिकविरचितः.
ज्ञानभास्करः (कर्मविपाकः) सूर्यारुणसंवादः.
(C 1060) दे. 70,56 प.
तटाकादिप्रतिष्ठाविधिः.
(640) आ. 9 प.
तप्तचक्राङ्कितस्मृतिसारसंग्रहः.
(B 975) आ. 36 प.
तर्पणदर्पणम्.
(291) ना. 8 प.
तर्पणनिर्णयः.
(C 519) दे. 7 प.
तिथिदर्पणम्. मल्लिभट्टकृतम्.
(2680) आ. 218-222 प.
तिथिनिर्णयः.
(B 44) आ. 58 प. भट्टोजिदीक्षितीयः.
(C 1031) ना. 41 प. ,,
(C 1627) आ. 4 प. त्र्यम्बकीयः

(C 219) दे. 24 प. "कालनिर्णय: हेमाद्रिसार:" इति वर्तते
(C 229) दे. 23 प. ,,

तिथिसाराद्धार: सुब्रह्मण्यभट्टविरचित:.

(C 1030) दे. 16 प.

तिलगर्भदानविधि:.

(C 496) क. 1 प.

तुलसीपूजाविधि:.

(C 696) दे. 4 प.

तुलापुरुषदानपद्धति:.

(C 532) आ. 41 प.
(C 532) आ 8 प. दानमयूखीय।
(C 542) आ. 12 प.

तृचकल्पविधि: पाद्मोक्त:.

(498) ना. 10-22 प.
(1659) आ. 37 प.

त्रिकालकर्मविपाकसंग्रह:.

(B 266) क. 8 प.

त्रिस्थलीसेतु: नारायणभट्टविरचित:.

(C 154) दे. 87 प. सामान्यप्रघट्टकान्त:
(A 493) आ. 100 प. पूर्वभाग:.

दंपतिपूजाविधि:

(903) ना. 3 प.

दत्तकाविधि: (संस्कारकौस्तुभीय:)

(C 1423) दे. 14 प.

वृत्तकोलाहलः रङ्गनाथशास्त्रियः.

(C 917) दे. 4 प.

वृत्तकौमुदी.

(C 910) ना. 34 प.

(B 931) आ. 49 प. विठलार्यविरचित;

वृत्तचन्द्रिका कुबेराविरचिता.

(C 472) आ. 14 प.

(C 632) दे. 22 प.

वृत्तचिन्तामणिः वाञ्छेश्वराविराचितः

(A 491) आ. 65 प.

वृत्तनिर्णयः पन्तोजिभट्टविरचितः

(C 212) दे. 6 प.

वृत्तमहोदधिः रङ्गशास्त्रिकृतः

(C 902) दे 65 प.

(C 913) क. 159 प.

(B 864) क. 60 प.

वृत्तमीमांसा नन्दपण्डितविरचिता

(48) ना. 18 प.

(48) ना. 61 प.

(599) आ. 26 प. द्वादशविधपुत्रमीमांसा

(866) म. 19 प.

(1541) म. 49-62 प.

(C 905) ना. 23 प.

(3026) आ. 16 प.

(3750) आ. 67 प.

वृत्तमीमांसादिसंग्रहः.

(4181) ना. 150 प.

वृत्तरत्नप्रदीपिका.

(C 786) क. 24 प. श्रीशैलश्रीनिवासीया.

(3026) आ. 17 प. वेंकटाचार्यविरचिता.

वृत्तरत्नाकरः. धर्मराजाध्वरिविरचितः

(C 909) ना. 50 प.

(B 787) क. 66 प.

वृत्तरत्नापणः.

(A 72) आ. 49 प. सीतारामशास्त्रिविरचितः

(C 914) दे. 8 प. रङ्गनाथशास्त्रिविरचितः

(C 915) ना. 16 प. ,,

(C 916) ना. 15 प. ,,

(B 906) क. 12 प. ,,

वृत्तविचारः.

(2316) म. 15 प.

वृत्तसंग्रहः.

(C 914) दे. 10 प.

(C 917) दे. 4-16 प. भीमसेनाचार्यकृतः

(B 905) क. 17 प.

वृत्तसंजीविनी.

(3750) आ. 67 प.

वृत्तसिद्धान्तमन्दारमञ्जरी.

(2398) म. 17 प.

(C 918) दे. 17-25 प.

दत्तस्वीकारविधिः.

(C 919) आ. 6 प. व्यवहारमयूखीयः

(2398) म. 18-28 प.

(B 907) क. 8 प.

दशाजयन्तीनिर्णयः रङ्गनाथशास्त्रिविरचितः.

(C 1032) ना. 19 प.

दशानिर्णयी. वैदिकसार्वभौमविरचिता.

(1065) आ. 103 प.

(1372) म. 110 प.

(1924) म. 91 प.

(2389) म. 129 प.

(2491) म. 147 प.

(1910) म. 56-88 प. असमग्रा.

दानचन्द्रिका.

(3509) म. 21 प.

दानपद्धतिः. यामळोक्ता

(2146) ना. 93 प.

(2876) ना. 131 प.

(2885) म. 224 प.

(2930) म. 174 प.

दायभागविचारः.

(C 1424) दे. 19 प. अत्र श्वश्रूस्नुषाधनविभागः

(C 1425) दे. 8,8 प. स्त्रीधनविचारः

(C 1427) दे. 4 प. सपत्नीपुत्रधनाधिकारविचारः

(C 1428) दे. 2 प. देवरपुत्रधनविचारः

(C 1429) दे. 8 प. स्त्रीधनाधिकारिसंग्रहः

(C 1430) दे. 4 प. अविभक्तभ्रातृपुत्रविभागविचारः

(C 1431) दे. 7 प. भ्रात्रादिपत्नीधनविचारः

(C 182) दे. 15 प. योगमूर्तिविरचितः

दायभागबिम्बम्.

(B 274) म. 14 प.

दायसंग्रहदशकम्. सिंहस्वामिदुर्गाचार्यविरचितम्

(C 109) दे. 43 प. सव्याख्यम्.

दायादशकम्.

(2783) म. 106-107 प.

(2491) म. 148-163 प. सव्याख्यानम्.

(3026) आ. 18 प.

दुर्वृत्तादिप्रायश्चित्तानि.

(738) आ. 10 प.

दृष्टिदोषशान्तिः. शैवागमीया

(C 696) आ. 1 प.

देवताप्रतिष्ठाविधिः.

(C 1054) ना. 113 प. (वैदिकागमः)

(C 1735) दे. 5 प. (शौनकीयः)

देवरपुत्रधनविचारः

(C 1428) दे. 2 प.

द्रामिडाचारप्रमाणसंग्रहः.

(2380) म. 57 प.

द्विजराजोदयः. मिश्रधीरेश्वरविरचितः.

(A 171) दे. 289 प.

धर्मचिन्तारत्नं मल्लुभट्टविरचितम्.

(A 471) ग. 200 पु.

धर्मतत्वम्.

(4001) ना. 21. प.

धर्मद्वैतनिर्णयः भट्टशंकरविरचितः.

(C 112) दे. 203 प.

(C 175) दे. 60-71 प. आशौचनिर्णयविभागः.

(A 539) आ. 196 प.

धर्मप्रवृत्तिः नारायणपण्डितविरचिता.

(113) ना. 53-58 प. आश्वयुजादिफाल्गुननिर्णयान्ता.

(191) ना. 82 प. श्राद्धप्रकरणे ब्राह्मणसंख्याविधिविचारान्ता.

(229) आ. 123 प.

(439) आ. 142+2—54 प.

(C 277) दे. 167 प.

(C 2238) आ. 169 प.

(2576) ना. 182 प.

(3263) आ. 96 प.

(3789) आ. 256 प.

(3983) आ. 135 प.

धर्मविचारसंग्रहः.

(942) प्र. 25 प.

धर्मशास्त्रसंग्रहः.

(133) ना. 143—145+159—174 प.

(4212) ना. 75 प. अनन्ताचार्यविरचितः समग्रः.

(4360) ना. 64+135—273 प.

धर्मसिन्धुः (स्मृतिसिन्ध्वाख्या) श्रीनिवासविपाश्चित्कृता.

(A 185) दे. 138 प.

धर्मार्णवः पीताम्बरभट्टविरचितः.

(C 903) दे. 343 प.

नवग्रहशान्त्यादिः. पूजाविधिश्च.

(1543) आ. 20 प.

(931) प्र. 6 + 13 प.

(58) ना. 128—139 प.

(2338) प्र. 9 प.

(C 696) आ. 6 प.

(1967) ना. 6 प.

(2526) ना. 22-59 प.

(3924) प्र. 103 प.

(C 58) आ. 32—50 प.

(3504) प्र. 39 प.

नवरात्रकल्पः.

(70) ना. 6 प.

(C 215) दे. 11 + 5 + 5 प.

(13) ना. 16. प.

(C 665) दे. 20 प.

नष्टद्रोरप्रायश्चित्तम्.

(C 696) क. 2 प.

नागप्रतिष्ठाविधिः

(18) ना. 1 + 6 प.

नानानिबन्धसंग्रहः रङ्गनाथशास्त्रिकृत.

(C 1130) ना. 9 प.

नान्दीनिर्वचनं रङ्गनाथशास्त्रिकृतम्.

(B 1129) ना. 7 प.

नामवैभवः

(3277) ग्र. 14 प.

नारसिंहभेदः

(C 696) दे. 3 प.

नाळवेष्टनशान्तिः

(909) ना. 4 र्थं पत्रम्.

नित्यकृत्यम् (हिन्दीभाषा).

(C 1454) दे 74 प.

नित्यगौरीपूजाविधिः

(C 696) आ. 3 प.

नित्यग्रन्थः रामानुजाचार्यकृतः.

(2380) ग्र. 58—75 प.

(2422) आ. 8 प.

(2380) ग्र. 76-90 प. एम्बार् विरचित.

नित्यदेवतार्चनाविधिः.

(18) ना. 8 प.

(C 216) दे. 3+15 प.

(C 623) दे. 10 प.

(C 696) आ. 3 प. शौनकीयः.

नित्यानुष्ठानप्रकाशिका. सीतारामशास्त्रिकृता.

(4063) प्र. 90 प. 4–5 अंशौ.

निर्णयबिन्दुः. अनन्तदेवकृतः

(2705) आ. 12 प.

निर्णयमाला.

(C 1028) दे. 44 प.

निर्णयरत्नं छलारिशेषाचार्यविरचितम्.

(B 219) दे. 290 प. प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ.

(B 222) दे . 290 प. तृतीयचतुर्थपञ्चमपरिच्छेदाः.

निर्णयसंग्रहः.

(1364) प्र. 70-123 प. धर्मप्रश्नसिहेमाद्रिस्मृत्यर्थसारादिभ्य उद्धृतः.

निर्णयसिन्धुः कमलाकरभट्टविरचितः.

(C 4) आ 33 प. तृतीयःपरिच्छेदः.

(C 100) दे. 286 प.

(C 102) दे. 192+144 प. तृतीयपरिच्छेदे श्राद्धनिर्णयसमाप्त्यन्तः

(C 661) दे. 361 प. (मध्येमध्ये पत्राणि लुप्तानि)

(1784) ना 220 प.

(1803) ना. 267 प. (असमग्रः)

(4385) आ. 328 प.

(C 101) दे. 129+136 प. कृष्णभट्टीया व्याख्या. 1–2 परिच्छेदौ.

(A 323) दे. 106 प. ,, प्रथमः परिच्छेदः.

(A 324) दे. 110 प. ,, द्वितीयः ,,

(A 325) दे. 144 प. ,, तृतीयः ,,

(A 326) दे. 112 प. तृतीये उत्तरभागः

नीतिमयूखः. भास्करविरचितः.

(4217) ना. 72 प.

नूतनगृहप्रवेशविधिः

(905) ना. अष्टमं पत्रम्.

पञ्चकालक्रियादीपः. श्रीनिवासाचार्यविरचितः.

(A 182) ग्र. 165 + 61 पु.

(1294) ग्र. 117 प.

पञ्चगव्यविधिः

(2422) आ. 3 प.

पञ्चसंस्कारविधिः

(1722) ग्र. 56 77 प.

(3132) क. 23 + 7 प.

(2998) ग्र. 37–50 प.

(B 848) आ. 19 प.

पञ्चसंस्कारसन्माला. रङ्गयतिकृता.

(2550) ना. 12–102 प. समग्रा.

पञ्चामृतस्नानविधिः

(C 435) दे. 2 प.

पट्टाभिषेकादिषष्टितमवर्षवृद्ध्यभिषेकविधिः

(C 536) क. 23 प.

(C 568) आ. 12 प.

पद्माक्षतुलसीमालाप्रतिष्ठाविधिः

(1722) ग्र. 56-77 प.

पराशरमाधवीयम्.

(3393) ग्र. 115 प. 1-2 अध्यायौ.

(3368) ना. 104 प. तृतीयोऽध्यायः.

(3378) ग्र. 28-214 प. 6-12 अध्यायाः.

पर्जन्यविधिः. वासिष्ठः बोधायनश्च.

(667) दे. 4 प.

पल्लीपतनशान्तिः .

(C 696) दे. 4+3 प.

(C 796) दे. 7 प.

पाश्चकालिकपद्धतिः. मञ्चालेगुडु वेदान्ताचार्यकृता.

(A 150) आ. 94 प.

(2098) ग्र. 125 प. प्रथमपरिच्छेदः.

पार्थिवलिङ्गपूजाविधिः.

(C 217) दे. 10+7 प.

(262) ना. 23-24 प.

पितृमेधसारः वैदिकसार्वभौमकृतः.

(1064) आ. 52 प.

(2394) ग्र. 92 प.

पुण्ड्रनिर्णयचन्द्रिका.

(B 920) आ. 106 प.

पुत्रकामाभिषेकादिः.

(C 246) आ. 14 प.

पुत्रसंग्रहविधिः.

(C 919) आ. 6 प.

(C 799) दे. 12 प.

(2273) ग्र. 255-262 प.
(2398) ग्र. 18-28 प.

पुत्रस्वीकारानिर्णयः. रामचन्द्रकृत.
(C 1421) दे. 13 प.

पुरुषार्थचिन्तामणिः आटबेले कृष्णभट्टकृतः.
(A 198) दे. 234 प. कालनिर्णयः

पूजापद्धतिः.
(2071) आ. 12 प. सुब्रह्मण्यकृता.
(4296) ग्र. 22 प.

पूर्वफल्गुनीशान्तिः.
(905) ना. 3 प.

प्रतिष्ठाविधिः.
(1259) ग्रं 13 प.

प्रपन्नसंध्या.
(1708) ग्र. 48 प. रम्यजामातृकृता.
(3592) ग्र. 34 प.
(3794) ग्र. 46 प.
(3922) ग्र. 61 प.

प्रपन्नाह्निकम्.
(C 435) दे. 4 प.

प्रमाणसंग्रहः
(2029) ग्र. 180 प.
(2069) ग्र. 153 प.
(2154) आ. 47 प.
(2584) ना. 105 प.
गृह्यधर्माद्युपयोगी

प्रयोगपारिजातः नृसिंहसूरिविरचितः.

(430) म. 288 प. षोडशकर्मकाण्डः.

(C 111) दे. 148 प.

(,,) ,, 244 प.

(,,) ,, 158 प. पाकयज्ञकाण्डः.

(,,) ,, 10 प. श्राद्धकाण्डः.

(C 149) दे. 107 प. ,,

(3370) आ. 85 प.

प्रयोगपारिजातप्रकरणं. नृसिंहसूरिविरचितम्.

(3206) ना. 217 प.

(4173) आ. 163-222 प. असमग्रम्.

प्रवरमञ्जरी. पुरुषोत्तमकृता.

(A 82) आ. 120 प.

(B 97) आ. 47-61 प. प्रवरप्रस्तारप्रवरनिर्णयौ.

प्रवरोद्भेदनिर्णयः. रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(C 997) ना. 7 प.

प्राणाग्निहोत्रविधिः.

(497) ना. 15-19 प.

(C 696) आ. 2 प.

प्रायश्चित्तसंग्रहः (बहुविधवादीनाम्.)

(107) क. 135-144 प.

प्रायश्चित्तसुधीमणिः,

(C 907) ना. 28 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी.

(C 908) ना. 252 प.

बृहच्छौनकीयम्.
(2567) ना. 146 प.

बोधायनीयशान्तिकल्पः.
(2732) ना. 30 प.

ब्रह्मकूर्चपञ्चगव्यविधिः.
(741) ग्र. 2 प.

ब्रह्मयज्ञविधिः.
(C 696) दे. 3 प.

भगवदर्चाविधिः.
(1353) ग्र. 80 प.
(3658) ग्र. 13 प.
(3799) ग्र. 24-28 प.

भार्याग्निद्वयसंसर्गविधिः.
(660) ग्र. 16-22 प.

भीमरथशान्तिप्रयोगः.
(C 540) आ. 2 प.

भुवनेश्वरशान्तिः
(C 1537) दे. 3-31 प.

भूशुद्धिः
(921) आ. 3 प.

भ्रात्रादिपत्नीधनविचारः.
(C 1431) दे. 7 प.

मदनरत्नप्रदीपः मदनभूपालसंगृहीतः.
(A 344) दे. 21 पु. समयोद्योतः.

मदनरत्नप्रदीपिका.

(A 420) क. 330 प. नृसिंहदेवविरचिता. दानविवेकोद्योतः.

(3574) ग्र. 265 प. धेनुदानतः महिषीदानविध्यन्तः.

मधुमाक्षिकाशान्तिः बोधायनीया.

(C 696) आ. 1 प.

मन्त्रनामपारायणविधिः.

(C 218) दे. 3 + 7 प.

महाप्रवराध्यायः बोधायनीयः

(2732) ग्र. 10 प.

महाभिषेकविधिः.

(68) ना. 9 प.

महाभिषेकारुणम्.

(738) ना. 7-13 प.

महालिङ्गार्चनविधिः.

(C 597) आ. 6 प.

महाषोढान्यासः.

(2366) ग्र. 11 प.

महासंकल्पः.

(C 495) आ. 11 प.

(108) ग्र. 10-18 प. उपाकर्मप्रयोगश्च.

मातृकापूजाविधिः.

(1779) आ. 141-148 प.

मानसिकपूजा.

(50) ना. 56-59 प.

(,,) ,, 47-49 प.

यत्यनुष्ठानपद्धतिः शङ्करानन्दसरस्वतीविरचिता.

(C 96) ना. 65-88 प.

(B 515) क. 235-308 प.

युगादिनिर्णयादिः.

(373) ना. 99-113 प.

रजस्वलापञ्चदशी.

(4348) ना. 6 प. सव्याख्या.

राजधर्मकौस्तुभः अनन्तदेवकृतः.

(A 184) दे. 33 प.

राजधर्मसारसंग्रहः.

(A 160) दे. 53 प.

राजाभिषेकविधिः.

(C 696) दे 1 प. नीतिमयूखान्तर्गतः.

(C 496) क. 14 प.

(C 532) ना. 8 प.

रामपूजाविधिः.

(55) ना. 2–10 प.

रुद्रचिन्तामणिः (रुद्रजपविधिः).

(C 836) ना. 22 प.

रुद्रशान्तिः.

(55) ना. 1-2 प.

रुद्रहोमविधानम्. बोधायनीयम्.

(B 321) क. 57 प.

(C 496) क, दे. 11, 6, 25, 12 प. मन्त्रभाष्ययुतम्.

रुद्रामृततरङ्गिणी. सुब्रह्मण्यविरचिता.
(2669) आ. 39 प.

लक्षालङ्कपूजा.
(909) ना. 4 प.

लक्ष्मणतीर्थकर्तव्यविधिः.
(C 202) दे. 1 प.

लिङ्गोत्पत्तिः.
(904) ना. 193–204 प.

लोकाक्षिधर्मशास्त्रम्. लोकाक्षिविरचितम्.
(A 565) आ. 173 प. समग्रम्.
(4109) आ. 109 प. ,,

वह्निवंशेश्वरकारिका (भगवत्पूजासंग्रहः) आह्निकम्.
(1489) ग्र. 21 प.

वरदराजीयव्यवहारः.
(C 904) ना. 76 प.
(2820) ग्र. 72-183 प.
(3144) आ. 168 प.
(2770) ग्र. 73–109 प. ऋणादानप्रकरणम्.
(3000) ग्र. 105 प. प्रकीर्णप्रकरणप्रारम्भान्तः.

वर्षकृत्यम् नरसिंहविरचितम्.
(2551) आ. 20 प.

वार्ताकर्ममीमांसा नृसिंहार्यकृता.
(B 826) आ. 8 प.

वास्तुपुरुषविधिः.

(14) ना. 12, 14, 15 प.

वास्तुहोमादिप्रयोगः.

(86) ग्र. 69 प.

(2496) ना. 28 प.

वास्तोष्पतिहोमः.

(2338) ग्र. 27-29 प.

विच्छिन्नाग्निसंधानविचारः.

(B 765) आ. 36 प.

विजयदशमीनिर्णयः. मेरुशास्त्रिकृतः.

(C 742) दे. 23 प.

विनायकशान्तिः.

(58) ना. 128–139 प.

विभूतिकरणधारणविधिः.

(904) ना. 192-193 प.

(369) आ. 109-113 प.

विवादभङ्गार्णवः जगन्नाथतर्कपञ्चाननसंगृहीतः.

(982) आ. 122 प.	दायद्वीपः.	समग्रः.
(A 284) आ. 43 प.	,,	5-7 प्रकरणानि.
(B 269) म. 299 प.	,,	
(C 402) आ. 129 प.	,,	असमग्रः.
(C 896) ना. 72 प.	,,	1—3 प्रकरणानि.
(C 899) ना. 18 प.	,,	चतुर्थं प्रकरणम्.
(C 900) ना 14 प.	,,	पञ्चमं ,,
(C 906) ना. 60 प.	,,	षष्ठं ,,
(901) ना. 62 प.	,,	सप्तमं ,,

विवाहसापिण्ड्यविचारः.

(C 1426) दे. 2 प.

(2704) ना. 6 प.

विश्वेश्वरस्मृतिः (परिव्राजकधर्मसंग्रहः) विश्वेश्वरसरस्वतीकृता.

(C 127) दे. 167 प.

(2937) ग्र. 21 + 51 + 7 प.

विष्णुतीर्थीयाह्निकम्.

(C 719) दे. 30 प.

विष्णुपूजाविधिः.

(2890) ना. 37 प.

वेदपारायणविधिः

(C 696) आ. 4 प.

वेदोक्ताशीर्वादसंग्रहः.

(C 435) दे.

(3585) आ. 15 प.

वैकुण्ठदीक्षितीयम्.

(A 357) आ. 186 प.

(3253) ग्र. 304 प.

वैखानसमहिममञ्जरी श्रीनिवासदीक्षितीया

(A 333) ग्र. 58 प. सुन्दरराजटीकायुता.

वैखानससंग्रहस्मृतिमीमांसा श्रीनिवासदीक्षितीया.

(A 331) ग्र. 35 प.

वैदिकाचारपद्धतिः.

(3222) ग्र. 14 प.

(B 909) ग्र. 80 प. रामनाथयोगिविरचिता.

वैश्वदेवकूश्माण्डगणहोमप्रयोगाः.

(310) आ, ना. 10 प.

वैश्वदेवविधिः.

(310) ना. 11 प.

(516) आ. 2 प.

(2422) आ. 3 प.

वैष्णवधर्मशास्त्रम् आश्वमेधिकम्.

(C 353) दे. 40 प.

(2335) ग्र. 36-74 प. 94-111 अध्यायाः.

वैष्णवधर्मसंग्रहः.

(743) आ. 22+12-14 प.

व्यवहारमाला.

(2820) ग्र. 71 प.

(2841) ग्र. 85 प.

(3235) ग्र. 71 प.

शङ्करधर्मशास्त्रम्. (लघुधर्मप्रकाशिका)

(B 792) म. 89 प. 12 अध्यायाः.

शतरुद्रीयहोमविधिः.

(C 255) ना. 7 प.

शाकलसंहिताहोमविधानम बालकृष्णश्रोत्रियकृतम्.

(C 484) दे. 20 प. ऋग्वेदपारायणाङ्गस्य होमस्य विधिः.

शान्तिकल्पः हेमाद्रिः.

(4223) ना. 235 प. समग्रः.

शान्तिमयूखः भास्करः.

(4217) 73-176 प. समग्रः.

शान्तिसंग्रहः. शौनकाद्यृषिप्रोक्तः.

(60) ना 85+14 प.

(64) आ. 11 प.

(604) ग्र. 131 प.

(734) ना. 90 प.

(1723) ना. 69+15 प.

(2239) आ. 145 प.

(2579) ना. 209 प.

(2581) ना. 60 प.

(2914) आ. 180 प.

(3023) आ. 120 प.

(3085) ग्र. 96 प.

(3127) ना. 99+17 प.

(3128) ना. 73+122 प.

(3646) ग्र. 75 प.

(3804) ना. 142 प.

(4180) ना. 214 प.

शास्त्रसारोद्धारः होसिंगकृष्णभट्टकृतः काशिराजकारितः.

(A 211) आ. 140 प.

शिशुमारप्रतिमादानपद्धतिः.

(909) ना. तृतीयं पत्रम्.

शिवपूजाविधिः.

(101) आ. 47 प.

(2705) आ. 15 प.

(C 224) दे. 18 प.

(C 245) ना. 30 प. बृहद्विधि:.
(B 918) म्र. 97. प.

शिवप्रतिष्ठाविधि: वैदिक:.
(711) म्र. 11 प.
(2329) आ. 37 प.

शिवप्रतिष्ठासूत्रम्.
(2329) आ 37–40 प.

शिवसंकल्पविधि:.
(514) म्र. 225–226 प.

शुद्धिचन्द्रिका काळिदासकृता.
(2727) आ. 24 प.

शुद्धिपञ्चदशी नवनीतनर्तनकविकृता.
(2765) म्र. 3 प.

शुद्धिमयूख:.
(1823) ना 51 प.

शूद्रधर्म: (धर्मतत्त्वं, शूद्रपद्धति:) कमलाकरभट्टकृत:.
(C 124) दे. 99 प.

श्राद्धकाण्ड: (आह्निकविधिसार:.)
(464) म्र. 117 प.

श्राद्धचन्द्रिकासारसंग्रह: भास्कररायकृत:.
(C 134) दे. 8 प.

श्राद्धचिन्तामणि: वाञ्छेश्वरविरचित:.
(2775) म्र. 52 प. असमग्र:.
(A 488) आ. 225 प समग्र:.

श्राद्धनिर्णयशतकम्.

(1684) म. 8 प.

श्राद्धपद्धतिः.

(C 194) दे. 3 प. अनन्तदेवकृता.

(1848) म. 21 प. नारायणोपाध्यायकृता.

श्रावणप्रयोगविधिः.

(B 329) म. 5 प.

श्रीचूर्णधारणविधिः.

(B 545) क. 12-13 प.

श्रीजयन्तीनिर्णयः श्रीनिवासविरचितः.

(C 77) आ. 5 प.

श्रीरामकल्पद्रुमः (प्रयोगचिन्तामणिः) अनन्तभट्टकृतः.

(C 129) दे. 106 प. असमग्रः.

श्रीरामपट्टाभिषेकविधिः.

(738) ना. 7 प.

(262) ना. 22 प.

(1094) आ. 6 प.

(B 699) आ. 15 प. हिरण्यगर्भसंहितान्तर्गतः.

श्वश्रूस्नुषाधनविवादः.

(C 920) ना. 7 प.

(C 921) ना. 12 प.

(C 1424) दे. 19 प.

श्वश्रूस्नुषाधनविवादतमःप्रकाशः.

(C 166) दे. 10 प.

संक्रान्तिनिर्णयः.

(946) आ. 3 प.

(898) आ. 8+9-15 प. ग्रहणनिर्णयश्च.

(970) आ. 5 प. परकालस्वामिकृतः.

(1351) आ. 11+12 प. ,, महासंकल्पश्च.

(4042) आ. 13 प.

संग्रहस्मृतिः.

(2071) आ. 33 प.

संन्यासपद्धतिः.

(3121) ना. 4-47 प. गङ्गपतिभिक्षुकृता.

(C 1546) दे. 15 प.

(C 1863) दे 40 प. विष्णुतीर्थीया.

संप्रदायदीपिका (आह्निकम्)

(1684) ग्र. 32 प.

संवत्सरप्रायश्चित्तपटलः.

(902) ना. 2 प.

संवत्सरोत्सवकल्पलता रङ्गनाथशास्त्रिविरचिता.

(C 1007) ना. 11 प.

संवत्सरोत्सवकालनिर्णयः पुरुषोत्तमविरचितः.

(C 1051) दे. 32 प.

सत्कर्तृक्रमः.

(C 1422) दे 17 प.

(C 1432) दे. 6 प.

सच्चरित्रपरित्राणं वाधूलवीरराघवाचार्यकृतम्.

(1405) आ. 40 प.

सच्चरित्रसुधानिधिः वीरराघवाचार्यकृतः.

(725) ग्र. 84 प.

(879) आ. 62 प.

(1169) ग्र. 85 प.

(1262) ग्र. 45 प.

(B 67) ग्र. 99 प.

सच्छूद्राचारनिर्णयः.

(A 205) आ. 55 प.

(A 431) क. 123 प. चिक्कदेवराजप्रणीतः.

सज्जनसंभवः वेदान्ताचार्यकृतः.

(A 331) ग्र. 35-38 प

सतीभूषणं वसवभूपसंगृहीतम्.

(2052) क. 178 प. 32 अध्यायाः.

(A 529) आ. 330 प. समग्रम्.

सत्क्रियाकल्पमञ्जरी मन्सालकट्ट वेदान्ताचार्यविरचिता.

(3129) ग्र. 17+14+10 प. केचिद्भागाः.

सत्तरणतरणिः कस्तूरीरङ्गाचार्यकृता.

(A 18) क. 31 प.

(B 932) क. 39 प.

सदाचारसंग्रहः.

(827) ग्र. 87 प.

सद्दाचारस्मृतिटीका कृष्णाचार्यकृता.

(93) ना. 86–153 प.

सपत्नीपुत्रधनाधिकारविचारः.

(C 1427) दे. 4 प.

समुद्रयानविचारः कौण्डिन्यदेशिकविरचितः.

(B 904) क. 25 प.

समुद्रस्नानविधिः.

(C 207) दे. 1 प.

सरस्वतीविलासः प्रतापरुद्रमहाराजः.

(2144) ना. 302 प.

(2204) आ. 275 प.

(3131) आ. 69 प. साक्ष्यनुयोगप्रकरणान्तः.

(B 1544) आ. 50 प. असमग्रः.

सर्पबलिः.

(925) आ. 2 प.

सर्वप्रायश्चित्तविधिः.

(C 496) क. 7 प.

सव्यञ्जनपरिषेचनविचारः.

(B 780) क. 18 प.

सीताकल्याणविधिः.

(C 696) आ. 4 प.

(B 670) दे. 14 प.

सुधीविलोचनं वैदिकसार्वभौमकृतम्.

(940) आ. 142 प.

(1041) आ. 205 प.

(1229) म. 170 प.

(1122) ना. 170 प.

(2250) आ. 100 प.

(2473) म. 75 प.

सूतकविचारः.

(68) ना. 2 प.

सूर्यनमस्कारविधिः.

(499) ना. 25–39 प.

(1568) आ. 22 प

(500) ना. 68–70 प.

(B 403) आ. 9 + 5 प.

स्त्रीधनप्रकरणम्

(B 274) म. 29–58 प.

(C 1425) दे. 4 प.

(C 1429) दे. 4 प.

स्त्रीधर्मसंग्रहः त्र्यम्बकयज्वकृतः.

(A 163) दे. 38 प.

स्थालीपाकौपासनप्रयोगः.

(931) म. 6 प.

स्नानविधिः.

(C 696) दे. 4 प.

स्नानसंकल्पः.

(C 481) दे. 8 प.

स्मार्तप्रायश्चित्तसंग्रहः.

(A 310) म. 118 प.

स्मृतिकौमुदी.

(2793) आ. 191 प.

(3285) आ. 309 प. असमग्रा.

(A 542) आ. 441 प. समग्रा.

स्मृतिकौस्तुभः.

(C 130) दे. 352 प. अनन्तदेवकृतः. संवत्सरकृत्यदीधितिः.

(C 104) दे. 264 प. ,, ,,

(C 103) दे. 159 प. ,, संस्कारदीधितिः.

(692) आ. 16–30 प ,, दत्तनिर्णयः.

(428) म. 338 प. रायसवेंकटाद्रिकृतः.

(B 36) दे. 95 प. ,, असमग्रः.

(2538) म. 210 प. ,, प्रथमे आचारकाण्डे पञ्चमे संस्कारप्रकरणे तप्तचक्राधिकरणविचारान्तः.

(C 894) दे. 15–251+50 प.

स्मृतिचन्द्रिका देवणभट्टकृता.

(C 21) दे. 221 प. संस्कारकाण्डः.

(B 196) आ. 127 प. ,,

(1909) ना. 41-156 प. ,,

(4315) नाँ. 167 प. आह्निककाण्डः.

(A 389) क. 287 प. संस्काराह्निककाण्डौ.

(3953) आ. 241 प. ,,

(2237) आ. 9–58 प. श्राद्धकाण्डः.

(2848) आ. 290–499 प. ,,

(2581) ना 126 प. ,, उत्तरभागः.

(4108) आ. 191–221 प. ,,

(4316) ना. 168–233 प. ,,

(4339) म. 146 प. ,,

(A 568) क. 229 प. ,,

(A 427) क. 375. प. व्यवहारकाण्डः. प्रतिद्वयम्.

(466) प्र. 93 प. व्यवहारकाण्डे पूर्वभागः.

(B 319) आ. 163 प. ,, ,,

(452) प्र. 235 प. ,, उत्तरभागः

(2770) प्र. 44-74 प. ,, ऋणादानप्रकरणम्.

(3884) प्र. 267 प. ,, अष्टादशपदनिरूपणमारभ्य समग्रः.

(3694) प्र. 55-115 प. ,, असमग्रःशिथिलः.

(4338) आ. 212-289 प. आशौचकाण्डः समग्रः

(A 584) क. 106 प. ,, ,,

(695) ना. 154 प. (वरदराजकृता) व्यवहारकाण्डः.

(C 116) दे 180 प. ,, ,,

स्मृतिचिन्तामणिः (कालनिर्णयः.)

(2612) ना. 170 प.

स्मृतिदर्पणम्.

(694) ना. 60-106 प.

(2134) आ 188 प. (बृहत्)

(A 573) आ 150 प. असमग्रम्.

(2680) आ. 200-218 प. रविसोमयाजिकृतम्)

(2944) आ. 66-119 प. ,,

(3035) ना. 67 प. ,,

(C 664) दे. 22 प. ,,

स्मृतिप्रकाशः (विद्यारण्यस्मृतिः.)

(3026) आ. 16-31 प.

स्मृतिप्रकाशिका.

(B 900) आ. 300 प.

स्मृतिभास्करः (भगवन्तभास्करः) नीलकण्ठभट्टकृतः

(C105) दे. 20 प. प्रतिष्ठामयूखः.

(A55) क. 59 प. व्यवहारमयूखः (अस)

(C105) दे. 94 प. शान्तिमयूखः. ,,

,, दे. 26. प. शुद्धिमयूखः. ,,

(1624) आ. 158-245 प. श्राद्धमयूखः. ,,

(373) ना. 114 प. समयमयूखः. ,,

(2025) ना. 257 प. समय, आचार, श्राद्ध, नीति, व्यवहारमयूखाः

(2792) आ. 294 प. नीति, व्यवहार, दानमयूखाः.

(3328) आ. 186 प. समय, आचार, श्राद्धमयूखाः.

स्मृतिभूषणं कोनेर्यार्यविरचितम्.

(B923) क. 249 प.

स्मृतिमीमांसा रङ्गनाथशास्त्रिविरचिता.

(C1023) ना. 26 प.

स्मृतिमुक्ताफलं वैद्यनाथीयम्.

(489) आ. 97 प. आचारकाण्डः.

(2170) आ. 185 प. ,,

(2275) प्र. 116 प. ,,

(2473) प्र. 74-144 प. ,,

(2248) आ. 247 प. आह्निककाण्डः.

(2275) प्र. 118-210 प. ,,

(2171) आ. 124 प. ,, (संग्रहरूपः).

(2046) प्र. 86-400 प. श्राद्धकाण्डः.

(2273) प्र. 52-203 प. ,,

(2487) प्र. 263 प. ,,

(3151) ग्र. 91 प. श्राद्धकाण्डः (संग्रहरूपः).
(1069) ना 79 प. प्रायश्चित्तकाण्डः.
(1039) आ. 105 प. ,,
(2273) ग्र. 51 प. ,,
,, ग्र. 203-254 प. आशौचकाण्डः.
(2892) ग्र. 62+17 प. ,,
(2273) ग्र. 270-294. तिथिनिर्णयकाण्डः.
(158) ना. 123 प. श्राद्धकालप्रायश्चित्तकाण्डः.

स्मृतिमुक्तावळी (कृष्णाचार्यस्मृतिः).
(2191) ना. 9-279 प. (शिथिला).

स्मृतिरत्नं श्रीनिवासाचार्यविरचितम्.
(4036) ना. 69 प.

स्मृतिरत्नाकरः.
(1047) आ. 233 प. वैदिकसार्वभौमकृतः.
(1048) आ. 220 प. ,,
(1428) आ. 244 प. ,,
(2488) ग्र. 193 प. ,,
(C1006) दे. 136 प. विष्णुभट्टविरचितः.
(3921) ना. 203 प.

स्मृतिशेखरः. उपेन्द्राध्वरिविरचितः.
(419) आ. 222 प.
(A 561) आ. 266 प. समग्रः.

स्मृतिसंग्रहः.
(938) आ. 198 प. विद्यारण्यविरचितः.
(1031) आ. 63 प. ,

स्मृतिसंग्रहः. विद्यारण्यविरचितः.

(1400) आ. 274 प.
(2787) आ. 204 प.
(2999) ग्र. 393 प.
(2049) ग्र. 176 प. असमग्रः.
(4248) ग्र. 210 प. समग्रः.
(A530) आ. 200 प. पूर्वभागः.
(A531) आ. 201-392 प. उत्तरभागः.
(C1522) आ. 123 प.
(3323) आ. 120 प. विवाहान्तः.
(3777) ग्र. 69 प.
(373) ना. 99 प. गङ्गाधरत्रिपाठि कृतः.
(B770) ना. 55 प. रङ्गनाथशास्त्रिविरचित..
(4006) ना. 86 प. ताम्रपर्णीयः.
(4183) ना. 117 प.
(C1628) आ. 89 प.
(A613) क. 485 प. समग्रप्राय .

स्मृतिसारसंग्रहः ताम्रपर्णीश्रीनिवासविरचितः.

(A366) दे. 142 प.
(C1010) ना. 54 प.
(C1019) ना. 175 प.

स्मृतिसारसमुच्चयः नागयार्यकृतः.

(250) ना. 50 प.
(C121) दे. 177 प.

स्मृत्यर्थसागरः.

(C1643) दे. 8+56 प. छलारिनृसिंहाचार्यः आशौचकालतरङ्गः

(3362) ना. 69 प. ,, ,,

(C1891) दे. 58 प. छलारि.शेषाचार्यः. २ तरङ्गौ.

स्मृत्यर्थसारः श्रीधराचार्यकृतः.

(A16) आ. 149 प.

(C108) दे. 12 प.

(3966) ग्र. 126 प.

हनुमत्पूजाविधिः रुद्रयामळम्.

(C1134) दे. 11 प.

हरिदिनतिलकव्याख्या.

(B550) आ. 11 प.

(3065) प. 12 प.

हिरण्यगर्भदानविधिः.

(C542) आ. 12 प.

(3) व्रतग्रन्थाः.

अक्षतारोपणोद्यापनाद्यः.

(504) ना. 5 प.

अङ्गारकपूजाविधिः.

(C 208) दे. 14+2 प.

अनन्तपद्मनाभव्रतम्.

(C 209) दे. 6+7+10+10 प.

(1657) आ. 16 प.

(2564) आ. 15 प.

अन्नपूर्णाव्रतम्.

(C 224) दे. 4 प.

अमासोमवारव्रतम्.

(55) ना. 2 प.

आञ्जनेयव्रतम्.

(901) ना. 6 प.

उमामहेश्वरव्रतम्.

(778) आ. 2 प.

ऋषिपञ्चमीव्रतम्.

(2564) आ. 25 प.

कालाष्टमीव्रतम्.

(C 224) दे. 9+8 प.

कृष्णाष्टमीव्रतं कथा च.

(C 158) दे. 3+2+2+7+8 प

(905) ना. 5 प.

(1346) म. 33-42 प.

केदारव्रतम्.

(2564) आ. 11 प.

गुरुवारैकादशीव्रतम्.

(B 700) आ. 11 प.

दशाफलव्रतम्.

(C 224) दे. 3+3+10 प.

दिग्गजव्रतम्.

(504) ना. 5 प.

धारणपारणव्रतम्.

(920) आ. 205—207 प.

नमस्कारव्रतम्.

(224) दे. 5+8 प.

निरशनभानुवारव्रतम्.

(3932) आ. 17 प.

नृसिंहजयन्तीव्रतम्.

(C 481) दे. 8 प.

पक्षप्रदोषव्रतम्.

(C 157) दे. 5 प.

भक्तेश्वरव्रतम्

(3896) ग्र. 11 प.

भीमेश्वरकल्पः स्कान्दान्तर्गतः.

(C 794) आ. 20 प.

मत्स्यकूर्मादिजयन्तीव्रतम्.

(277) आ. 138—150+175—189 प.

मलमासव्रतम्.

(C 224) दे. 3+7 प.

महादीपव्रतम्.

(909) ना. 2 प.

मासशिवरात्रिव्रतम्.

(C 224) दे. 3+4 प.

रथसप्तमीव्रतम्.

(C 224) दे. 2+4 प.

रामजयन्तीव्रतं कथाच.

(50) ना. 108—110 प.

(1346) प्र. 1-12 प.

(1893) आ. 12 प.

(2251) आ. 46—47 प.

रामनवमीकल्पः.

(2701) ना. 4 प.

लक्षगन्धोद्यापनम्.

(504) ना. 5 प.

लक्षदीपव्रतम्.

(904) ना. 187-190 प.

लक्षपुष्पव्रतम्.

(C 221) दे. 4+4+2+3+3+5+2+1 प.

ललिताव्रतादिः.

(C 223) दे. 33+23 प.

वरलक्ष्मीव्रतम्.

(2551) आ. 21-56 प.

(2564) आ. 5 प.

वरलक्ष्म्यादिलक्ष्मीव्रतम्.

(C 222) दे. 5+13+6+4+4+8 प.

विनायकव्रतम्.

(B 276) म. 115-121 प.

(B 685) दे. 14 प.

(2564) आ. 9 प.

वैकुण्ठचतुर्दशीव्रतम्.

(C 224) दे. 2 प.

व्रतकल्पवल्ली. विरूपाक्षभूपकृता.

(2551) आ. 155 प. उत्सवविधिपर्यन्ता.

व्रतकौमुदी शंकरशास्त्रिकृता.

(C 764) दे. 128 प.

व्रतसंग्रहः (कल्पः)

(1720) ना. 79+81+117-125 प.

(1617) ग्र. 44 प.

(C 2) ना. 17 प.

(689) ना. 160 प.

(2209) आ. 119 प.

(2027) ना. 89 प.

(2370) ना. 154 प.

(2268) ग्र. 61 प.

(2868) ना. 105 प.

(3121) ना. 45. प.

(3329) ना. 162 प.

(4179) ना. 183 प. नृसिंहजयन्त्यादिः.

(4218) ना. 340 प.

(4335) ना. 404 प.

(4378) ना. 53 प.

(4383) ना 103 प.

व्रतार्कसारः रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(2879) ना. 27 प.

शिवमुष्टिव्रतम्.

(C 224) दे. 4 + 1 प.

शिवरात्रिव्रतम्.

(18) ना. 4 प.

(C 496) क. 11 प.

(B 273) म. 98-102 प.

श्रवणद्वादशीव्रतम्.

(C 224) दे 1+4 प.

सरवस्वत्यादिपूजाविधिः.

(B 276) म. 110–121 प.

(4235) आ. 30 प.

सूर्यचन्द्रव्रतम्.

(920) आ. 8 प.

सोमवारव्रतम्.

(C 224) दे. 5+14 प.

स्वर्णगौर्यादिगौरीव्रतम्.

(923) आ. 7 प.

(C 214) दे. 4 + 4 + 2 + 4 + 11 + 6 + 4+12 प.

(4) इतिहासः

अखण्डानन्दः (रामायणविचारः).

(B 929) आ. 59 प.

अध्यात्मरामायणम्.

(1549) ना. 214 प. वाल्मीकिविरचितम्.

(3980) आ. 115 प. वाल्मीकिविरचितम्.

(4219) ना. 214 प. ,,

(4325) क. 98 प. ,,

(1929) ना. 151+47 प. ब्रह्माण्डपुराणस्थम्. 4-7 काण्डाः

(C 509) दे. 170 प. व्याख्या रामवर्मविरचिता.

इतिहाससमुच्चयः.

(A 188) दे 66 प.

(1240) ग्र. 21 प. असमग्रः.

(1270) ग्र. 83 प. खण्डितः.

(2385) ग्र. 118 प.

(C 889) दे. 88 प.

(4138) ग्र. 112 प. समग्र:

इतिहासोत्तमः.

(C 1300) दे. 25 प. 17 अध्यायाः.

(1757) आ. 116 प. 34 अध्यायाः.

(1127) ग्र. 83—170 प

जैमिनिभारतम्.

(C 1789) दे 165 प. अश्वमेधपर्व.

तत्वसंग्रहरामायणं. रामचन्द्रसरस्वतीसङ्कलितम्.

(50) ना. 91—108 प.

(2024) ना. 207 प

ब्रह्मरामायणम्.

(B 707) आ. 18 प.

महाभारतं व्यासविरचितम्.

(3259) आ. 500 प. समग्रम्.
(3689) आ. 485 प. ,,
(3462) प्र. 224 प. आदिपर्व पूर्वभागः
(3463) प्र. 225-448 ,, उत्तरभागः.
(1651) आ. 61 प. आदिपर्व. 48 अध्यायाः.
(2168) आ. 286 प. ,,
(2438) ना. 252 प. ,,
(2962) प्र. 167 प. ,,
(3255) ना. 314 प. ,,
(2899) प्र. 260 प. ,,
(2752) प्र. 123 प. 111 अध्यायाः.
(2750) प्र. 297 प. 100 ,,
(2749) प्र. 231 प. 81 ,,
(2751) प्र. 115 प. 86-162 ,,
(2149) आ. 43 प. 14 ,,
(3442) ना. 219 प.
(3482) आ. 208 प.
(3760) प्र. 341 प.
(3838) प्र. 74 प.
(C1388) दे. 133 प.
(C360) दे. 101 प. वादिराजस्वामीयव्याख्यायुतम्.
(1430) आ. 187 प. सभापर्व.
(1507) प्र. 169 प. ,,
(2168) आ. 120 प. ,,

(2439) आ. 112 प. ,,
(2597) प्र. 116 प. ,,
(2753) प्र. 260 प. ,,
(3208) प्र. 103 प. ,,
(3256) ना. 169 प. ,,
(3539) प्र. 79 प. ,, 120 अध्यायाः.
(3743) आ. 68 प. ,,
(3776) आ. 207 प, ,,
(3841) प्र. 105 प.
(C1390) दे. 134 प. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतम्.
(1609) आ. 196 प. अरण्यपर्व.
(1248) प्र. 246 प. ,,
(2440) आ. 256 प. ,, प्रथमभागः.
(2441) आ. 156 प. ,, द्वितियभागः.
(2963) प्र. 159 प. ,, ,,
(2964) प्र. 160-370 प. ,, उत्तरभागः
(2255) आ. 91 प. ,, 162 अध्यायाः.
(2450) प्र. 101-343 प. ,, 80 तमाध्यायतस्समग्रम्.
(3115) ना. 225 प. ,, 159 अध्यायाः.
(3290) आ. 258 प. ,,
(3379) प्र. 266 प. ,, 126 अध्यायाः.
(3783) आ. 305 प. ,,
(3864) प्र. 195 प. ,,
(C1391) दे. 257 प. ,,
(1808) आ. 145 प. विराटपर्व.
(1918) आ. 105 प. ,,

(2133) आ. 131 प. विराटपर्व.
(2169) आ. 101 प. ,,
(2442) आ. 131 प. ,,
(2754) प्र. 134 प. ,,
(2800) आ. 165 प.
(3178) प्र. 157 प.
(3839) प्र. 110 प.
(3840) प्र. 121 प.
(4324) प्र. 90 प.
(C1113) दे. 28 प.
(C1392) दे. 88 प.
(C492) आ. 56 प. व्याख्यायुतम्.
(1917) प्र. 7-184 प. उद्योगपर्व.
(2390) क. 159 प. ,,
(2443) आ. 144 प. ,,
(2471) ना. 227 प. ,,
(2755) प्र. 272 प. ,,
(2756) प्र. 246 प.
(2809) प्र. 98+49 प. 118 अध्यायाः.
(3360) ना. 149 प.
(3538) प्र. 134 प. 133 अध्यायाः.
(3761) प्र. 417 प.
(C1393) दे. 187 प.
(C1452) दे. 173 प.
(C1394) दे. 340 प. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतम्.

(C1667) दे. 91 प. ,, लक्षालङ्कारटीकायुतम्.
(1666) प्र. 240 प. आदिपञ्चकम्. उद्योगे 50 अध्यायाः
(1279) ना. 246 प. सभारण्योद्योगपर्वाणि.
(C290) दे. 854-85. अरण्यद्रोणपर्वणी.
(1414) प्र. 180 प. विराटोद्योगपर्वणी.
(2133) आ. 207 प. भीष्मपर्व.
(2444) आ. 271 प. ,,
(2614) प्र. 126 प. ,, 110 अध्यायाः.
(2757) प्र. 200 प. ,, 106 ,,
(2801) आ. 83 प. ,,
(3578) प्र. 298 प. ,,
(2073) प्र. 257 प. द्रोणपर्व.
(2131) ना. 270 प. ,,
(2255) आ. 114 प. ,,
(2445) आ. 233 प. ,,
(2610) प्र. 273 प. ,,
(3772) प्र. 307 प. ,,
(C1551) दे. 73 प. ,,
(2047) आ. 194 प. कर्णपर्व.
(2132) ना. 234 प. ,,
(2446) आ. 173 प. ,,
(2447) प्र. 196 प. ,,
(2529) आ. 197 प. ,,
(2537) आ. 219 प. ,,
(2645) आ. 313 प. ,,

(3380) प्र. 150 प. ,,

(C 1453) दे 173 प. ,,

(2758; प्र. 231-411 प. शल्यपर्व

(C1395-1399)दे. 156+303+134+55+24प. भीष्मद्रोण-
कर्णशल्यसौप्तिकैषीकपर्वाणि.

(C 1000) दे. 64 प. गदापर्व.

(C 1418) दे 11 प. ,,

(1874) प्र. 66 प. ,,

(2800) आ. 47 प. स्त्रीपर्व.

(1647) क. 113 प. शल्यसौप्तिकस्त्रीपर्वाणि,

(2448) आ. 137 प. शल्यगदापर्वणी.

(2529) आ. 413—435 प. शल्यसौप्तिकपर्वणी.

(2167) आ. 211 प.-शल्य-गदा-सौप्तिक-ऐषीक-स्त्रीपर्वाणि.

(2452) प्र. 127+51 प. ,,

(2540) आ. 110 प. ,,

(2645) प्र. 51 प. ,,

(3116) ना. 116 प. ,,

(2449) आ. 42 प. सौप्तिकैषीकस्त्रीपर्वाणि.

(2759) प्र. 302 प. ,,

(2966) प्र. 99 प. ,,

(1427) आ 268 प. शान्तिपर्व.

(2898) प्र. 310 प. ,,

(3207) प्र. 195 प. ,,

(A 125) आ. 134 प. व्याख्या अर्जुनमिश्रीया.

(1582) प्र. 207 प. शान्तिपर्व राजधर्मः.

(1552) दे. 92 प. शान्तिपर्व राजधर्मः

(407) प्र. 268 प. ,, मोक्षधर्मः.

(1583) प्र. 288 प. ,, ,,

(2345) प्र. 104, 113 प. ,, ,, 178 अध्यायाः.

(2628) प्र. 228 प. ,, ,, 102 ,,

(C 1350) दे. 433 प. ,, ,, व्याख्या अर्जुनमिश्रीया.

(4029) ना. 121 प. ,, ,, लक्षालंकारः वादिराजकृतः.

(4200) ना. 102 प. ,, ,, व्याख्या वेदगर्भनारायणकृता.

(7) आ. 80 प. ,, ,, ,, विद्यासागरीया.

(C 1400) दे. 68, 238 प ,, आपद्धर्मराजधर्मौ नीलकण्ठीयसहितौ.

(2454) आ. 350 प. ,, राजधर्ममोक्षधर्मौ.

(2965) प्र. 280—427 प. ,, ,,

(2255) आ. 137 प. आनुशासनिकपर्व.

(2455) आ. 305 प. ,,

(3117) ना. 181 प. ,,

(2459) प्र. 154 प. ,, 140 अध्यायाः;

(2761) प्र. 162–347 प. ,, 104 ,,

(2799) आ. 145 प. ,, 140 ,,

(2760) प्र. 102 प. ,, 137-240 ,,

(3532) प्र. 155 प. 122 ,,

(3773) प्र. 62—250 प. ,,

(3774) आ. 162 प. 101—240 अध्यायाः;

(4323) प्र. 260 प. अनुशासनिकपर्व

(3429) प्र. 25—150 प. आश्वमेधिकपर्व.

(C 732) दे. 147 प. ,, सव्याख्यम्.

(2453) आ. 170 प. आश्वमेधिकपर्व सव्याख्यम्
(2759) प्र. 100 प. ,, ,,
(2801) आ. 82 प. ,, ,,
(3117) ना. 181 प ,, ,,
(3118) ना. 133 प. ,, ,,
(C 1401-1403) दे. 315, 112, 49 प. आनुशासनिकाश्वमेधिकाश्रमवासिकस्वर्गारोहणपर्वाणि.
(2451) प्र. 200 प. आश्वमेधिकाश्रमपर्वणी.
(2121) ना. 136 प. मौसलमहाप्रस्थानपर्वणी.
(2220) आ. 180 प. ,,
(2616) प्र. 81 प. आश्रमवासिकपर्व.
(3187) प्र. 44 प. ,,
(2470) आ. 44 प. आश्रममौसलमहाप्रस्थानपर्वाणि.
(2966) प्र 99 प. ,,
(1874) प्र. 66 प. मौसलस्वर्गारोहणपर्वणी.
(3491) प्र. 91 प. आश्रमस्वर्गारोहणपर्वणी
(C 1064-1072) दे. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतं समग्रम्.
(A 504-518) आ. ,, ,,
(147) आ. 237 प. ,,
(2786) आ. 302 प. ,, आद्युद्योगशान्त्यानुशासनिकपर्वभिर्विना समग्रम्.
(775) प्र. 89 प. विशिष्टाद्वैतसिद्धान्तानुसारिणी व्याख्या आदिसभारण्यपर्वणाम्.
(2554) ना. 134 प. वादिराजीया लक्षालंकाराख्या टीका.
(A 374) क. 150 प. ,,

(C 1577) दे. 445 प. ,,

(A 554-558) दे. 39,10,34,10,13 प. आदिविराटोद्योगभीष्म-द्रोणपर्वाणि.

(A 385) आ. 63 प. विमलबोधार्यरचिता महाभारतदुष्करश्लोक-टिप्पणी.

महाभारततात्पर्यनिर्णयव्याख्या (प्रमेयमणिमाला)

(4363) ना. 2–111 प.

महाभारतसंग्रहः

(3851) ग्र. 195 प. आदितः उद्योगपर्वसमाप्त्यन्तः

महाभारतसारः वेंकटनाथार्यसंगृहीतः

(211) ग्र. 126,20 प.

(A 585) क. 241 प. समग्रः

मैरावणचरितम्. (हनुमद्विजयः)

(B 320) क. 90 प. रामायणे युद्धकाण्डगतम्.

(4165) ग्र. 81 प. समग्रम.

मोक्षधर्मप्रदीपिका

(445) आ. 78 प.

योगवासिष्ठम्.

(A 281) आ. 162 प उत्पत्तिप्रकरणं आनन्दबोधीयटीकायुतम्.

योगवासिष्ठसारविवरणं. लहिधरकृतम्.

(B 517) क. 45 प.

योगवासिष्ठसारसंग्रहः

(3312) आ. 51 प.

(3540) आ. 56 प. 12 सर्गाः

योगवासिष्ठसारसमुच्चयः

(3444) ग्र. 264 प सव्याख्यः

लघुयोगवासिष्ठं. काश्मीरपण्डितसंगृहीतम्,

(389) आ. 144 प.

(254) आ. 39 प. स्थित्युपशमप्रकरणे.

(442) ग्र. 160 प. मुम्मडिदेवकृतसंसारतरण्याख्यव्याख्यायुतम्.

(1038) क. 128,105 प. ,,

(3119) आ. 195 प. ,,

(3478) आ. 256 प. ,,

(3573) ग्र. 287 प. ,,

वासिष्ठोत्तरम्.

(2844) ग्र. 21—27 प.

विष्णुरहस्यं वासिष्ठम्.

(C 720) दे. 30 प. 43 अध्यायाः

शेषधर्मः

(1090) आ. 30 प.

(1254) आ. 25 प.

(1361) ग्र. 90 प.

(1589) ग्र 97 प.

(2353) ग्र. 107 प.

(2458) आ. 153 प.

(3176) ग्र. 208 प.

(C 1665) दे. 64 प.

आद्येतिहासः.

(C 33) आ. 10 प.

श्रीमद्रामायणं वाल्मीकिविरचितम्.

(3200) आ. 309 प. समग्रम्.
(4273) ग्र. 223-365 प. ,,
(4353) ग्र. 238 प. ,,
(1516) ग्र. 277 प. ,,
(4354) ग्र. 293 प. उत्तरभागः.
(1049) ग्र. 218 प. 6 काण्डाः.
(1558) ना. 300 प. ,,
(1245) ग्र. 326,140 प. ,,
(2160) आ. 347 प. ,,
(2807) ग्र. 184 प. 5 काण्डाः
(2836) ग्र. 57 प. षष्ठः काण्डः.
(1360) आ. 251 प. 4 काण्डाः
(C 1799-1800) दे. 6 काण्डाः
(1396) ग्र. 156 प. 2 काण्डौ.
(1355) ग्र. 212 प. ,,
(1246) ग्र. 253 प ,,
(834) आ. 289 प. ,,
(1168) आ. 117 प. ,,
(1415) आ. 71 + 81 प. 3-4, काण्डा
(560) ग्र. 200 प. ,,
(947) आ. 5 प. आरण्यकाण्डे 18 सर्गाः.
(1398) आ. 114 प सुन्दरकाण्डः.
(C 494) आ. 133 प. ,,
(1059) आ. 110 प. ,,

(1363) आ. 132 प. सुन्दरकाण्ड:
(1982) आ. 123 प. ,,
(C469) दे. 141,135 प. ,, युद्धकाण्डश्च.
(1247) आ. 82+80—258 प. सुन्दरकाण्ड: उत्तरकाण्डश्च.
(562) आ. 108 प. युद्धकाण्ड:.
(1429) प. 140-310 प. ,,
(1528) ग्रं. 204 प. उत्तरकाण्ड:
(1494) ग्र. 110 प. ,,
(1783) ना. 54 प. ,,
(1956) ना. 108 प. ,,
(402) आ. 123 प. आत्रेयवरदराजकृता विवेकतिलकाख्यव्याख्या.
6 काण्डा:
(2305) आ. 151 प. चोलपण्डितब्रह्मराजविरचिता व्याख्या
(63) ना. 156 प. कन्दाडेरामानुजीया व्याख्या 1–2 काण्डौ.
(1569) आ. 71–174 प. 3–6 काण्डा:.
(1126) ना. 275 प.
(1767) ग्र. 41 प बालकाण्ड:.
(2664) आ. 11–240 प.
(2322) ग्र. 153 प. 1–3 काण्डा:
(2256) ग्र. 107+67 प. 4–6 ,,
(2074) ग्र. 17–231 प. 4 ,,
(1906) ग्र. 55–294 प. 2–4 ,,
(3869) ग्र. 104 प. अयोध्याकाण्ड:.
(3843) ग्र. 127 प. अयोध्यारण्यकिष्किन्धाकाण्डा:
(3842) ग्र. 134 प. युद्धसुन्दरकाण्डौ.

(772) ग्र. 155 प. रामकृतं तिलकव्याख्यानम्. 5 काण्डाः.
(A 521-527) आ. ,, समग्रम्.
(C 673) दे. 341 प. ,, षष्ठः काण्डः.
(C 1380) दे. 156 प. ,, सुन्दरकाण्डः.
(1254) ग्र. 86—124 प. गोविन्दराजीयव्याख्या बालकाण्डः.
(2635) ग्र. 79 प. ,, पञ्चमः काण्डः
(76) आ. 119 प. महेश्वरतीर्थीया तत्वार्थदीपिकाख्या टीका किष्किन्धा-
युद्धकाण्डौ.
(164) आ. 167-219 प. ,, ,, अरण्यकाण्डः.
(1952) आ. 282 प. ,, 2—6 काण्डाः.
(1565) ना. 54 प. ,, संक्षिप्ता. बालकाण्डे 8 सर्गाः
(2287) ग्र. 118 प. ,, 4 सर्गाः
(2953) आ. 35-76 प ,, 1,3,4 ,,
(2547) आ. 84 प. ,, षष्ठकाण्डः.
(3149) ग्र. 107 प. वैद्यनाथीया व्याख्या अयोध्याकाण्डः.
(4046) ग्र. 109 प. ,, ,,
(C 1736) दे. 22 प. ,, 1 सर्गः.
(2604) ग्र. 291 प. माधवयोगिविरचितं कतकव्याख्यानम्
(3770) ग्र. 154 प. ,, बालसुन्दरयुद्धोत्तरकाण्डाः.
(1322) ग्र. 103 प. हरिपण्डितीयव्याख्यासंग्रहः.
(164) आ. 166 प. ,, 1—2 काण्डौ
(2127) ना. 144 प. मधुरान्तकवाल्मीकीया व्याख्या.
(401) ग्र. 37-56 प. सुन्दरकाण्डस्य गच्छद्व्याख्या.
(C 491) आ. 35+12 प. नागेशभट्टविरचिता व्याख्या सुन्दरकाण्डः
किष्किन्धाकाण्डे 18 सर्गाश्च.

महेशतीर्थीयम्

(C 1379) दे· 64 प. ईश्वरदीक्षितीया तत्वदीपिकाव्याख्या बालकाण्ड:

(3417) ग्र. 139 प. काळिदासविरचिता. व्याख्या. अयोध्यारण्यकाण्डे

(A 397) आ. 22 प. तात्पर्यदीपिकाव्याख्या.

(4295) ग्र. 73 प. व्याख्या.

(3305) ग्र. 105 प. ,, उत्तरकाण्ड:.

(344) ग्र. 26 प. अनन्तसूरिविरचित: व्याख्यासंग्रह:.

(8) आ. 12 प. 'रामं दशरथं विद्धि' इति श्लोकव्याख्या.

(2362) ग्र. 4 प. ,, ,,

(3597) ग्र. 134 प. किष्किन्धाकाण्डोपन्यास:

(3656) ग्र. 139 प. तनिश्लोकी कृष्णपादविरचिता.

श्रीमद्रामायणमहिमादर्श:

(C 513) आ. 19 प.

श्रीमद्रामायणविरोधपरिहार:

(1497) ग्र. 23 प.

श्रीमद्रामायणविरोधभञ्जनी. ब्रह्मविद्याध्वरिकृता.

(C 506) आ. 52 प.

(1240) ग्र. 41 प.

(2894) ग्र. 27 प.

(3547) आ. 29 प.

श्रीमद्रामायणसारचन्द्रिका. श्रीनिवासविरचिता

(2917) ग्र. 48 प.

(2922) ग्रं 50 प.

(3792) ग्र. 101—151, 251–309, 360—449 प. द्राविडभाषा

श्रीमद्रामायणसारसंग्रह:.

(1991) ग्र. 30-39 प. अप्पय्यदीक्षितकृत:

(1910) प्र. 45 प. हयग्रीवशास्त्रिकृत:.

(3196) प्र. 40+76 प. ईश्वरदीक्षितविरचित:.— Laghuvivaran

(425) आ. 17 प. वेंकटाचार्यविरचित:.

(B525) आ. 34 प. ,,

(2338) प्र. 115—133 प.

(76) आ. 1 प.

सोमोत्पत्तीतिहासः

(B769) क. 4 प.

हरिवंशः व्यासप्रणीतः

(3438) ना. 412 प. समग्र:.

(3759) प्र. 372 प. ,,

(3889) प्र. 334 प. ,,

(4322) प्र. 289 प. ,,

(1249) प्र. 200 प. 165 अध्यायाः.

(839) क. 333 प 233 ,,

(2089) प्र. 429 प. 356 ,,

(2655—57) आ. 247—389 प 332 ,,

(1858) प्र. 520 प. 252 ,,

(2456-57) आ. 312+314 प. 347 ,,

(2272) प्र. 214 प. 140—337 ,,

(2327) प्र. 99 प. 113—156 ,,

(2352) प्र. 101-289 प. 157—277 ,,

(2901) आ. 242-400 प. 70—110 ,,

(3177) प्र. 52 प. 58 ,,

(4192) आ. 146 प.

हरिवंशः व्यासप्रणीतः

(A 170) क. 303, 502-571 प. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतः
243 अध्यायाः

(C 172) दे. 708 प. ,,

(C 1351) दे. 270—686 प. ,,

(C 1352) दे 308 प. अर्जुनमिश्रीयटीकायुत: 119 अध्याया:.

(A 519-520) आ. 366 प. सव्याख्य:.

V (1) पुराणम्.

आदित्यपुराणं (सौरपुराणम्) मानवीयसंहिता.

(A 306) क. 207 प.

(3070) आ. 94 प.

(3572) प्र. 196 प.

उमासंहिता स्कान्दम्.

(367) ना. 102 प.

(305) ना. 10 प.

कालिकाखण्डः स्कान्दः.

(B 708) आ. 56 प.

(A 453) प्र. 81 प.

काशीखण्डः स्कान्दः.

(1979) क. 19 प. कर्णाटटीकायुतः.

(B 940) आ. 315 प. 35 अध्यायाः.

(4195) ना. 201 प.

कूर्मपुराणम्. ब्रह्मसंहिता.

(C 371) दे. 125 प.

(2072) प्र. 132 प.

(3403) ग्र. 135 प. उत्तरभागः.

केदारखण्डः स्कान्दः.

(C 110) दे. 114 प.

कौशिकपुराणम्. (वाराहपुराणम्) सकर्णाटटीकम्.

(B 939) आ. 17 प.

गणेशखण्डः स्कान्दः.

(B 711) आ. 22 प.

गणेशपुराणम्. (उपपुराणम्)

(4052) ग्र. 108 प. (उत्तरखण्डः) 47 अध्यायाः समग्रम्.

(4070) ग्र. 178 प. समग्रम्.

गरुडपुराणम्.

(892) आ. 36 प.

(C 378) दे. 64 प. उत्तरभागः.

(357) ना. 12 प. 5 अध्यायाः.

चतुश्श्लोकीभागवतव्याख्या शंकरानन्दसरस्वतीविरचिता.

(B 938) आ. 170 प. समग्रा.

तुलाधारोपाख्यानं. इतिहाससमुच्चयीयम्.

(1894) आ. 65—66 प.

देवीभागवतम्.

(A 236) म. 1056 पु. केरळभाषाटीकायुतम्. पञ्चमस्कन्धे 15 अध्यायमारभ्य सप्तमस्कन्धे 3 अध्यायान्तम्.

(C 691) ना. 47 प. प्रथमस्कन्धः.

(2815) आ. 190+38 प. 1–5, 10–11 स्कन्धाः.

धर्मसंहिता शिवपुराणम्.

(2632) प्र. 65 प.

नागरखण्डः स्कान्दः.

(3634-3635) प्र. 192+152 प.

नारदीयपुराणम्.

(3854) प्र. 61 प.

नृसिंहपुराणम्.

(C 369) दे. 23 प. 13 अध्यायाः

(2166) आ. 119–187 प.

(3169) प्र. 119 प. 59 अध्यायाः.

पद्मपुराणम्.

(626) प्र. 21–67 प.

(969) आ. 110 प. उत्तरखण्डः 60 अध्यायाः.

(1591) प्र. 132 प. ,, ,,

(1456) आ. 99 प. ,, ,,

(2395) आ. 130 प. ,,

(3175) प्र. 103 प. ,,

(3850) प्र. 149 प. ,,

पराशरोपपुराणम्.

(B 552) प्र. 144 पु.

(2630) प्र. 7–45 प.

(B 914) प्र. 66 प.

(3452) प्र. 62 प.

(1277) प्र. 13 प. टीका अप्पय्याशिवाचार्यकृता. अष्टादशोऽध्यायः

पुराणसारः. माधवीयः
(198) म. 200 प. 84 अध्यायाः.
(3546) ना. 207 प.
(A 472) क. 315 प

पुरुषार्थसुधानिधिः सायणसंगृहीतः
(317) ना. 82 प. 15 अध्यायाः.
(A 172) क. 181 प.

प्रह्लादविजयः वेंकटनाथविरचितः.
(3872) म. 80 प. संग्रहरूपः.

बृहन्नारदीयम्.
(2166) आ. 188–194 प.
(C 733) दे. 191 प. 26 अध्यायाः.

ब्रह्मपुराणम्.
(C 15) दे. 258 प.

ब्रह्मवृद्धपुराणं. स्कान्दम्.
(4140) म. 86 प.

ब्रह्मवैवर्तपुराणरहस्यम्.
(2129) ना. 137 प. 34 अध्यायाः

ब्रह्माण्डपुराणम्.
(3625) म. 162 प. 97 अध्यायाः.
(3923) म. 81 प. क्षेत्रखण्डः.

ब्रह्मोत्तरखण्डः स्कान्दम्.
(367) ना. 137 प.

ब्रह्मोत्तरखण्डः स्कान्दम्.

(2817) म. 89 प.

(4101) म. 99 प.

भार्गवपुराणम्. (महायोगिमाहात्म्याभिधम्)

(645) आ. 74 प.

(782) म. 81 प.

(223) म. 80 प.

(1581) म. 127 प.

(1696) म. 56–144 प.

(2402) आ. 74 प.

भूगोळतत्त्वसारः व्यासराजप्रणीतः

(C 1875) दे. 134 प. समग्रः.

मत्स्यपुराणम्.

(369) आ. 64–128 प.

(C372) दे. 337 प.

(2166) आ. 118 प.

(1791) आ. 68 प.

मनुवंशपुराणं. स्कान्दम्.

(944) म. 19 प.

मल्लपुराणम्. (आन्ध्रभाषा)

(4044) आ. 102 प. नरसकविविरचितम्.

मार्कण्डेयपुराणम्.

(2042) आ. 220 प.

(2126) आ. 246 प.

मूलस्तम्भपुराणं. स्कान्दम्. (विश्वकर्मपुराणम्.)

(1153) आ. 59 प.

(4093) क. 74 प.

(A 599) क. 260 प. सान्ध्रटीकं असमग्रम्. विश्वकर्मकुलपूर्वप्रयोग-श्चात्र संकीर्णः.

मौसलपुराणम्.

(49) ना. 50 + 4 प.

लक्ष्मीनारायणसंवादः

(47) ना. 61 प

(2618) ना. 62 प. 5–13 अध्यायाः.

(2882) ग्र. 10-138 प. 30 अध्यायाः. वेंकटराघवविरचितः पुराण-संग्रहः.

(1792) ना. 17 प. 4 अध्यायाः.

लिङ्गपुराणम्.

(3158) ग्र. 116 प. 60 अध्यायाः.

(3352) ग्र. 90–155 प.

वराहपुराणम्.

(1518) ग्र. 111 प. 88 अध्यायाः.

वामनपुराणम्.

(C 433) दे. 163 प.

(4037) आ. 168 प.

वासिष्ठलैङ्गपुराणम्.

(B 557) ग्र. 128 प.

विष्णुधर्मोत्तरम्.

(1127) ग्र. 3–79 प. 42–60 पत्रलोपः. (अस)

विष्णुधर्मोत्तरम्

(1836) प्र. 138 प. गारुडम्.

(1960) ना. 60 प. ,, 22 अध्यायाः.

(C 1779) आ. 95 प. (भविष्योत्तरपुराणम्) समग्रम्.

(3596) प्र. 161 प. ,,

विष्णुपुराणं. पराशरकृतम्.

(943) प्र. 105 प. 1–3 अंशाः.

(727) प्र. 106–206 प. 4-6 ,,

(836) प्र. 215 प.

(1174) आ. 94 प.

(1226) प्र. 275 प.

(1255) प्र. 73 प.

(1496) प्र. 152 प.

(1663) आ. 245 प.

(1734) प्र. 219 प.

(2043) आ. 133 प.

(2159) ना. 177 प.

(2298) प्र. 186 प.

(3692) आ. 199 प.

(2257) आ. 150 प. 3 अंशाः.

(4018) आ. 253 प.

(1746) आ. 18–104 प. विष्णुचित्तीयव्याख्यायुतम्. मुद्रितादन्यत प्रथमेऽशे षष्ठाध्यायमारभ्य षष्ठांशसमाप्तिपर्यन्तम्.

(3008) प्र. 170 प. श्रीधरीया व्याख्या 2 अंशौ.

(3456) प्र. 99,104 प. ,, 3 अंशाः.

(3457) ग्र. 180 प. ,, 6 अंशाः.

(3775) आ. 23 प. ,, प्रथमे 10 अध्यायाः.

(2090) ग्र. 237 प. विष्णुचित्तीया व्याख्या

(3183) ग्र. 108 प. ,, 5 अंशाः.

(838) ग्र. 140 प. ,,

(1436) आ. 133 प. ,,

विष्णुरहस्यं. भविष्योत्तरपुराणम्.

(A 199) दे. 70 प.

(C 1335) दे. 109 प.

(3589) ना. 170 प.

(C 1460) दे. 104–130 प. 45–55 अध्यायाः.

शंकरविलासः शिवकथामृतसारः विद्यारण्ययतिसंगृहीतः.

(3697) ग्र. 205 प.

शंकरसंहिता. स्कान्दम्.

(2679) ना. 215 प.

(3686) ग्र. 231 प.

(3468) ग्र. 216 प.

(4305) ना. 162 प.

(C 247) ना. 95 प. उपदेशकाण्डः.

(1274) आ. 94 प. ,,

(2276) ग्र. 176 प. ,,

(A 456) ग्र. 122 प. ,,

(609) तु. 255 प. 7 काण्डाः.

(C 504) आ. 40+8+10+33+69 प. 5 काण्डाः.

(2292) ग्र. 157 प. देवतादक्षयुद्धकाण्डाः.

शंकरसंहिता स्कान्दम्.

(2221) आ. 221 प. 102–199 पत्रलोपः.

(A 457) ग्र. 13 प. देवताकाण्डः.

(A 458) ग्र 12 प. वीरमाहेन्द्रकाण्डः

(A 459) ग्र. 54 प. युद्धकाण्डः

(A 460) ग्र. 58 प. संभवकाण्डः.

(A 461) ग्र. 23 प. आसुरकाण्डः.

(3616) ग्र. 18–182 प. युद्धदेवताकाण्डौ.

शतकोटिसारः. स्कान्दम्.

(1634) ना. 45 प. शतकोटिरामायणाविचाररूपः.

शिवतत्त्वसुधानिधिः. स्कान्दे सनत्कुमारसंहितायाम्.

(B 311) क. 105 प.

(2462) आ. 99 प.

(2859) ना. 41 प.

(3626) ग्र. 36 प.

शिवपुराणम्.

(3318) आ. 114 प. वायवीयसंहिता.

(3718) ग्र. 171 प. ,,

(3439) ग्र. 56 प. ,,

(3627) ग्र. 44 प. धर्मसंहिता.

(3452) ग्र. 45 प. विद्यासागरसंहिता.

शिवरहस्यं. स्कान्दम्.

(A 153) आ, दे. 325 प.

(3174) ग्र. 51+53 प. 4–5 अंशौ.

(A 360) ग्र. 223 पु. 7–8 ,,

(A 386) ग्र. 190 पु. नवमोऽंशः

(A 373) ग्र. 304 पु. दशमोंऽशः.

(A 379) ग्र. 173 पु. द्वादशोंऽशः.

(C 1480-1494) दे. 1-12 अंशाः. समग्रम.

(4084) ग्र. 288 प. सप्तमोंऽशः.

(4085) ग्र. 75 प. पञ्चमोंऽशः.

श्रीभागवतं शुकमुनिप्रणीतम्.

(1487) ग्र. 227 प.

(910) ना. 435-448 प. 1-2 स्कंधौ.

(1432) ग्र. 374 प. 1-10 स्कंधाः.

(567) ग्र. 157+156 प. 1-3, 10 स्कंधा.

(1596) ग्र. 111-234 प. 4-6, 12 स्कंधाः.

(576) ग्र. 206 प. 5 स्कंधाः.

(1227) ग्र. 43+153 प. 9-10 स्कंधौ.

(C 185) दे. 26 प. द्वादशः स्कन्धः.

(1426) आ. 246 प. दशमः स्कन्धः.

(1573) ग्र. 97 प. ,,

(1785) ना. 201-388 प. नवमस्कन्धे पञ्चविंशाध्यायमारभ्य समग्रम.

(2151) ग्र. 345 प.

(4215) आ. 195 प. समग्रम्.

श्रीभागवतव्याख्या.

(2654) आ. 244 प. श्रीधरीयव्याख्या 1, 3, 5 स्कन्धाः.

(2658) आ. 198 प. ,, 6, 8, 9 ,,

(2653) आ. 267 प. ,, 10, 12, 2 ,,

(2659) आ. 170 प. ,, 11, 4 स्कन्धौ.

श्रीभागवतव्याख्या.

(2351) ग्र. 182 प. श्रीधरीयव्याख्या दशमस्कन्धः.
(2045) ग्र. 201 प. ,, एकादशे 30 अध्यायाः.
(3434) आ. 304 प. ,, 6 स्कन्धाः.
(773) ग्र. 120 प. ,, दशमस्कन्धः.
(C 462) दे, आ. ,, 180+171+147+67
85+83+108+90+66 प. 6, 9,11, 12 स्कन्धाः न सन्ति.
(2615) ग्र. 77 प. शुकभावप्रकाशिका (सुन्दरराजसूरीया) पञ्चमस्कन्धः.
(2602) ग्र. 88 प. ,, दशमे 40 अध्यायाः.
(2994) ग्र. 233 प. ,, दशमस्कन्धः.
(3185) ग्र. 29 प. शुकतात्पर्यरत्नावलिः (वीरराघवीया) दशमे 4 अध्यायाः.
(C 289) आ. 89–507 प. ,, 3–5, 9, 12 स्कन्धाः.
(780) आ. 229 प. शुकपक्षीयव्याख्या सुदर्शनाचार्यकृता.
(228) आ. 53 प. भावार्थदीपिका (राघवानन्दीया) प्रथमः स्कन्धः.
(441) क. 243 प. ,, एकादशस्कन्धः.
(1237) आ. 80 प. ,, द्वादशस्कन्धः.
(C 374) दे. 74 प. ,, दशमे 16 अध्यायाः.
(4294) ,, दशमः स्कन्धः.
(749) ना. 153 प. महेशतीर्थीया पञ्चमस्कन्धः.
(2603) ग्र. 21 प. ब्रह्मानन्दभारतीया एकादशसारः.
(4111) आ. 16 प. ,, ,,
(3447) ग्र. 319 प. राघवानन्दविरचिता कृष्णपद्याख्या व्याख्या.10-12 स्कन्धाः.

(3448) ग्र. 241–354 प. राघवानन्दविरचिता कृष्णपद्याख्य व्याख्या:
10 12 स्कान्धाः.

(3713) ग्र. 262 प. ,, एकादशस्कन्धः.

(2853) आ. 79 प. अप्पाजिविराचिता व्यख्या दशमे 40 अध्यायाः.

(C1104-1105) दे. 75 + 178 प. यदुपत्याचार्यकृततात्पर्यटिप्पणी.
2, 4 स्कन्धौ.

(4362) ना. 66-116 प. तात्पर्यदीपिका. द्वितीयस्कन्धे दशमाध्याय-
मारभ्य चतुर्थस्कन्धान्ता.

(4176) ग्र. 395 प. तात्पर्यचन्द्रिका व्याख्या वेंकटकृष्णविरचिता.
10 मः स्कन्धः

(3855) ग्र. 200 प. मुनिभावप्रकाशिकाव्याख्या. दशमे. 26-61
अध्यायाः.

(C1279) दे. 806 प. विजयध्वजीया व्याख्य. 1, 3, 7, 9,
10, 12 स्कन्धाः

(C1553) दे. 176 प. ,, 7-9 स्कन्धाः.

(C1382-83) दे. 108 + 60 प. ,, 1, 6 स्कन्धौ

(C1385-88) दे. 76 + 49 + 152 + 100 प. विजयध्वजीया व्याख्या
7, 9, 10 स्कन्धाः.

(C1674) दे. 159 प विजयध्वजीया व्याख्या. एकादशस्कन्धः.

(1792) दे. 147 प. ,, ,,

(C5) दे. 595 प. वल्लभदीक्षितविरचिता टीका वल्लभमतानुसरिणी.
दशमस्कन्धे उत्तरभागः.

(1912) ग्र. 194 प. कर्णाटकटीका एकादशस्कन्धः.

सात्त्विकादिपुराणनिर्णयः.

(904) ना. 191 तमं पत्रम्.

सीताविजयः जैमिनीयाश्वमेधः

(3405) प्र. 93 प.

सूतसंहिता स्कान्दम्.

(1719) ना. 156 प.

(1560) आ. 17 प. (अस)

(2851) प्र. 126 प.

(270) आ. 214 प. माधवीयव्याख्यायुता.

(153) आ. 118 प. ,,

(386) आ. 133 प. ,,

(423) आ. 103 प. ,,

(2599) प्र. 224 प. ,, पूर्वभागः.

(3693) आ. 64 प. ,, उत्तरभागः.

(A473) आ. 139 प. ,,

सूतसंहितासारसंग्रहः.

(338) प्र. 23–43 प.

सौरसंहिता स्कान्दम्.

(A 348) दे. 19 प.

(A 452) प्र. 22 प.

हरिभक्तिसुधोदयः नारदीयपुराणम्.

(412) आ. 64 प.

(1439) आ. 33 प.

(2904) आ. 67 प.

हिमाचलखण्डः. स्कान्दान्तर्गतः.

(A386) प्र. 22 प.

(2) उपाख्यानम्.

कुण्डविकुण्डलोपाख्यानम्. पाद्मम्.

(1894) आ. 67–78 प.

कुशलवोपाख्यानं. महाभारते आश्वमेधिके.

(1136) ना. 42 प.

(2320) ग्र. 63 प.

(2844) ग्र. 20 प.

दभ्रचरितं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3600) ग्र. 36 प.

धर्मपालचरितं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1894) आ. 25–30 प.

नलोपाख्यानं. महाभारते अरण्यपर्वाणि.

(1605) ग्र. 55 प.

नीलोपाख्यानं हरिवंशीयम्.

(B 755) आ. 8 प.

मेघवाहनोपाख्यानं. आनुशासनिकम्.

(3469) ग्र. 52 प. सव्याख्यम्. 14–18 अध्यायाः

(3471) ग्र. 26+61 प. ,, ,,

रामोपाख्यानं पाद्मम्.

(C 1100) दे. 21 प.

रुक्माङ्गदचरितं नारदीयम्.

(741) ग्र. 43 प.

(2902) ग्र. 53 प.

(3179) ग्र. 100 प.

(3207) ग्र. 70–98 प.

ललितोपाख्यानं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 117) दे. 425 + 201 पु.

(2650) म. 163 प.

(4145) म. 157 प.

शतरुद्रोपाख्यानं. भारतम्.

(C 1127) ना. 13 प.

हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्.

(C 493) आ. 13 प. महाभारते अरण्यपर्वणि.

(2818) म. 29 प. हरिवंशीयम्.

(3282) ना. 181 प. स्कान्दान्तर्गतम्.

(3) गीता.

अवधूतगीता.

(B 712) आ. 26 प.

(1391) म. 162 प. परमानन्दतीर्थटीकायुता.

अष्टावक्रगीता.

(B 692) आ. 11 प.

(C 1049) ना. 51 प.

ईश्वरगीता कूर्मपुराणं.

(2314) आ. 81-101 प.

उत्तरगीता भारते.

(C 480) दे. 13 प.

(,,) दे. 20 प.

(C 603) दे. 30 प.

(59) ना. 24 प.

(2572) ना. 61-69 प.

B (713) आ. 36 प. कर्णाटटीका ~

ऋभुगीता.

(2062) आ. 61 प.

कपिलगीता पद्मपुराणम्.

(C 788) दे. 29 प.

गर्भगीता भारतान्तर्गता.

(1922) आ. 42 प. आन्ध्रतात्पर्ययुता

(C 480) दे. 14-18 प.

(,,) दे. 21-24 प.

गुरुगीता स्कान्दम्.

(C 227) दे. 32 प.

(C 602) दे. 21 प.

(1716) ना. 38-45 प.

(A 475) क. 9 प.

देवीगीता देवीभागवतम्.

(2360) प्र. 31 प.

पाण्डवगीता.

(C 530) आ. 4 प.

(1045) प्र. 148-153 प.

(1385) क. 32-44 प.

प्रणवगीता.

(2360) प्र. 7· प.

ब्रह्मगीता. (सूतसंहिता)

(1825) ना. 47 प.

भगवद्गीता.

(C 594) दे. 117 प.
(863) क. 16-73 प.
(1036) आ. 22 प.
(1504) ग्र. 31+11 प. ब्रह्मसूत्राणि च.
(2660) क. 154 प. कर्णाटटीकायुता.
(C 259) क. 265 प. ,,
(4376) आ. 45 प.

रामगीता.

(B 714) आ. 18 प.

शिवगीता पद्मपुराणम्.

(975) आ. 16. प.
(C 461) दे. 126 प.
(4326) ग्र. 58 प. सभाष्या. असमग्रा.
(2261) क. 154 प. सकर्णाटटीका.

शिवरामगीता (सुखोदये अद्वैतसुधारसे).

(C 461) दे. 47 प.
(1716) ना. 15-26 प.
(2314) आ. 102-121 प.

श्रुतिगीता (ब्रह्मस्तुतिव्याख्या).

(2914) ग्र. 42. प. वेंकटकृष्णार्यटीकायुता.
(3862) ग्र. 47. प. ,,

(4) माहात्म्यम्.

अनन्तशयनमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(79) ग्र. 29 प.
(4160) ग्र. 30 प.

अयोध्यामाहात्म्यं कोसलखण्डः.

(C 342) दे. 59 प.

अरुणाचलमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(4117) ग्र. 58 प.

अर्कपुष्करिणीमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(B 335) क. 122 प.

अविमुक्ततत्त्वं भवानीसंगृहीतम.

(C 1054) दे 71 प.

अहोबलगिरिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(B 355) क 90 प.

आदिपुरमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3519) ग्र. 45 प.

आनन्दकाननमहात्म्यं वायुपुराणे लक्ष्मीसंहिता.

(A 212) दे. 126 प.

(C 66) दे. 66 प.

(519) ना. 105 प.

(C 865) दे. 88. प.

इन्द्रक्षेत्रमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(1565) ना. 56-68 प.

उद्धवप्रश्नः.

(39) ना. 69-78. प.

कदम्बवनमाहात्म्यं. स्कान्दम.

(2318) ग्र. 48 प.

कमलाचलमाहात्म्यम्.

(744) आ. 19 प. भविष्योत्तरम्.

कमलाचलमाहात्म्यम्.

(3719) ग्र. 113 प. स्कान्दम्

काञ्चीमाहात्म्यम्.

(3633) ग्र. 158 प. स्कान्दम्.

(4086) ग्र. 155 प. पुराणसंग्रहे 97 अध्याया:

कामाक्षीमाहात्म्यं. मार्कण्डेयपुराणम्.

(2519) ग्र. 77 प.

कार्तिकमासमाहात्म्यम्.

(364) ना. 36 प. पाञ्चरात्रम्.

(C 1550) आ. 56 प. ,,

(C 114) दे. 32 प. पाद्मम्.

(C 1895) दे. 22 प. ,,

(2249) आ. 36 प. ,,

(2071) आ. 19. प. भरद्वाजसंहितीयम्.

(C 186) दे. 127 प. स्कान्दम्.

(357) ना. 39 प. ,,

(297) ना. 98-154 प ,,

(C 399) दे. 45 प. ,,

(363) ना. 54-116 प. ,,

(,,) ना. 44 प. ,,

(2173) आ. 6 प. ,,

(2860) ग्र. 29-154 प. ,,

कावेरीमाहात्म्यम्.

(1239) ना. 117-268 प.

(3981) ना. 124 प. स्कान्दम्.

(4208). ना 158 प. अग्निपुराणम्.

कावेरीकपिलासङ्गममाहात्म्यं स्कान्दम्.

(262) ना. 30 प.

काशीमाहात्म्यम्.

(A 309) ना. 18 प. आग्नेयम्.

(B 708) आ. 35 प. पाद्मम्.

काशीरहस्यं ब्रह्मवैवर्तम्.

(A 308) आ. 186 प. विद्यानन्दटीकायुतम्.

कुम्भघोणमाहात्म्यम्.

(79) ग्र. 18 प. भविष्यपुराणम्

(79) ग्र. 38 प. शेषधर्मः.

(C 1904) दे. 44 प.

कुरुकानगरीमहिमा ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2971) ग्र. 95-165 प.

(3660) ग्र. 27 प.

कुरुक्षेत्रमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2977) ग्र. 40 प.

कृत्तिकामाहात्म्यम्.

(2632) ग्र. 60-90 प.

(4158) ग्र. 58 प. पाद्मम्.

कृष्णमङ्गलमाहात्म्यम् (तिरुक्कण्णमंगै).

(289) ग्र. 48 प. पाद्मम्.

(3857) ग्र. 18 प. स्कान्दम्.

कृष्णस्थलमाहात्म्यम् (तिरुक्कण्णपुरम्).

(40) ग्र. 52 प. पाद्मम्.

कृष्णानदीमाहात्म्यम्.

(C 1911) दे. 155 प.

कौशिकद्वादशीमाहात्म्यं वराहपुराणम्.

(1042) ग्र. 21 प. द्राविडटीकायुतम्.

(637) आ 10 प.

कैशिकमाहात्म्यं वराहपुराणम्.

(2133) क. 17 प. कर्णाटटीकायुतम्.

(3021) क. 88-127 प.

खादिरमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1757) आ. 21 प.

गजारण्यमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(262) ना. 30-36. प.

गणेशमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(1716) ना. 57. प.

गयामाहात्म्यं वायवीयम्.

(C 117) दे. 20 प.

(743) आ. 80-90 प.

(C 1022) ना. 15 प.

(3971) आ. 137-156 प.

गरुळपुरीमहात्म्यं स्कान्दम्.

(376) ना. 75-103 प.

(1941) ना. 51. प.

(B 612) क. 26 प.

(3934) ग्र. 20. प.

गीतापीठिका (महाभारतम्).
(59) ना. 98 प.

गीतामाहात्म्यं वायवीयम्.
(749) आ. 97-108 प.
(59) ना. 16. प.
(892) आ. 5 प.

चम्पकारण्यमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(3854) ग्र. 62-87 प.

चातुर्मास्यमाहात्म्यं वाराहम्.
(C 379) दे. 92 प.
(3126) ना. 41-152 प.
(4361) ना. 86 प.

चित्रकूटमाहात्मयं. भविष्योत्तरम्.
(360) ग्र. 24 प.

चुञ्चसेतुमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(B335) क. 123-130 प.

चैत्रशुक्लैकादशीमाहात्म्यं. वराहपुराणम्.
(C126) दे. 5 प.

जनार्दनमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(4239) ना. 17 प.

जयन्तीपुरमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(2648) ग्र. 37 प.
(2976) ग्र. 54 प.
(3703) आ. 86 प.

ज्ञानमण्टपमाहात्मयं. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(2136) ग्र. 120 प.

ज्ञानमण्टपमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3016) आ. 55 प.

(4352) क. 13 + 48 प.

ज्येष्ठैकादशीमाहात्मयं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C126) दे. 9-14 प.

ताम्रपर्णीमाहात्मयं. शैवपुराणम्.

(2460) म. 75 प. 25 अध्यायाः

(2340) म. 206 प. 40 ,,

(2341) म. 163 प. 41-64 ,,

तुङ्गभद्रामाहात्मयम्.

(1124) ना. 79-215 प. स्कान्दम्.

(B561) क. 2 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

तुलसीमाहात्मयम्.

(503) ना. 24 प. स्कान्दम्.

(659) म. 20 प. नानापुराणान्तर्गतम्.

(2367) म. 4 प. माण्डव्याश्रमवर्णनम्

तुलाकावेरीमाहात्मयम्.

(C370) दे. 111 प. आग्नेयपुराणम्.

(52) ना. 100 प. ,,

(540) म. 59 प. ,,

(1639) क. 35-134 प. ,,

(1672) म. 113 प. ,,

(253) ना. 101 प. स्कान्दम्.

(1639) आ. 34 प. ब्रह्मवैवर्तम्.

(246) ना. 79 प.

तोताद्रिमाहात्म्यम्.

(311) ग्र. 68 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(,,) ग्र. 69—83 प. स्कान्दम्.

त्रिकूटाचलमहिमा स्कान्दम्.

(262) ना. 30 प.

(2636) ग्र. 67 प.

(3601) ग्र. 53 प.

दक्षिणद्वारकामाहात्म्यं हरिवंशः.

(3854) ग्र. 88-94 प.

देवपुरीमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 172 प.

देवीमाहात्म्यं. (सप्तशती) मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 481) दे. 56 प.

(2189) आ. 43 प.

(2349) ग्र. 32-78 प.

(2477) आ. 29 प.

(4388) ना. 20 प.

(B657) दे. 129 प. सव्याख्यम्.

(2467) ग्र. 64 प. ,, 4 अध्यायाः.

द्राविडश्रुतिमाहात्म्यं. पाञ्चरात्रम्.

(2149) आ. 3, 4 प.

द्वारकामाहात्म्यम्. स्कान्दम्.

(743) आ. 114-128 प.

धनुर्मासमाहात्म्यम्.

(C 115) दे. 60 प. आग्नेयपुराणम्.

धनुर्मासमाहात्म्यम्.

(C 1013) दे. 32 प. सनत्कुमारसंहिता.

धान्विनगरमहात्म्यं. वाराहखण्डम्.

(B 757) आ. 49 प.

नदीतारतम्यमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.

(357) ना. 1 प.

नवक्षेत्रमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2971) म. 95 प.

नवरत्नमाहात्म्यलक्षणादयः.

(B 118) दे. 29 प.

पञ्चक्रोशमाहात्म्यम्.

(C 1541) क. 2-20 प.

पलाशवनमाहात्म्यम्. पाद्मम्.

(79) म. 11-48 प.

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम्.

(C 1042) दे. 52 प.

(C 1341) दे. 71 प.

पिनाकिनीमहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 1283) दे. 54 प.

प्रयागमाहात्म्यम्.

(C 327) आ. 90 प. पद्मपुराणम्.

(C 123) दे. 107 + 8 प. ,,

(743) आ. 70 प. ,,

(C 172) दे. 19 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(743) आ. 71-75 प. ,,

फाल्गुनैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तपुराणम्.
(C 126) दे. 11-12 प.

फुल्लारण्यमाहात्म्यम्.
(3923) म. 21 प.

बदरिकाश्रममाहात्म्यम्.
(743) आ. 103-113 प पाञ्चरात्रम्.
(79) म. 24 प. सनत्कुमारसंहिता.

बिल्वारण्यमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(3484) म. 47 प.

भस्ममाहात्म्यम्.
(3386) म. 34 प.

भागवतमहात्म्यं. स्कान्दम्.
(C 1021) ना. 30 प.

भार्गवपुरीमाहात्म्यम्.
(A 609) क. 81 प.

भावनाऋषिमाहात्म्यम्.
(3191) आ. 21 प.

मथुरामाहात्म्यं. वाराहम्.
(C 125) दे. 39 प.

मन्दाकिनीधराचलमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(376) ना. 53 प.

मल्लारिमाहात्म्यम्.
(C 220) दे. 140 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(C 1018) दे. 49 प. स्कान्दम्.

महापद्माकरमाहात्म्यम्.

(363) ना. 14 प.

माघमाहात्म्यम्.

(235) ना. 5 – 85 प. वायुपुराणम्.
(2071) आ. 35—88 प. ,,
(C 376) दे. 70 प. ,,
(4105) ना. 93 प. ,,
(1812) आ. 133 प. पद्मपुराणम्.
(2387) आ. 84 प. ,,
(2343) म. 8 —222 प. ,,
(2856) म. 113 प. ,,
(4157) म. 116 प. ,,
(363) ना 117–184 प. स्कान्दम्.
(4008) ना. 119–190 प. ,,
(3052) ना. 40 प. 15–19 अध्यायाः टीका.

माघैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C 126) दे. 8–11 प.

मार्गशीर्षमाहात्म्यं. स्कान्दम.

(3126) ना. 40 प.

मार्गशीर्षपुष्यैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C 126) दे. 8 प.

यादवगिरिमाहात्म्यं. नारदीयम्.

(740) म. 82 प.
(2018) म. 90 प.
(2147) आ. 65 प.

(3657) ग्र. 57 प.

(3663) ग्र. 28 प.

(1744) ग्र. 77–112 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

रामनाममाहात्म्यम्.

(50) ना. 38–41 प.

रामायणमाहात्म्यं. उमासंहिता स्कान्दम्.

(305) ना. 10 प.

(367) ना. 102 प.

(C 1009) आ. 64 प.

रुद्रकोटिमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(3193) ग्र. 199–290 प.

(3719) ग्र. 113 प.

रुद्राक्षमाहात्म्य स्कान्दम्.

(C 1132) दे. 8 प.

वल्कलक्षेत्रमाहात्म्यम्. (जनार्दनमहिमा) ब्रह्माण्डपुराणम्.

(4160) ग्र. 31–67 प.

विभूतिरुद्राक्षमाहात्म्यं. शिवेन्द्रसरस्वतीसंगृहितिम्.

(1216) आ. 26–104 प.

वीक्षारण्यमाहात्म्यं. मार्कण्डेयपुराणम्.

(79) ग्र. 27 प.

(1424) आ. 27 प.

(2056) ग्र. 98 प.

वीरभद्रमाहात्म्यम्.

(C 1619) आ. 21 प.

वृद्धगिरिमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(3406) ग्र. 57 प.

(3601) ग्र. 54,36 प.

वेङ्कटगिरिमाहात्म्यम्.

(1744) ग्र. 20–35 प ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2387) ना. 68 प. भविष्योत्तरम्.

(C 1079) दे 89 प. ,,

(2071) आ. 12–18 प. ब्रह्माण्डम

(2861) ना. 33 प. ,,

(C 1284) दे. 47 प. आदित्यपुराणान्तर्गतं. सह्याद्र्यम.

वेङ्कटेशमाहात्म्यम्.

(C 397) दे. 15 प. मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 398) दे. 21 प. गरुडपुराणम.

(C 400) दे 14 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(364) ना. 9 प. वायुपुराणम्.

वेदान्तदेशिकमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.

(2149) आ. 3 प.

वेदारण्यमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(849) ग्र. 31 प.

वैकुण्ठमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(C 696) आ. 2 प.

वैशाखमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(C 395) दे 118 प.

(38) ना. 111 प.

(363) ना. 53 प.

(744) आ. 8 प.

(2071) आ. 34 प.

(4150) ग्र. 68 प.

वैशाखैकादशीमाहात्म्यं. भविष्योत्तरम्.

(C 126) दे. 9 प.

शमीगिरिमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 67 प.

शिवगङ्गामाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(376) ना. 56–69 प.

शिवभक्तमाहात्म्यम्.

(2229) आ. 96 प. 23–43 अध्यायाः. ब्रह्मोत्तरम्.

(2532) आ. 149 प. ,,

(2641) ग्र. 88 प. 35 अध्यायाः ,,

(3155) ग्र. 92 प. ,,

(3569) ग्र. 137 प. भविष्योत्तरम्. 66–90 अध्यायाः

(4348) ग्र. 174 प.

शिवमाहात्म्यदर्पणम्. (नानाविधपुराणसंग्रहः)

(186) ना. 76–147 प.

(376) ना. 70–74 प. वासिष्ठं.

शिवरात्रिमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(1960) ना. 19 प.

शिवाचलमाहिमा. स्कान्दम्.

(3490) ग्र. 52 प.

(3542) ग्र. 101 प.

शुकपुरीमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(A 614) क. 68 प.

श्रावणमासमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(C 118) दे. 40.

श्रावणैकादशीमाहात्म्यं भविष्योत्तरम्.
(C 126) दे. 1 प.

श्रीनिवाससरोवरमाहात्म्यं. भविष्योत्तरम्.
(1998) आ. 26 प.

श्रीपर्वतमाहात्यं भाविष्यत्पुराणम्.
(376) ना. 53–56 प.

श्रीपादतीर्थमाहात्म्यम्.
(B 545) क. 8–9 प.

श्रीरङ्गमाहात्म्यम्.
(856) म. 113 प. गारुडपुराणम्.
(278) आ. 55–80 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(1460) आ. 18 प. ,,
(1565) ना. 35 प. ,,
(1744) म. 19 प. ,,
(2071) आ. 11 प. ,,
(2064) आ. 45 प. ,,
(C 1084) दे. 23 प. ,,

श्वेताचलमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.
(C 1020) दे. 43 प.

सप्तशती (देवीमहात्म्यम्) मार्कण्डेयपुराणम्.
(C 481) दे. 56 प.

सालग्राममाहात्म्यं, लक्षणं च (गण्डकिमाहात्म्यम्.)

(50) ना. 83–85 प.
(743) आ. 91–103 प.
(859) आ. 7 प.
(894) आ. 41 प.
(C 286) दे. 103 प. सकर्णाटटीकम्.
(817) क. 36 प. ,,
(1565) ना. 50 प. ,,
(2362) ग्र. 62 प.
(2909) ग्र. 15 प.
(B 545) क. 8–9 प.
(3592) ग्र. 36 प.
(3604) आ. 13+12 प.
(3769) आ. 12 प.
(1923) दे. 29 प.

सीमन्तिनीप्रभावः.

(B 832) दे. 9 प.

सुदर्शनमाहात्म्यम्.

(741) ग्र. 44–64 प.

सेतुमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(364) ना. 164 प.
(1545) ना. 19–49 प.
(3626) ग्र. 118 प.

स्तम्भोदधिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 57 प.

हनुमत्तीर्थमाहात्म्यं ब्रह्माण्डं स्कान्दं च.
(2818) म. 30 प.

हरतीर्थमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(4079) म. 87 प.

हरदत्तमाहात्म्यं भविष्योत्तरम्.
(B 102) आ. 59 प.
(B 131) आ. 64 प.
(A 280) म. 34 प.

हरिनामस्मरणमाहिमा (नानापुराणसंग्रहः.)
(228) म. 31 प.

हरिभक्तिकथार्णवः.
(942) म. 8 प.

हरिमाहात्म्यदर्पणं बसवभूपालसंगृहीतम्.
(525) म. 330 प.

हरिहरमाहात्म्यं स्कान्दम्.
(B 315) दे. 25 प.

हस्तिगिरिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(1453) आ. 63 प.
(C 281) दे. 77 प.
(1744) म. 36–76 प.
(1846) म. 14–37 प.
(C 1701) दे. 82 प.

हालास्यमाहात्म्यं स्कान्दम्.
(415) ना. 181 प.
(3251) म. 108 प.
(3979) आ. 284 प.

(5) सहस्रनामस्तोत्रम्.

अकारादिसहस्रनामावळिः.
(2624) ग्र. 15 प.

अर्धनारीश्वरसहस्रनामावळिः.
(3498) आ. 40–63 प.

कार्तवीर्यार्जुनसहस्रनामस्तोत्रं. उड्डामरेश्वरतन्त्रम्.
(C 549) आ. 16–21 प.

गङ्गासहस्रनाम.
(B 945) क. 13 प.

गङ्गासहस्रनामस्तवव्याख्या रामानन्दविरचिता.
(C 1503) आ. 24 प.

गणेशसहस्रनामस्तोत्रम्.
(C 608) दे. 26 प. पद्मपुराणम्.
(C 530) आ. 6 प. वैनायकपुराणम्.
(C 226) दे. 14 प.
(C 160) दे. 10 प.

गायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्.
(B 916) ग्र. 10 प.

गोपालसहस्रनाम.
(3645) ग्र. 6 प.

चिदम्बरसहस्रनामावळिः.
(3498) आ. 20–37 प.
(3500) ग्र. 18 प.

जानकीसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 226) दे. 10 प.

दक्षिणामूर्तिसहस्रनामावळिः.

(3497) आ. 23 प.

देवीसहस्रनामावळिः.

(2361) ग्र. 29 प.

नृसिंहसहस्रनामस्तोत्रं नृसिंहपुराणम्.

(1222) ग्र. 25–28 प

(2158) ग्र. 30 प.

(2488) ग्र. 196–205 प.

नृसिंहसह[illegible]नावळिः.

(3501) ग्र. 16 प.

बालासहस्रनामावळिः रुद्रयामळम्.

(1976) ना. 11 प.

भवानीसहस्रनामावळिः.

(C 226) दे 11+14 प.

रकाररामसहस्रनामावळिः स्तोत्रं च.

(742) ना. 10 प.

(C 610) आ. 19 प.

(B 865) दे. 12 प.

ललितासहस्रनामस्तोत्रम्.

(B 271) म. 257–319 प

(C 223) दे. 32 प.

(C 226) दे. 30 प.

(C 481) दे. 14 प.
(335) ना. 22–47 प.
(1546) ना. 15 प.
(2349) ग्र. 81 प.
(2663) क. 93 प. नृसिंहतीर्थीयव्याख्यायुतम्.

वटुकभैरवसहस्रनामस्तोत्रं भैरवतन्त्रम्.

(C 184) दे. 14 प.

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

(863) क. 16 प.
(1444) आ. 28–43 प.

वेङ्कटेशसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 226) दे. 17 प.
(364) ना. 7 प.
(861) [illegible]. 34 प.
(1045) ग्र. 157–163 प.

वेदसारसहस्रनामावळिः.

(3501) ग्र. 16 प.

शिवसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 561) क. 26 प. शिवरहस्यम्.
(C 1519) दे. 12 प. ,,
(C 1524) दे. 6 प. महाभारतम्.
(C 1523) दे. 7 प.
(1968) ना. 14 प. पाद्मम्.
(2361) ग्र. 28 प. ,,
(3496) आ. 16 प. (नामावळिः)

सीतासहस्रनामस्तोत्रम्.

(B 224) क. 28 प. स्कान्दम्.

(B 866) दे. 16 प. (सकारादि)

सुब्रह्मण्यसहस्रनामावळिः.

(3499) आ. 12 प.

हयग्रीवसहस्रनामस्तोत्रं महादेवरहस्यम्.

(C 728) दे. 8 प.

(6) आर्षस्तोत्रम्.

अजपास्तोत्रम्.

(C 461) दे. 146–148 प.

अपामार्जनं विष्णुधर्मोत्तरम्.

(C 710) आ. 21–32 प.

(2164) म. 10 प.

अर्गळस्तोत्रम्.

(2349) म. 19–21 प.

अश्वत्थनारायणस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 558) क. 13–17 प.

(C 210) दे. 8+8+12 प. प्रतिष्ठादिविधिश्च.

(B 618) क. 5–9 प.

(B 695) क. 5 प.

आञ्जनेयस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 96–98 प.

आदित्यहृदयं रामायणम्.

(498) ना. 8–10 प.

(907) ना. 54–56 प.

(C 556) क. 10–12 प. भविष्योत्तरम्.

(C 401) दे. 22 प. ,,

आपदुद्धारकश्रीरामस्तोत्रम् सप्तर्षिकृतम्.

(915) आ. 20–23 प.

आपन्निवारकश्रीरामस्तोत्रं हनुमत्कृतम्.

(550) आ. 2 प.

इन्द्राक्षीस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 6+2 प.

(C 583) आ. 16 प.

(908) ना. 3 प.

उपचारपूजास्तोत्रं त्रिपुरसिद्धान्तः.

(2477) आ. 81 तमं पत्रम्.

उमामहेश्वराष्टोत्तरम्.

(B 911) म. 9 प.

कार्तवीर्यार्जुनकवचम्.

(792) म. 3 प. सुदर्शनसंहिता.

(902) ना. 12 प. डामरेश्वरतन्त्रम्.

कीलकस्तोत्रम्.

(2349) म. 21–22 प.

कृष्णाष्टोत्तरम्.

(C 159) दे. 2+5 प.

(863) क 50–54 प.

गङ्गाष्टकम्.

(C 159) दे. 2+6 प. वाल्मीकिः.

(B 329) म. 2 प.

गजेन्द्रमोक्षः भागवतम्
(C 461) दे. 16 प.

गणपतिकवचम्.
(C 401) दे 12 प.
(C 586) दे. 4 प.
• (B 279) म. 24–27 प.

गणपतिस्तोत्रं सनत्कुमारः.
(C 587) दे. 4 प.
(C 461) दे. 35–38 प.

गायत्रीभुजङ्गस्तोत्रम्.
(56) आ. 8–9 प

गायत्रीरामायणस्तोत्रम्.
(C 461) दे. 49–52 प.

गायत्रीहृदयकवचादिस्तोत्राणि.
(499) ना. 20 प.
(500) ना. 21 प.
(C 631) दे. 7 प.
(738) ना. 5 + 68–76 प.
(55) ना. 3 प.

गीतासारस्तोत्रम्.
(C 227) दे. 8 प.
(B 715) आ. 10 प.

गुरुगीतास्तोत्रम्.
(2670) क. 24 प.

गुरुस्तोत्रम्. (रुद्रयामळम्)

(C 461) दे. 161–164 प.

गोसावित्रीस्तोत्रं महाभारतम्.

(C 461) दे. 22–24 प.

चण्डिकाहृदयम्.

(2349) प्र. 23–32 प.

जितन्तास्तोत्रं विष्वक्सेनसंहिता

(1708) प्र. 7 प.

(1440) आ. 5–11 प.

तुलसीस्तोत्रम्

(C 227) दे. 8 प.

तुलस्यष्टोत्तरम्.

(1045) प्र. 153 तमं पत्रम्.

त्रिवेणीस्तोत्रं पद्मपुराणम्.

(C 461) दे. 21 प.

त्रैलोक्यमोहनकवचं रुद्रयामळम्.

(C 611) दे 5 प.

(2366) प्र. 5 प.

(B 627) क. 5 प.

दक्षिणामूर्तिपञ्जरम्

(B 767) क. 101–107 प.

दत्तात्रेयस्तोत्रं नारदः

(C 461) दे. 19–20 प.

दशावतारलीलास्तोत्रं भविष्योत्तरम्.

(C 595) आ. 8 प.

दुर्गाविजयः

(B 576) क. 153–159 प.

दुर्गास्तोत्रं महाभारतम्.

(C 461) दे. 121–125 प.

देवीपञ्चशतीनामावळिः

(3510) म. 14 प.

नवग्रहकवचं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 461) दे. 20 प.

(1544) आ. 13 प.

नवग्रहस्तोत्रं व्यासः

(C 461) दे. 20–22 प.

नामसारस्तवः सौभाग्यलक्ष्मीकल्पोक्तः.

(1658) आ. 22 प.

नरायणकवचम्

(863) क. 12 प.

नारायणहृदयं अथर्वरहस्यम्.

(70) ना. 3 प.

(C 435) दे. 125–127 प.

नृसिंहकरुणाक्रन्दनस्तोत्रं नृसिंहपुराणम्.

(C 461) दे. 3 प.

नृसिंहध्यानस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 68 तमं पत्रम्.

पञ्चमीस्तवराजः वामकेश्वरतन्त्रम्.

(C 565) आ. 6. प.

पितृस्तोत्रम् (श्राद्धसाद्गुण्यस्तवः) मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 156) दे. 3 प.

प्रदोषस्तोत्रं स्कान्दे ब्रह्मोत्तरखण्डः.

(C 461) दे. 119–120 प.

बालाकवचम्

(1223) ना. 2 प.

(2366) ग्र. 1 प.

बालाहृदयम्

(2366) ग्र 2 प.

बुधस्तोत्रम्

(C 227) दे. 3 प.

बृहस्पतिस्तोत्रं विष्णुधर्मोत्तरम्.

(C 557) क. 12 तमं पत्रम्.

भारतसावित्री महाभारतम्.

(C 455) आ. 5 प.

(947) आ. 3 प.

भैरवस्तोत्रम्.

(C 401) दे. 11 प.

मङ्गळाष्टकं. वाल्मीकिकृतम्.

(C 495) आ. 2 प.

मनोन्मनीस्तोत्रं. स्कान्दम्.

(1768) क. 2 प.

मन्त्रराजस्तवः ईश्वरप्रोक्तः.

(1471) आ. 26–27 प.

महागणपतिस्तोत्रं पद्मपुराणम्.
(C 461) दे. 10–11 प.

महालक्ष्मीकवचं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(C 461) दे. 73–74 प.

महासौरं पाद्मम्.
(498) ना. 8 प

महिमस्तुतिः दुर्वासाः.
(3556) म. 22 प.

मातङ्गीकवचं रुद्रयामळम्.
(C 596) क. 10 प.

माधवस्तवराजः वायुपुराणम्.
(C 461) आ. 12 प

मानसिकस्नानस्तोत्रं वामनपुराणम्.
(C 461) दे. 15–17 प.

मारिकास्तोत्रं स्कान्दम्.
(B 379) दे. 3 प.

माहेश्वरयज्ञादिस्तुतिः.
(B 917) म. 6 प.

मृत्युञ्जयाष्टकं नृसिंहपुराणम्.
(C 461) दे. 63–64 प.

राजराजेश्वरीस्तोत्रम्.
(C 461) दे. 5 प.

रामकवचं हिरण्यगर्भसंहिता.
(1716) ना. 14–15 प.

राममङ्गळस्तोत्रं वाल्मीकिः.
(1716) ना. 10–11 प.

रामममानसिकपूजास्तोत्रम्.

(1716) ना. 47–50 प.

रामरक्षास्तोत्रं कौशिकऋषिः.

(1716) ना. 29–30 प.

रामस्तोत्रं सप्तर्षयः.

(C 555) क. 9 तमं पत्रम्.

(915) आ. 2 प.

रामहृदयम्.

(50) ना. 28–36 प.

रामाष्टाक्षरस्तोत्रम्.

(C 552) क. 3–7 प.

रुद्रकवचम्.

(907) ना. 52–54.

लक्ष्मीद्वादशनामस्तोत्रं आग्नेयपुराणम्.

(C 461) दे. 17–18 प.

लक्ष्मीनारायणहृदयम्.

(B 281) म. 86–123 प.

(2477) आ. 30–35 प.

लक्ष्मीस्तोत्रं विष्णुपुराणम्.

(C 461) दे. 126–129 प.

(1716) ना. 51–52 प.

(C 461) दे. 130–132 प. काशीखण्डस्थम्.

लक्ष्मीहृदयस्तोत्रं अथर्वणरहस्यम्.

(C 466) दे. 15 प.

(70) ना. 10 प.

ललितात्रिशतीस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1716) ना. 53–60 प.

(C 223) दे. 35 प.

(C 481) दे. 9 प.

(2349) म. 92–96 प.

(2477) आ. 58–64 प.

ललितास्तवरत्नं दुर्वासाः

(2100) आ. 75–81 प.

ललितास्तवराजः.

(B 663) ना. 5 प.

वाराह्यष्टकम्.

(1759) म. 2 प.

विष्णुषोडशनामस्तोत्रं गरुडपुराणम्.

(C 461) दे. 12 तमं पत्रम्.

विष्णवष्टोत्तरशतादिव्यदेशस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्

(C 461) दे. 91–95 प.

(C 435) दे. 112–114 प.

(2726) आ. 12 प.

विष्वक्सेनाष्टकम्.

(C 454) आ. 1 प.

वेङ्कटेशकवचस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 82 90 प. वराहपुराणम्.

(,,) दे. 79–81 प. आग्नेयपुराणम्.

(,,) दे. 65–67 प. वेङ्कटेशमाहात्म्यम्.

(C 584) आ. 5 प. ,,

वेङ्कटेशाष्टोत्तरस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 45–48 प.

वेदपादस्तवः.

(1658) ना. 34 प. अगस्त्यकृतः.

(2849) आ. 8 प. पुण्डरीकमाहात्म्यम्.

शक्तिमहिमस्तुतिः दुर्वासाः.

(C 539) क. 19 प.

शनैश्चरस्तोत्रं दशरथः.

(500) ना. 56–64 प.

(1369) आ. 2 प.

शिवकवचं ब्रह्मोत्तरखण्डः.

(1222) ग्र. 29–30 प.

(1716) ना. 26–29 प.

(C 481) दे. 8 प.

शिवक्षेत्रस्तोत्रम्.

(C 873) आ. 3 प.

शिवद्वादशनामस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 9 तमं पत्रम्.

शिवनामावळिः.

(2630) ग्र. 6 प.

शिवस्तोत्रं हरिवंशः.

(C 771) आ. 6 प.

शिवस्थलाष्टोत्तरशतीनिर्णयः ललितागमः

(335) ना. 61–65 प.

शिवाष्टकं वसिष्ठः.

(C 461) दे. 5–7 प.

शिवाष्टोत्तरशतनामव्याख्या.'

(B 839) आ. 10 प. वेङ्कटाचलपतिः.

(1657) आ. 18 प. भास्करभारतीया.

शिवोत्कर्षस्तोत्रं काशीखण्डः.

(C 461) दे. 61–62 प.

शीतलास्तोत्रम्.

(C 227) दे. 2+4 प.

श्यामलाकवचं रेणुकातन्त्रम्.

(2477) आ. 83–85 प.

श्रीरामदिनचर्या.

(2367) म. 4 प.

सारस्वताष्टकम्.

(1759) म. 2 प.

सालग्रामस्तोत्रम्.

(C 45) दे. 21 प.

सीतारामस्तोत्रं हनूमान्.

(1716) ना. 10–11 प

सुदर्शनकवचं विहगेन्द्रसंहिता.

(C 461) दे. 135–136 प.

सुब्रह्मण्यषट्कम्.

(1759) म. 2 प.

सूर्यद्वादशनामस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 13–14 प.

सूर्याष्टोत्तरम्.

(3508) ग्र. 15 प.

सौभाग्यकवचम्.

(B 281) म. 15 प.

हनुमत्कवचम्.

(C 227) दे. 10 प.

हयग्रीवपञ्जरम्.

(C 1074) दे. 16 प.

(C 1681) दे. 14 प.

हरिहरकदम्बस्तोत्रं स्कान्दम्.

(1716) आ. 46 तमपत्रम्.

हरिहरस्तोत्रं काशीखण्डः.

(C 461) दे. 24-26 प.

VI. काव्यम्.

(1) स्तोत्रम्.

अच्युतशतकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1259) ग्र. 7 प.

(1571) ग्र. 69-102 प.

(C 1077) दे. 15 प.

अतिमानुषस्तवः कूरनारायणकृतः.

(1350) आ. 7 प.

(635) आ. 13 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

अद्वैतपञ्जरव्याख्या बालकृष्णानन्दकृता.

(4171) आ. 13 प..

अद्वैतरसमञ्जरीस्तुतिः नल्लाकविकृता.

(3439) म. 4 प.

अध्यात्मामृतरसरञ्जिनीस्तुतिः.

(C 1680) दे. 4 प.

अपराधस्तोत्रं शङ्कराचार्यः.

(1304) ना. 2 प.

(B 329) म. 6 प.

अभयहस्तशतकम्.

(2397) क. 155 प. सकर्णाटटीकम्.

अभीतिस्तवः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1045) म. 78-80 प.

(1444) म. 12-16 प.

(631) आ. 21 प. गार्ग्यवेंकटार्यटीकायुतः.

(3747) आ 18 प. ,,

(4319) म. 19 प. ,,

अम्बानवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(C 495) आ. 2 प.

अम्बापञ्चरत्नं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 31-32 प.

अम्बास्तवः काळिदासकृतः.

(2347) म. 4 प.

अष्टभुजाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) म. 96 तमं पत्रम्.

(1390) म. 58 ,,

(1443) म. 19-20 प.

अष्टश्लोकी श्रीवत्साङ्कमिश्रीया.
(1045) ग्र. 64 तमपत्रम्.
(C 435) दे. 109-110 प.
(2021) ग्र. 1 प.
(C 63) दे. 8 प. सव्याख्या.
(632) आ. 9 प. ,,
(1182) आ. 16 प. ,,
(1068) आ. 5-25 प. ,,
(4321) 18 प. ,,

आचार्यदण्डकम्.
(1390) ग्र. 3 प.

आत्मभुजङ्गं शङ्कराचार्यकृतम्.
(C 416) ना. 4 प.

आत्मार्पणस्तवः अप्पयदीक्षितकृतः.
(738) ना. 55-60 प.
(B 329) म. 9 प.
(C 582) आ. 7 प.

आदित्यस्तोत्रं अप्पयदीक्षितः.
(2984) ग्र. 55 प.
(2834) ग्र. 34 प. सव्याख्यम्.
(3307) आ. 23 प. ,,
(B 814) आ 26 प. ,,

आनन्दसागरस्तवः नीलकण्ठदीक्षितकृतः.
(B 329) म. 40 प. 108 श्लोकाः.

इन्द्रस्तुतिः.
(B 281) म. 77-85 प.

उमामहेश्वरस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.
(C 614) क. 2 प.

ऋष्यादिमङ्गळाष्टकानि.
(920) आ. 199-200 प.

एकदन्तस्तोत्रम्.
(B 279) म. 31-34 प.

कनकधारास्तवः शङ्कराचार्यकृतः.
(1759) म. 9 प.

कमलागुणस्तवः वेंकटनृसिंहार्यकृतः.
(1875) आ. 13 प.
(1861) आ. 47 प. भैषज्यकृष्णार्यटीकायुतः

कल्पवल्लीदण्डकं शिवरामलिङ्ककविकृतम्.
(3379) ग्र. 5 प.

'कल्याणानां' इति श्लोकव्याख्या.
(814) ग्र. 11 प.

कामासिकाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.
(1045) ग्र. 97 तमपत्रम्.
(1444) आ. 10-11 प.

कालभैरवाष्टकं शंकराचार्यकृतम्.
(C 495) आ. 2 प.

कालिकागद्यम्.
(2189) आ. 7 प.

कृष्णकर्णामृतं लीलाशुककविकृतम्.

(C 546) क. 17-45 प.

(747) ना. 39 प.

(2321) ग्र. 63 प.

(C 478) आ. 91 प. पापयल्लयार्यकृत सुवर्णचषकाख्यटीकायुतम्.

(970) आ. 61-113 प. ,,

(2601) ग्र. 115 प. ,,

(2667) आ. 17 प. ,,

कृष्णाष्टकम्.

(C 285) दे. 2 प. वादिराजस्वामिकृतम्.

(C 551) क. 3 तमपत्रम्.

क्षमाषोडशी पराशरभट्टारककृता.

(1350) आ. 45-47 प.

(B 234) आ. 19 प. सव्याख्या.

(825) ग्र. 4-14 प. ,,

(1390) ग्र. 32-47 प. ,,

(1519) ग्र. 6 प. ,,

गङ्गालहरी जगन्नाथपण्डितविरचिता.

(C 503) आ. 5 प.

(2734) आ. 107-111 प.

(C 1650) दे. 12 प. व्याख्या वादिराजकृता.

गणपतिनवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(C 461) दे 7-8 प.

(C 589) दे. 2 प.

गणपतिस्तवराजः.

(B 579) म. 12–23+10+12 प

(1716) ना. 31–32 प.

गणेशरत्नमाला कृष्णराजकृता.

(C 476) आ. 4 प. त्रिविक्रमशास्त्रियटीकायुता.

गणेशवेदपादस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 58 तमपत्रम्.

गरुडदण्डकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) म. 56 तमप.

(1708) म. 2 प.

गरुडपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) म. 80–85 प.

(1571) म. 116—132 प.

(1443) म. 12 प.

(1471) आ. 16–23 प.

(2021) म. 9 प.

(B 704) आ. 45 प. रामानुजाचार्यटीकायुता.

गुरुस्तोत्रं वेंकटनरसिंहकृतम्

(99) ना. 4 प.

(405) ना. 262–265 प.

गोकुलाष्टकं सव्याख्यानम्.

(C 418) दे. 31 प.

गोदागुणरत्नकोशः

(B 554) क. 27 प.

गोदास्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 69–71 प.

गोपालविंशतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 76–77 प.

गोविन्दाष्टकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 495) आ. 2 प.

(C 419) ना. 10 प. सव्याख्यानम्.

(C 604) आ. 13 प. ,,

गौरीदशकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 618) क. 2 प.

चतुश्श्लोकी यामुनाचार्यकृता.

(C 435) दे. 106–108 प.

(1045) ग्र. 59 तमपत्रम्.

(1457) आ. 12-13 प. वेदान्ताचार्यकृतव्याख्या.

जगद्गुर्वष्टोत्तरशतरत्नमाला कृष्णशास्त्रीया.

(B 551) आ. 111 प.

जगन्नाथपञ्चकम्.

(C 434) दे. 111 तमपत्रम्.

ज्येशस्तोत्रं वेंकटसुब्बकविकृतम्.

(2768) ग्र. 12 प.

तिरुनारायणस्तुतिः शुद्धसत्वाचार्यकृता.

(1994) ग्र. 30-34 प.

तोटकवृत्तव्याख्या चिदानन्दविरचिता.

(3622) ग्र. 71 प.

त्रिशच्छलोकीयव्याख्या पट्टाभिरामशास्त्रीया.

(C 1160) आ. 22 प. (देवीविषयिणीयं स्तुतिः)

त्रिपुरसुन्दरीवर्णमाला रामचन्द्रसूरिकृता.

(2477) आ. 82-83 प

त्रिपुरसुन्दरीस्तवः शङ्कराचार्यकृतः

(B 693) आ. 6 प.

त्रिपुरामहिमस्तवः दुर्वासःकृतः.

(2705) आ. 11 प.

दक्षिणामूर्तिचतुर्विंशद्वर्णमालास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 410) क. 6 प.

दक्षिणामूर्तिस्तवराजः शङ्कराचार्यकृतः.

(C 410) क. 6 प.

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रं. शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 115-118 प.

(1716) ना. 45 तमपत्रम.

(C 417) ना. 9 प. स्वयंप्रकाशविरचितटीकायुतम्.

(900) दे. 42-53 प. ,,

(C 272) आ. 14 प. ,,

(C 271) दे. 32 प. ,,

(2347) ग्र. 30 प. ,,

(1781) आ. 18 प. ,,

(3965) आ. 11 प. ,,

दत्तात्रेयस्तोत्रम्.

(3536) ग्र. 30 प.

दयाशतकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1471) आ. 28-38 प.

(606) आ. 29 प. आत्रेयवेंकटार्यटीकायुतम्.

(638) आ. 33 प. ,, (असं.)

(1470) ग्र. 20 प. ,,

(1476) आ. 41 प. वाधूलश्रीनिवासार्यटीकायुतम्.

(2410) आ. 63 प. ,,

(3445) ग्र. 38–74 प. ,,

दशश्लोकी शङ्कराचार्यकृता.

(B 273) ग्र. 69–73 प.

(924) आ. 3 प.

(1304) ना. 1 प.

दशावतारस्तोत्रम्.

(1015) ग्र. 74–75 प. वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1444) आ. 47–49 प. ,,

(B 747) क. 4 प. वादिराजविरचितम्.

देवताध्यानमालिका कृष्णराजकृता.

(C 547) क. 19 प.

देवताध्यानमुक्तावळी.

(A 528) ग्र. 11 प.

देवनायकपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यः.

(1390) ग्र. 53–57 प.

(1045) ग्र. 92–94 प.

देवीपञ्चरत्नम्.

(907) ना. 56–57 प.

देवीमानसपूजास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 8 प.

(B 717) आ 8 प.

(2477) आ. 89–90 प.

देवीस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 2 प

देहळीशस्तवः वेदान्ताचार्यकृत..

(1045) ग्र. 94–95. प.

द्वादशमञ्जरिकाटीका विश्वनाथीया.

(B 846) आ. 19 प.

द्वादशस्तोत्रं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 227) दे. 3 प.

(C 240) दे. 53 प. तिरुमलार्यटीकायुतम्.

(C 113) ना. 26 प. ,,

(3362) ना. 27 प. वेंकटदासविरचितटीकायुतम्.

(4390) आ. 46 प. नरसिंहविरचितटीकायुतम्.

(C 1846) दे. 24 प.

धाटीपञ्चकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1171) आ. 39 तमपत्रम्.

(1571) ग्र. 133–134 प.

(C 435) दे. 119 तमपत्रम्.

ध्यानरत्नावळिः

(3317) ग्रं. 145 प.

नक्षत्रमालिकास्तुतिव्याख्या.

(2092) ग्र. 21 प.

नरसिंहस्तुतिव्याख्या नारायणार्यविरचिता.
(C 1907) दे. 7 प.

नवग्रहस्तोत्रं वादिराजस्वामिकृतम्.
(C 285) दे. चतुर्थ पत्रम्.

नवरत्नप्रकाशः
(C 1518) दे. 10 प.

नवरत्नमालास्तोत्रं भास्कररायकृतम्.
(C 336) दे. 26–27 प.

नाममौक्तिकमालास्तोत्रम्.
(1440) आ. 11–12 प.

नारायणसारसंग्रहस्तोत्रम्.
(C 135) दे. 39–61 प.

नारायणाष्टकम्.
(C 435) दे. 134–135

निरञ्जनाष्टकम्.
(C 612) दे. 10 प. भाषाटीकायुतम्

निर्वाणदशकं शङ्कराचार्यकृतम्.
(999) आ. 1 प.

निर्वाणषट्कं शङ्कराचार्यकृतम्.
(999) आ. 1 प.
(1304) ना. 3–4 प.

नृसिंहकवचं शङ्कराचार्यकृतम्.
(B 618) क. 2–4 प.

नृसिंहनखस्तुतिव्याख्या.

(2437) ना. 2 प.

(C 396) दे. 51 प. छलारिशेषाचार्यकृता.

नृसिंहभुजङ्गस्तोत्रम्.

(863) क. 42-43 प.

नृसिंहस्तुतिः

(3125) ना. 42-53 प. सुमतीन्द्रटीकायुता.

नृसिंहापराधस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 133-134 प.

न्यासतिलकं वेदान्ताचार्यकृतम्

(1045) ग्र. 54-57 प.

(1471) आ. 23-26 प.

(1571) ग्र. 53-61 प.

(632) आ. 15-25 प. कुमारवरदार्यटीकायुतम्.

(1170) ग्र. 16 प. ,,

(626) ग्र. 22. प. श्रीनिवासार्यटीकायुतम्.

(1390) ग्र. 3-31 प. ,,

(C 931) दे. 19 प. ,,

(3062) ग्र. 34 प. ,,

(3430) ग्र. 25-39 प. ,,

(B 928) आ. 7-38 प. ,,

न्यासदशकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 71 तमपत्रम्.

(1440) आ. त्रयोदशं पत्रम्.

(626) ग्र. 5 प. श्रीनिवासाचार्यटीकायुतम्.
(632) आ. 3 प. ,,
(1457) आ. 11 प. ,,
(1170) ग्र. 65–70 प. ,,
(2406) आ. 4 प. ,,
(3062) ग्र. 34 प. ,,
(3430) ग्र. 4 प. ,,
(B 928) आ. 6 प. ,,

न्यासविंशतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 71–73 प.
(1571) ग्र. 61–69 प.
(626) ग्र. 88–111 प. श्रीनिवासाचार्यटीकायुता.
(632) आ. 4–14 प. ,,
(3430) ग्र. 5–24 प. ,,
(B 928) आ. 39–60 प. ,,
(1170) ग्र. 16–41 प. नारायणमुनिकृता.
(2406) आ. 4–27 प. ,,
(3062) ग्र. 34 प. ,,

पञ्चमीस्तवराजः.

(B 281) म. 39–76 प.

पञ्चरत्नम्.

(707) क. 24–28 प.
(C 295) दे. 1 प. वादिराजस्वामिकृतम्.

पञ्चरत्नप्रकाशः सुब्रह्मण्यविरचितः.

(3350) ग्र. 8 प.

पञ्चश्लोकी सव्याख्या.

(955) ग्र. 63–66 प.

पञ्चस्तवव्याख्या वेंकटनिवासीया.

(2070) ग्र. 172 प. (अतिमानुष-वरद-सुन्दरबाहु-वैकुण्ठनाथ-श्रीस्तवानाम्.)

(2092) ग्र. 129–132 + 96 प. (अतिमानुषस्तवं विना.)

पञ्चस्तवी कालिदासकृता.

(1716) ना. 15 प. अम्बास्तवः, घटस्तवः, चर्चास्तवः, लघुस्तवः, सकलजननीस्तवश्च.

(2477) ग्र. 43-57 प. लघु--चर्चा-अम्बा–सकलजननी–मातृकापुष्पमालास्तवाः.

पञ्चायुधस्तोत्रम्.

(661) आ. 1 प

(C 435) दे. 115-116 प.

परमार्थसारव्याख्या राघवानन्दीया.

(1081) ग्र. 20 प 60 श्लोकाः.

परमार्थस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 96 तमपत्रम्.

पराङ्कुशपञ्चविंशतिः.

(2021) ग्र. 20–22 प.

पादराजाष्टकम्.

(C 285) दे. 2 प.

पुष्पवत्स्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(1696) ग्र 2 प.

प्रपत्तिसोपानम्.

(1869) आ. 85–86 प.

प्रपन्नदशकम्.

(1869) आ. 2 प

प्रातस्स्मरणस्तोत्रम्.

(848) ग्र. 4 प,

बोधार्या विद्यारण्यविरचिता.

(B 837) आ. 2. प.

ब्रह्मतर्कस्तवः सव्याख्यः अप्पयदीक्षितः.

(369) आ. 87–108 प.

(3343) ग्र. 152–203 प.

ब्रह्मपादस्तवव्याख्या रामचन्द्रशिष्यकृता.

(3126) ना. 153–157 प.

भक्तिरत्नावळीस्तोत्रं विष्णुपुरीसूरिकृतम्.

(C 435) दे. 165–217 प.

(3189) ग्र. 57 प.

भगवत्कृत्यस्तोत्रम्.

(212) ना. 136–137 प.

भगवद्ध्यानसोपानं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 75–76 प.

भजगोविन्दस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1222) ग्र. 19–23 प. सव्याख्यानम्. (असं.)

भवान्यष्टकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 53–54 प.

भस्मधारणस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 111–112 प.

(45) ग्र. 1 प.

भावशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21 प.

भाष्यकारगुरुपरम्परास्तोत्रम्.

(C 435) दे. 92–97 प.

भूस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) प्र. 68–69 प.

भेण्णागोपालस्तुतिः वेङ्कटनाथार्यकृता.

(1211) प्र. 3 प.

मनीषापञ्चकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1321) म. 15 प. सव्याख्यानम्.

(B 838) आ. 12 प ,,

(C 1506) दे. 10 प. गोपालयतिकृतव्याख्यानयुतम्.

मल्लारिस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 4 प.

महागणपतिस्तोत्रम्.

(C 588) दे. 3 प.

महादेवस्तवः

(25) आ. 1 प.

महिमस्तुतिः दुर्वासःप्रोक्तम्.

(3556) प्र. 22 प.

(B 915) प्र. 48 प. अहोबलसूरियव्याख्या.

महिम्नस्स्तोत्रं पुष्पदन्तकृतम्.

(C 609) क. 5 प.

(1149) ना. 8 प. जैमिनिभट्टाचार्यटीकायुतम्.

(287) प्र 142–172 प. पेद्दसूरियटीकायुतम्.

(C 76) आ. 53 प. मधुसूदनीया व्याख्या.

(2189) आ. 21 प. चन्नुभट्टीया व्याख्या.

(504) ना. 40–59+5 प. कर्णाटटीकायुतम्.

(C 601) दे. 16 प. विष्णुवीरविरचितम्.

(2644) ग्र. 32 प. व्याख्या.

मातृकापुष्पमालास्तोत्रं काळिदासकृतम्.

(989) ग्र. 5 प.

(2644) ग्र. 41–49 प.

मीनाक्षीस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 6 प.

मुकुन्दमालास्तोत्रं कुलशेखरकृतम्.

(C 435) दे. 82–87 प.

(1708) ग्र. 7 प.

(848) ग्र. 9–14 प.

मुकुन्दाष्टकम्.

(C 553) क. सप्तमं पत्रम्

मुद्गलार्यस्तवः मुद्गलः.

(C 1725) दे. 21 प.

मूकपञ्चशती मूककविः.

(C 349) दे. 46 प.

(B 656) क: 43 प.

(3778) ग्र. 19. प.

(C 530) आ. 21 प. 4 शतानि.

(C 1734) दे. 11 प. पादारविन्दशतकम्.

(1649) आ. 9 प.

मृत्युंजयमानसपूजास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 3 प.

(C 613) दे. 6 प.

(2705) आ. 12–18 प.

यतिराजगद्यं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21 प.

यतिराजमङ्गळम्.

(1440) आ. 3–5 प.

यतिराजविंशतिः वरवरमुनिकृता.

(848) ग्र. 24–26 प.

(C 435) दे. 88–91 प.

यतिराजशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21. प.

यतिराजसप्ततिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 50–54 प.

(1444) आ. 16–27 प.

(1571) ग्र. 25 प.

(631) आ. 59 प. कौण्डिन्यश्रीनिवासार्यटीकायुता.

(485) ग्र. 21 प. ,,

(1465) आ. 10–33 प. ,,

यतिराजसार्वभौमशतकं वेदान्तरङ्गाचार्यकृतम्

(1995) आ. 15 प. (आन्ध्रभाषा)

यथोक्तकारिस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्

(1045) ग्र. 97 तमपत्रम्.

यदुगिरिनारायणस्तवसंग्रहः तिरुमलाचार्यकृतः
(A 612) क. 187 प.

यदुगिरीशदण्डकं श्रीनिवासकृतम्
(273) म. 3 म.

यदुगिरीशप्रपत्तिः मङ्गळं च
(848) म. 50–52 प.

यदुगिरीशसुप्रभातम्
(848) म. 7–8 प.

रघुनाथपञ्चकम्
(C 435) दे. 118 तमःत्रम्.

रघुवीरगद्यं वेदान्ताचार्यकृतम्
(930) म. 5 प.
(1045) म. 90–92 प.

रङ्गनाथमङ्गळम्
(1440) आ. 1 प.

रङ्गनाथस्तुतिः
(3672) ग्र. 5 प.

राघवेन्द्रस्तोत्रम्.
(C 420) ना. 14 प.
(C1862) ई. 10 प. सव्याख्यानम्.

रामकर्णामृतम्.
(C 527) आ. 27 प.
(C 545) क. 17 प.
(923) आ. 4 प.

रामकर्णामृतम्.

(1233) प्र. 106 प.

(1716) ना. 9 प.

(2056) प्र. 51 प.

रामकृष्णस्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(1696) प्र. 2. प.

(C 467) आ. 9 प. त्र्यम्बकशास्त्रिटीकायु.

रामतारावळी.

(1716) ना. 31 तमपत्रम्.

रामदण्डकम्.

(1856) आ. 3 प.

रामदुर्गास्तोत्रम्.

(C 227) दे. 4 प.

रामभुजङ्गस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1149) ना 3 प.

(1541) ना. 4 प.

(863) क. 37–40 प.

रामलक्ष्मणाष्टकम्.

(906) ना. 5–7 प.

रामस्तवराजः.

(1716) ना. 33–37 प.

रामस्तोत्रं अहल्याकृतम.

(661) आ. 2–9 प.

रामानुजपरतत्त्वपञ्चश्लोकी.

(C 435) दे. 141–142 प.

रामानुजपूर्वोत्तरदिनचरी.

(C 435) दे. 101–105 प.

रामानुजसुप्रभातम्.

(848) म. 53–55 प.

(C 435) दे. 136–137 प

रामानुजाष्टोत्तरशतम्.

(C 435) दे. 98–100 प.

रामायणवेदपादस्तवः वरदाचार्यविरचितः.

(1991) म. 40–43 प. 76 श्लोकाः.

रामार्यास्तवव्याख्या मुद्गलः.

(C 1502) दे. 22 प.

रामाष्टप्रासस्तुतिः रामभद्रदीक्षितविरचिता.

(3506) म. 20 प.

लक्ष्मीनृसिंहपञ्चरत्नं शङ्कराचार्यकृतम्.

(500) ना. 65 तमपत्रम्.

(1716) ना. 31–32 प.

लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 75–78 प.

लघुस्तुतिः धर्माचार्यकृता.

(A 119) क. 68 पु. नित्यानन्दकृतटीकायुता.

(A 140) आ. 32 प. सिंहराजीयटीकायुता.

(B 271) म. 195–249 प. ,,

ललितात्रिशतीस्तोत्रं महादेवानन्दनाथविरचितम्.

(B 546) म. 15 प.

ललितास्तवरत्नं (आर्याद्विशती.)

(C 236) आ. 12 प.

लिङ्गमास्यवेदपादस्तवः.

(C 335) आ. 143 तमपत्रम्.

वज्रपञ्जरस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 69–72 प.

वरदराजपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यकृता.

(B 249) आ. 118 प. करूरु-श्रीनिवासार्यटीकायुता.

वरदराजमङ्गळम्.

(1440) आ. 2–3 प.

वरदराजप्रपत्तिः, मङ्गळं च.

(848) ग्र. 48–49 प.

वरदराजस्तवः कूरनारायणकृतः.

(1350) ना. 8–21 प.

(635) आ. 26 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

(C 707) आ. 10 प. व्याख्या. 18 श्लोकाः.

(B 834) आ. 7 प. अप्पयदीक्षितकृतः.

(3300) आ. 62 प. ,, सव्याख्यः.

वरदाचार्यमङ्गळम्.

(1571) ग्र. 115–116 प.

वरवरमुनिगद्यम्.

(A 393) आ. 2 प.

वरवरमुनिप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(848) ग्र. 44–45.

वरवरमुनिस्तोत्रम्.

(848) ग्र. 22–24-27–40 प.

वर्णमालास्तोत्रम्.

(1304) ना. 2. प.

वायुस्तुतिव्याख्या.

(C 396) दे. 51 प. छलारिशेषाचार्यकृता.

(3125) ना. 42 प. ,,

(C 1336) दे. 37 प. ,,

(C 1666) दे. 33 प. ,,

(C 1868) दे. 41 प. ,,

(2437) आ. 3–21 प. विश्वेश्वरीया.

विनायकपञ्चरत्नमालिकास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(500) ना. 66–67 प.

विश्वनाथाष्टकम्.

(907) ना. 59–60 प.

विष्णुभुजङ्गं शङ्कराचार्यकृतम्.

(863) क. 40–42 प.

(1223) ना. 3 प.

विष्णुस्तुतिव्याख्या.

(C 731) दे. 33 प. वादिराजविरचिता.

(2437) ना. 21–40 प. विश्वेश्वरविरचिता.

(3121) ना. 16 प. व्याख्या.

वीरराघवदिनचर्या.

(1045) ग्र. 163–166 प.

वीरराघवविग्रहध्यानम्.

(1045) ग्र. 166–167 प.

वेङ्कटाचलादिगद्यम्.

(2157) क. 23 प. (वेङ्कटाचल-आपादमस्तक-लक्ष्मीरामानुज-श्रीराम-गद्यानि.

वेंकटाद्रिस्तोत्रम्.

(937) ग्र. 52 तमपत्रम्.

वेङ्कटेशदशकम्.

(848) ग्र. 55–56 प.

वेङ्कटेशसुप्रभातम्.

(C 435) दे. 137–141 प.

(848) ग्रं. 5–7 प.

वेङ्कटेशस्तबकम्.

(C 559) क. 18–20 प.

वेङ्कटेशस्तोत्रम्.

(C 461) दे. चतुर्थ पत्रम्.

वेदान्तदेशिकसप्ततिरत्नमाला महाचार्यकृता.

(1571) ग्र. 25–37 प.

(946) ग्र. 8 प.

(1045) ग्र. 102–105 प.

वेदान्ताचार्यदिनचर्यास्तोत्रम्.

(1045) ग्र. 106 तमपत्रम्.

(1571) ग्र. 104–108 प.

वेदान्ताचार्यदण्डकम्.

(1571) ग्र. 108-112 प.

वेदान्ताचार्यनक्षत्रमालिका.

(1175) ग्र. 5 प.

वेदान्ताचार्यपञ्चाशतं वेङ्कटाध्वरिकृता.

(1390) ग्र. 61-67 प.

(637) आ. 7 प.

वेदान्ताचार्यप्रपत्तिः.

(1571) ग्र. 112-114 प.

(1390) ग्र. 60 तमं पत्रम्.

वेदान्ताचार्यमङ्गळं कुमारवरदाचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 105 तमपत्रम्.

(1471) आ. 38-39 प.

वेदान्ताचार्यविग्रहध्यानम्.

(1045) ग्र. 107-108 प.

(1571) ग्र. 102-104 प.

वेदान्ताचार्यस्तोत्रं अण्णयार्यकृतम्.

(937) ग्र. 48-51 प.

वैकुण्ठनाथस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः

(1350) आ. 13 प.

(635) आ. 24 प. रामानुजीयटीकायुतः.

व्यासाष्टकम्.

(907) ना. 57-58 प.

शङ्करध्यानपद्धतिः अप्पयदीक्षितकृता.

(1149) ना 5 प.

शङ्करनारायणाष्टोत्तरं कृष्णराजविरचितम्.

(1696) ग्र. 2 प.

शठकोपमुनिस्तवः.

(2488) ग्र. 194-196 प.

शठारिप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(848) ग्र. 43-44 प.

शनैश्चरस्तवः दशरथकृतः

(B618) क. 9-13 प.

शरणागतिदीपिका वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 86-90 प.

(647) आ. 47 प. सव्याख्या.

(3062) ग्र. 18 प. वरदाचार्यकृता व्याख्या.

शिवगङ्गादण्डकम्

(570) आ. 1 प.

शिवतत्त्वरत्नमालिका कृष्णानन्दविरचिता.

(3350) ग्र 9-23 प.

शिवनक्षत्रमालिका कृष्णराजकृता.

(C 467) आ. 9 प. त्र्यम्बकशास्त्रीयटीकायुता.

शिवभुजङ्गस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्

(1541) ना. 7-10.

(861) क 44-48 प.

शिवविष्णुयुग्मनामपञ्चशती कृष्णराजकृता.

(C 529) क. 66 प. त्र्यम्बकशास्त्रीयटीकायुता

शिववेदपादस्तवः जैमिनिकृतः.

(501) ना. 8 प.

(738) ना. 106–114 प,

(B 273) म. 45–64 प.

(C 461) दे. 22 प.

शिवस्तुतिः शङ्कराचार्यकृता.

(C 414) दे, 6 प नारायणीयव्याख्यायुता.

(C 625) आ. 5 प. विह्लणकृता.

(C 749) दे. 12 प. नारायणपण्डितकृता. सकर्णाटटीका.

(3350) ग्र 24–33 प. कृष्णानन्दविरचिता.

(3362) ना. 28–33 प. तिरुमलाचार्यविरचिता व्याख्या

शिवाख्याशतकं वेङ्कटार्यविरचितम्.

(3445) ग्र. 37 प.

शिवानन्दलहरी शङ्कराचार्यकृता.

(C 461) दे. 25 प.

(C 615) दे. 5 प.

(4172) आ. 63 प. व्याख्या व्यंगन्नविरचिता.

शिवापराधस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे, 153–156 प,

शिवाष्टकम्

(923) आ. 2 प.

शेषार्याव्याख्या राघवानन्दविरचिता.

(3965) आ. 30–62 प.

श्यामलास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(863) क. 69–75 प.

(1304) ना 3 प.

श्रीकण्ठनवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(1541) ना, 5-6.

श्रीगुणरत्नकोशः पराशरभट्टारककृतः.

(1350) आ. 34-11 प.
(1443) प्र. 14 प.
(1045) प्र. 59-63 प.
(1571) प्र. 38-53 प.
(C 435) दे. 65-74 प.
(796) प्र. 112 प. कौशिकश्रीनिवासार्यटीकायुतः.
(825) प्र. 70 प. ,,
(619) आ. 19 प. जगन्नाथविरचितटीकायुतः.
(970) आ. 34-47 प. ,,
(,,) आ. 49-60 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.
(2894) प्र. 39 प. ,,
(2092) प्र. 94 प. वेङ्कटनिवासीया व्याख्या
(3739) आ. 106 प. रामकृता व्याख्या.
(3747) आ 29 प. ,,
(A 611) क. 90 प. द्राविडभाषार्थयुतः (अस)

श्रीनिवासमङ्गळम्.

(1440) आ. 2 प.

श्रीनिवासस्तुतिः रामकविविरचिता.

(3308) आ. 15 प.

श्रीरङ्गनाथप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(843) प्र. 46-47 प.

श्रीरङ्गनाथमङ्गळम्.

(1440) आ. 1 प.

श्रीरङ्गनाथसुप्रभातम्.

(848) प्र. 5 तमपत्रम्.

श्रीरङ्गराजस्तवः पराशरभट्टारककृतः.

(1350) आ. 33 प.

(625) आ 70 प. रामानुजीया व्याख्या

(2094) प्र. 39 प. वेङ्कटनिवासीया व्याख्या.

श्रीस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(1350) आ. 48–49 प.

(1045) प्र. 65 तमपत्रम् + 115–116 प.

(825) प्र. 3 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

श्रीस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) प्र. 57–58 प.

* (3925) प्र. 6–30 प. श्रीनिवासाचार्यकृता व्याख्या.

(4320) प्र. 23 प. वरदाचार्यकृता व्याख्या

षट्पदीस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(50) ना. 87–91 प.

(B 233) क. 8 प. रामभद्रकृतटीकायुतम्.

षोडशायुधस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) प्र. 95 तमपत्रम्.

(1443) प्र. 17–18 प.

(1390) प्र. 59 तमपत्रम्.

सन्तानगोपालस्तोत्रम्.

(990) आ. 2 प.

सपर्यापर्यायस्तुतिः.

(B 278) म. 79–83 प.

सप्तशतीध्यानस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 59–60 प.

सप्तश्लोकी.

(1304) ना. 1 प.

साधनपञ्चकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 31–32 प.

सिद्धिसारस्वतस्तवः पृथ्वीधराचार्यकृतः.

(1656) आ. 8 प.

(2477) आ. 86-89 प.

सुदर्शनशतकं कूरनारायणकृतम्.

(1471) आ. 16 प.

(1887) ग्र. 58 प. माधवाचार्यकृता व्याख्या.

(1992) ग्र. 91–182 प. ,,

(2164) ग्र. 79 प. ,,

(2772) ग्र. 48 प. ,,

(845) ग्र. 3-93 प. सव्याख्यानम्.

(1078) ग्र. 31 प. ,,

(1371) आ. 25 प. ,, असमग्रम्.

सुदर्शनषट्कम्.

(1471) आ. 27-28 प.

सुदर्शनाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 77 तमपत्रम्.

सुन्दरबाहुस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रविरचितः.

(1350) आ. 14–30 प.

(635) आ. 16 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः

सुभगोदयस्तोत्रं गौडपादाचार्यकृतम्.

(B 537) आ. 13 प.

सूर्यचन्द्रस्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(C 467)) आ. 6 प. त्रिविक्रमशास्त्रीयटीकायुतम्.

सूर्यशतकं. मयूरकविविरचितम्.

(1967) ना. 30 प. सव्याख्य .

(1515) दे. 22 प.

(1545) दे. 15 प.

सोपानपञ्चरत्नम्.

(B 278) म. 76–78 प.

(3541) आ. 6 प. सव्याख्यानम्.

सौन्दर्यलहरी शङ्कराचार्यविरचिता.

(C 227) दे. 26 प.

(2347) म. 16 प.

(2477) आ. 36–42 प.

(A 120) दे. 65 प. लक्ष्मीधरटीकायुता

(A 307) आ. 60 प. ,,

(C 563) क. 47 प. ,, (अस)

(1015) ना. 163 प. ,,

(1104) म. 97 प. ,,

(2204) आ. 276–346 प. ,, 40 श्लोकाः

(2734) म. 29 प. ,,

(B 182) आ 114 प. सुधाविद्योतिनी टीका प्रवरसेनतनयकृता (अस)

(3568) ग्र. 55 प. ,, ,, ,,

(B 184) आ. 62 प. कामदेवसूरीयटीका उत्तरभागः.

(A 94) आ. 106 प. डिण्डिमाख्यटीका.

(A 95) आ. 26 प. सौभाग्यवर्धिनी कैवल्याश्रमीयटीका.

(B 760) दे. 76 प. ,, ,,

(2734) ग्र. 90–92 प. सहजानन्दीया व्याख्या.

(3453) ग्र. 59 प. व्याख्या 50 श्लोकाः

स्तोत्ररत्नम् (आळवन्दार्स्तोत्रम्) यामुनाचार्यकृतम्.

(848) ग्र. 15–21 प.

(C 435) दे. 75–81 प.

(C 408) आ. 24 प.

(157) ग्र. 6 प.

(1475) आ. 25 प. अत्रियवरदार्यटीकायुतम्.

(3132) क. 17 प. सव्याख्यानम्.

स्तोत्रसमुच्चयः.

(C 694) अत्र 166 स्तोत्राणि.

(3021) क. 127 प. श्रीशैलसूरीयः

स्तोत्रसंग्रहः.

(3995) क. 39 प.

(4245) ना. 108 प.

हनुमच्छतकं वेंकामात्यप्रणीतम्.

(3080) आ. 47 प.

हयग्रीवस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1444) आ. 14–47 प।

(C 74) आ. 13 प भारद्वाजश्रीनिवासार्यटीकायुतम्
(3749) आ. 14 प. ,,

हरिदिनतिलकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(937) म. 53-56 प.

हरिनामस्मरणस्तोत्रम्.

(661) आ. 2 प.

हरिस्तुतिः (हरिमीडेस्तोत्रम्) शङ्कराचार्यकृता.

(B 233) क. 24 प. आनन्दज्ञानीयटीकायुता.
(C 593) दे. 21 प. ,,
(715) म. 81 प. स्वयंप्रकाशटीकायुता.
(1225) आ. 122 प. ,,
(1632) ना. 143-197 प. ,,
(B 709) आ 58 प. ,,
(3537) म. 58 प. ,,

हर्यष्टकम्.

(C 554) क. अष्टमपत्रम्.

हस्तामलकव्याख्या.

(3965) आ. 11-29 प.

हृदयामृतं जगन्नाथपण्डितकृतम्.

(C 336) दे. 26 प.

(2) पद्यकाव्यम्.

अच्युतरायाभ्युदयः राजनाथविरचितः.

(957) म. 62 प. 11 सर्गाः (अस)

अणुमध्वविजयव्याख्या.

(C 1339) दे. 23 प.
(C 1465) दे. 22 प.

अप्पयदीक्षितचरितं शिवानन्दकृतम्.

(A 283) ग्र. 20 प.

(B 921) ग्र. 78 प.

अमरुकशतकं अमरुककविकृतम्.

(1515) ग्र. 52—62 प.

(C 1080) दे. 13 प.

(C 270) आ. 51 प. वेमभूपालकृतशृङ्गारदीपिकाख्यव्याख्यायुतम्.

(1433) आ. 45 प. ,,

(267) ना. 78–96 प. ,,

(C 567) आ. 8+7 प. ,,

(1794) ना. 12 प. ,,

(1838) आ. 48 प. ,,

(1977) ना 76 प. ,,

(2312) आ. 29 प. ,,

(2333) ग्र. 54 प. ,,

(3675) ग्र. 42 प. ,,

(37) आ. 47 प. मुञ्जराजकृतशृङ्गारदीपिकाख्यव्याख्यायुतम्.

उदारराघवकाव्यं चौंडिसूर्यकविकृतम्.

(1481) आ. 35 प. द्वितीयस्सर्गः.

(3036) ना. 215 प. 6 सर्गाः सव्याख्यानम्

उदाहरणकाव्यं त्रिविक्रमपण्डितकृतम्.

(C 377) दे. 2–52 प सुमतीन्द्रकृतव्याख्यायुतम्.

कलिविडम्बनं नीलकण्ठकविकृतम्.

(C 276) दे. 6 प.

(C 784) आ· 10 प.

कल्याणरामायणकाव्यं शेषकविकृतम्.

(3740) आ. 121 प.

कविकण्ठपाशः कालिदासकृतः

(195) ग्र. 24 प.

(B 743) क. 35 प. सव्याख्यः.

(2772) ग्र. 24 प. ,,

(C 696) आ. 3 प. ,, असमग्रः.

कविकण्ठभूषणम्.

(4387) आ. 4 प.

कविकर्णरसायनं षडक्षरदेवकृतम्.

(1733) दे 11 प. मूलम्.

(A 61) क. 138 प वेंगनसुधीकृतव्याख्यायुतम्. (2 सर्ग

(A 414) क 190 प. सव्याख्यम्.

कविराक्षसीयम्.

(629) आ. 5. प.

(6) ग्र. 42+7 प नागनार्यटीकायुतम्.

(1838) आ. 28 प. ,,

(2312) आ. 30–46 प. ,,

(3938) ग्र 35 प. ,,

कविसमयविलासः रेवणाराध्यविरचितः.

(4167) क. 161–172 प.

कार्तिकेयविजयकाव्यं गीर्वाणेन्द्रयज्वविरचितं ।

(3355) ग्र. 48 प.

काव्यरत्नं चिदम्बरकविकृतम्.

(2802) ग्र. 88 प. सव्याख्यम्.

(4091) आ. 56 प. ,,

किरातार्जुनीयं भारविकृतम्.

(958) ना. 250 प विद्यामाधवीयटिकायुतम्

(A 250) क. 258 प, ,,

कीर्तिपञ्चाशत् वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) प्र. 7 प.

कुचपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता

(932) प्र. 13–17 प.

कुमारसम्भवव्याख्या.

(3722) प्र. 152 प. नारायणकृता. 1–8 सर्गाः.

(3636) म. 86 प. ,, 1–3 सर्गाः.

(3974) आ. 126 प. मल्लिनाथकृता 6 सर्गाः.

कृष्णकर्णामृतम्

(2321) प्र. 63 प.

(2601) प्र. 115 प. पापयल्लयार्यटीकायुतम्.

(2667) आ. 47 प ,,

(4289) प्र. 33 प. ,,

कृष्णराजकाव्यम्

(C 630) आ. 10 प.

कृष्णाभ्युदयकाव्यम्.

(2920) प्र. 37 प.

खण्डप्रशस्तिः हनुमत्कविः.

(C 1803) दे. 74 प. गुणविनयव्याख्यायुता

गङ्गावतरणकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितविरचितम

(2764) प्र. 96-120 प.

गाथासप्तशती (प्राकृतकाव्यम्)

(3292) आ. 46 प. द्वे शतके.

गीतगङ्गाधरं (शिवाष्टपदी) राजशेखरकविकृतम्.

(B 291) क. 32 प.

गीतगोविन्दं (कृष्णाष्टपदी) जयदेवकविकृतम्.

(133) ना. 99-112 प.

(C 335) आ. 143 प. लक्ष्मणसूरिकृतश्रुतिरञ्जनीटीकायुतम्.

(2955) आ. 104 प. ,,

(3262) आ. 130 प. ,, 12. सर्गाः

(3871) ग्र. 53 प. ,, (अस)

(4341) आ. 126 प. ,,

(234) ग्र. 121 प. तिरुमलार्यटीकायुतम्.

(1433) आ. 108 प ,,

(1767) ना. 133 प ,,

(377) आ. 118 प. लक्ष्मीधरपण्डितकृतटीकायुतम्.

(2307) ग्र. 261 प. ,,

(2949) ग्र. 157 प. ,,

(C 740) आ. 61 प. चैतन्यदासविरचितटीकायुतम्.

(C 767) दे. 150 प. कमलाकरकृता टीका. 13—36पत्रलोपः

(3985) क. 265 प. व्याख्या.

(4293) ग्र. 36—100 ,,

(1944) ना. 127 प. अप्रमेयशास्त्रिविरचिता कर्णाटभाषाटीका.

(1570) क. 157 प. ,,

(A 599) आ. 261—286 आन्ध्रभाषाटीका-असमग्रा.

गीतराघवं (रामाष्टपदी) रामकविकृतम्

(B 290) क. 38 प.

गीतवीतरागः अभिनवचारुकीर्तिकृतः

(1025) क. 19 प.

(2721) क. 102 प. सकर्णाटटीकः.

गुरुवंशकाव्यं लक्ष्मणशास्त्रिकृतम्.

(2474) ना. 46 प.

गोदागाथाः (तिरुप्पावै परिवृत्तिः).

(1846) ग्र. 5 प.

गोवर्धनकृतार्याः.

(552) क. 10 प.

घटकर्परभेदिनी सुदर्शनाचार्यकृता.

(B 825) आ. 35—39 प.

चन्द्रप्रभचरितं वीरनन्दिकृतम.

(1026) क. 164 प. सव्याख्यम्.

चन्द्रसन्देशः वेङ्कटकविकृतः.

(1257) ग्र. 11 प.

जम्बूस्वामिचरितकाव्यं ब्रह्मचारिजिनदासकृतम्

(B 108) क. 116 प.

जयतीर्थविजयः शेषाचार्यकृतः.

(C 393) दे. 7 प.

(C 394) दे. 7 प.

(C 1471) दे. 73 प. सव्याख्यः.

जयीन्द्रोदयः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 209) दे. 42 प. 6 सर्गाः.

(2588) ना. 89—103 प

तटातकापरिणयं शङ्करसुब्रह्मण्यकृतव्याख्यायुतम्.

(3472) म. 45 प. पञ्चमस्सर्गः.

तीर्थप्रबन्धः वादिराजविरचितः.

(C1670) दे. 70 प. नारायणविरचितव्याख्यायुतः.

दिव्यसूरिचरितं गरुडवाहनपण्डितकृतम्.

(1111) म. 124 प.

(1983) ग्र. 180 प.

दुर्गतिपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) म. 18–23 प.

दृष्टान्तशतकम्.

(B842) आ. 7 प.

द्रौपदीकल्याणम्.

(1436) आ. 134–154 प. (आन्ध्रभाषा)

धन्यकुमारचरितं सकलकीर्तिकृतम्.

(1119) क. 24 प.

नलहरिश्चन्द्रीयाविलोमकाव्यं सव्याख्यम्.

(1820) आ. 24 प. (50 श्लोकाः)

नलोदयकाव्यं कालिदासविरचितम्.

(3939) म. 35–66 प.सव्याख्यम्.

नागकुमारकाव्यम्. (पञ्चमीकथा) मल्लिषेणकृतम्.

(B113) क. 46 प.

(1017) क. 24–60 प.

निसर्गमधुरकाव्यं. सीतारामशास्त्रिकृतम

(1794) ना. 4–9 प. द्वितीयसर्गे 62 श्लोकपर्यन्तम्

नीतिवाक्यामृतम्.

(3995) क. 4 प.

नीतिशतकम्. वेङ्कटाचार्यरचितम.

(1880) प्र. 11–13 प.

नीतिसारः.

(1780) ना. 15–29 प.

नैषधं श्रीहर्षकृतम्.

(145) ना, आ. 187 प. आदौ 49 पत्रपर्यन्तं सर्गत्रयं श्रीधरीयव्याख्यायुतम्,ततः 4–22 सर्गाः विश्वेश्वरसूरिकृतव्याख्यायुताः.

(149) दे 200 प. शेषरामचन्द्रकृतटीकायुत ,.

(765) प्र. 106–317 प. मल्लिनाथटीकायुतम् 7–21 सर्गाः, 129–196 पत्रलोपः.

(1629) आ. 144 प. ,, 3 सर्गाः.

(544) आ. 31 प. ,, चतुर्थस्सर्गः.

(1478) क. 22 प. ,, एकादशस्सर्गः.

(2140) प्र. 175 प. ,, 5 सर्गाः.

(3973) आ. 142 प. ,, 8–12 सर्गाः.

(C1063) दे 451 प. नरहरिपण्डितकृतव्याख्या समग्रा.

(3384) प्र. 73 प. श्रीधरीयव्याख्या. 2 सर्गौ.

(1776) ना. 108 प. सर्वज्ञमाधवविरचिता व्याख्या 11 सर्गाः.

पञ्चतन्त्रसंग्रहः.

(3698) प्र. 32 प.

पद्मनाभोदयटीका. कृष्णः.

(3699) ग्र. 50प.

पद्यचूडामणिः बुद्धघोषाचार्यविरचितः.

(2837) ग्र. 32 प.

पादरेणुकासहस्रं अहोबिलाचार्यकृतम्.

(A 106) आ. 90 प.

(A 208) आ. 149 प. तट्टीकाद्वितयोल्लासः, तृतीयश्चापूर्णः.

पादुकासहस्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 58 प.

(1433) आं. 40–104 प.

(1491) ग्र. 78 प.

(2798) ग्र. 91 प.

(726) ग्र. 95 प. श्रीनिवासाचार्यकृता परीक्षाख्या व्याख्या. 11 पद्धतयः.

(636) आ. 121 प. ,, 29 पद्धतयः.

(767) ग्र. 215 प. ,,

(1730) ग्र. 288 प. ,,

(2205) ग्र. 204 प. ,,

(1042) ग्र. 99 प. 11 पद्धतयः. मुद्रितादन्यद्व्याख्यानम्.

पारिजातहरणकाव्यं. नारायणपण्डिताचार्यकृतम्

(3221) ना. 29 प. सव्याख्यम्.

पार्श्वनाथाभ्युदयकाव्यं जिनसेनकृतम्.

(B 213) क. 228 प. पण्डिताचार्यकृतटीकायुतम्.

प्रपन्नामृतम्.

(585) आ. 170 प. रामानुजाचार्यकृतम्. 88 अध्यायाः.

(2381) ग्र. 259 प. अनन्तसूरिविरचितम्.

प्रपञ्चामृतम्.

(2991) आ. 191 प. अनन्तसूरिरचितम्.

(2083) आ. 73-115 प. ,, 30-53 अध्यायाः.

बालभारतं अगस्त्यकविकृतम्.

(230) प्र 95 प 20 सर्गाः.

(1056) आ. 98 प. 10-20 सर्गाः.

(1542) आ. 20 प. 3 सर्गाः

(2061) आ. 33 प. 7 सर्गाः.

(2295) प्र. 146 प. साळ्वतिम्मणभूपकृतव्याख्यानम्. 14 सर्गाः

बालहरिवंशकाव्यं. शंकरनारायणः.

(3082) प्र. 130 प.

बिल्हणचरितम्.

(104) प्र. 14 प.

(1280) आ. 7 प.

(1638) आ. 8 प.

(2021) प्र. 12 प.

(2106) आ. 7 प.

(2338) प्र. 7. प.

(4014) आ. 10 प.

(4235) ना. 12 प.

(4300) प्र. 13 प.

भट्टिकाव्यं. जयमङ्गळाव्याख्यायुतम्,

(3873) प्र. 111 प.

भद्राद्रिरामायणं वीरराघवकविकृतम्.

(2524) प्र. 93 प. सव्याख्यं असमग्रम्.

भारतचन्द्रिका कौण्डिन्यश्रीनिवासकृता.

(1425) आ. 43 प. (प्राकृतभाषा)

भावशतकं वेङ्कटाचार्यकृतम्.

(629) आ. 31-35 प.

भिक्षाटनकाव्यं उत्प्रेक्षावल्लभकृतम्.

(2845) ग्र. 17 प.

भैष्मीपरिणयं रत्नखेटदीक्षितकृतम्.

(1795) ना. 15 प.

मणिप्रवाळवल्ली विश्वनाथविरचिता.

(2465) ग्र. 67 प. विराटपर्वणि 5 मञ्जर्यः

मणिमञ्जरीव्याख्या छलार्याचार्यकृता.

(1160) ना. 43 प.

मणिमञ्जरीभेदिनी श्रीरामयोगीन्द्रकृता.

(B726) क. 106 प.

मद्रकन्यापरिणयम्.

(3786) आ. 11 प.

मधुरोष्ठसंदेशः.

(3786) आ. 17 प.

मध्वविजयः नारायणपण्डितविरचितः.

(A 287) दे. 53 प. सव्याख्यः.

(C 1287) दे. 72 प. मुद्गलानन्दतीर्थीया व्याख्या. 1, 2, 10 सर्गाः.

(C 1922) दे. 37 प. ,,

(3215) ना. 17-106 प. ,, 3-7 ,,

(1413) दे. 62 प. ,, 1-2 ,,

मध्वविजयः नारायणपण्डितविरचितः.

(3097) ना. 120 प. वेदाङ्गतीर्थीया व्याख्या. 1, 2, 5, 6, 8 सर्गाः

(C 1461) दे. 23–73 ,, 9–10 ,,

(C 1462) दे. 132–155 प, ,, चतुर्दशः ,

(C 1463) दे. 54 प. ,, 15–16 ,,

(C 1706) दे. 192 प. छलारिनृसिंहार्यकृता व्याख्या. 8 सर्गाः

(C 1707) दे. 47 प. ,, 9–10 ,

(524) ना. 87 प. टीकाविवृतिः विश्वपतितीर्थकृता.

महिम्नशतकं वाञ्छानाथकविविरचितम्.

(C 1131) आ. 16 प.

मातङ्गलीला.

(3967) आ. 21 प.

मार्कण्डेयोदयकाव्यं वेङ्कटसूरिकृतम्.

(4020) आ. 33 प. 3 सर्गाः.

मुनिसुव्रतकाव्यं अर्हद्दासकृतम्.

(B 45) क. 116 प. सव्याख्यम् 5 सर्गाः.

(B 46) क. 116–232 प. 6–10 सर्गाः.

(A 432) क. 53+266 प. सव्याख्यम्.

मेघसन्देशः काळिदासकृतः.

(1257) ग्र. 10 प.

(267) ना. 43–77 प. सव्याख्यः.

यमकभारतं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 141) दे. 46 प. श्रीनिवासतीर्थीयटीकायुतम्.

(2985) ना. 8+11 प. नरहरितीर्थीयटीकायुतम्.

(C 1478) दे. 55 प. नारायणविरचितव्याख्यायुतम्.

यमकरत्नाकरः पराशरभट्टारककृतः.

(1898) आ. 28 प. 6 आश्वासाः.
(2005) आ. 115 प. 10 आश्वासाः.
(3093) प्र. 11–113 प. 1–5 ,,
(3094) प्र. 40 प. 4–7 ,,
(B 762) आ. 76 प. 3 ,,
(629) आ. 7 प. असमग्रः.
(643) आ. 59 प. स्वयंकृतव्याख्यानसहितः.

यशोधरकाव्यं वादिराजकृतम्

(1017) क. 85–114 प.

यादवराघवीयकाव्यं नरहरिविरचितम्.

(4298) प्र. 56 प.

यादवाभ्युदयं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1115) प्र. 196 प.	अप्पयदीक्षितीयव्याख्यायुतम्	12	सर्गाः
(A 174) आ. 288 प.	,,	13–14	,,
(1192) प्र. 192 प.	,,	7	,,
(1193) प्र. 143 प.	,,	8–14	,,
(1194) प्र. 211 प.	,,	13–18	,,
(1195) प्र. 212–311 + 38 प.	,,	19–24	,,
(3099) प्र. 63 प.	,,	15–18	,,
(3856) प्र. 108–164 प.	,,	10–15	,,

युधिष्ठिरविजयव्याख्या.

(509) आ. 279 प. चोक्कनाथकविकृता.
(3711) प्र. 136–208 प. नित्यामृतविरचिता 6 आश्वासाः.

युद्धपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) प्र. 8–12 प.

रघुवंशकाव्यं काळिदासविरचितम्.

(564) प्र. 137–266 प. मल्लिनाथकृतव्याख्यायुतम्. 5–18 सर्गाः

(1953) ना. 34–165 प. ,, द्वितीयसर्गतस्स-
मप्रा 81–90 पत्रलोपः.

(3913) आ. 95–148 + 160–213 प. ,, 8,11,14,19 सर्गाः

(3984) ना. 149 प. ,,

(3376) प्र. 34 प. अरुणगिरिनाथकृतव्याख्यायुतम् 2 सर्गौ.

रघुवीरोदाहरणा वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) प्र. 24–26 प.

रत्नसंग्रहः रघुनाथाचार्यः.

(C 1844) दे. 38 प. सव्याख्यः.

रम्भाशुकसंवादः.

(C 524) दे. 6–7 प.

(C 566) क. 4 प.

रसास्वादिनीपादुका कस्तूरिरङ्गाचार्यकृता.

(B 924) आ. 80 प.

राक्षसश्लोकव्याख्या वैद्यनाथीया.

(B 688) क. 15. प.

राघवपाडवीयकाव्यं द्विसंधानकविधनञ्जयकृतम्.

(A 532) क. 532 पु. नेमिचन्द्रटीकायुतं

राघवयादवीयम् वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(1991) प्र. 29. प.

(195) प्र. 2–22 प. सव्याख्यानम् .

(295) प्र. 43 प. ,,

(1381) आ. 14 प. ,, प्रथमस्सर्गः.

राजशेखरचरितं. नवीनकाळिदासकृतम्.

(B 259) क. 74 प. प्रथमोल्लासः.

(2878) आ. 36 प. ,,

(1824) आ. 56 प.

राधाविनोदकाव्यं रामचन्द्रकृतम्.

(C 1089) दे. 6 प.

रामकथासुधोदयः श्रीशैलश्रीनिवासाचार्यकृतः.

(595) आ. 40प.

रामकृष्णविलोमकाव्यम्.

(1381) आ. 14 प. सूर्यकविकृतं असमग्रम्.

(C 1702) दे. 20 प. दैवज्ञपण्डितविरचितं समग्रम्

रामगीतं वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(932) ग्र. 35–37 प.

रामचन्द्रोदयकाव्यम्.

(2102) आ. 19 प. गोपालाचार्यकृतम् 1-7 सर्गाः.

(2200) आ. 58 प. गोपालरायकृतं सव्याख्यानम् 3 उच्छ्वासाः.

(2107) आ. 11-74 प. ,, ,, 2 ,,

(3962) आ. 6-152 प. ,, ,,

(1376) आ. 93 प. ,, 4 उच्छ्वासाः, पञ्चमोऽपूर्णः.

रामचरित्रकाव्यं रघुनाथाचार्यकृतम्.

(C 1703) दे. 20 प. 5 सर्गाः.

रामविलासकाव्यम्.

(3454) ग्र. 9 + 25 प. सव्याख्यम्. प्रथमसर्गः.

रामामृतं वेङ्कटरङ्गाचार्यकृतम्.

(2647) ग्र. 45 प.

रामायणसंग्रहः नारायणपण्डिताचार्यकृतः.

(C 830) दे. 222 प.

(C 1695–1698) दे. मूलमात्रम्.

(397) ना. 131 प.

(3460) ना. 123 प.

(1645) ना. 50 प. टीकायुतः असमग्रः.

(3479) ना. 48 प. नारायणपण्डितीया टिप्पणी.

(C 1708) दे. 305 प. श्रीनिवासाचार्यव्याख्या. 5 काण्डाः

रुक्मिणीकल्याणकाव्यं रत्नखेटदीक्षितकृतम्.

(3311) ग्र. 27 प.

रुक्मिणीशविजयः. वादिराजकृतः.

(1778) तु 69 प. 9 सर्गाः.

(1671) दे. 21 प. नारायणकृतव्याख्यायुतम्. 5—6 सर्गौ.

(1672) दे. 404 प, ,,

(1686) दे. 22 प. ,, सप्तमस्सर्गः,

(1787) दे. ,, 3, 5, 6, 8 सर्गाः.

(1918) दे. 221 प.

लक्ष्मीकाव्यं तिरुमलाचार्यकृतम्.

(3055) ग्र. 4–24 प. 4 सर्गाः.

लक्ष्मीसहस्रं. वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(1578) ग्र. 34—86 प.

(124) आ, 54—118 प. 23 स्तबकाः.

(1458) आ. 50 प. ,,

वर्धमानस्वामिकाव्यं. असगकृतम्.

(A 59) क. 42 प.

विक्रमार्कचरितम् (पद्यात्मकम्) हंसकविकृतम्.

(548) म. 37—185 प.

(559) म. 105 प. 24 कथाः.

(1230) म. 150 प. द्राविडभाषा.

विज्ञानतरङ्गिणी रुद्रसिंहकृता.

(A 158) दे. 71 प.

विद्याधीशविजयः वादिराजकृतः.

(C 1678) दे. 84-129 प. सव्याख्यः.

विद्वन्मोदतरङ्गिणी चिरञ्जीविभट्टाचार्यकृता.

(C 787) दे. 42 प.

विश्वदेशिकविजयः लक्ष्मीनृसिंहशास्त्रिकृतः.

(C 743) आ. 8 प.

वीरोल्लासः भ्रुशुण्डिकविकृतः.

(908) ना. 3 प.

वेदान्ताचार्यचारित्रकाव्यं श्रीनिवासकविकृतम्.

(633) आ. 21 प.

वेदान्तचार्यचरित्ररत्नावळिः श्रीशैलार्यकृता.

(511) म. 43 प.

(B 308) आ. 102 प.

वेदान्ताचार्यवैभवप्रकाशिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(637) आ. 8 प.

शङ्करविजयः आनन्दगिरिकृतः.

(C 510) आ. 57 प.

(2306) आ. 54 प.

शंकरविजयः. आनन्दगिरिकृतः.

(3387) ग्र. 32 प.

„ (3867) ग्र. 131 प.

शङ्करविजयविलासः चिद्विलासमुनीन्द्रकृतः.

(B 117) क. 194 प.

(C 510) आ. 29 प.

शङ्करविजयसङ्ग्रहः पुरुषोत्तमभारतीकृतः.

(C 510) आ. 3 प.

(B 230) क. 4 प.

(1644) ना. 2–13 प.

(3766) आ. 18 प. गुरुपरम्परा च.

शङ्कराभ्युदयः तिरुमलदीक्षितकृतः.

(301) आ. 51 प. 6 सर्गाः (अस

शष्पशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1871) आ. 7 प.

शान्ताविलासः.

(979) आ. 67 प. सुब्रह्मण्यसुधीकृतः सन्याख्यः 5 सर्गाः (अस.)

(3291) आ. 3 प. हरिदासकृतः.

शिवगीतिमालिका चन्द्रशिखामणियतिः.

(3948) आ. 232–248 प.

शिवदयासहस्रं नृसिंहकविकृतम्.

(B 742) क. 176 प.

शिवपदकमलरेणुसहस्रं सुन्दरेश्वरगुरुशिष्यकृतम्.

(B 349) आ. 152 प.

(2805) आ. 55 प.

शिवलीलार्णवकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.

(2814) प्र. 90 प.

(3706) प्र. 108 प.

शिशुपालवधः माघकविकृतः.

(535) ना. 38–100 प. 5 सर्गाः.

(558) क. 50 प. मल्लिनाथीयव्याख्या. 2-4 सर्गाः.

(1333) प्र. 102 प. ,, 5 सर्गाः.

(1654) ना. 140–200 प. ,, 11–14 सर्गाः.

(1204) प्र. 20+48 प. ,, 13-16 ,,

(1797) ना. 132 प. ,, 5-13 ,,

(2291) प्र. 187 प. ,, 11 ,,

(C 1299) ना. 252 प. ,, 9 ,,

(3359) प्र. 196 प. ,, ,, ,,

(3700) आ. 34+25 प. श्रीरङ्गदेवविरचिता व्याख्या 1-6,

(3701) आ. 29 प. ,, प्रथमस्सर्गः.

शुकसप्ततिकथा पद्यात्मिका.

(B 199) आ. 399 प.

(368) ना. 205 प.

(801) प्र. 139 प.

(1794) ना. 41 प. 15 अध्यायाः.

शृङ्गारलहरी (लक्ष्मीशतकम्) वेङ्कटाचार्यकृता.

(629) आ. 24-30 प.

(1175) प्र. 54-64 प.

(1215) आ. 5 प.

(1880) प्र. 6 प.

शृङ्गारशतकं वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(932) ग्र. 27-34 प.

(1880) ग्र. 7-10 प.

शृङ्गारसप्तशती.

(104) ग्र. 9 प. प्रथमशतकम्.

श्रवणानन्दं वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(629) आ. 6 प.

(406) आ. 12 प.

(1465) आ. 9 प.

श्रीपालचरितं भट्टारकश्रीसकलकीर्तिकृतम्

(B 141) क. 117 प.

श्रीभाष्यकारचरितकाव्यं कौशिकवेङ्कटेश्वरकृतम्.

(1368) आ. 146 प.

श्रीशैलकुलवैभवः नृसिंहसूरिविरचितः.

(B 721) आ 91 प. 20 उल्लासाः.

(3917) ना. 63 प. ,,

श्लेषचूडामणिः श्रीनिवासकृतः.

(C 1128) आ. 9 प.

सरसभारती वादिराजविरचिता.

(C 1856) दे. 30 प.

सुदर्शनविजयकाव्यं (चक्रराजविजयं) सुन्दरबाहुकृतम्.

(1598) ग्र. 77 प.

सुप्रभातशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1880) ग्र. 18-21 प.

सेतुबन्धकाव्यं (प्राकृतं) रामदासविरचितम्.

(C 1813) दे. 328 प. सव्याख्यम्.

स्वर्णमुक्तासंवादः.

(C 524) दे 15 प.

हंससन्देशः वेदान्ताचार्यकृतः.

(72) ग्र. 52 प. श्रीनिवासार्यटीकायुतः.

हरिविलासकाव्यम्,

(1820) दे. 37 प. 5 सर्गाः.

हरिश्चन्द्रोदयकाव्यं अनन्तसूरिकृतम्.

(B 323) आ 113 प. 20 सर्गाः समग्रम्.

(3) गद्यकाव्यम्.

कादम्बरी बाणभट्टकृता.

(570) आ. 126 प.

(1072) आ. 17-100 प. असमग्रा.

(B 297) क. 100 प. उत्तरकादम्बरीटीका असमग्रा.

(2008) ग्र. 111 प. प्रथमभागः.

(2161) ग्र. 130 प. ,,

(2162) आ. 125+31 प. ,,

(3209) ग्र. 158 प. ,,

(3288) आ. 96 प. ,,

(3788) ग्र. 162 प.

(4088) ग्र. 110 प. उत्तरभा। टीका अर्जुनपण्डितविरचिता.

गद्यकर्णामृतं सकलविद्याचक्रवर्तिकृतम्.

(2857) आ. 68 प.

गद्यचिन्तामणिः वादीभसिंहकृतः.

(A 92) ना. 130 प.

(B 156) क. 171 प. 6 लम्बाः

(A 483) क. 130 प.

भाषाकुसुममञ्जरी विश्वनाथकृता.

(896) क. 14 प.

(947) आ. 5 प.

भाषामञ्जरी त्रिकालज्ञकवीन्द्रकृता.

(B 50) क. 24 प.

(2499) ना. 20 प.

मुद्राराक्षसकथासारः.

(4156) ग्र. 2-19 प.

वासवदत्ता सुबन्धुकृता.

(549) ग्र. 16 प.

(1606) ग्र. 21 प.

(C 1093) दे. 36 प.

(570) आ. 28 प. सव्याख्या.

(1238) ग्र. 55 प. ,,

(1393) ग्र. 92 प. ,,

(1697) ग्र. 43 प. ,,

(C 1624) आ. 44 प. ,,

वेङ्कटेशचूर्णिका तिरुमलरायकृता.

(C 1285) दे. 27 प. वेङ्कटाध्वरिविरचितव्याख्यया युता.

शासनपूर्वापरलेखनक्रमः.

(666) ना. 55 प.

सुधाञ्जरी वेंकामात्यकृता.

(A 415) आ. 110 प. पूर्वतरङ्गः.

(A 482) क. 197 प.

(4) चम्पूः.

अनिरुद्धचम्पूः साम्बशिवकृता.

(322) आ. 41 प.

अभिनवकादम्बरीचम्पूः अहोबिलनृसिंहकविकृता.

(A 60) क. 221 प.

अभिनवभारतचम्पूः.

(1884) आ 143 प. श्रीकण्ठकविकृता. आदितः 12 स्तबके 43 श्लोकाः.

(3102)आ. 22+53-118 प. चन्द्रशेखरशास्त्रिविरचिता. 6 स्तबकाः.

आचार्यचम्पूः (वेदान्ताचार्यविजयः)परवस्तुवेदान्ताचार्यविरचिता.

(195) ग्र. 90 प.

(602) ग्र. 35 प.

(1280) आ. 44 प.

(1375) आ. 79 प.

(1406) आ. 60 प.

(1466) आ. 65 प.

(3643) ग्र. 66 प.

(4291) ग्र. 82 प.

(4292) ग्र. 69 प.

आञ्जनेयविजयचम्पूः नृसिंहकविकृता.

(2791 आ. 27 प.

आनन्दकन्दचम्पूः मित्रमिश्रविरचिता.

(C 1811) दे. 141 प.

इन्दिराभ्युदय चम्पूः रघुनाथसूरिकृता.

(72) प्र. 33 प.

उत्तरचम्पूः.

(195) प्र. 41 प. वेङ्कटाध्वरिकृता.
(551) प्र. 63 प. ,,
(557) प्र. 60 प. ,,
(1606) प्र. 22 प. ,,
(1607) प्र. 35 प. ,,
(2152) प्र. 20 प. वेंकटकृष्णकृता.
(2607) प्र. 30 प. ,,
(2823) प्र. 33 प. ,,
(3940) प्र. 20 प. ,,
(195) प्र. 26 प. वीरराघवाचार्यकृता.
(292) ना. 30–70 प. ,,
(1263) प्र. 20 प. ,,
(1509) प्र. 35 प. ,,
(1772) ना. 77–108 प. ,,
(2423) आ. 24 प. ,,
(3059) प्र. 29 प. ,,

कुशलवचम्पूः वेंकयसुधीकृता.

(B 562) आ. 64 प.

गङ्गावतरणचम्पूः नारायणसुधीकृता.

(648) आ. 34 प. 4 तरङ्गाः.
(1280) आ. 91–112 प. ,,

गोदापरिणयचम्पूः केशवनाथविरचिता

(3150) ग्र. 16 प. 4. स्तबकाः

(3439) ग्र. 34 प.

गौरीपरिणयचम्पूः पिन्नवेङ्कटसूरिकृता

(C 768) आ. 3–23 प.

चिन्तामणिविजयचम्पूः शेषकविकृता.

(2839) ग्र 45 प.

जप्येशोत्सवचम्पूः वेङ्कटसुब्बकविकृता

(2768) ग्र. 42 प.

जीवन्धरचम्पूः हरिश्चन्द्रकृता.

(65) क. 79 प.

(3998) क. 102 प.

ज्ञानाङ्कुरचम्पूः लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(C 748) आ. 17 प.

तत्त्वगुणादर्शः अण्णयार्यकृतः.

(B 119) आ. 37 प.

(B 120) आ. 120 प. व्याख्यानम् (अ.)

तत्त्वार्थदर्पणं अण्णयदीक्षितीयम्.

(1879) ग्र. 15 प.

त्रिविक्रमचम्पूः. सज्जयं गोपालाचार्यकृता.

(240) आ. 66–79 प.

(3651) ग्र. 15 प.

(4013) आ. 20 प.

दत्तात्रेयचम्पूः दत्तात्रेयप्रणीता.

(3475) आ. 36 प.

दमयन्तीकथाविवरणं चण्डपालकृतम्.

(C 1625) आ. 22 प.

(C 738) आ. 43 प. सव्याख्यम्. 4–7 उच्छ्वासाः.

दमयन्तीपरिणयचम्पूः चक्रकविकृता.

(B 908) आ. 75 प.

नलचम्पूः त्रिविक्रमभट्टविरचिता.

(C 751) आ. 20 प. प्रथमोच्छ्वासः.

नीलकण्ठविजयचम्पूः नीलकण्ठदीक्षितकृता.

(C 198) दे. 91 प.

(846) क. 90 प.

(1566) ना. 69 प.

(1627) ना. 65 प.

(1685) प्र. 138 प.

(1913) प्र. 54 प.

(2014) प्र. 59 प.

(4337) आ. 58 प.

पुरुदेवचम्पूः अर्हद्दासकृता.

(B 111) क. 186 प.

(B 539) क. 36 प.

(A 435) क. 214 पु.

(3986) क. 138 प.

बाणासुरविजेयचम्पूः वेङ्कटाचार्यकृता.

(1865) आ. 50 प.

(A 434) क. 110 प.

ब्रह्मोत्सवदीपिकाचम्पूः श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1053) म. 179–202 प.

(1280) आ. 12 प.

(1866) म. 53 प.

भागवतचम्पूः अभिनवकाळिदासविरचिता.

(563) अ. 70 प.

(933) म. 17 प. असमग्रा.

(1377) म. 63 प.

(1399) आ. 70 प.

1790) ना. 43 प 5 उल्लासाः.

(1392) आ. 111 प अक्षयसूरिकृता व्याख्या.

(1512) आ. 30 प. ,, असमग्रा.

(1845) म. 88 प. ,,

(3367) ना. 105 प. ,,

(4255) आ. 66 प. ,,

(3012) म. 91 प. वीरराघवसूरिविरचिता. (मूलम्).

भारतचम्पूः अनन्तभट्टकृता.

(933) म. 12 प. असमग्रा.

(1280) आ. 58 प.

(1463) आ. 79 प.

(1502) म. 130 प.

(1512) आ. 42 प. असमग्रा.

(1612) म. 74 प.

(1631) आ. 166 प.

(1765) ना. 76 प.

भारतचम्पूः अनन्तभट्टकृता.

(177[illegible]) ना. 80 प.

(2009) प्र. 124 प.

(3101) प्र. 92 प.

(4287) प्र. 100 प.

(C 1115) आ. 71 प.

(1130) आ. 227 प. नृसिंहकृता व्याख्या.

(178[illegible]) ना. 21[illegible] प. ,, 8 स्तबकाः.

(2290) प्र. 217 प. ,,

(2929) प्र. 270 प. ,,

(2011) प्र. 231 प. ,, (अस)

(2012) प्र. 101 प. ,, 7--12 स्तबकौ.

(3382) प्र. 170 प. ,,

(C 1864) दे. 55 प. ,, 2 स्तबकाः.

भैष्मीपरिणयचम्पूः रत्नखेटदीक्षितकृता.

(1871) आ. 18 प.

(C 1269) दे. 20 प.

(3941) प्र. 21–37 प.

(B 218) दे. 70 प. धरणीधरव्याख्यायुता. मूलकर्ता भट्टवेङ्कटेशः

मद्रकन्यापरिणयचम्पूः गङ्गाधरकविकृता.

(2907) प्र. 87 प.

मीनाक्षीपरिणयचम्पूः आदिनारायणरचिता.

(2623) प्र. 23 प. 3 उल्लासाः.

मुकुन्दचरितचम्पूः श्रीनिवासकविकृता.

(274) प्र. 52 प. 7 स्तबकाः.

यतिराजचरित्रचम्पूः श्रीशैलाहोबिलसूरिकृता.

(143) आ. 110 प. 18 उल्लासाः 16–30 पत्रलोपः

(554) आ. 12–72 प. 16 उल्लासाः.

(605) प्र 16 प. प्रथमोल्लासः.

यतीन्द्रप्रवणप्रभावभद्रदीपः वकुळाभरणविरचितः.

(3650) प्र. 30 प. 4 स्तबकाः.

यादवशेखरचम्पूः भाष्यकारसुधीः.

(A 370) क. 85 प. द्वितीयाश्वासतस्समग्रा.

रामकथासुधोदयः श्रीनिवासकृतः.

(3299) आ. 37 प.

रामाभिषेकचम्पूः देवराजदेशिककृता.

(329) प्र. 68–115 प. युद्धकाण्डमात्रम्.

(3194) प्र. 140 प.

रामायणचम्पूः भोजराजः.

(581) क. 11 प. बालकाण्डः.

(1070) आ. 56 प.

(1263) प्र. 64 प.

(1370) आ. 58 प.

(1451) प्र. 91 प.

(1499) प्र. 71 प.

(1604) प्र. 58 प.

(1638) आ. 68 प.

(1687) प्र. 100 प.

(2013) प्र. 83 प.

(4288) प्र. 86 प.

रामायणचम्पूः भोजराजः.

(565) आ. 103–212 प. रामचन्द्रबुधकृता व्याख्या 3–4 काण्डौ.

(1630) आ. 61 + 56 प. ,, 1–2 ,, सुन्दरकाण्डश्च

रुक्मिणीपरिणयचम्पूः. अम्माळ्मनीषी.

(3863) प्र. 48 प.

रुक्मिणीवल्लभपरिणयः. नृसिंहताताविरचितः.

(2413) आ. 49 प. 5 स्तबकाः.

रुक्मिणीशाविलासः शेषकविकृतः.

(C 1268) दे. 54 प.

वज्रमकुटीविलासः.

(2919) प्र. 56 प. अलसिङ्गभट्टविरचितः.

(3663) प्र. 47 प. योगानन्दकृतः.

वरदाभ्युदयचम्पूः वेङ्कटाध्वरिकृता.

(240) आ. 26 प.

विजयाविजयचम्पूः वज्रकण्ठलक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(872) आ. 78 प.

विश्वगुणदर्शः वेङ्कटाध्वरिकृतः.

(547) प्र. 41 प.

(561) प्र. 35 प.

(1380) आ. 101 प.

(1628) क. 94 प.

(1629) आ. 24 प. असमग्रः.

(1704) प्र. 87 प.

(1795) ना. 25 प.

(1986) प्र. 76 प.

(4290) प्र. 71 प.
(4336) प्र. 47 प.

विश्वगुणादर्शदूषणसमर्थनम् (शिष्टभूषणम्)

(A 396) आ. 50 प. रामानुजाचार्यकृतम्.
(1987) प्र. 23 प.

वीरभद्रविजयचम्पूः.

(2671) आ. 10 प. एकाम्रयज्वविरचिता 5 उल्लासाः.
(A 610) क. 93 प. ,, समग्रा.
(3385) प्र. 39 प. मल्लिकार्जुनकविकृता.

शङ्करचम्पूः लक्ष्मीपतिविरचिता.

(3100) आ. 67 प. 4 काण्डाः.

शङ्करानन्दचम्पूः स्वयंभुनाथरामकृता.

(3527) प्र. 85–148 प.

शिवचरितचम्पूः.

(3715) प्र. 17 प. प्रथमाश्वासः.

श्रीकृष्णचम्पूः.

(3767) प्र. 201–225 प. 8 आश्वासाः.

श्रीनिवासविलासचम्पूः वेङ्कटेशविरचिता.

(C 642) क. 138 प.
(C 643) आ. 14 प. उत्तरभागः.
(C 644) दे. 26 प. धरणिधरभूपतिकृता व्याख्या.
(C 645) क. 50 प. ,, पूर्वभागः.
(C 1296) क. 200 प.

सत्यसन्धचरितं (हरिश्चन्द्रचम्पूः) कल्पवल्लीकान्तिकृता.

(1054) आ. 38 प.
(1062) आ. 38 प

समरपुङ्गवचम्पूः. (यात्राप्रबन्धः) समरपुङ्गवकविकृता.

(3286) अ. 66 प.

(3396) म. 190 प.

सीताविजयचम्पूः. घण्टावतारकविकृता.

(2924) म. 46 प.

हयवदनविजयचम्पूः. वेङ्कटराघवकविकृता.

(770) आ. 46 प.

(४) नाटकम्.

अञ्जनापवनञ्जयनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(B 250) क. 129 प.

अनङ्गजीवनभाणः आत्रेयवरदार्यकृतः.

(812) म. 21 प.

(1608) म. 31 प.

अनङ्गमङ्गळभाणः श्रीनिवासकृतः.

(3766) म. 28 प.

अनर्घराघवं मुरारिमिश्रकृतम.

(676) म. 62 प.

(1066) आ. 61 प.

(1479) आ. 67 प.

(1510) म. 81 प.

(1633, ना. 63 प. असमग्रम्.

(1690) म. 60 प.

(2312) आ. 40 प.

(2824) आ. 62 प

(3544) आ. 61 प.

(4269) म. 93 प.

(4329) म. 124 प. समग्रम्.

(506) आ. 186 प. व्याख्या हरिहरदीक्षितकृता.

(306) आ. 106 प. ,,

(886) म. 121 प. ,, 3 अङ्काः.

(C 288) आ. 106 प. ,, 6 ,,

(1789) ना. 42 प. ,,

(2128) आ. 159 प. ,,

(2542) आ. 95 प. ,,

(2552) ना. 113 प. ,,

(3751) म. 153 प. ,,

(3975) आ. 25 प. ,,

(1903) ना. 158 प. विष्णुभट्टरचिता पञ्चिका मध्ये क्वचित्पत्रलोपः.

(2797) म. 35 प. रामानन्दाश्रमीया इष्टार्थकल्पवल्ली (प्रस्तावना).

अमृतमथननाटकं वेंकटनाथार्यकृतम्.

(1178) आ. 24 प.

(1202) आ. 36 प.

(3045) म. 27 प.

आञ्जनेयविजयनाटकं भाष्यकारकृतम्

(2139) आ. 6 प.

उत्तररामचरितम् भवभूतिकृतम्.

(79) म. 35 प.

(978) आ. 41 प.

(1043) आ. 34 प.

(1281) आ. 34 प.

(2106) आ. 35—68 प.

(2038) प्र. 62 प.

(3993) क. 21 प.

(4262) ना. 50 प.

(1235) प्र. 71 प. अण्णावप्पय्यंगार्य टीकायुतम्.

(3078) प्र. 89 प.

(2104) आ. 14 वेमभूपरचिता व्याख्या.

(1746) प्र. 11 प. व्याख्या (लघ्वी).

उद्धतवृकोदरप्रेक्षणिकं भागवत कृष्णप्पकृतम्

(B 263) क. 43 प.

उन्मत्तराघवप्रेक्षणिकं भास्करकाविकृतम्.

(520) न. 7 प.

(556) प्र. 16 प.

(1497) प्र. 6 प.

(B 621) आ. 9 प.

उषापरिणयः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(1900) आ. 14 प.

ऊर्वशीसार्वभौमेहामृगः वेंकयसुधीकृतः.

(2586) आ. 70—99 प.

(2773) प्र. 119—149 प.

कमलिनीकलहंसं चूडामणिदीक्षितकृतम्.

1855) प्र. 13 प. असमग्रम्.

कर्पूरमञ्जरी (सट्टयम) राजशेखरविरचिता

(860) प्र. 21 प.

(885) प्र. 56 प.

(1871) आ 20 प.

(3696) आ. 20 प.

(3905) आ. 46–68 प.

(B 181) दे. 47 प. टीका कृष्णसूनुकृता.

कल्पनाकल्पकनाटकं शेषगिरिकविकृतम्.

(811) प्र. 57 प.

कल्याणपुरंजननाटकं वेंकटाचार्यकृतम्.

(1864) आ. 25 प. 2 अङ्कौ.

कामकलाविलासभाणः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 29 प.

(B 341) क. 45 प.

(2586) आ. 114–125 प.

कुक्षिंभरिभैक्षवप्रहसनं प्रधानवेंकभूपतिकृतम्.

(B 260) क. 44 प.

कुक्षिंभरिप्रहसनम् वेंकटाचार्यकृतम्.

(B 192) दे. 29–56 प.

(B 342) क. 47 प.

(2773) प्र. 33 प)

कुन्दमालानाटकं दिङ्नागाचार्यकृतम्.

(B 758) क. 67 प.

(2763) प्र. 47 प.

कुहनाभैक्षवप्रहसनं तिरुमलनाथकृतम्.

(978) आ. 10 प.

(1881) आ. 26–38 प.

कृष्णभक्तिचन्द्रिका अनन्तभट्टः
(C 1125) दे. 23 प.

जनकजानन्दनाटकं नृसिंहकविकृतम्.
(2780) आ. 78 प.

जानकीपरिणयनाटकं रामभद्रदीक्षितकृतम्.
(1177) आ. 68 प.
(1482) आ. 43 प.
(1533) ना. 80 प.
(2823) प्र. 34–126 प.
(C 1087) आ. 66 प.
(3696) आ. 70 प.
(4261) ना. 106 प.
(C 1796) दे. 83 प.

जीवन्मुक्तकल्याणनाटकं नल्लाध्वरिकृतम्.
(A 147) क. 35 प.

तरुणभूषणभाणः शठकोपकविकृतः
(1615) प्र. 36 प.

धनञ्जयविजयव्यायोगः काञ्चनकविकृतः.
(240) आ. 96–105 प.
(322) आ. 8 प. असमग्रः.
(1393) प्र. 94–107 प.

नरकासुरविजयव्यायोगः धर्ममनीषिकृतः.
(791) आ. 19 प.
(2740) आ. 13 प.

नलचरित्रनाटक नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.
(C 750) आ. 33 प. 6 अङ्काः.

नलविलासनाटकम् अहोबिलनृसिंहकविकृतम.

(A 62) क. 95 प.

पञ्चबाणविजयः वाधूलरङ्गाचार्यविरचितः.

(1511) प्र. 34 प.

(2740) ·r. 13 प.

पञ्चायुधप्रपञ्चभाणः त्रिविक्रमशास्त्रिकृतः.

(B 137) आ. 49 प.

(C 1082) दे. 49 प.

पारिजातापहरणनाटकम्.

(4372) ना. 105 प. सव्याख्यानम्.

प्रद्युम्नानन्दनाटकं वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(C 262) ना. 52 प.

(C 263) ना. 13 प असम.

प्रबोधचन्द्रोदयनाटकं कृष्णमिश्रकृतम.

(1093) आ. 27 प.

(C 361) दे. 32 प.

(1795) ना. 20 प.

(11) आ. 38 प. सुब्रह्मण्यसुधीकृता टीका.

(2605) प्र. 80 प. गोविन्दामृतकृतटीका आभरणाख्या.

(2122) आ. 113 प. व्याख्या.

(2277) आ. 100 प. ,,

प्रसन्नराघवं जयदेवकृतम्.

(550) प्र. 26 प.

(1067) आ. 42 प.

(1510) प्र. 22 प.

(1602) म. 37 प.

(1620) म. 49 प.

(2020) म. 59 प.

(4260) ना. 69 प.

प्राभावतनाटकं रघुनाथसूरिकृतम्.

(B 810) आ. 139 प.

प्रियदर्शिकानाटिका श्रीहर्षकृता.

(2486) म. 29 प.

प्रौढाभिरामनाटकं वेङ्कटनाथार्यकृतम्.

(1178) म. 44 प.

(1212) म. 26 प.

मदनगोपालभाणः स्वयंभुनाथरामः.

(3527) म. 149–165 प.

मदनमञ्जरीपरिणयभाणः वैद्यनाथविरचितः.

(3493) म. 13 प.

मदनसाम्राज्यभाणः तञ्जापुरी भुजङ्गकविकृतः.

(155) क. 23 प. असम.

मल्लिकामारुतं उद्दण्डकविकृतम्.

(C 737) आ. 57 प.

महानाटकम्.

(A 122) क. 24 प. इम्मडि देवराजसंगृहीतम्.

(1076) म. 92–113 प.

(1642) आ. 59 प.

(3507) म. 47 पः हनूमद्विरचितम्.

महावीरचरितं भवभूतिकृतम्.

(2763) म. 69 प.

महेन्द्रविजयडिमः प्रधानि वेङ्कभूपतिकृतः

(B 192) दे. 56–82 प.

(2773) प्र. 34–63 प.

(B 351) क. 51 प.

मालतीमाधवं भवभूतिकृतम्.

(1053) प्र. 132–178 प. 9 अङ्काः.

(C 261) ना. 22 प. 4 ,,

(2163) ना. 40 प.

(C 1088) आ. 38 प.

(59) प्र. 88 प. कुमारगिरिराजीया टीका.

(3137) प्र. 91 प. ,, 7 अङ्काः.

(1417) प्र. 99 प. त्रिपुरारिकृता टीका.

माळविकाग्निमित्रं काळिदासकृतम्

(1043) आ. 25 प.

(2015) प्र. 34 प.

(3994) क. 19 प.

(4297) प्र. 47 प.

(1488) प्र. 23 प. श्रीकण्ठकृता टीका.

(2091) प्र. 41 प. वेमभूपविरचितव्याख्या.

(4263) प्र. 36 प. व्याख्या.

मीनाक्षीपरिणयनाटकं अण्णाशास्त्रिकृतम्.

(2617) प्र. 61 प.

मुकुन्दानन्दभाणः काशीपतिकृत

(1530) आ. 46 प.

(927) प्र. 15 प. असम.

(1472) आ. 29 प. ,,
(17[illegible]7) ना. 28 प.
(2105) आ. 43 प.
(B 621) ना. 40 प.
(3906) आ 65 प.
(4300) म. 41 प.
(C 1798) दे 43 प.

मुद्राराक्षसनाटकं विशाखदत्तकृतम्.

(939) आ. 50 प.
(1067) आ. 54 प.
(1177) आ. 50 प.
(1454) आ. 48 प.
(2016) म. 62 प.
(2155) म. 31 प.
(2163) आ. 49 प.
(C 858) दे. 48 प.
(C 1106) आ. 68 प.
(4270) म. 59 प.
(4328) म. 37 प.
(C 1797) दे. 45 प.
(1454) आ. 26 प. धुण्ढिराजकृता टीका.
(875) म. 30 प. ,,
(4271) म. 62 प. ,,

मैथिलीकल्याणनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(A 123) क. 44 प.

यतिराजविजयनाटकम् वरदराजकविकृतम्.

(510) प. 47 प.

(599) आ. 38 प.

ययातिचरितनाटकम् मैयात् रामाचार्यकृतम्.

(A 436) क. 219 प. 6 अङ्काः. असममम्.

यादवराघवीयनाटकम्.

(4299) प. 34 प.

रतिमन्मथनाटकं जगन्नाथकृतम्.

(2609) आ. 37 प.

(3655) प. 54 प.

रत्नावळीनाटिका श्रीहर्षकृता.

(885) प. 25 प.

(978) आ. 34 प.

(1524) आ. 22 प.

(1881) आ. 25 प.

(2486) प. 40 प.

रसिकजीवनमानसोल्लासभाणः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 198) आ. 42 प.

रसोदारभाणः सुरपुरं अण्णयार्यकृतः.

(1281) आ. 35–54 प.

(1578) प. 32 प.

रुक्मिणीस्वयंवराङ्कः प्रधानिवेङ्कभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 125–136 प.

(B 360) क. 90–109 प.

(2586) आ. 152–156 प.

(2773) प्र. 107–118 प.

लक्ष्मीस्वयंवरसमवाकारः प्रधानिवेङ्कभूपतिकृतः

(B 192) दे. 95–115 प.

(B 360) क. 30–70 प.

(2773) प्र. 69–95 प.

लम्बोदरप्रहसनम्.

(72) आ. 21 प. वेङ्कटेशकविकृतम्.

(2740) आ. 16 प. कालिदासकृतम्.

लवलीपरिणयनाटकं लक्ष्मीपतिकविकृतम्.

(B 282) क. 97 प.

लोकरञ्जनप्रहसनं श्रीनिवासाचार्यकविकृतम्.

(946) प्र. 7 प असं.

(1196) आ 5 प ,,

वसन्ततिलकभाणः.

(520) ना. 18 प. भास्करकविकृतः.

(1259) प्र. 4–22 प. वात्स्यवरदाचार्यकृतः.

(1611) प्र. 33 प. ,,

(1661) ना. 16 प. ,,

(1805) आ. 21 प ,,

(3470) प्र. 29–51 प. ,,

(3647) प्र. 29 प. ,,

(4235) ना. 23 प. ,,

वासन्तिकापरिणयनाटकं शठकोपमुनिकृतम्.

(1454) आ. 28 प.

(3655) प्र. 51 प.

विक्रमोर्वशीयं कालिदासकृतम्.

(543) म. 47–59 प.

(1633) ना. 25 प.

(2010) म. 33 प.

(4265) म. 33 प.

(C 1097) आ. 30 प.

(2091) म. 38 प. वेमभूपकृता व्याख्या.

विक्रान्तकौरवनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(B 295 क. 138 प.

विक्रान्तराघवीयव्यायोगः श्रीकृष्णकविकृतः.

(797) आ 17 प.

विद्यापरिणयनाटकम् आनन्दरायमखिकृतम्.

(3296) आ. 49 प.

(3880) म. 55 प. असमग्रम्.

विबुधदानवसमवाकारः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः

(2586) आ. 191–199 प.

वीरराघवीयव्यायोगः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 83-95 प.

(B 360) क. 29. प.

(2586) आ. 140–146 प.

वेणीसंहारनाटकं भट्टनारायणकृतम्.

(A63) क. 32 प.

(1181) आ. 49 प.

(1241) म. 64 प.

शाकुन्तलनाटकं कालिदासकृतम्.

(1043) आ. 44 प.

(1066) आ. 21 प. 5 अङ्काः

(1579) प्र. 64 प.

(2016) प्र. 53 प.

(2038 प्र. 63–130 प.

(2106) आ. 34 प.

(2824) आ. 46 प.

(4104) आ. 51–92 प.

(4264) प्र. 50 प.

(4266) प्र. 47 प.

(317) प्र. 52 प, वेमभूपालकृता टीका (कुमारगिरिराजीया)

(735) ना. 130 प. ,,

(787) आ. 51 प. ,,

(2104) आ. 72 प. ,,

(3866) प्र. 94 प. ,,

(1450) प्र. 121 प. वैखानसश्रीनिवासाचार्यकृता व्याख्या.

(3219) प्र. 84 प. ,,

(3767) प्र. 159–201 प. ,,

(3920) ना. 140 प. ,,

शारदातिलकभाणः.

(615) आ. 42 प. शङ्करकविकृतः.

(770) आ. 56 प. शेषगिरिकविकृतः.

शुकाभिपतननाटकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1196) प्र. 13 प. असमग्रम्.

शृङ्गारकोशः अभिनवकाळिदासकृतः

(3470) प्र. 11–28 प.

शृङ्गारतरङ्गिणी श्रीशैलवेंकटार्यकृता.

(124) आ. 14–53 प.

(590) आ. 30 प.

(939) आ. 50 प.

(1897) आ. 70 प.

(3045) म. 34 प.

(3905) आ. 45 प.

शृङ्गारतिलकभाणः रामभद्रकविः.

(2817) म. 31 प.

शृङ्गारभूषणभाणः वामनविरचितः.

(3470) म. 11 प.

शृङ्गारविलसितभाणः नारायणकविकृतः.

(B 261) क. 64 प.

शृङ्गारविलासभाणः साम्बशिवकृतः.

(2232) आ. 48 प.

श्रीनिवासदयाविलासनाटकम्.

(1250) म. 60 प. असमग्रम्.

श्रारङ्गनाथभाणः श्रीनिवासकविकृतः.

(597) ना. 20 प.

(3652) म. 25 प.

संकल्पसूर्योदयनाटकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(723) म. 119 प.

(841) म. 73 प.

(1052) आ. 141 प.

(1191) म. 133 प.

(1410) म. 119 प.

(1688) प्र. 88 प.

(C 711) आ. 51 प.

(378) आ. 125 प. अहोबिलार्यकृता टीका 9 अङ्काः.

(2112) आ. 36–113 प. ,, 2-10 ,,

(1034) आ., प्र. 99 प. श्रीभाष्यनारायणसूरिकृता व्याख्या 7 अङ्काः

(2006) प्र. 143 प. श्रीनिवासार्यकृता व्याख्या.

(3428) प्र. 92 + 43 प. ,,

(C 1618) आ. 114 प. ,,

(2912) प्र. 134 प विवरणम्.

(3433) आ. 176 प. रङ्गसूरिरचिता व्याख्या. 2 अङ्कौ.

(A124) क. 126 प. व्याख्या.

(935) आ. 51 प. ,, 3 अङ्काः.

सट्टकं कृष्णाविरचितम्.

(4268) प्र. 33 प. सटीकम्. प्रथमभागः.

(4267) प्र. 36 प. ,, द्वितीयभागः.

सरसकविकुलानन्दभाणः रामचन्द्रकविकृतः

(545) आ. 29 प.

(1900) आ. 18 प.

(2858) आ. 29 प.

सारस्वतोल्लासभाणः वेंकटरामकविकृतः.

(B 262) क. 80 प.

साहितीसमुल्लासनाटकं मुद्दुवेंकार्यकृतम्.

(B 793) आ. 86 प.

सिद्धान्तभेरीनाटकं सुदर्शनार्यकृतत्.

(B 402) आ. 28 प; 2 अङ्कौ.

सीताकल्याणवीथी प्रधानिवेंकभूपातिकृता.

(B 192) दे. 115–125 प.

(2773) म. 95–106 प.

(2586) आ. 33–40+147–151 प. 2 प्रती.

(B 360) क. 70–90 प.

सुभद्रानाटकं हस्तिमल्लकृतम्.

(3999) क. 48 प.

सुभद्रापरिणयनाटकं सुधीन्द्रकृतम्.

(2137) आ. 100 प.

(2585) ना. 85+49—76 प.

सेवान्तिकापरिणयनाटकं चोक्कनाथकविकृतम्.

(381) ना. 72 प.
(1636) आ. 70 प.
(1661) ना. 38 प.

सोमवल्लीयोगानन्दप्रहसनं अरुणगिरिनाथकृतम्.

(2155) म. 9 प.

हनुमन्नाटकम्.

(C 1326) आ. 27 प. 5 अङ्काः.

हरिश्चन्द्रनाटकं प्राभाकरश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1213) म. 33 प.

(5) सुभाषितम्.

अन्यापदेशशतकम्.

(C 467) क. 9 प. जगन्नाथविरचितम् 60 श्लोकाः.

(927) म. 4 प. ,,

(C 786) आ. 25–37 प. जगन्नाथकृतम्.

(1880) ग्र. 13–18 प. श्रीनिवासविरचितम्

अन्योक्तिमालिका.

(C 523) दे. 15 प.

(B 394) आ. 20 प.

अन्योक्तिसंग्रहः.

(4237 आ. 185–223 प.

कविकर्णभूषणम्.

(2956) आ. 5 प.

कविकौमुदी लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(C 785) आ. 24 प.

(2780 आ. 9 प. असमग्रा.

चाटुश्लोकसंग्रहः.

(18) ना. 3 + 2 प.

(666) ना. 4 प.

(976) आ. 19 प.

(1388) आ. 11 प.

प्रश्नोत्तरसुभाषितम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(2869) आ. 3 प.

प्रसंगरत्नावळिः.

(2745) आ. 58 प.

प्रस्तावसुधाम्बुधिः श्रीनिवासविरचितः.

(2869) आ. 8 प.

भर्तृहरिसुभाषितम् भर्तृहरिकृतम्.

(547) ग्र. 2-36 प.

(582) ग्र. 45-78 प.

(946) आ. 12 प.

(1642) आ. 60-93 प.

(1635) ना. 66 प. सव्याख्यानम्. असमग्रम्

(1768) क. 93-154 + 45 प. (शृङ्गारवैराग्यशतके) कर्णाटकटीका.

(3870) ग्र. 83 प. सव्याख्यानम्.

श्रवणनन्दम् वेङ्कटाध्वरिविरचितम्.

(3129) ग्र 9 प.

सज्ञनचित्तवल्लभः.

(896) क. 23-29 प.

सुभाषितकौस्तुभः वेङ्कटाध्वरिकृतः.

(593) आ. 8 प.

(629) आ. 6 प.

(3129) ग्र. 8 प.

सुभाषितनीवी वेदान्ताचार्यकृता.

(553) ग्र. 25-35 प. असमग्रम्.

(1175) ग्र. 13 प.

(629) आ. 6 प. ,,

(3147) ग्र. 16 प.

(1201) ग्र. 69 प. सव्याख्या 12 पद्धतयः.

(B 763) आ. 66 प. ,,

सुभाषितरत्नसंदोहः अमितगतिकृतः.

(B 47) आ. 87 प.

सुभाषितसंग्रहः.

(267) ना. 35—42 प.

(831) ग्र. 108 प.
(896) क. 28+13+15 प.
(897) आ. 11 प.
(905) ना. 34 तमंपत्रम्.
(946) ग्र. 24 प.
(1196) क. 5 प.
(2638) ग्र 104 प.
(3188) ग्र. 26+84+29 प.
(3192) ग्र. 46 प.
(3784) आ. 64 प.
(3990) आ. 20 + 34 प.
(4365) ना. 54 प. सव्याख्यः.
(B 800) दे. 15 प.
(C 1112) दे. 42 प.

सुभाषितसुधानिधिः सायणाचार्यसंगृहीतः.

(454) ग्र. 141–245 प. 152–192 पत्रलोपः.
(2542) क. 46 प.
(B 48) आ. 77 प. (दशावतारपद्धतिः.)
(1827) आ. 53 प. (सग्रहः)

सुभाषितसुरद्रुमः बसवभूपसंगृहीतः.

(2583) आ: 166 प. प्रथमस्कन्धः अगममः.
(2785) आ. 169 प. द्वितयस्कन्धः.
(A 581) क. 170 प. ,,
(2672) ना. 185—294+170 प. तृतीयस्कन्धः.
(A 582) क. ,,
(2554) क. 25—54 प. स्त्रीवर्णनकुसुमम् .

सूक्तिमुक्तावलिः अरोहकभगदत्तजल्हणदेवसंगृहीता.

(B 325 क. 13 प. अस.

(196) ग्र. 185 प.

(1740) ग्र. 128 प.

(1828) ग्र. 146 प.

(2542) आ. 97 प.

(B 540) क. 13 प. (संग्रहः)

(C 782) आ. 16 प. ,,

(1827) आ. 54—74 प. ,,

(896) क. 23 प. सोमप्रभाचार्यकृता. 95 श्लोकाः.

सूक्तिसुधाकरः भैरवसेनसंगृहीतः.

(A 433) क. 60 पु.

(६) नीतिग्रन्थः.

चाणक्यनीतिसूत्रम्.

(B 299) क. 12 प.

विदुरनीतिः सव्याख्या.

(C 1847) दे. 43 प.

वृद्धचाणक्यम्.

(1794) दे. 26 प समग्रम.

नीतिप्रकाशिका (धनुर्वेदः.)

(C 334) आ. 72 प. सीतारामशास्त्रीयव्याख्यायुता.

नीतिशतकम्.

(629) आ. 10 प. श्रीशैलश्रीनिवासाचार्यविरचितम्.

(1880) ग्र. 11—13 प. वेङ्कटाचार्यविरचितम्.

नीतिसप्तति:.

(629) आ. 5 प. 60 श्लोका:.

(7) कथाग्रन्थ:.

कथासरित्सागर:

(C 1896) दे. 57 प. (रत्नप्रभालम्बक:.

पञ्चतन्त्रम् विष्णुशर्मविरचितम्.

(1265) ग्र. 38 प. संग्रह:.

(1712) ग्र. 63 प. ,,

(3451) ग्र. 107 प. ,,

(3698) ग्र. 32 प.

(3785) आ. 60 प. ,,

(3967) आ. 45 प. ,,

(C 1839) दे 49 प. ,,

पुरुषार्थपरीक्षा विद्यापतिविरचिता

(C 1933) दे. 64 प.

भोजचरित्रम्.

(946) ग्र. 48 प.

(1232) ग्र. 66. प.

(I545) ना. 55 प.

विक्रमार्कचरितम् (सिंहासनद्वात्रिंशिका) नन्दीशयाज्ञिककृता.

(946) आ. 22. प.

(C 1292) दे. 111 प. (बत्तीसपुतळीकथा) 20 कथा:.

शुकसप्ततिकथा (कथाकोश:.)

(3003) ना. 248 प.

3752) प्र. 105 प.

(3903) प्र. 98 प. 24 कथा:

(4306) ना. 130 प.

हितोपदेशः.

(C 498) क. 24 प.

VII. छन्दश्शास्त्रम्.

अष्टाध्यायी (शतश्लोकी) आग्नेयपुराणम्.

(C 136) दे. 7 प.

गणाष्टकव्याख्या.

(A 487) क. 27 प.

छन्दःकौस्तुभः राधादामोदररचितः.

(C 1809) दे. 28 प. विद्याभूषणव्याख्यायुतः.

छन्दस्सुधा.

(B 843) आ. 44 पु.

छन्दोव्याख्यासारः कृष्णभट्टकृतः

(C 922) दे. 33 प.

पिङ्गलछन्दस्सूत्रं पिङ्गलनागकृतम्.

(C 135) दे 8 प.

(C 481) दे 6 प.

(10) आ. 26 प. वृत्तिः हलायुधप्रणीता (4 अध्या)

(C 481) दे. 66 प. ,,

(2875) आ. 25 प. ,, (6 अध्या)

(B 107) आ. 160 प. यादवप्रकाशकृतं छन्दोविचितिभाष्यम्.

(1253) आ. 34 प. ,, असमग्रम.

रत्नमञ्जूषा (छन्दोविचितिभाष्यम्)

(871) क. 31 प. जैनानां छन्दोग्रन्थः.

(1025) क. 23 प. ,,

वृत्तकारिका नारायणपुरोहितकृता.

(336) प्र. 26–43 प.

वृत्तचिन्तारत्नं शान्तराजपण्डितकृतम्.

(A 437) क. 221 प. देवचन्द्रपाण्डितटीकायुतम्.

वृत्तदर्पणं भीष्मचन्द्रविरचितम्.

(C 1808) दे. 18 प.

वृत्तमणिकोशः.

(C 1436) दे. 9 प.

वृत्तमणिमाला श्रीनिवासार्यकृता.

(C 709) आ. 6 प.

वृत्तरत्नाकरः केदारान्तर्वाणिकृतः.

(867) क. 42—52 प.

(1342) आ. 6 प.

(1515) प्र. 19 प.

(336) प्र. 25 प. मणिमञ्जरी नारायणपुरोहितकृतां टीका.

(1805) आ: 45 प. धीशोधिनीव्याख्या श्रीनाथकृता.

(2082) आ. 60 प. ,,

(4327) प्र. 36 प. ,,

(C 789) आ. 70 प: ,,

वृत्तरत्नावळी कृष्णराजकृता.

(A 248) दे. 56

(B 519) क. 203. प.

श्रुतबोधः काळिदासकृतः.

(B 49) क. 6 प.

(146) क. 20—28 प.

(867) क. 39—42 प. अजितसेनाचार्यकृतः.

षडध्यायी गरुडपुराणम्.

(C 176) दे. 6 प.

(VIII) अलङ्कारशास्त्रम्.

अलंकारकौमुदी.

(3326) ना. 45—100 प. अस.

अलंकारकौस्तुभः श्रीशैलवेङ्कटाचार्यकृतः.

(272) ग्र. 6 प. अस.

(356) आ. 21 प.

(1422) आ. 46 प.

(1811) आ. 30 प.

(2421) आ. 37 प.

(C 456) आ. 25 प.

अलंकारचिन्तामणिः अजितसेनाचार्यकृतः.

(3808) क. 115 प.

(A 64) क. 206 प. सव्याख्यानः.

अलंकारचूडामणिः (काव्यानुशासनम्) आचार्यहेमचन्द्रकृतः

(992) ना. 184—188 प.

अलंकारतिलकम्.

(A 196) ग्र. 24 प. भानुदत्तकृतम्.

(2223) आ. 11 प. रुद्रटकृतम्.

अलंकारदर्पणम्.

(4039) आ. 12 प.

अलंकारनिकषः अर्थालंकारसंग्रहः.

(507) प्र. 151 प. अस.

अलंकारमणिदर्पणं प्रधानित्रेंकभूपातिकृतम्.

(2570) आ. 228 प.

(625) आ. 49 + 39 प. काव्यध्वनिरस प्रकरणानि.

(2059) आ. 46 प. प्रथमं काव्यस्वरूपानिरूपणप्रकरणम्.

(B 558) आ. 355 प. शब्दार्थालंकारप्रकरणे.

C (1256) आ. 25 + 122 प.

अलंकारमुक्तावळिः विश्वेश्वरविरचिता.

(C 1159) दे. 27 प.

अलंकारलक्षणम्.

(625) आ. 23 प.

(C 1188) प्र. 8 प.

अलंकारराघवं यज्ञेश्वरदीक्षितकृतम्.

(736) आ. 62 प. आक्षेपालंकारपर्यन्तम्.

अलंकारशिरोभूषणम् कन्दाळयार्यकृतम्.

(644) आ. 41 प.

(781) आ. 16+22 प.

(1780) आ. 23 प. 9—10 उल्लासौ.

अलंकारसंग्रहः अमृतानन्दयोगिविरचितः.

(A 479) क, 68 पु.

(B 162) आ. 13 प. 2 परिच्छेदौ.

(2767) आ.137 प, 9 परिच्छेदाः.

(1197) आ. 24 प. अस.

अलंकारसर्वस्वम्.

(3311) आ. 19 प. असमग्रम्.

(2223) आ. 25 प. विद्याचक्रवर्तिकृता टीका.

(B 720) क. 25 प. ,,

अलंकारसारः नृसिंहविरचितः.

(C 704) आ. 17 प.

अलंकारसुधानिधिः सायणाचार्यविरचितः.

(826) ग्र. 102 प.

(2223) आ. 34 प.

(B 718) क. 137 प.

(A 615) आ. 459 प. 2 उन्मेषौ.

उत्प्रेक्षामञ्जरी वरदाचार्यविरचिता.

(2023) ग्र. 15–24 प.

एकावळिः उमामहेश्वरविद्याधरविरचिता.

(A 96) आ. 28 प.

(A 480) क. 91 पु. 5 उन्मेषाः.

(B 354) आ. 176 पु. 6 ,,

कङ्कणबन्धः सुदर्शनाचार्यकृतः.

(B 401) आ. 30 प.

कविकल्पलता वाग्भटनन्दनदेवेश्वरः.

(2956) आ. 20 प. अस.

(3875) ग्र. 84+13 प.

काकताळवादार्थः शम्भुदासकृतः.

(B 740) आ. 18 प.

काव्यदर्पणं चूडामणिदीक्षितकृतम्.

(1526) ग्र. 326 प.

(1859) ग्र. 286 प.

(2934) ग्र. 154 प. 7—9 उल्लासाः.

काव्यप्रकाशः मम्मटभट्टकृतः.

(369) आ. 144—168 प.

काव्यप्रकाशटीका.

(A 149) क. 202 प. विस्तारिका. परमानन्दचक्रवर्तिकृता.

(369) आ. 169—201 प. भास्करमिश्रकृता 9 उल्लासाः.

(3302) आ. 77 प. ,, 4-10 ,,

(C 518) ना. 44 प. जयरामकृता 3 ,,

(B 407) आ. 471 प. मधुमती रविपाणिकृता.

(C 891) दे. 33 प. सरस्वतीतीर्थीया 5 उल्लासाः.

(C 1166) आ. 12 प. रघुदेवन्यायालङ्कारकृता कारिकाव्याख्या.

(C 1931) दे. 121 प. उदाहरणचन्द्रिका. वैद्यनाथीया.

काव्यप्रकाशिका भास्करमिश्रकृता.

(340) आ. 64 प. व्याजोक्त्यलङ्कारपर्यन्ता.

काव्यप्रदीपोद्योतः.

(A 217) क, दे. 169 प.

काव्यसारसंग्रहः.

(3459) ग्र. 89 प.

काव्यसारसंग्रहत्रयम् श्रीनिवासकृतम्.

(2842) ग्र. 98 प.

(3339) ग्र. 141 प.

काव्यादर्शव्याख्या.

(3518) आ. 35—80 प.

(51) ना. 38 प. शब्दालङ्कारे यमकप्रकरणान्ता.

काव्यालंकारः भामहकृतः.

(A 481) क. 43 पु.

काव्यालंकारकामधेनुः गोपेन्द्रतिप्पभूपकृता.

(477) ग्र. 86 प. वामनलंकारवृत्तिव्याख्या.

(3629) ग्र. 61 प.

कुवलयानन्दः अप्पयदीक्षितकृतः.

(1637) ना. 19+45 प,

(1741) ग्र. 96 प.

(1919) आ. 74 प.

(4301) ग्र, 43 प.

(C 663) ना. 89 प.

(C 1101) दे. 75 प.

(B 361) आ. प. टीका रसिकरञ्जिनी.

कुवलयानन्दचान्द्रिका वैद्यनाथदीक्षितकृता.

(1288) आ. 134 प.

(1373) ग्र. 81 प.

(1811) आ. 57 प.

(C 993) आ. 79 प.

(C 932) आ. 114 प.

कृष्णराजकलोदयः अनन्ताचार्यकृतः.

(869) ग्र. 50 प. अस.

चन्द्रालोकटिप्पणी. जयदेवकृतचन्द्रालोकस्य व्याख्या.

(1665) ना. 99–133 प. 5 मयूखाः.

(3554) ग्र. 114 प. वेंकटसूरिविरचिता.

चित्रकवित्वादिलक्षणम्.

(905) ना. 66–67+107–111 प.

चित्रमञ्जरी रङ्गनाथरचिता.

(3768) ग्र. 21 + 10 प.

चित्रमीमांसा अप्पयदीक्षितकृता.

(391) आ. 59 प.

(781) आ. 44 प.

(1080) ग्र. 57 प.

(1641) आ. 26 प.

(3212) ग्र, 66–130 प.

(4349) ना. 64 प.

(C 994) आ. 23 प.

चित्रमीमांसाखण्डनं जगन्नाथपण्डितकृतम्.

(781) आ. 15 प.

चित्ररत्नाकरः चक्रकविकृतः.

(C 621) दे. 13 प. 4 परिच्छेदाः.

(B 771) ना. 21 प.

दशरूपकालोकः (दशरूपकव्याख्या) धनिककृतः

(1164) ग्र. 135 प.

(3301) आ. 59 प. 4 परिच्छेदाः.

(4302) ग्र. 132–220 प.

नञ्जराजयशोभूषणं नृसिंहकविकृतम्.

(362) ग्र. 99 प. अस.

(467) आ. 75 प. ,,

(512) ग्र. 132 प.

(1242) ग्र. 90 प.

(3364) ग्र. 134 प.

(3764) ग्र. 132 प.

(3904) आ. 110 प.

(4019) आ 78 प.

(4381) आ. 71 प.

प्रतापरुद्रयशोभूषणं विद्यानाथविरचितम्.

(C 260) ना. 29 प.

(542) ग्र. 31 प.

(1190) आ 22 प.

(1523) ग्र. 98 प,

(2007) ग्र. 127 प.

(C 1096) आ. 132 प.

(1775) ना. 145 प.

(3931) आ. 110 प.

(4303)ग्र. 32–163 प.

(34) आ. 115 प. व्याख्या रत्नापणाख्या कुमारस्वामिसोमपीथिकृता.

(992) आ. 183 प.

(1761) ना. 199 प.

(3103) ग्र. 57 प. 3 प्रक.

(3283) ग्र. 161 प.

प्रश्नाभिप्रोत्तरम् श्रीनिवासविरचितम्

(3649) ग्र. 7 प.

भावप्रकाशः शारदातनयविरचितः

(3846) ग्र. 138 प.

रघुनाथभूपालीयम् कृष्णयज्वकृतम्.

(1665) ना. 84 प.

(2779) ग्र. 45 प.

(2779) ग्र. 29 प. सुधीन्द्रविरचितव्याख्या.

रसगङ्गाधरः जगन्नाथपण्डितविरचितः.

(1435) आ. 196 प. सामान्यालङ्कारसमाप्तिपर्यन्तः.

(C 1293) दे. 257 प.

(4011) आ. 140 प. अत्र. 8—33 पत्राणि लुप्तानि.

रसतरङ्गिणी.

(456) ग्र. 25 प. भानुदत्तविरचिता.

(1090) दे. 42 प. ,,

(456) ग्र. 126 प. व्याख्या नौका. गङ्गारामजटिकृता

(C1158) दे. 162 प. ,, ,,

(304) आ. 36 प रामानन्दकृता (मूलम्.)

रसप्रकरणलक्षणसंग्रहः

(992) आ. 189—194 प.

रसमञ्जरी भानुदत्तकृता.

(1268) ग्र. 32 प.

(1342) ग्र .26 प.

(1393) ग्र. 108—128 प.

(C741)दे. 61 प.व्याख्या नागेशभट्टकृता.

(2348) ग्र. 132 प. अनन्तपण्डितकृता व्यङ्ग्यार्थकौमुदी.

(2835) ग्र.70 प. गोपालसूरिकृता रसिकरञ्जिनी.

(2925) ग्र. 44 प. ,,

(C1892) दे. 51—112 प. ,,

(4051) ग्र. 62 प. व्याख्या गोपालसूरिकृता रसिकरञ्जनी.

(3297) आ. 52 प. ,, आमोदः गुरुशायिपण्डितकृता. प्रथमं प्रकरणम्.

(C 1897) दे. 29 प ,,

(3437) आ. 135 प. ,, आमोदः रङ्गसूरिकृतः अस

रसार्णवसुधाकरः (सिङ्गभूपालीयम्) सिङ्गभूपालकृतः.

(B 325) क. 145 प.

(2827) ग्र. 77 प. नृसिंहभूपविरचितः.

रसिकरसायनं भामहरचितम्.

(4080) ग्र. 61 प. समग्रम्.

लक्ष्यलक्षणमालिका नृसिंहकृता.

(B 400) आ. 14 प.

विदग्धमुखमण्डनं धर्मदासकृतम्.

(1402) आ. 9 प. अस.

(1856) ग्र. 31 प. ,,

(769) आ. 106 प. कविसुतकृतटीकायुतम्.

(B 201) दे. 128 प. ताराभिधकविकृता टीका.

व्यक्तिविवेकः राजानकमहिमभट्टकृतः.

(A 203) ग्र. 64 प.

व्युत्पत्तिदीपिका वेङ्कटेशविरचिता.

(3680) क. 89 प.

शठवैरिवैभवप्रभाकरः मरिगण्टि नृसिंहाचार्यरचितः.

(B 781) आ. 134 प.

(C 1778) आ. 45 प.

शृङ्गारतिलकं रुद्रटविरचितम्.

(B 719) क. 48 प.

(C 1833) दे. 85 प. सव्याख्यानम्.

श्रृङ्गारमञ्जरी राघवाख्यजैनभूपकृता.

(B 49) क 6 प.

(146) क. 20 प. सकर्णाटटीका.

श्रीशाहभूपालङ्कारः लक्ष्मणकविकृतः.

(A 143) दे. 46 प.

सदलंकारसंग्रहः श्रीनिवासार्यकृतः,

(625) आ. 42 प.

समस्यादिसंग्रहः.

(2864) आ. 37 प.

सरस्वतीकण्ठाभरणं भोजदेवकृतम्.

(1867) ग्र. 100 प. 4 परिच्छेदाः.

साहित्यचिन्तामणिः वीरनारायणविरचितः.

(3221) ग्र. 200 प. 13 परिच्छेदाः.

साहित्यरत्नाकरः धर्मसूरिकृतः.

(1853) दे. 90 प.

(2130) आ. 93 प.

(3044) आ. 81 प.

साहित्यसरणिः.

(2869) आ. 17 प. सव्याख्या.

साहित्यसारः अच्युतशर्मकृतः.

(C 446) आ. 54 प. (3 रत्नानि.) अस.

IX शिल्पशास्त्रम्.

मयमतं मयकृतम्.

(763) क. 136 प. 25 अध्यायाः. सान्ध्रटीकम्.

(763) क. 16 प. अस.

(2986) आ. 178 प.

(A 27) क. 162 प.

वास्तुसारसंग्रहः गणपत्यकृतः.

(1892) आ. 64 प. (आन्ध्रभाषा)

सर्वाधिकारः अगस्त्यप्रोक्तः.

(763) क. 144–165 प. 3 अध्यायाः.

(2986) आ. 179–244 प. सान्ध्रटीकः.

X रत्नशास्त्रम्.

मणिलक्षणं अगस्त्यसंहिता.

(C 537) आ. 11 प.

(18) ना. 6 प.

XI अर्थशास्त्रम्.

अर्थशास्त्रं (कौटिलीयम्) चाणक्यकृतम्.

(A 154) आ. 287 प. 100 अध्यायाः.

(3230) म. 168 प.

(A 207) आ· 121 प. टीका भट्टस्वामिकृता प्रतिपदपञ्चिका 2 अध्यायौ

(3231) म. 120 प.

सोमदेवनीतिः सोमदेवः.

(A 616) क 272 प. असमग्रा.

XII कामशास्त्रम्.

अनङ्गरङ्गः कल्याणमल्लकृतः.

(C 888) दे. 23 प.

(B 748) क. 12 प. 8 तरङ्गाः.

(3019) ग्र. 16 प.

कामसूत्रं वात्स्यायनकृतम्.

(1798) क. 6 प. अस.

(1662) ग्र.210 + 74 प. यशोधरकृतजयमङ्गलाव्याख्यायुतम्.

(3018) क. 189 प. ,,

(1092) ग्र. 201 प. ,,

(A 274) आ. 112 प. नृसिंहशास्त्रिकृता व्याख्या प्रथमभागः

A 316) क. 113–234 प. ,, द्वितीयभागः

तृतीयपुरुषार्थसाधकसराणिः.

(2364) ग्र. 23 प.

रतिरत्नप्रदीपिका.

(236) ग्र. 19 प. इम्मडिदेवरायकृता.

(C 531) क. 51. प. ,,

(1878) आ 12 प. नन्दिकेश्वरकृता. सप्ताध्यायाः.

रतिरहस्यं कोकोककविकृतम्.

(1030) ग्र. 28 प.

(822) ना. 16 प. 3 परिच्छेदाः.

(1610) ग्र. 14 प. 4

(1878) आ. 13–34 प.

(3800) म. 56 प.

(973) आ. 27 प. काशीनाथकृतटीकायुतम्.

(1374) आ. 63 प. ,, 6 परिच्छेदाः.

(1030) म. 28–80 प. ,, 9 ,,

(941) म. 76 प. ,,

(4161) म. 127 प. ,, समग्रम्.

(B854) म. 140 पु. ,, पूर्वार्धम्.

रतिसारः माधवदेवविरचितः.

(3223) म. 26 प असमग्रः.

शृङ्गारबन्धदीपिका हरिहरकृता.

(1280) आ. 5 प.

(2880) ना. 17 प.

(4014) आ. 21 प.

सम्भोगाध्यायः सटीकः.

(903) ना. 2 प.

XIII भरतशास्त्रम्.

अभिनयदर्पणं (नाट्यप्रशंसा).

(C 287) दे. 34 प.

अभिनयप्रकरणं शिवतत्वरत्नाकरान्तर्गतम्.

(24) ना. 11 प.

अभिनयमुकुरः

(B 116) क. 14 प.

अभिनयलक्षणम्.

(3494) आ. 99 प.

(3809) आ. 253 प.

(4121) प्र. 14 प.

अभिनवभरतसारसंग्रहः मुम्मडिचिक्कभूपकृतः

(A 65) क. 211 प.

आदिभरतम् भरताचार्यकृतम्.

(472) आ. 85 प. अस.

(481) प्र. 83 प. ,,

(343) ना. 4 प. तालादिलक्षणम्.

(1298) क. 155 प. सान्ध्रटीकम्. असमग्रम्.

नाट्यशास्त्रम् भरतमुनिविरचितम्.

(2555) क. 120 प.

भरतसारसंग्रहः चन्द्रशेखरकृतः.

(A 66) क. 77 प.

(A 69) क. 45 प.

भरतार्णवः नन्दिकेश्वरप्रोक्तः.

(3809) आ. 253 प.

सङ्गीतचूडामणिः हरिपालमहीपतिकृतः

(105) आ. 56 प. कर्णाटान्ध्रभाषाटीकायुतः.

सङ्गीतदर्पणम् (दामोदरः) दामोदररचितः

(2847) क. 79 प. 1–5 अध्यायाः.

संगीतपद्यावळिः (34 अध्यायाः)

(1936) आ. 186 प. आन्ध्रभाषा.

(4236) आ. 100 प. आन्ध्रभाषा

संगीतमकरन्दः वेदनामककविकृतः.

(A 141) दे. 27 प. नृत्ताध्यायसमाप्तिः

संगीतरत्नाकरव्याख्या.

(1379) आ. 60 प. नृत्ताध्यायप्रभृति लघुप्रस्तारपर्यन्ता.

संगीतलक्षणम्.

(1102) आ. 26–31 प.

संगीतलक्षणदीपिका गौरणार्यकृता.

(832) ना. 11 प.

संगीतसारसंग्रहः पार्श्वदेवकृतः.

(A 67) क. 96 प.

सदाशिवभरतम्.

(B 941) क. 58 प. असमग्रम्.

स्वरप्रस्तारः.

(B 115) क. 12 प.

स्वरमेळकलानिधिः रामामात्यरचितः.

(A 68) क. 7 प. उपोद्घातप्रकरणम्.

(3278) आ. 47 प.

XIV व्याकरणम्.

अमोघवृत्तिन्यासः प्रभाचन्द्रविरचितः.

(A 605) क. 373 प. 1 मे 1 मः पादः.

(A 606) क. 374–812 प. 1 मे 2–4 पादाः.

(A 607) क. 813–1191 प. 2 ये 1–2 पादौ.

(A 608) क. 1192–1479 प. 2 ये 3–4 पादौ.

अर्थवत्सूत्रवाक्यार्थः मनुरामीयः.

(C 1190) दे. 20 प.

अष्टाध्यायी पाणिनिकृता.

(537) आ. 32 प.

(1955) आ. 30 प.

(572) प्र. 51 प. सवार्तिका.

(1484) आ. 56 प. वार्तिकोणादिसूत्रयुता.

आख्यातचन्द्रिका भट्टमल्लकृता.

(B 101) क. 30 प.

उणादिसूत्राणि.

(922) आ; 3 प.

(1341) आ. 45 प. गणपाठफिट्सूत्रयुतानि.

(A 51) आ. 74 प. वृत्तियुतानि.

कला (मञ्जूषाव्याख्या) पायगुण्डवैद्यनाथकृता.

(A 257) दे. 138 प.

(2739) आ. 116 प.

कविकल्पद्रुमकामधेनुः बोपदेवविरचिता.

(A 345) आ. 82 प.

(C 890) दे. 12 प असं.

कातन्त्ररूपमाला भावसेनत्रैविद्याचार्यकृता.

(A 57 क. 111 प.

(B 71) क. 34 प. अजन्तशब्दप्रक्रियान्ता.

(805) क. 82 प.

(3679) क.*125 प. शर्मवर्मकृता.

कारकं शङ्करभट्टीयम्.

(C 967) दे. 44 प.

कारकनिरूपणं अमरसिंहकृतम्.

(3732) ग्र. 4 प.

(B 942) दे. 17 प.

कारकरौद्री.

(C 1710) दे. 15 प. समग्रा.

कारकविवरणं रत्नापणिकृतम्.

(C 1091) दे. 4 प.

कारकशाब्दबोधः.

(C 1024) आ. 12 प.

कारकसंग्रहः वररुचिविरचितः.

(3548) ना. 12 प.

कारकसंबन्धोद्द्योतः विनश्वरनन्दिकृतः.

(1114) क. 47 प.

काशिकाविवरणपञ्जिका जिनेन्द्रबुद्धिः.

(A 602) क. 344 प. 8 मे 2–3–4 पादा.

(A 103) आ. 98 प.

काशिकावृत्तिः वामनजयादित्यकृता.

(94) आ. 78 प. अङ्गाधिकारमारभ्य समग्रा.

(453) ग्र. 290 प. षष्ठाध्यायद्वितीयपादपर्यन्ता.

(568) ग्र. 88 प. तृतीयाध्यायद्वितीयपादान्ता.

(1556) तु. 128 प. चतुर्थाध्यायद्वितीयपादान्ता.

(462) तु. 201 प. एतदुत्तरभागस्समग्रः.

(C 649) दे. 54+41+70+25+60 प. 1–5 अध्यायाः.

(1832) ग्र. 64 प. प्रथमोऽध्यायः.

(2354) ग्र. 105 प. 5–4–150–6–4–8 सूत्रान्तरा.

क्षीरतरङ्गिणी क्षीरस्वामिविरचिता धातुवृत्तिः.

(A 409) दे. 58 पु.

गजसूत्रवादार्थः (भट्टोजिमतनिरासनम्) वेङ्कटाचार्यकृतः.

(1421) ग्र. 16 प.

(3445) ग्र. 23 प.

(C 968) दे. 18 प.

(C 1196) दे. 6 प. मनुरामाविरचितः.

तत्त्वबोधिनी ज्ञानेन्द्रभिक्षुकृता.

(1787) ना. 130 प. सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या

तर्कचन्द्रिका कृष्णभट्टकृता.

(32) आ. 60 प. अजन्तपुल्लिङ्गान्ता.

(2783) आ. 24 प. असमग्रा.

(3195) ग्र. 63 प. ,,

तिङन्तरूपावळिः श्रीनिवासदेशिककृता.

(A 193) आ. 117 प.

(1339) आ. 133 + 13 प.

तिङन्तशिरोमणिः.

(654) ना. 133 प. णिजन्तपरिच्छेदान्तः.

धातुपाठः.

(535) ना. 37 प.

(1293) ग्र- 30 प.

(4000) क. 47 प.

धातुप्रदीपः मैत्रेयरक्षितः

(B 901) आ. 91 प. समग्र..

धातुरूपावळिः चोकनाथकृता.

. (1296) आ. 29 प.

(A 245) दे. 11 प.

धातुवृत्तिः माधवाचार्यकृता.

(C 231) आ. 104 प. भ्वादिः

(418) आ. 217 प. आदितः तुदादौ उब्जधातुपर्यन्ता.

(179) ना 118 प. भ्वादौ अर्हधात्वन्ता.

(166) आ. 215 प. अदादिमारभ्य समग्रा.

(1623) ना 185—432 प. अदादौ ग्लौधातुतः चुरादिसमाप्तयन्ता.

(655) आ. 140 + 8 प. जुहोत्यादितः चुरादौ क्रन्दधात्वन्ता.

(C 669) दे. 432 प.

नन्दिकेश्वरकारिकाव्याख्या.

(C 1528) म. 4 प.

पदमञ्जरी (काशिकाव्याख्या) हरदत्तकृता.

(1715) आ 175 प. अष्टमाध्याये 1—2पादौ 40 प. द्वितीयाध्याय-
द्वितीयपादमारभ्य चतुर्थाध्यायद्वितीयपादपर्यन्ता 41—175 प.

(206) आ, ना. 289 प. षष्ठाध्यायद्वितीयपपादमारभ्य समग्रा .

(4129) म. 312 प. 6—8अध्यायाः

पदवाक्यरत्नाकरः.

(A 216) आ. 117 प.

(C 674) दे. 80 प.

परमलघुमञ्जूषा नागेशकृता.

(C 990) दे. 38 प.

परिभाषामञ्जरी.

(C 1943) आ. 42 प.

परिभाषासूत्राणि (व्याळमुनिविरचितानीति केचित्, ज्ञापकसिद्धानीत्यपरे.)

(C 254) ना. 4 प.

(656) ना. 15–18 प.

परिभाषार्थसंग्रहः (परिभाषासूत्रवृत्तिः) पायगुण्डवैद्यनाथशास्त्रिकृतः.

(803) आ. 78 प.

(3366) ग्र. 43 प.

परिभाषार्थसंग्रहव्याख्या स्वयंप्रकाशानन्दकृता.

(C 1314) दे. 113 प.

(3877) ग्र. 213 प.

परिभाषावृत्तिः.

(662) आ. 22 प. भास्करकृता.

(1098) ना. 27 + 17 प. प्रतिद्वयम् असमग्रम्.

(1292) ना. 8 प.

(C 1273) दे. 78 प.

(3516) ग्र. 88 प. सीरदेवकृता

(3890) ग्र. 55 प. ,,

परिभाषावृत्तिव्याख्या रामभद्रदीक्षितः.

(3890) ग्र. 146 प. सीरदेवकृतवृत्तिव्याख्या.

परिभाषेन्दुशेखरः नागेशभट्टकृतः.

(1575) ग्र. 98 प.

(1580) ग्र. 42 प.

(C 989) दे. 19 प.

(A 428) आ. 79 पु.

(1145) क. 72 प. व्याख्या परिभाषार्थमञ्जरी भीमाचार्यकृता.

(1618) म. 59 प. ,, ,,

(2784) आ. 68 प. ,, ,,

(2738) आ. 96 प. ,, त्रिशिखा नृसिंहशास्त्रिकृता.

(B 318) क. 241 प. ,, सर्वमङ्गळा शेषशास्त्रिकृता अन्तरङ्गपरिभाषापर्यन्ता.

(C 950) दे. 170 प. ,, ,, 1–58,120–122 परिभाषाः

(C 1312) दे. 192 प. ,, ,, 40 ,,

(C 951) दे. 7–73 प. ,,

(3027) आ. 169 प. ,,

(3198) म. 26 प. ,,

(2819) म. 102+151–227 प. ,, 1–30,50–108 परिभाषाः.

(C 949) दे. 90 प. ,, 33–62 पत्रलोपः 38 परिभाषाः.

(3859) म. 158 प. ,, असमग्रा.

(1266) दे. 25 प. ,, सारासारविवेकाख्या बालशास्त्रियाः.

(4049) म. 107 प. ,, वैद्यनाथविरचिता समग्रा.

(C 1249) दे. 135 प. क्रोडपत्रम्.

पाणिनिसूत्रवृत्तिः (श्लोकरूपा)

(4050) म. 75 प. असमग्रा.

(C1837) म. 19–47 प. संग्रहरूपा. असमग्रा.

(C1804) दे 212 प. टिप्पणी देवसहायकृता. समग्रा.

पाणिनीयनक्षत्रमाला उमामहेश्वरदीक्षितकृता.

(C964) दे. 101 प.

प्रक्रियाकौमुदी रामचन्द्राचार्यकृता.

(416) आ. 110 प.

(416) प्र. 19–29 प. कारकभागः.

(760) आ. 96 प.

(1365) आ. 122 प.

(1788) प्र. 105 प. पदव्यवस्थासमाप्त्यन्ता.

(3754) प्र. 89 + 29 प.

(4007) ना. 67 प.

(4286) प्र. 136 प.

(4220) ना. 21–108 + 40 प.

(4095) प्र. 33 प. अव्ययान्ता.

(4209) ना. 176 प. व्याख्या रामचन्द्रसूनुरचिता. समग्रा.

(539) प्र. 186 प. ,, प्रसादाख्या विठ्ठलविरचिता मिश्रप्रक्रियान्ता.

(1005) आ. 192 प. ,, उत्तरार्धम्.

(409) आ. 120 प. ,,

(369) आ. 139–143 प. ,, अस.

(4010) आ. 132–200 प. ,, आदितःकारके पञ्चम्यन्ता.

(4307) आ. 290 प. ,, ,,समग्रा.

(2145) ना. 90 प. ,, विश्वकर्मकृता. पूर्वार्धम्.

(3009) प्र. 114 प. ,, स्त्रीप्रत्ययान्ता.

प्रयोगविवेकः. वररुचिकृतः

(659) प्र. 43 प. सव्याख्यः.

(267) ना. 16–34 प. ,,

(818) प्र. 51 प. ,,

(1114) क. 7 प. (मूलम्)

(1920) आ. 20 प. मूलम्.

(3680) क. 30 प. ,,

प्रयोगशिक्षा अनन्तसूरिकृता.

(B 404)आ. 2 प.

बालबोधिनीव्याकरणम्. बालसूरिकृतम्.

(C 171) दे 91–97 प संधिप्रकरणम्.

बृहच्छब्देन्दुशेखरम् नागेशभट्टकृतम्.

(C 1271) दे. 207 प. स्त्रीप्रत्ययान्तम्.

(A 179) दे. 335 प. पूर्वार्धम्.

भट्टोजिमतकुण्ठनम्.

(C 516) आ. 21 प. अस.

मञ्जरीमकरन्दम् (पदमञ्जरीव्याख्यानम्) रङ्गनाथकृतम्.

(A 256) आ. 216 पु

मञ्जूषा नागेशकृता.

(C 987) आ. 172 प.

(A 257) दे. 138 प. व्याख्या कलाख्या पायगुण्डवैद्यनाथकृता.

(2739) आ. 116 प.

मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराजविरचिता.

(C 1118) दे. 53+38 प.

(C 1124) दे. 170 प.

(1777) ना. 74 प.

मनोरमा सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या भट्टोजिदीक्षितकृता.

(C 367) दे 158+62+23 प.

(C 412) दे 34+53 प. अव्ययान्ता.

(1597) ग्र. 145 प. उत्तरार्धम्.

(C646) दे. 54–155 प. सुबन्तभागः.

(3978) आ. 104–294 प. समासादितः तिङन्तान्ता.

मनोरमाकुचमर्दिनी जगन्नाथविरचिता.

(C1723) दे. 41 प. असमग्रा.

महाभाष्यम् पतञ्जलिकृतम्.

(457) ग्र. 17 प. 2 आह्निक.

(,,) ग्र 63 प. 1मे1मः पादः.

(455) ग्र. 263 प. 1माध्यायः

(986) ना 151 प. 2याध्याये 1मपादसमाप्तयन्ता.

(450) ग्र. 206 प. 2–4 अध्यायाः.

(536) ग्र. 94 प. 3योऽध्यायः

(987) ना. 99 प. 6ष्ठाध्याय4र्थपादमारभ्य समग्रम्.

(C986) आ. 442 प.

(C886) दे. 560 प. 2–8 अध्यायाः.

(C1945) आ. 368 प. 1–3 अध्यायाः.

महाभाष्यप्रदीपः (महाभाष्यव्याख्या) कैयटकृतः.

(571) ग्र. 64 प. नवाह्निकानि.

(457) ग्रं. 142 प. 1मोऽध्यायः.

(1586) ग्र. 257 प. 3याध्याय1मपादसमाप्तयन्तः

(457) ग्र. 16 प. 2याध्याये 1मःपादः.

(983) ना. 239 प. 2याध्याय1मपाद1माह्निकसमाप्तयन्तः.

(1123) ग्र. 248 प. 1माध्याय 4र्थपादमारभ्य 3याध्यायसमाप्तयन्तः.

(460) आ. 120 प. 2याध्यायमारभ्य 6ष्टाध्याय प्रथमपाद5माह्निकपर्यन्तः

(C648) दे. 73+57 प. 1-2 अध्यायौ.

(C881) दे. 195 प. 4-6 अध्यायाः.

(C895) दे. 57 प. अष्टमोऽध्यायः.

(3416) ग्र. 117 प. पञ्चमोऽध्यायः.

महाभाष्यप्रदीपप्रकाशः प्रवर्तकोपाध्यायकृतः

(454) ग्र. 139 प 1माध्याय 3पादमारभ्य 3याध्यायसमाप्तपर्यन्तः.

(3560) ग्र. 273 प. 1मे 1मःपादः.

महाभाष्यप्रदीपविवरणम् रामचन्द्रसरस्वतीकृतम्.

(444) ग्र. 155 प. 5माध्याय1मपादसमाप्तपर्यन्तम्.

महाभाष्यप्रदीपोद्द्योतः नागेशभट्टकृतः.

(C 1841) दे. 1341 प. समग्रः.

(993) ना, 191 प. नवाह्निकानि,

(569) ग्र. 74–100 प. नवमाह्निकम्.

(C 163) दे. 127+154 प. 1 मोऽध्यायः.

(996) ना. 263 प. 1माध्याय 2यपाद 3यह्निकान्त..

(B 395) क. 255 प. तृतीयोऽध्यायः.

(B 529) क. 256 प. 4-5 अध्यायौ:.

(B 629) क. 254 प. षष्ठोध्यायः.

(3418) ग्र. 164 प. 2–4 अध्यायाः.

(1782) दे. 970–1952 प. 3–8 अध्या.

(A 270) आ. 160 प. अनन्तभट्टकृतः. 1–4 आह्निकानि.

(A 276) दे. 195 प. ,, पञ्चमाह्निकतः. 2 ये 2 यपाद-समाप्तपर्यन्तः.

(2037) आ. 113 प. ,, 3–9 अह्निकानि.

महाभाष्यस्फूर्तिः (महाभाष्यव्याख्या) सर्वेश्वरदीक्षितकृता.

(434) ना. 113+242 प. 7–8 अध्यायौ. (मध्ये क्वचित्क्वचिल्लोपः.)

मुक्ताशुक्तिः क्रोडपत्रम्.

(C 1276) दे. 33 प.

(3245) ना. 34+46 प.

रप्रत्याहारखण्डनम्.

(3963) म. 12 प.

रूपसिद्धिव्याकरणम् (जैनानाम्)

(732) क. 155 प.

रूपावतारः धर्मकीर्तिकृतः.

(2587) ना. 21 प.

(1832) म. 154-205 प. स्त्रीप्रत्ययसमासयन्तः

(2587) ना. 230-291 प. व्याख्या नृसिंहविरचिता. (प्रक्रियाकल्पवल्ली.)

रूपावळिः.

(2499) ना. 95 प.

लकारार्थप्रक्रियासुधाकरः कृष्णशास्त्रिकृतः.

(C 1316) दे, 11 प.

लघुकौमुदी वरदराजकृता.

(758) म. 36 प.

(1286) ना. 53 प.

(401) म. 31–36 प. संधिप्रकरणम्

लिङ्गनिर्णयः रामसूरिकृतः.

(1997) म. 19 प.

लिङ्गनिर्णयचर्चा अनन्तसूरिकृता.

(B 404) आ. 5 प.

(3680) क. 11 प.

लिङ्गनिर्णयभूषणम् रामसूरिकृतम्.

(493) ना. 12 प.

(C 679) आ. 6 प. विष्णुभट्टकृतत्.

लिङ्गानुशासनम् पाणिनिकृतम्.

(914) आ. 15 प.

(366) ना. 8 प. विवृतिः भट्टोजिदीक्षितकृता.

वाक्यपदीयम् हरिविरचितम्.

(C1325) दे 90 प. काण्डत्रयम्.

विभक्त्यर्थनिर्णयः.

(A89) आ. 221 प.

वृत्तिदीपिका कृष्णभट्टकृता.

(B935)आ. 29 प.

वैयाकरणभूषणम् कौण्डभट्टकृतम्.

(1626) ना. 38+8 प. कारकार्थनिर्णयपर्यन्तम्.

(4077) आ. 240 प. स्फोटवादान्तम्.

वैयाकरणभूषणसारः कौण्डभट्टकृतः.

(1004) आ. 21–127 प. अस.

(4056) ग्र. 50 प. स्फोटवादः.

वैयाकरणसिद्धान्तसंग्रहः दत्तरामभट्टकृतः.

(3413–3415) ग्र. 214+237+51+6+49+11+31 प.

(अत्राष्टाध्यायधातुपाठलिङ्गानुशासनोणादिफिट्सूत्रपरिभाषाणां वृत्तयस्सन्ति.)

व्याकरणम् कडपत्रम्.

(C953) दे. 52 प.

(3105) ग्र. 20 प.

(3977) आ. 50 प.

(C1578) दे. 20 प.

व्याकरणदीपप्रभा गङ्गाधरविपश्चित्कृता.

(A232) दे. 105 प. चिद्रूपकृतव्याकरणदीपस्येयं व्याख्या. (कृदन्तान्ता.)

शब्दकौमुदीव्याख्या.

(3528) ग्र. 111 प.

शब्दकौस्तुभः भट्टोजिदीक्षितकृतः.

(C442) आ. 153 प. नवाह्निकानि (अत्र द्वितीयं नास्ति.)

(184) आ. 87 प. 6-9 आह्निकानि.

(1416) आ. 243 प. 1 मे 1–2 पादौ.

(1437) आ. 184 प. 1मे तृतीयपादसमाप्त्यन्तम्.

(647) दे. 121 + 95 प. 1-2अध्यायौ.

(2313) ग्र. 63 प. 1मे 1मपादे 3-5 आह्निकानि.

(3582) ग्र. 187 प. नवाह्निकानि.

(3712) ग्र. 107 प.

(4125) ग्र. 33-170 प. 1मे 1-3-4पादाः.

(C813) दे. 332 प. पायगुण्डवैद्यनाथकृता प्रभाख्या व्याख्या. 1मे 1मः पादः.

(A 339) आ. 337 प. गोपालकृष्णशास्त्रिकृतव्याख्या शाब्दिकचिन्तामणिः 1मेऽध्याये 3पादाः.

(A376) आ. 203 प. ,,

(C 952) दे. 30–60 प. आचार्यकृष्णमिश्रकृतः भावप्रदीपाख्या व्याख्या कारकान्ता.

शब्दचन्द्रिका.

(731) ग्र. 159 प. स्वरभागपर्यन्ता. मध्ये क्वचित्क्वचित् पत्रलोपः.

शब्दबृहती (महाभाष्यव्याख्या) आचार्यराजनृसिंहकृता.

(4072) ग्र. 46–233 पं. 1मे1मःपादः.

(4073) ग्र. 201 प. 1मे2यतः 2ये1मः

(4074) ग्र. 129 प. 2ये2यतः 3ये1मः.

(A574) क. 220 प. 1मे 1–2पादौ

(A575) क. 93 प. 1मे 3यतः 2ये 1मपादान्ता.

(A576 क. 180 प. 2ये2यतः 1मपादान्ता.

शब्दभूषणम् नारायणविरचितम्.

(3883) ग्र. 144 प. षष्ठस्य द्वितीयपादान्तम्.

शब्दरत्नम्. (मनोरमाव्याख्यानम्) हरिदीक्षितकृतम्

(C988) दे. 98+84 प.

(1600) ग्र. 36 प. हलन्तपुल्लिङ्गपर्यन्तम्.

(C411) दे 117 प. कारकान्तम्.

(C1731) ग्र. 150 प. उत्तरार्धम्.

(C517) दे. 58 प. व्याख्या पायगुण्डवैद्यनाथकृता भावप्रकाशिका. पञ्चसन्धयः.

(C992) दे. 379 प. ,, (कारकान्ता.)

(C1317) दे. 333 प. ,, भैरवमिश्रीया (कारकान्ता)

शब्दसमासादिसंग्रहः.

(3987) क. 83–124 प.

शब्दानुशासनम् हेमचन्द्रविरचितम.

(C883) दे 18 प. वृत्तियुतम्. षष्ठे 3पादाः.

(C884) दे. 17 प. ,, कारकान्तम्.

शब्दार्थतादात्म्यवादः.

(C1163) दे. 5 प.

शब्देन्दुशेखरः नागेशभट्टकृतः.

(756) ना. 47 प. आदिभागः.

(1001) ना. 100 प. शब्दाधिकारपर्यन्तः.

(1588) ग्र. 138 प. कारकान्तः.

(C1450) दे. 209 प. ,,

(C1946) आ. 117 प. सुबन्तान्तः.

(1678) ग्र. 73–234 प. शब्दाधिकारमारभ्य समासान्तः

(995) ना. 192 प. कारकमारभ्य समासाश्रयविधिपर्यन्तः.

(1574) ग्र. 108 प. ,,

(1593) ग्र. 90 प. व्याख्या अस्थिमालाख्या पायगुण्डैवैद्यनाथशास्त्रिकृता. (आदिमभागः)

(2782) आ. 23–243 प. ,, हयग्रीवाचार्यकृता चन्द्रिकाख्या. कारकान्ता.

(1277) दे. 26 + 48 प. ,, ज्योत्स्नाख्या उदयङ्करकृता.

(3245) ना. 36 प ,, ,, अव्ययान्ता.

(1052) आ. 263 प. ,, भैरवमिश्रीया स्त्रीप्रत्ययान्ता.

(1721) ग्र. 94 प. ,, विषम्याख्या राघवेन्द्राचार्यकृता. कारकान्ता.

(C1250) दे. 176 प. क्रोडम.

शाकटायनव्याकरणसूत्रवृत्तिः अमोघाख्या श्रुतकेवलिविरचिता.

(A28) आ. 249 प. 3याध्याय1मपादसमाप्तयन्ता.

(A380) क. 290 पु. 3याध्यायतस्समग्रा.

(A410) क. प.

(3824) क. 249 प.

शाब्दिकाभरणम् हरियोगिशैलवार्यकृतम्.

(B898) आ. 135 प. समग्रम्.

षट्पदानन्दविवरणम् रुक्मसूरिकृतम्.

(C1157) दे. 24 प.

समासचक्रम्.

(905) ना. 3 प.

(919) आ. 4 प.

(C1167) आ. 17 प. व्याख्या नृसिंहविदुषा कृता असमग्रा.

समाससूत्रविचारः वासुदेवदीक्षितविरचितः

(778) आ 148 प.

सारस्वतप्रक्रिया.

(3735) ग्र. 61 प.

सिद्धान्तकौमुदी भट्टोजिदीक्षितकृता

(C406) ना. 189+99 + 66 + 60 प.

(C239) दे. 85 प. कारकभागान्ता.

(2304) ग्र. 60 प. कारकभागः.

(C244) दे. 17 प. ,,

(C153) दे. 63–232 प. स्त्रीप्रत्ययमारभ्य पूर्वार्धम.

(750) ना. 87 प. उत्तरार्धम्.

(1276) आ. 52–101 + 42 प. ,,

(192) आ. 102–233 प. ,,

(538) ग्र. 163–353 प. ,,

सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या.

(150) आ. 219 प. तत्त्वबोधिनी ज्ञानेन्द्रसरस्वतकृिता. पूर्वार्धम्.

(1626) ना. 57 प. ,, अजन्तस्त्रीलिङ्गान्ता.

(779) ग्र. 6788 प. ,, कारकादितश्चातुर्थिकान्ता.

(C 90) आ. 71 प ,, तिङन्तम्.

(1655) आ. 235-270 प. ,,

(1787) ना. 130 प. ,,

(1984) ग्र. 99 प. ,, सन्धिप्रकरणम्.

(2116) आ. 48 प. वीरराजीया नीलकण्ठवाजपेयिकृता. उत्तरार्धं तनाद्य-न्तम्.

(,,) आ. 105-174 प. ,, कृदन्तम् 12-24 पत्रलोपः.

(437) ग्र. 277 प. ,, समासमारभ्य पूर्वार्धसमाप्तिः.

(3092) क. 171-324 प. ,, णिजन्तप्रकरणतः तिङन्तं सममम्.

(1626) ना. 43 प. सुमनोरमा तिरुमलाध्वरिकृता हलन्तपुल्लिङ्गान्ता.

(2533) आ 183 प. ,, द्वितीयाकारकान्ता

(1366) ना. 147 प. ,, उत्तरार्धं सम्प्रक्रियान्तम्.

(3252) प्र 266 प. विलासाख्या नृसिंहरचिता पूर्वार्धम्.

(3520) प्र 106 प. ,,

(A 219) आ. 276 प. सिद्धांतरत्नाकराख्या रामकृष्णभट्टरचिता

(A 552) आ. 46 पु. सुबोधिनी जयकृष्णकृता स्वरवैदिकभागः.

(4040) प्र. 79 प. लविता रामचन्द्ररचिता कृदन्तान्ता 30-55 पत्रलोपः.

(4054) प्र. 101 प. बालमनोरमा उत्तरार्धम्.

सुशब्दप्रदीपः.

(1944) दे. 26 प.

XV प्राकृतव्याकरणम्.

त्रिविक्रमवृत्तिः त्रिविक्रमदेवरचिता.

(1175) प्र. 57 प.

(3685) प्र. 141 प.

(4041) प्र. 64 प.

(888) तु. 188-261 प. प्रथमाध्यायाद्वितीयपादमारभ्य सममा.

प्राकृतप्रकाशः (मनोरमा) भामहकृतः.

(857) प्र. 33 प.

(1069) आ. 25 प.

(B 835) आ. 25 प.

प्राकृतप्रदीपिका चण्डीदेवशर्मा.

(B 903) वङ्गा 4 प.

प्राकृतमञ्जरी कात्यायनसूत्रवृत्तिः. वररुचिकृता

(1012) प्र. 25 प. 7 परिच्छेदाः.

(1842) आ. 47 प.

(1904) आ. 23+15 प. प्राकृतशब्दानां छाया च.

प्राकृतमणिदीपः अप्पयदीक्षितकृतः

(3284) आ. 32 प.

प्राकृतसूत्रपाठः वाल्मीकिविरचितः.

(4285) प्र 14 प.

षड्भाषाचन्द्रिका वाल्मीकिसूत्रवृत्तिः. लक्ष्मीधरपण्डितकृता

(333) आ. 131 प.

(881) प्र. 116 प. तिङन्तप्रकरणपर्यन्ता.

XVI ज्योतिश्शास्त्रम्.

अङ्गग्रहफलम्.

(B575) क. 2 प.

अद्भुतसारः

(C1817) दे. 7 प.

अरिष्टनवनीतं नवनीतनर्तनकविकृतम्.

(1771) ना. 8 प.

(B574) क. 59–66 प.

(,,) क. 59 प. व्याख्या श्रीधरीया.

अष्टकवर्गः (काश्यपसंहिता) सिद्धसेनमुनिकृतः

(1044) आ. 78 प.

(1821) ना. 10 प.

(2831) आ. 41–59 प.

(3162) प्र. 123–157 प.

(3172) प्र. 30 प.

(B576) क. 57–76 प.

अष्टकवर्गप्रकरणम्.

(370) ना. 89-97 प.

(713) ना. 32 प.

अष्टकवर्गबिन्दुफलम्.

(B670) ना. 16 प.

अष्टकवर्गसारः.

(2688) क. 75–90 प.

अष्टादशकूटाः.

(2952) ना. 110–131 प.

अष्टैश्वर्यफलम्.

(3162) प्र 74–79 प.

अहोबलनीथाय वेङ्कटयज्वरचितम्.

(2559) आ. 9 प.

आनन्दादियोगाः.

(1802) आ. 273–275 प.

आयुर्दायाध्यायः.

(1264) आ. 25 प.

आर्यभटप्रकाशः सूर्यदेवरचितः.

(3458) प्र. 93 प.

आर्यभटसिद्धान्तः.

(C 859) क. 3 प.

(A 25) आ. 73 प. सूर्यदेवयज्वकृतव्याख्यासहितः, किंचिदूनः.

(B 573) क. 113 प. विरूपाक्षसूरिकृतान्ध्रटीका.

आर्याद्विशती वेंकटयज्वरचिता.

(2627) आ. 137–146 प. (तिथ्यानयनम्.)

उडुदशानिर्णयपद्धतिः रामशास्त्रिकृता.

(B 397) आ. 11 प.

उडुदशाप्रदीपिका.

(1813) आ. 9 प.

उत्पलपरिमळम् (बृहत्संहिताव्याख्यानम्) कुमारयोगिकृतम्.

(2591) ग्र. 166 प. 47 अध्यायाः.

(404) आ. 149 प. मध्ये मध्ये 7 पत्राणि लुप्तानि.

(1095) ग्र. 18 प. 5–8 आध्यायाः.

उपरागचिन्तामणिः.

(B 586) क. 13–20 प.

एकविंशतिमहादोषाः.

(316) ग्र. 9 प.

करणप्रकाशः ब्रह्मदेवकृतः.

(1771) ना. 18 प.

(678) ग्र. 80 प. व्याख्या संपत्कुमारकृता. 9 अध्यायाः.

(2940) ना. 56 प. ,, श्रीनिवासभट्टकृता. 8 ,,

करणरत्नम्.

(B 576) क. 156–168 प.

करणरूपाणि विश्वकर्मशास्त्रोक्तानि.

(C 628) आ. 13 प. हेमाद्रिदानखण्डे उदाहृतानि.

कलानिधिः.

(B 576) क. 177–179 प.

कल्यादयुगानयनम्.

(2559) आ. 62–63 प.

काकस्वरफलम्.

(B 575) क. 1 प.

कारकनिर्णयः.

(2831) आ. 60–61 प.

कालचक्रम् मार्ताडभैरवकृतम्.

(2831) आ. 71–75 प.

(3181) म. 21+14 प.

(B 576) क. 179–182 प.

(B672) आ. 27 प.

(B 575) क. 21 प. दशाफलम्.

(370) ना. 88–89 प. ,,

(1802) आ. 291–332. ,, सान्ध्रटीकम्.

कालज्ञानम् विद्यारण्यकृतम्.

(A 47) आ. 152 प.

(2224) ना. 33 प.

कालनिर्णयः.

(2890) ना. 32 प.

कालप्रकाशिका नृसिंहसूरिकृता.

(824) म. 114 प.

(1624) क. 77 प.

(3488) म. 37 प. 36 अध्यायाः.

(4317) आ. 4–53 प. 4–26 ,,

(4096) म. 91 प. 40 अध्यायाः.
(3900) म. 100 प. 47 ,,

कालविधानपद्धतिः त्रिविक्रमाचार्यकृता.

(66) ना. 20 प. असः.
(222) अ. 49-57 प. अस.
(69) ना. 14 प. 216 श्लोकाः.
(1818) ना. 13 प. 180 श्लोकाः.
(4387) आ. 184 प.
(465) म. 2-194 प. श्रीधरीय व्याख्यायुता.
(2541) ना. 222 प.
(B 759) क. 215 प. ,, असमग्रा.
(742) ना. 14 प. वराहमिहिराचार्यकृता.

कालामृतव्याख्यानम् वेङ्कटयज्वविरचितम्.

(87) आ. 80 प.
(299) आ. 16-111 प.
(1063) आ. 53-100 प. 4-6 बिन्दवः.
(1340) आ. 80 प. 160 श्लोकाः.
(1538) क. 118 प.
(2172) आ. 80 प.
(2586) आ. 97 प.
(2427) ना. 22 प अस.
(A 476) क. 48 प. कर्णाटटीका.

कालामृतसारः

(B 681) आ. 10 पं.

गणितसारसंग्रहः महावीराचार्यकृतः.

(A 58) क. 204 प.

(2324) क. 57 प. कर्णाटटीकायुतः त्रैराशिकनामकतुरीयव्यवहारान्तः

गीर्वादिवाक्यगणितम्.

(C 1014) क. 12 प.

गुरुनाडी.

(B 55-56) आ. 260 प. पूर्वोत्तरभागौ.

(B 356) क. 282 प.

गोचारफलम्.

(1442) आ. 29 प. यवनहोरोक्तम्.

(C 61) दे. 6 प.

गोचारफलादिसंग्रहः.

(66) ना. 21-43 प.

गोपालरत्नाकरः.

(3186) ग्र. 39 प.

गौरिजातकम्.

(C 1419) दे. 18 प.

गौरीपञ्चाङ्गादिश्लोकम्.

(742) ना. 15-103+16 प.

ग्रहगणितम् सपद्धकम् सवाक्यं च.

(713) ना. 30 प.

ग्रहगणितभास्करः तम्मयार्यकृतः.

(B 588) क. 88 प. सकर्णाटटीकः.

ग्रहचन्द्रिका.

(1883) आ. 20 प.

ग्रहचेष्टाविधानम्.

(823) ग्र. 90 प. 18 अध्यायाः

(1269) आ. 32 प. असमग्रम्.

ग्रहदृष्टिः.

(370) ना. 2 प.

ग्रहभावफलम्.

(989) ना. 77-81 प.

ग्रहलाघवं गणेशदैवज्ञकृतम्.

(2568) आ. 20-40 प.

(316) ग्र. 14 प. 9 अध्यायाः.

(C 599) दे. 54 प. टीका मल्लारिकृता. उत्तरभागः अस.

(2263) आ. 166 प. ,, ,,

ग्रहसमयः.

(1188) आ. 51-71 प.

ग्रहसमुल्लासः नृसिंहदैवज्ञकृतः.

(1798) ना. 6 प.

ग्रहस्फुटपद्धकम्.

(C 855) दे. 90 प.

चतुर्विंशतिदशा.

(2688) क. 17–19 प.

चन्द्रगतिदिनफलम्.

(3162) ग्र. 103–117 प.

चन्द्रनाडी.

(B 60) आ. 248 प. पूर्वभागः.

(B 61) आ. 246 प. उत्तरभागः.

चन्द्रावस्थाफलम् प्रश्नः.
(1188) आ. 87 प.
चन्द्रोन्मीलनम्.
(C 1816) दे. 28 प.
चैत्रादिमासफलम् वृष्टिविषये.
(370) ना. 12 प.
छाद्यच्छादकमीमांसा.
(1137) ना. 20 प.
जातककलानिधिः.
(1110) आ 59 + 5 प.
(2084) आ. 164–208 प.
(3186) म. 40–51 प.
(3254) म. 65 प.
जातककलारत्नाकरः.
(3184) म. 69 प.
जातकचन्द्रिका वेङ्कटेश्वरकृता.
(316) म. 6 प.
(852) म. 5 प.
(B 166) आ. 21 प. सव्याख्या.
(2172) आ. 9. प.
((4187) ना. 88–98 प.
(2831) आ. 76–82 प.
जातकजीवनम्, रामचन्द्रसुधीविरचितः
(B 175) आ. 18 प.
जातकदर्पणम्.
(2688) क. 20-25 प.

जातकपद्धतिः श्रीपत्याचार्यकृता.

(316) म. 9 प. 6 अध्यायाः.

(2831) आ 83–93 प.

(B 773) आ. 20 प. शिवदासरचिता व्याख्या.

(B 631) म. I79 पु. सूर्यदेवरचिता ,,

(2225) न. 42 प. ,, ,,

(2301) आ. 133–202 प. नारायणकृता केशवीयपद्धतिव्याख्या जातक-कौस्तुभाख्या.

(B 774) आ. 72 प. वैद्यनाथीया केशवपद्धतिव्याख्या.

जातकपारिजातः वैद्यनाथशास्त्रिकृतः.

(316) म. 9 प, असं.

(2267) म. 168 प.

(B 576) क. 169-176 प. भावफलम्.

(4066) म. 180 प. 17 अध्यायाः.

जातकयोगावाळिः नृसिंहकृता.

(1813) आ. 12 प. असमग्रा.

(2053) आ. 142 प. शनिदशानिरूपणपर्यन्ता.

जातकरत्नाकरः.

(3020) म. 58 प. 14 अध्यायाः.

जातकशिरोमणिः.

(B 576) क. 197–207 प. भावफलम्.

(B 694) ना. 12 प.

जातकशेखरादिसंग्रहः.

(1188) आ. 15 प.

जातकसंग्रहश्लोकाः.

(1044) आ. 8 प.

(1764) ना. 22 प. राजयोगायुर्योगादयः.

(1780) ना. 15 प.

जातकसारः.

(4065) म. 6 प.

जातकसारावळिः कल्याणवर्मरचिता.

(1802) आ. 221-225 प. 2 अध्यायौ.

(2284) आ. 160 प.

(3022) ना. 141 प.

(3171) म. 82 प.

जातकादेशमार्गः.

(3555) म. 10 प. 6 अध्यायाः.

जातकाभरणम्.

(1110) आ. 57 प.

जातकालकारः भट्टोजीदीक्षितीयः.

(3186) म. 52-67 प.

जैमिनिसूत्रम्. (उपदेशसूत्रम्.)

(2688) क. 16 प.

(2621) क. 32 प. 8 अध्यायाः

(3738) आ. 30-34 प.

जैमिनिसूत्रव्याख्या.

(370) ना. 19 प. लक्ष्मणशास्त्रिकृता.

(426) क. 14 प. ,,

(2606) म. 48 प. ,, 2 अध्यायौ.

(3182) म. 34 प. ,,

(3745) आ. 37 प. ,,

(B 594) क. 46 प. कृष्णानन्दसरस्वतीकृता असमग्रा.

(B 595) क. 37 प. ,, ,,

(1799) ना. 17–41 प. ,,

(B 593) क. 44+18 प. भारद्वाजनृसिंहविरचिता.

(B 592) क. 46 प. आकुमळ्ळ नृसिंहविरचिता.

(B 144) आ. 5 + 48 प. ज्योतिःप्रदीपकाख्यताजकसंग्रहाख्य व्याख्याद्वयोपेतम्. 1 मोऽध्यायः.

(1799) ना. 48–78 प. वेङ्कटेश्वरसूरिकृता.

(1821) आ. 16 प. ,, प्रथमोऽध्यायः.

ज्योतिस्सारकौमुदी गौरीकान्तकृता.

(C 1812) वङ्ग. 241 प. समग्रा.

ज्यौतिषदर्पणम्.

(3021) आ. 171 प.

ज्यौतिषप्रकरणम्.

(B 737) क. 156 प

ज्यौतिषफलरत्नमाला.

(3738) आ. 30 प.

ज्यौतिषरत्नमाला श्रीपतिविरचिता.

(2182) आ. 51 प. 20 प्रकरणानि.

ज्यौतिषरत्नाकरः.

(2544) ना. 3–105 प. युद्धयात्राविधिपर्यन्तः.

ज्यौतिषसंग्रहः.

(12) ना. 11-33+55-65+99-103+15-106+112-118 प.

(212) ना. 113-125+137-155 प. पादच्छायादिखिलसंग्रहः.

(C 62) दे. 20 प.

(B 70) आ. 10–17 प.
(975) आ. 11 प.
(1524) म. 17 प.
(1839) म. 25-214 प.
(B 613) दे. 25 प.
(B 614) क. 33 प.
(2726) आ. 120 प.
(3258) म. 290 प.
(3771) म. 341 प. द्राविडभाषायुतः.
(4244) आ. 31 प.
(4333) दे. 150 प.

ज्यौतिषसंहितार्णवः कदम्बेश्वरास्थानमहाप्रसादिकृतः.

(2294) म. 183 प.
(2433) आ. 104 प. 1-13 तरङ्गाः.
(A 578) क. 130 प. 14 ,, गृहप्रवेशनिरूपणान्त
(4229) आ. 152 प. असमग्रः.

ज्यौतिषसारसंग्रहः.

(3738) आ. 7 प.

ज्ञानप्रकाशिका.

(2688) क. 129-131 प.

ज्ञानप्रदीपिका (प्रश्नः.)

(66) ना. 34 प.
(611) म. 20+3 प.
(816) म. 30 प.
(2084) आ. 161–170 प.

तन्त्रप्रकाशः श्रीनाथाचार्यकृतः

(2559) आ. 51–59 प.

(B 607) क. 4 प. 3–8 अधिकाराः.

तन्त्रलीलावती (कवीन्द्रकर्णाभरणम्) कामदेवकृता.

(B 582) क. 10 प.

ताजकतन्त्रं (प्रश्नः) पालगाटनयकुमारसिंहात्मजकृतम्.

(1335) आ. 52–139 प. सान्ध्रटीकम्.

ताजकनीलकण्ठीयं नीलकण्ठकृतम्.

(989) ना. 22 प.

(C 583) दे. 143 प. व्याख्या माधवरचिता (संज्ञावर्षतन्त्रे.)

ताजकभूषणं गणेशदैवज्ञकृतम्.

(1147) ना. 42 प.

ताराबलादिश्लोकम्

(222) आ. 34 प.

तिथिचक्रं (आभिनवम्) चतुरगणपातित्रिपुरारिकृतम्.

(2559) आ. 59–62 प.

(2649) आ. 45–49 प.

तिथिनिर्णयादिखिलाविषयाः

(222) आ. 34 प.

तिथिवारयोगकरणफलम्.

(1764) ना. 60–74 प.

त्रिंशद्योगावळिः नरसिंहदैवज्ञकृता.

(370) ना. 110–117 प.

(2589) ना. 15–29 प.

(1804) ना. 11–57 प.

त्रिविधचक्रम्.

(1802) ना. 276–285 प.

दशाफलं (वृद्धपराशरीयम्) पराशरमुनिकृतम्.

(66) ना. 4 प.

(222) आ. 35–48 प.

(370) ना. 83–88 प.

(,,) ना 58–82 प. 24 अध्यायाः

(528) ग्र. 3–84 प.

(852) ग्र. 59 प.

(2688) क. 37–60 प.

(1168) आ. 15–50 प. वेङ्कटेशनारायणकृतव्याख्यायुतम्.

(1613) ग्र. 48 प. ,,

(3020) ग्र. 59-120 प.

(3502) ग्र. 57 प.

(3738) आ. 73 प.

(4184) ना. 38 प.

(2688) क. 17-111 प. विद्यारण्यविरचितम्.

दशाविभागपदकम्.

(2561) ना. 101 प.

दशाविभागफलम्.

(2590) ना. 139-157 प.

दशाविभागादिक्रमः.

(299) ना. 10-15 प.

(370) ना. 35-37 प.

दिवाकरपद्धतिव्याख्या तिम्मरायकृता.

(2336) म. 33-76 प. (कर्णाटभाषा)

दिव्यचूडामणिः (प्रश्नः).

(1335) आ. 140-151 प.

देवकेरळम.

(B 62-63) आ. 258 प. पूर्वोत्तरभागौ.

(B 59) आ. 163 प. अंशनाडीफलं. केरळीयम्.

दैवज्ञचूडामणिः.

(2544) ना. 106-114 प. 11 अध्यायाः.

दैवज्ञदर्पणम्. बुध्नवाजपेयिकृतम्.

(B 807) आ. 107 पु.

दैवज्ञविलासः. यल्लयार्यकृतः.

(A 238) क. 167 प. (ताजकभागः तृतीयः खण्डः) अस.

(2196) आ 232 प. कालकर्मखण्डौ.

(2640) ना. 35 प. कालखण्डे संवत्सरादिनिरूपणम्.

(3426) आ. 210 प. कालकर्मखण्डौ.

दैवज्ञशिरोमणिः काचादैवज्ञकृतः.

(222) आ. 58–92 प.

द्वादशभावफलं (ताजकालङ्कारस्थम्)

(1802) आ. 27-30 प.

(713) ना. 15 प. मेषादिजातगुणाश्च.

(4239) ना. 18-38 प.

नक्षत्रचूडामणिः(नक्षत्ररत्नाकरः.)

(222) आ. 215-248 प.

(1345) ना. 50 प.
(312) ना. 23 प. कर्णाटभाषानुवादयुत:.

नक्षत्रदशाफलम्.

(2830) आ. 33 40 प.

नक्षत्रमालिकामहादशा.

(3162) म. 90-102 प.

नक्षत्रशुभाशुभफलम्

(C 1444) ना. 17 प.

नरपतिविजयीयम् आदित्यदेवकृतम्.

(313) ना. 34 प. 7 अध्याया:.

(2630) ना. 89-139 प. घुटिकाप्रयोगान्त:.

(370) ना. 42 प. अशीतिचक्रप्रकरणं शर्वयार्थटीकायुतम्.

(2631) ना. 20-65 प. अभिषेकविधिपर्यन्तम्.

(1802) आ. 52-197 प. 6 अध्याया:.

(2252) आ. 46-168 प.

नवग्रहचक्रम् मार्कण्डेयकृतम्.

(370) ना. 3 प.

नवग्रहचिन्तामणि: (प्रश्नशास्त्रम्)

(1923) क. 50 प.
(1883) आ. 6 प.

नवांशफलम्.

(1764) ना. 51-59 प.

नारदीयसंहिता.

(1535) ना. 200 प. सान्ध्रटीका.

(1799) ना. 51 प.
(B 574) क. 15 प. आन्ध्रभाषा. 3 अध्याया:.

नित्यग्रहफलम्.

(2688) क. 61-67 प.

नित्यदशाफलम् .

(370) ना. 94-95 प.

(1764) ना. 41-48 प.

(2952) ना. 91-106 प.

पञ्चदशाफलम्

(B 576) क. 77–106 प.

पञ्चपक्षिप्रश्नः.

(B 160) क. 20 प.

(656) आ. 15 + 6 प. सकर्णाटटीकः.

(1725) क. 26 प. ,,

(713) ना. 15-44 प. सान्ध्रटीकः.

(1802) आ. 286-290 प. ,,

पञ्चाङ्गम् (मैसूरुसिद्धान्तम् .)

(C 802—812) दे, क. (1797-1902 तमवत्सरपर्यन्तम्.)

पञ्चाङ्गकरणम् .

(B 586) क. 12 प.

पञ्चाङ्गपीठिकाफललेखनप्रकारः.

(112) ना. 33-38 + 20-29 प.

पञ्चाङ्गशिरोमणिः वेङ्कालतिम्मय्यकृतः.

(2559) आ. 184-187 प.

(2575) ना. 79 प. कर्णाटटीकायुतः.

पञ्चाङ्गसाधनम् (संवत्सरादिफलं.)

(1883) आ. 23-64 प.

(2559) आ. 167-184 प.

(2634) ना. 64 प.

पन्थाचक्रम्.

(132) आ. 59-78 प.

पराशरहोराव्याख्या (प्रकटार्थः) गोविन्दस्वामिविरचितः.

(3166) ग्र. 117 प.

पवनविजयः महेश्वरप्रोक्तः.

(B 604) क. 28 प.

पाकपरिपाकः सञ्जयाचार्यकृतः.

(2831) आ. 94–100 प.

पितामहसंहिता.

(1764) ना. 48 प.

प्रतिभागिपदकम्.

(B 576) क. 31–37 प.

(B 605) क. 23 प.

(2588) आ. 60–92 प.

प्रश्नज्ञानम्.

(B 316) क. 4 प.

प्रश्नप्रकरणं विघ्नराजकृतम्.

(B 655) दे. 29 प.

प्रश्नप्रभेदः.

(2831) आ. 29–60 प.

प्रश्नमार्गः.

(2926) मल. 103 प. 32 अध्यायाः.

प्रश्नशास्त्रं केशवीयम्.

(161) क. 18–34 प.

प्रश्नसंग्रहः.

(C 1818) दे. 6 प.

फलदीपिका मन्त्रेश्वरविरचिता.

(3181) ग्र. 35 प.

(3503) ग्र. 32 प.

बार्हस्पत्यनिमित्तं बृहस्पतिकृतम्.

(3505) ग्र. 24 प.

बालबोधः.

(B 584) दे. 48 प. ऋतुफलनिरूपणान्तः.

(B 678) ना. 15 प. ज्योतिर्गणितम्.

बीजगणितं भास्कराचार्यकृतम्.

(B 589) क. 47–66

(B 590) क. 16 प.

(B 591) क. 22 प.

(B 598) क. 44 प. सव्याख्यम्.

(A 300) क. 114 प. कृष्णसूरिविरचिता बीजावतंसाख्या व्याख्या.

(2334) आ. 65 प. ,,

बीजफलसंस्कारः.

2559) आ. 63–64 प.

बुधभूषणं कामदेवरचितम्.

(B 578) क. 24 प.

(2559) आ. 27–41 प.

बृहज्जातकं वराहमिहिरकृतम्.

(316) ग्र. 17 प. 10 अध्यायाः.

(370) ना. 55–57 प. राशिभेदाध्यायः.

(1798) ना. 69–78 प. 11 अध्यायाः.

(2559) आ. 118–153 प.

(2688) क. 132–146 प.

(2831) आ. 24 प.

(A 279) क. 198 प. सुबोधिनीनामिका टीका. 27 अध्यायाः.

(2688) क. 149–168 प. विवरणम्. महीधरकृतम्. 24 अध्यायाः

(3450) मल. 125 प. ,, ,,

(4141) प्र. 41–137 प. व्याख्या. दशाध्यायी.

बृहत्सुबोधगणितं रामदेवकृतम्.

(656) आ. 6 प.

ब्रह्मसिद्धान्तः (शाकल्यसंहिता)

(1699) प्र. 50 प.

(1801) आ. 299–316 प. 3-4 अध्यायौ.

(1934) ना. 26–68 प. 5 अध्यायाः.

(2563) आ. 44 प. 6 अध्यायाः.

ब्रह्माद्यायुर्निर्णयः.

(1883) आ. 42–56 प.

भार्गवपञ्चाङ्गम्.

(B 659) क. 10 प.

भावका

(1095) प्र. 13 प. वेङ्कटेशविरचिता.

(2289) प्र. 48 प. वाधूलवेङ्कटाचार्यविरचिता.

(3184) प्र. 46 प. ,,

भावप्रकाशः (भुवनप्रदीपाख्यः.)

(591) ना. 11 प.

भावफलाध्यायः.
(1804) ना. 76 प.
(370) ना. 20-30 प.
(C 622) दे. 11 प. वेलाचार्यप्रोक्तः.

भुवनकोशविस्तारिका प्राणिनामायुःप्रमाणं, शकनिरूपणं च.
(989) ना. 82-88 प.

भुवनप्रदीपादिसंग्रहः श्रीकृष्णराजः,
(A 478) क. 286 प.

भूगोळनिर्णयः वेदान्ताचार्यकृतः.
(626) ग्र. 4 प.
(B 69) आ. 10 प.

भूगोळसंग्रहः.
(3148) ग्र. 22 प.
(C 1848) दे. 17 प. वादिराजविरचितः.

भूगोळाध्यायः (दैवज्ञाभरणम्.)
(2188) आ. 11 प.

मणिदर्पणं (प्रश्नशास्त्रम्.)
(1335) आ. 3 प. असः.

मल्लिकार्जुनीयगणितम्.
(2588) आ. 44 प.

माङ्गल्यद्वादशकम्.
(1764) ना. 50 तमपत्रम्.

मासचर्या.
(1764) ना. 49-50 प.

मुहूर्तचिन्तामणिः रामदैवज्ञरचितः.
(C 1806) दे. 109 प,